राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 9 अंक 46

मूल्य ₹8.00 नई दिल्ली, रविवार, 27 जुलाई, 2025

www.jagran.com

पृष्ठ 14

ब्रिटेन से एफटीए में व्यापक लाभ

>> 10

सेना प्रमुख ने कारगिल विजय दिवस पर किया एलान, बोले– भविष्य के युद्ध के लिए तैयार हो रही हमारी सेना

रुद्र ब्रिगेड और भैरव कमांडो बनेंगे दुश्मन का काल

राज्य ब्यूरो, जागरण ● श्रीनगर

दुश्मन के छक्के छुड़ाने एवं उसे घर में घुसकर मार गिराने की अपनी नई रणनीति को और धार देने के लिए भारतीय सेना ने रुद्र नाम की एक नई सर्वांग ब्रिगेड (आल आर्म्स ब्रिगेड) का गठन किया है। इसके साथ ही सीमा को और अभेद्य बनाने के लिए भैरव लाइट कमांडो बटालियन भी तैयार की गई है। रुद्र और भैरव को अत्याधुनिक युद्धक साजो-सामान से लैस किया गया है। रुद्र ब्रिगेड दुश्मन का काल बनेगी और भैरव कमांडो दुश्मन पर कहर ढाएंगे। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर लद्दाख के द्रास में शनिवार को वीर बलिदानियों के शौर्य को नमन करते हुए थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि भारतीय सेना विभिन्न मोर्चों पर लगातार नई चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना कर रही है। युद्ध के तौर तरीके बदल रहे हैं, इसलिए हम निरंतर एक आधुनिक और भविष्य की सैन्य शक्ति के रूप में अपनी क्षमता को बढ़ा रहे हैं। इसलिए रुद्र और भैरव का का गठन किया गया है।

थलसेना प्रमुख ने कारगिल के बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि हम टाइगर हिल, तोलोलिंग और प्वाइंट 4875 के पास खड़े होकर योद्धाओं के संकल्प और वीरता को याद कर रहे हैं। हम उन लोगों को नमन करते हैं, जिन्होंने राष्ट्र सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। 1999 में भारत ने आपरेशन विजय के तहत एक अद्वितीय विजय प्राप्त की। उन्होंने आपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार की खुली छूट मिली और हमने पाकिस्तान को उसकी ही भाषा में समझाया। यह नए भारत का संकल्प है, जो भारत के खिलाफ किसी भी तरह का षड्यंत्र करेगा, उस पर आगे भी ऐसी ही कार्रवाई होगी।

कैसे काम करेगी रुद्र ब्रिगेड : रुद्र सर्वांग ब्रिगेड को एक ऐसी सैन्य इकाई के रूप में समझा जा सकता है जिसमें पैदल सेना, बख्तरबंद वाहन, तोपखाना, स्पेशल फोर्सेस, मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री, अनमैन्ड एरियल सिस्टम और अन्य सहायक इकाइयां मिलकर काम करती हैं, ताकि एक प्रभावी व एकीकृत सैन्य बल बनाया जा सके। इसका लाभ यह होगा कि युद्ध के मैदान में सभी क्षमताओं का एक साथ प्रभावी इस्तेमाल संभव होगा। ब्रिगेड के पास विभिन्न प्रकार की चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक उपकरण और विशेषज्ञता मौजूद रहेगी।

- कहा– सरकार की खुली छूट मिलते ही पाकिस्तान को दिया उसी की भाषा में जवाब
- यह नए भारत का संकल्प, जो षड्यंत्र करेगा, उस पर आगे भी होगी ऐसी ही कार्रवाई

कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ पर शनिवार को सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने द्रास में बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। एएनआइ

आपरेशन सिंदूर हमारा संकल्प, संदेश और प्रतिक्रिया

इससे पहले थलसेना प्रमुख ने कहा कि पहलगाम में हुआ कायरतापूर्ण हमला पूरे देश के लिए गहरी चोट था। सरकार की खुली छूट और देशवासियों के अटूट विश्वास से छह-सात मई की रात को सेना ने पाकिस्तान और गुलाम जम्मू-कश्मीर में नौ बड़े आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया। यह केवल जवाब नहीं था, बल्कि स्पष्ट संदेश था कि आतंक को समर्थन देने वाले अब बचेंगे नहीं। पाकिस्तान के हिंसक हमलों का भी भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। हमारी आर्मी और एयर डिफेंस एक अजेय दीवार बनकर खड़ी रही। दुश्मन के ड्रोन और मिसाइल हमले विफल रहे। आपरेशन सिंदूर हमारा संकल्प, संदेश और प्रतिक्रिया है।

सीमा अभेद्य बनाएगी भैरव बटालियन

रुद्र की तरह ही भैरव लाइट कमांडो बटालियन सेना की पहले से मौजूदा घातक इकाइयों के अतिरिक्त होगी। सीमा पर दुश्मन को मार गिराने के लिए भैरव का गठन किया गया है। इससे सीमा पार से होने वाली आतंकियों की घुसपैठ पर भी लगाम लगेगी। भैरव लाइट कमांडो यूनिट से सेना की ताकत और क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी।

अब हर पैदल सेना बटालियन में ड्रोन प्लाटून

जनरल द्विवेदी ने बताया कि अब हर पैदल सेना बटालियन में ड्रोन प्लाटून शामिल हैं, जबकि तोपखाने ने दिव्यास्त्र और लाइटर म्यूनिशन बैटरियों के माध्यम से अपनी मारक क्षमता कई गुना बढ़ा दी है। सेना की एयर डिफेंस को स्वदेशी मिसाइल प्रणालियों से लैस किया जा रहा है। उन्होंने एयर डिफेंस सिस्टम के स्वदेशीकरण में हो रही प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि हम 100वें स्वतंत्रता दिवस तक विकसित भारत का सपना साकार करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

... क्या करें, मियां साहब ने जूते खाने अकेले भेज दिया

रानीखेत (अल्मोड़ा) : कारगिल युद्ध को 26 साल बीत गए हैं। भारत के तत्कालीन उप महानिदेशक (सैन्य अभियान) ब्रिगेडियर मोहन चंद्र भंडारी बताते हैं कि पाक के डीजीएमओ तौकीर जिया ने बताया था कि क्या करूं, मियां साहब (नवाज शरीफ) ने जूते खाने के लिए अकेले भेज दिया। (पेज-5)

सैनिकों व स्वजन को मिलेगी निशुल्क कानूनी सेवाएं

श्रीनगर : कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ पर शनिवार को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने वीर परिवार सहायता योजना का शुभारंभ किया। योजना के तहत सैनिकों और उनके स्वजन को निशुल्क कानूनी सहायता सेवाएं प्रदान की जाएंगी। (पेज-5)

सीबीएसई पहली से आठवीं तक भी एनसीईआरटी की किताबें पढ़ाएगा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- शिक्षा मंत्रालय की सलाह पर सीबीएसई ने अपने से संबद्ध सभी स्कूलों से इन्हें पढ़ाने के दिए निर्देश
- अभी सीबीएसई स्कूलों में अभी नौवीं से 12वीं तक अनिवार्य रूप से पढ़ाई जाती हैं एनसीईआरटी की पुस्तकें

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत तैयार की गई राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की पहली से आठवीं कक्षा की नई पाठ्यपुस्तकों को अब सीबीएसई (केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड) भी अपने स्कूलों में पढ़ाएगा। सीबीएसई ने यह फैसला शिक्षा मंत्रालय के सुझाव के बाद लिया है, जिसमें नेशनल कैरीकुलम फ्रेमवर्क और समान मूल्यांकन पैटर्न के तहत एनसीईआरटी की नई पुस्तकों को पढ़ाने का सुझाव दिया गया था। अब सीबीएसई ने अपने से संबद्ध सभी स्कूलों को इसे अमल में लाने के निर्देश दिए हैं।

शिक्षा मंत्रालय से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक सीबीएसई स्कूलों में नौवीं से 12वीं तक एनसीईआरटी की पुस्तकों को अभी अनिवार्य रूप से पढ़ाया जा रहा है लेकिन पहली से आठवीं कक्षा तक में स्कूलों को इससे छूट दी गई थी। यानी स्कूल चाहे तो एनसीईआरटी की या फिर निजी प्रकाशकों की पुस्तकें पढ़ा सकते थे। हालांकि अब सीबीएसई ने अपने संबद्ध स्कूलों को जोर देकर पहली से आठवीं कक्षा तक में भी एनसीईआरटी की पुस्तकों को पढ़ाने को कहा है। साथ ही इसे लेकर संबद्धता से जुड़े नियमों में भी बदलाव किया है।

सूत्रों की मानें तो सीबीएसई ने इससे संबंधित नोटिफिकेशन वैसे तो काफी पहले ही जारी कर दिया था, लेकिन उस समय तक एनसीईआरटी की आठवीं तक की सभी विषयों की पुस्तकें बाजार में न आने से उसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। अब जैसे ही एनसीईआरटी की आठवीं तक की सभी विषयों की पुस्तकें आ गई हैं तो सीबीएसई ने स्कूलों को इसके अमल के निर्देश दिए हैं।

गौरतलब है कि अब तक एनसीईआरटी की पुस्तकें पहली से आठवीं कक्षा तक में सिर्फ केंद्रीय विद्यालयों और नवोदय विद्यालयों में ही अनिवार्य रूप से पढ़ाई जा रही थीं। मंत्रालय से जुड़े सूत्रों का दावा है कि सीबीएसई की इस पहल के बाद एनसीईआरटी पुस्तकों की बिक्री दोगुनी हुई है।

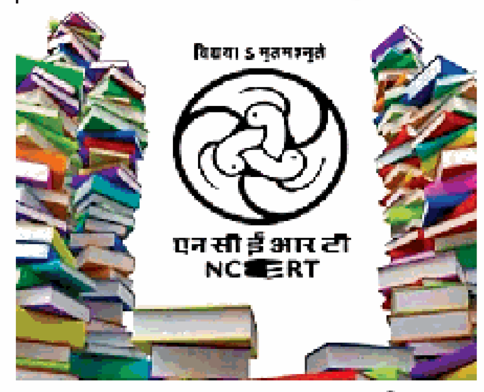

प्रतीकात्मक

रविवार विशेष

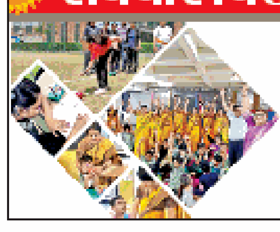

ये नहीं किसी से कमतर ● पेज-7

संपादकीय

खुद को क्षति पहुंचाती कांग्रेस : यदि कांग्रेस ने अपना रुख-रवैया सही नहीं किया तो उसके साथ खड़े क्षेत्रीय दल उसकी बची-खुची राजनीतिक जमीन पर भी कब्जा कर लेंगे। कई राज्यों में वह पहले ही क्षेत्रीय दलों के सामने बौनी पड़ चुकी है। **संजय गुप्त** का आलेख।

पहले जैसे नहीं रहे मुहावरों के मतलब : आज जब दालें इतनी महंगी हैं तो भला कोई किसी को परेशान करने के लिए उसकी छाती पर मूंग क्यों दलेगा? **कमल किशोर सक्सेना** का व्यंग्य। ● पेज-8

विमर्श

बूढ़ा गिद्ध क्यों पंख फैलाए : अशोक वाजपेयी जिस हिंदी समाज के पतन को लेकर चिंतित हैं, कमोबेश उन प्रदेशों में भाजपा की सरकारें हैं। उनकी आलोचना के लिए उन्होंने साहित्य का मैदान चुना। **अनंत विजय** का आलेख। ● पेज-9

छत्तीसगढ़ व झारखंड में सात माओवादी मुठभेड़ में ढेर

नई दिल्ली : छत्तीसगढ़ के बीजापुर और झारखंड के गुमला में सुरक्षा बलों ने शनिवार को मुठभेड़ में सात माओवादियों को मार गिराया। बीजापुर के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में शनिवार को ही सर्च आपरेशन पर निकले सुरक्षाबल के साथ माओवादियों की मुठभेड़ शुरू हो गई। घटनास्थल से इंसास व एसएलआर सहित बड़ी संख्या में हथियार भी मिले हैं। (पेज-6)

देश के सभी स्कूल भवनों का होगा सुरक्षा आडिट, केंद्र ने दिए निर्देश

- शिक्षा मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को लिखा पत्र
- आडिट में खामी पाए जाने पर उसके लिए दोषियों के खिलाफ की जाए सख्त कार्रवाई

राजस्थान में झालावाड़ के पिपलोदी गांव में शुक्रवार को एक स्कूल की छत गिरने के बाद मलबे में दिख रही किताब। एएनआइ

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

राजस्थान में स्कूल की छत गिरने से सात स्कूली बच्चों की दर्दनाक मौत के बाद केंद्र ने अब देशभर के सभी स्कूल भवनों व उनसे जुड़ी जनसुविधाओं के तत्काल सुरक्षा आडिट कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा है कि यह सुरक्षा आडिट स्कूलों के लिए वर्ष 2021 में जारी सुरक्षा और संरक्षा दिशानिर्देश और वर्ष 2016 के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के दिशानिर्देशों को ध्यान में रखकर किया जाए, जिसमें स्कूल भवनों के ढांचे की गुणवत्ता के साथ उनमें आग आदि से बचाव के जरूरी इंतजामों का भी आडिट किया जाए।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में कहा है कि आडिट के साथ ही वह यह भी सुनिश्चित करें कि किसी भी स्कूलों में इस तरह के हादसे न हों, जिसमें किसी छात्र को अपनी जान गंवानी पड़े। मंत्रालय ने ऐसे हादसों को बड़ी सुरक्षा खामी बताया है और कहा है कि सुरक्षा आडिट के दौरान यदि कहीं कोई खामी पाए तो इसके दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इस बीच मंत्रालय ने यह साफ किया है कि सुरक्षा आडिट सरकारी और निजी दोनों स्कूलों का होगा। मंत्रालय ने राजस्थान से पहले मध्य प्रदेश व झारखंड के स्कूलों में सामने आई ऐसी खामियों का भी जिक्र किया है।

इन पहलुओं पर मुख्य रूप से ध्यान देने के दिए सुझाव

- स्कूल भवनों और उनसे जुड़ी जनसुविधाओं के ढांचे को जांचा जाए
- स्कूलों में आग से बचाव के इंतजामों को जांचा जाए
- इमरजेंसी निकास और इलेक्ट्रिक वायरिंग की अनिवार्य रूप से जांच हो
- स्कूलों में प्राथमिक उपचार पेटी अनिवार्य रूप से होनी चाहिए
- स्कूलों के शिक्षकों, कर्मचारियों और बच्चों को ऐसी घटना से बचाव को लेकर जागरूकता और प्रशिक्षण हो
- ऐसी किसी घटना पर रिपोर्टिंग तंत्र का गठन किया जाए

राज्यों को लिखे पत्र में मंत्रालय ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं से भी आगे आने की अपील की है और कहा है कि उन्हें अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए क्षेत्र के असुरक्षित स्कूल भवनों को लेकर प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारियों से शिकायत दर्ज करानी चाहिए। गौरतलब है कि इस समय में देशभर में करीब 15 लाख स्कूल हैं। इनमें सरकारी, सहायता प्राप्त व निजी स्कूल शामिल हैं।

राजस्थान नागौर और सिरोही जिले में भी दो सरकारी स्कूलों की छत गिरी पेज>>6

महाराष्ट्र में पुरुष भी ले रहे लाड़की बहिन योजना का लाभ

मुंबई : पिछले साल विधानसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री माझी लाड़की बहिन योजना में बड़े घोटाले की जानकारी सामने आ रही है। पता चला है कि 14 हजार पुरुष भी इस योजना का लाभ ले रहे हैं। राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा है कि यदि किसी ने गलत लाभ लिया है तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। (पेज-5)

35 मिनट में ढहाया छांगुर के भतीजे का अवैध निर्माण

बलरामपुर : मतांतरण के मास्टरमाइंड छांगुर के भतीजे सबरोज के रेहरामाफी गांव में बने अवैध मकान को शनिवार को मात्र 35 मिनट में दो बुलडोजर से ढहा दिया गया। आठ जुलाई को जलालुद्दीन उर्फ छांगुर की कोठी का ध्वस्तीकरण शुरू हुआ था। 19 जुलाई से सबरोज भी आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) की गिरफ्त में है। (पेज-6)

मोदी फिर दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता

- दूसरे नंबर पर दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति, डोनाल्ड ट्रंप आठवें नंबर पर
- अमेरिकी इंटेलिजेंस फर्म मार्निंग कंसल्ट के सर्वेक्षण के निष्कर्ष

नई दिल्ली, आइएएनएस : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक बार फिर से वैश्विक स्तर पर सबसे लोकप्रिय राजनेता के रूप में उभरे हैं। अमेरिका स्थित इंटेलिजेंस फर्म मार्निंग कंसल्ट द्वारा जारी नवीनतम 'लोकतांत्रिक नेता अनुमोदन रेटिंग' में मोदी ने 75% की री-मार्केबल अप्रूवल रेटिंग (अद्भुत अनुमोदन रेटिंग) के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया है। इस सर्वेक्षण में मोदी 2021 से लगातार शीर्ष लोकप्रिय नेता बने हुए हैं।

मोदी के बाद दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति ली जे म्यंग हैं, जिन्होंने 59% की अनुमोदन रेटिंग प्राप्त की। म्यंग ने करीब एक माह पहले ही पदभार संभाला है। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को केवल 44% की अप्रूवल रेटिंग मिली है और वे इस सूची में आठवें पायदान पर हैं। मार्निंग कंसल्ट के अनुसार, विश्वभर में हर चार में से तीन लोगों ने पीएम मोदी के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण व्यक्त किया। यह मोदी को एक वैश्विक रूप से लोकप्रिय नेता के रूप में स्थापित करता है। केवल 18% ने ही उनके प्रति असहमति व्यक्त की जबकि सात प्रतिशत लोग तटस्थ या अनिश्चित रहे।

बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को ही देश के राजनीतिक इतिहास में एक और मील का पत्थर स्थापित किया। वह भारत के लगातार दूसरे सबसे लंबे कार्यकाल वाले पीएम (4,078 दिन) बन गए। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के रिकार्ड (4,077 दिन) को पार किया। 74 वर्षीय मोदी ने पहली बार 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी और यह उनका लगातार तीसरा कार्यकाल है। (पेज-3 और 11 भी देखें)

नरेन्द्र मोदी। फाइल

2021 से पहले पायदान पर कायम हैं मोदी

वैसे यह पहली बार नहीं है, जब पीएम मोदी ने इस वैश्विक सूची में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। सितंबर 2021 से उन्होंने लगातार मार्निंग कंसल्ट रैंकिंग में प्रथम स्थान पाया है और उनकी अप्रूवल रेटिंग भी अक्सर 70 प्रतिशत से 76 प्रतिशत के बीच रहती आई है।

बिहार : होमगार्ड में भर्ती के लिए आई युवती दौड़ के दौरान हुई मूर्छित, एंबुलेंस में सामूहिक दुष्कर्म

जागरण संवाददाता, बोधगया (गया)

- अस्पताल ले जा रहे ड्राइवर-टेक्नीशियन ने किया दुष्कर्म
- होश में आने पर बयां की दरिंदगी की कहानी, आरोपित भेजे गए जेल

बिहार के बोधगया में आरोपितों को न्यायिक हिरासत में ले जाती पुलिस। जागरण

बिहार के गया जिले में होमगार्ड में भर्ती के लिए दौड़ने आई एक युवती के साथ बेहोशी की हालत में दुष्कर्म किया गया। मामले में आरोपित एंबुलेंस चालक विनय कुमार और टेक्नीशियन अजीत कुमार को शनिवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। एंबुलेंस को जब्त करते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने पीड़िता का बयान लेकर उसकी मेडिकल जांच कराई है। स्वजन बेहतर उपचार कराने के लिए पीड़िता को निजी अस्पताल ले गए, जिससे उसका कोर्ट में बयान नहीं हो सका।

गया सिटी एसपी रामानंद कौशल ने बताया कि शुक्रवार को होमगार्ड बहाली के दौरान एक महिला अभ्यर्थी मूर्छित होकर गिर गई। उसे एंबुलेंस से मगध मेडिकल अस्पताल उपचार के लिए भेजा गया। महिला ने आरोप लगाया कि उसके साथ एंबुलेंस में दुष्कर्म हुआ है। इसके बाद उस अभ्यर्थी का चिकित्सीय परीक्षण किया गया। अभी जांच रिपोर्ट नहीं मिली है। एफएसएल की टीम आरोपितों के कपड़े और एंबुलेंस से प्राप्त चीजें जांच के लिए ले गई है। चालक और टेक्नीशियन से पूछताछ की गई, लेकिन किसी ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया।

चिराग बोले– अफसोस ऐसी सरकार को समर्थन दे रहा पेज>>4

सप्ताह का साक्षात्कार

मुंबई ट्रेन विस्फोट मामले में फैसले से किसी को नहीं मिला न्याय : उज्ज्वल निकम

मुंबई की लोकल ट्रेनों में 11 जुलाई, 2006 को हुए सात विस्फोटों के मामले में 21 जुलाई, 2025 को बांबे हाई कोर्ट के फैसले ने अचरज में डाल दिया है। इस मामले में विशेष मकोका कोर्ट ने पांच दोषियों को मृत्युदंड एवं सात को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। अब हाई कोर्ट ने संदेह का लाभ देते हुए सभी को बरी कर दिया। इस फैसले पर मुंबई के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं अब राज्यसभा सदस्य पद्मश्री उज्ज्वल निकम का कहना है कि यह फैसला आश्चर्यचकित कर रहा है। इससे न तो पीड़ितों को न्याय मिल पाया और न ही दोषी करार दिए लोगों को। इस संबंध में दैनिक जागरण के महाराष्ट्र ब्यूरो प्रमुख ओमप्रकाश तिवारी ने निकम से बात की है। ● पेज-13

सुप्रीम सलाह

वायुसेना अधिकारी और पत्नी के वैवाहिक विवाद में सुप्रीम कोर्ट की सलाह, कहा, आप दोनों युवा हो, आगे लंबी जिंदगी है, आपको एक अच्छा जीवन जीना चाहिए

बदले का जीवन न जियो, माफ करो और आगे बढ़ो

2019 में बालाकोट एयर स्ट्राइक टीम का हिस्सा रहा है पति, पत्नी आइआइएम से स्नातक

नई दिल्ली, प्रेट्र : एक-दूसरे को माफ कर दो और आगे बढ़ो। सुप्रीम कोर्ट ने यह सलाह भारतीय वायुसेना में लड़ाकू विमान के एक पायलट और उनकी पत्नी को दी है, जो वैवाहिक विवाद में उलझे हुए हैं। इस पायलट ने 2019 के बालाकोट एयर स्ट्राइक में भाग लिया था। दूसरी तरफ पत्नी आइआइएम से स्नातक हैं और एक आइटी फर्म में काम करती हैं।

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने दंपती से कहा कि वे आपसी विवाद को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लें। पीठ ने कहा, बदले की जिंदगी मत जियो। आप दोनों युवा हो और आपके आगे लंबी जिंदगी है। आपको एक अच्छा जीवन जीना चाहिए। पीठ ने वायुसेना अधिकारी की याचिका पर नोटिस जारी करते हुए कहा, आप बस एक-दूसरे को माफ कर दो। एक-दूसरे की गलती को भूल जाओ और आगे बढ़ो। यह याचिका पायलट ने अपनी पत्नी द्वारा उनके खिलाफ दर्ज कराई गई एफआइआर को रद करने के लिए दायर की है।

पायलट ने अपनी याचिका में कहा कि वह और उनके परिवार के सदस्य पत्नी और ससुराल पक्ष द्वारा लगातार मानसिक उत्पीड़न के शिकार हैं। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा एफआइआर रद करने की याचिका खारिज किए जाने के बाद वायुसेना अधिकारी ने शीर्ष अदालत का रुख किया है। याचिका की प्रकृति को देखते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि यह दुश्मनी के मुकदमे जैसा है। अदालत ने दंपती को सौहार्दपूर्ण ढंग से विवाद सुलझाकर जीवन में आगे बढ़ने को कहा।

याचिका में कहा गया है कि वायुसेना अधिकारी और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ पत्नी दिल्ली और हरियाणा की विभिन्न अदालतों में झूठी शिकायतें और मामले दर्ज कराती रही हैं। जब उन्हें अदालतों से कोई राहत नहीं मिली तो उन्होंने वायुसेना और रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष बार-बार झूठी शिकायतें दर्ज कराईं। इस तरह की शिकायतें कानूनी प्रक्रिया का घोर दुरुपयोग है और इस मामले में आपराधिक कार्यवाही जारी रखना न्याय के हित में नहीं होगा।

एअर इंडिया ने हादसे के पीड़ित 166 परिवारों को दिया मुआवजा

मुंबई : एअर इंडिया ने शनिवार को कहा कि उसने पिछले महीने अहमदाबाद विमान दुर्घटना के 166 पीड़ितों के परिवारों को अंतरिम मुआवजा दे दिया है। इसके अलावा, 52 अन्य पीड़ितों के परिवारों को भुगतान की प्रक्रिया जारी है। यह दुर्घटना एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआइ171 के रूप में संचालित बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर से जुड़ी थी। (पेज-10)

थाइलैंड व कंबोडिया के बीच लड़ाई जारी, अब तक 33 मरे

बैंकाक : शिव मंदिर को लेकर थाइलैंड और कंबोडिया का संघर्ष शनिवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। दोनों ओर से हो रही गोलाबारी में अभी तक 33 लोग मारे गए हैं और करीब 1,70,000 लोग विस्थापित हुए हैं। बुधवार को प्रसात ता मोआन थोम मंदिर के निकट लैंडमाइन विस्फोट से थाइलैंड के पांच सैनिकों के घायल होने के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। (पेज-11)

मतांतरण किए बिना विपरीत धर्म के जोड़ों की शादी अवैध : हाई कोर्ट

जागरण संवाददाता, प्रयागराज

- शादी प्रमाणपत्र देने वाली आर्य समाज सोसायटियों की जांच का निर्देश

इलाहाबाद हाई कोर्ट।

नाबालिग का अपहरण कर शादी करने वाले के खिलाफ केस रद करने से किया इन्कार

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि मतांतरण किए बिना विपरीत धर्म के जोड़ों की शादी अवैध मानी जाएगी। न्यायालय ने गृह सचिव को निर्देश दिया है कि प्रदेश की आर्य समाज सोसायटियों द्वारा विपरीत धर्म के नाबालिग जोड़ों को शादी का प्रमाणपत्र देने की प्रक्रिया की जांच की जाए। इस संबंध में अनुपालन रिपोर्ट भी मांगी गई है। मामले की अगली सुनवाई 29 अगस्त को होगी, जिसमें गृह सचिव से व्यक्तिगत हलफनामा भी प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की एकलपीठ ने सोनू उर्फ सहनूर की याचिका पर दिया है। याचिका में आरोपित के खिलाफ महराजगंज के निचलौल थाने में अपहरण, दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट के तहत एफआइआर दर्ज है। याचिकाकर्ता का कहना है कि उसने पीड़िता से आर्य समाज मंदिर में शादी कर ली है और अब वह बालिग है। कोर्ट ने आपराधिक केस की कार्रवाई रद करने से इन्कार करते हुए कहा कि आर्य समाज मंदिर में नाबालिग लड़की को शादी का प्रमाणपत्र जारी करना कानून का उल्लंघन है।

****

27 जुलाई 2024 को ओल्ड राजेंद्र नगर इमारत के बेसमेंट में स्थित लाइब्रेरी में वर्षा का पानी घुस गया था जिसमें फंसने से तीन छात्रों की मौत हो गई थी

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 27 जुलाई, 2025

आज का मौसम

बादल छाए रहेंगे। गर्जन, बिजली चमकने व तेज हवा के साथ हल्की वर्षा हो सकती है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
27 जुलाई	35.0	27.0
28 जुलाई	32.0	27.0
नोएडा		
27 जुलाई	35.0	27.0
28 जुलाई	33.0	26.0
गुरुग्राम		
27 जुलाई	35.0	25.0
28 जुलाई	34.0	25.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

ट्रेन डकैती में शामिल बदमाश 11 वर्ष बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली : वर्ष 2014 में पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास चलती ट्रेन में डकैती डालने के मामले में शामिल बदमाश पालेराम को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। वह पिछले 11 वर्ष से फरार था। कोर्ट ने उसे भगोड़ा अपराधी घोषित किया था। वारदात में शामिल कई लुटेरों को दिल्ली पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है, लेकिन पालाराम घटना के बाद से फरार था। (जासं)

हास्टल खाली कराने के लिए एमबीए छात्र पर तानी पिस्टल

ग्रेटर नोएडा: गलगोटिया कालेज में एमबीए प्रथम वर्ष के छात्र आकाश शर्मा के साथ हास्टल में घुसकर पिस्टल तानकर मारपीट करने की घटना सामने आई है। छात्र की मां ने बीटा दो कोतवाली में आरोपित व उसके साथियों के खिलाफ कार्रवाई व बेटे की सुरक्षा को लेकर तहरीर दी है। मूल रूप से लखनऊ की सबिता शर्मा का बेटा आकाश शर्मा अंसल गोल्फ लिंक-एक स्थित कृष्णा हास्टल में रहता था। मां का आरोप है कि 23 जुलाई की रात हास्टल मालिक नितिन शर्मा, अमित चौधरी व विवेक शर्मा ने बेटे के कमरे में घुसकर पिस्टल दिखाकर मारपीट की। चीख-पुकार पर आसपास के छात्रों ने आकाश को बचाया। (जासं)

दो बेटियों की जहर देकर हत्या करने वाला पिता गिरफ्तार

नई दिल्ली: गोकुलपुरी में दो बेटियों की जहर देकर हत्या करने के मामले में फरार सजायाफ्ता पिता हमीदुल्लाह बुंदू खान को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। हत्या के मामले में उसे 20 वर्ष की कठोर कारावास की सजा सुनाई गई थी। पैरोल मिलने के बाद पिछले चार वर्ष से वह फरार चल रहा था। डीसीपी क्राइम ब्रांच आदित्य गौतम के मुताबिक हमीदुल्लाह बुंदू खान (70), पुराना मुस्तफाबाद, दिल्ली का रहने वाला है। (जासं)

मियाद पूरी कर चुके वाहनों पर प्रतिबंध के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची दिल्ली सरकार

आदेश ▶ 10 साल से पुराने डीजल और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहनों पर लगाए गए प्रतिबंध

सीजेआइ की अध्यक्षता में तीन न्यायाधीशों की पीठ के 28 जुलाई को याचिका पर सुनवाई करने की संभावना

नई दिल्ली, प्रेट्र : दिल्ली सरकार ने 10 साल से पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहनों पर लगाए गए पूर्ण प्रतिबंध के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। चीफ जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता में तीन न्यायाधीशों की पीठ के 28 जुलाई को इस याचिका पर सुनवाई करने की संभावना है। याचिका में 29 अक्टूबर 2018 के कोर्ट के आदेश को वापस लेने की मांग की गई है जिसने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के प्रारंभिक निर्देश को बरकरार रखा था।

याचिका में कहा गया है कि दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण से निपटने के लिए एक समग्र नीति की आवश्यकता है जो वैज्ञानिक तरीकों के अनुसार निजी वाहनों के वास्तविक उत्सर्जन स्तर के आधार पर वाहन की फिटनेस प्रदान करे न कि केवल मियादी पूरी करने के आधार पर पूर्ण प्रतिबंध लागू करे। इसके अलावा, याचिका में केंद्र और सीएक्यूएम द्वारा मियाद आधारित प्रतिबंधों बनाम उत्सर्जन आधारित मानदंडों के असल में होने वाले पर्यावरणीय लाभों का आकलन करने के लिए एक व्यापक अध्ययन की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने पहले राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एनसीआर के राज्यों के परिवहन विभागों को निर्देश दिया था कि 10 साल से पुराने सभी डीजल वाहन और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहन नहीं चलाए जाएंगे जैसा कि एनजीटी के आदेश में कहा गया है।

बता दें कि एनजीटी ने 26 नवंबर 2014 के आदेश में स्पष्ट किया था कि 15 साल से पुराने सभी वाहन, चाहे वे डीजल हों या पेट्रोल, सड़कों पर चलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जहां भी मियाद पूरी कर चुके ऐसे वाहन पाए जाएंगे, संबंधित प्राधिकरण कानून के अनुसार उन पर कार्रवाई करेंगे। इसमें इन वाहनों को जब्त करना शामिल है। यह निर्देश सभी प्रकार के वाहनों पर लागू होगा। सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली सरकार की जनहित याचिका पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि जनता का पक्ष रखना हमारा दायित्व है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने पर्यावरण पर कोई काम नहीं किया और जनता को मरने दिया। हम पर्यावरण पर पूरी तरह से सजग हैं सरकार लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर कोई गाड़ी प्रदूषण कर रही है तो पांच साल में भी उसे बंद कर देना चाहिए। अगर गाड़ी प्रदूषण नहीं कर रही है तो उस पर कोई पाबंदी नहीं होनी चाहिए। सरकार ने अपना पक्ष कोर्ट में रखा है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता। फाइल

सीएक्यूएम के निर्देश के बाद गरमाया था मामला

यहां बता दें कि उम्र पूरी कर चुके वाहनों को लेकर कार्रवाई को लेकर माहौल उस समय गरमा गया था जब सीएक्यूएम के निर्देश पर गत 1 जुलाई से दिल्ली में पेट्रोल पंपों पर ऐसे वाहनों को ईंधन देने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। पेट्रोल पंपों पर लगाए गए सिस्टम से उम्र पूरी कर चुके वाहनों की पहचान की जा रही थी और उन्हें जब्त किया जा रहा था। इस कार्रवाई में एक मर्सिडीज कार सहित कुछ कारें और कारों से अधिक संख्या में दो पहिया जब्त किए गए थे। कार्रवाई तीन दिन भी नहीं चल पाई थी कि दिल्ली सरकार के खिलाफ आ गई थी। दिल्ली सरकार ने सीएक्यूएम को पत्र लिखकर इस कार्रवाई को तुरंत रोकने का आग्रह किया था। सरकार का तर्क था कि जब तक पूरे एनसीआर क्षेत्र में कार्रवाई नहीं हो रही है तो दिल्ली में क्यों की जा रही है। जिस पर सीएक्यूएम ने फैसला लेकर कार्रवाई रुकवा दी थी। उसी समय दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट जाने की घोषणा की थी।

अब डीएम जारी करेंगे सिनेमा हाल के लिए लाइसेंस

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

▶ **एलजी ने लाइसेंस देने की शक्तियां दिल्ली पुलिस से वापस लीं**

एलजी वीके सक्सेना। फाइल

दिल्ली में कारोबार को सरल बनाने की प्रक्रिया के तहत पहले दी जा चुकी अन्य छूट के बाद उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने अब सिनेमा हाल, थियेटर को लाइसेंस देने की शक्तियां दिल्ली पुलिस से वापस ले ली हैं। एलजी ने अब इस कार्य के लिए दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग को लाइसेंसिंग प्राधिकरण के रूप में अधिकृत किया है। अब जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) की अध्यक्षता वाली एक समिति को लाइसेंस देने का अधिकार होगा। एलजी ने पुलिस आयुक्त को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि वे संबंधित अधिकारियों को ये लाइसेंस देने से संबंधित मामलों से बचने के लिए विशिष्ट निर्देश जारी करें।

यह कदम हाल ही में लिए गए दो बड़े फैसले के बाद उठाया गया है, जिसमें सात श्रेणियों के व्यवसायों से संबंधित लाइसेंस देने की शक्तियां दिल्ली पुलिस से वापस ले ली गई थीं। इनमें स्वीमिंग पूल, भोजनालय, होटल, गेस्ट हाउस, डिस्कोथेक, वीडियोगेम पार्लर, मनोरंजन पार्क और आडिटोरियम के लिए लाइसेंस शामिल थे। एलजी कार्यालय ने कहा है कि इसका उद्देश्य लाइसेंस प्रक्रिया को आसान बनाना है।

यह समिति लाइसेंस देने के लिए सिफारिश करेगी : जिस समिति को सिनेमा हाल के लिए लाइसेंस देने का अधिकार होगा, इस समिति में नगर निगम के संबंधित जोन के उपायुक्त, सरकार द्वारा नामित स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग/ भवन विशेषज्ञ के लिए पीडब्ल्यूडी के सचिव, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, दिल्ली अग्निशमन सेवा द्वारा नामित एक अग्नि सुरक्षा विशेषज्ञ, विद्युत प्रणाली विशेषज्ञ के लिए उर्जा सचिव व डीएम द्वारा नामित किया गया जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का एक प्रतिनिधि समिति में शामिल होगा।

इस संबंध में एलजी सक्सेना ने मुख्य सचिव और पुलिस आयुक्त को दिए आदेश में कहा है कि दिल्ली पुलिस, सिनेमैटोग्राफ अधिनियम, 1952 और दिल्ली पुलिस अधिनियम, 1978 की धारा 146 के प्रावधानों के तहत लाइसेंस जारी करती है। ऐसा तत्कालीन एलजी द्वारा सिनेमैटोग्राफ अधिनियम की धारा 11 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नौ जनवरी 2015 को जारी की गई अधिसूचना का उल्लंघन हो रहा है।

एम्स के एनसीए में 60 वर्ष से अधिक उम्र के मरीजों का होगा इलाज

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

एम्स प्रशासन ने अस्पताल के राष्ट्रीय वृद्धजन केंद्र (एनसीए) में इलाज के लिए अधिकृत मरीजों की न्यूनतम उम्र की सीमा पांच वर्ष कम कर दी है। एम्स की चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर डा. निरुपम मदान ने 25 जुलाई को इसका आदेश जारी किया है। अब एम्स के एनसीए में 60 वर्ष से अधिक उम्र के मरीजों का इलाज हो सकेगा।

बुजुर्गों को एक छत के नीचे बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए एम्स में एनसीए का निर्माण किया गया है। इसकी बेड क्षमता 200 है। इसमें करीब ढाई वर्ष पहले चिकित्सा सुविधाएं शुरू हुई थीं। इसमें 65 वर्ष अधिक उम्र के बुजुर्गों के इलाज होता था, जिस कारण 60 से 64 वर्ष के बुजुर्ग इलाज नहीं करा पाते थे। एम्स प्रशासन का कहना है कि बुजुर्गों के स्वास्थ्य देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीएचसीई) में भी 60 वर्ष और उससे अधिक उम्र वाले लोग शामिल हैं। इस वजह से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देश और एम्स निदेशक की स्वीकृति से एनसीए में इलाज के लिए अधिकृत मरीजों की न्यूनतम उम्र 60 वर्ष निर्धारित कर दी गई है, लेकिन एम्स में इलाज के लिए पहुंच रहे हर मरीज का एनसीए में ही इलाज होगा ऐसा नहीं है।

एम्स। फाइल

पहले की तरह एम्स के मुख्य अस्पताल सहित अन्य सेंटर में भी इलाज का विकल्प रखा गया है। एनसीए में जेरियाट्रिक मेडिसिन, आर्थोपेडिक, मनोचिकित्सा सहित कई विभागों की ओपीडी एक जगह चलती है। इसलिए बुजुर्गों को इलाज के लिए भागदौड़ करने की जरूरत नहीं पड़ती।

आनलाइन डिलीवरी चालान के लिए नया परिवहन परमिट

राज्य ब्यूरो, जागरण.नई दिल्ली : आबकारी विभाग ने गोदामों और थोक विक्रेताओं से लेकर बिक्री के लिए शराब की दुकानों तक शराब की आपूर्ति को सुचारू बनाने के लिए आनलाइन डिलीवरी चालान का एक नया परिवहन परमिट शुरू किया है।

बता दें कि आबकारी नीति के तहत, वर्तमान में चार निगम - डीटीटीडीसी, डीएसआइआइडीसी, डीएससीएससी और डीसीसीडब्ल्यूएस दिल्ली में शराब की दुकानें चलाते हैं। एक अधिकारी ने बताया कि अब आबकारी विभाग ने चारों निगमों को भुगतान के लिए शराब के स्टाक की डिलीवरी के प्रमाण के रूप में आनलाइन-जनरेट किए गए चालान स्वीकार करने और थोक विक्रेताओं से चालान की मैन्युअल प्रतियां न मांगने का निर्देश दिया है। आबकारी विभाग के एक परिपत्र में कहा गया है कि आनलाइन डिलीवरी चालान शराब विक्रेताओं द्वारा तैयार किया जाएगा और थोक विक्रेताओं के लिए भी उपलब्ध होगा। इस प्रक्रिया से वह समय बच सकेगा जो अभी तक मैनुअल तरीके से जा रहा था।

खान मार्केट की दुकानों के लिए नई नीति लागू

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▶ **एनडीएमसी ने जारी की नई नीति, 2.5 वर्ग मीटर से अधिक के साइनेज पर अब लगेगा शुल्क**

▶ **दो माह का समय साइनेज और बाकि कार्यों को देने को व्यापारी बता रहे हैं कम**

विश्व प्रसिद्ध लुटियंस दिल्ली की खान मार्केट की दुकानों व रेस्तरां के बाहर लगे साइनेज बोर्ड अब एक समान होंगे। इसके लिए एनडीएमसी ने खान मार्केट की दुकानों के साइनेज और बाहरी हिस्से की डिजाइन के लिए नई नीति लागू कर दी है। नीति के तहत, दुकानदारों को दो माह के भीतर अपने साइनेज को मानक डिजाइन और दिशानिर्देशों के अनुसार संशोधित करने को कहा गया है। अगर, दो माह के भीतर व्यापारी इसमें सुधार नहीं करेंगी तो सभी नियमों के विरूद्ध लगे साइनेज को एनडीएमसी द्वारा हटा दिया जाएगा।

एनडीएमसी द्वारा 15 जुलाई को जारी आदेश के अनुसार, दुकानदार अगर, 2.5 वर्ग मीटर से बड़े साइनेज को लगाना चाहता है तो उसको अनुमति लेनी होगी। अनुमति के लिए शुल्क भी एनडीएमसी लेगा। फिलहाल तय नियमों के अनुसार साइनबोर्ड का आकार 450 मिमी ऊंचा और 900 मिमी लंबा होता है। इसके पीछे पहले से लेपित ग्रे धातु की शीट लगी होती है। इसके साथ ही एनडीएमसी ने यह भी आदेश दिया है कि खान मार्केट के भूतल पर लगी एयर कंडिशनर यूनिट दीवार की सतह से 750 मिमी से अधिक बाहर न हो। सभी लटकते तारों को हटा दिया जाएगा और छतों पर रखी पानी की टंकियों को सार्वजनिक दृश्य से दूर रखा जाएगा। जल निकासी और सीवर की व्यवस्था अवरूद्ध न हो इसके लिए भी व्यवस्था दुकानदारों को करनी होगी। हालांकि खान मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रमुख संजीव मेहरा ने एनडीएमसी से एक रंग के लिए नहीं एक आकार के साइनेज लगाने को कहा है लेकिन दुकानों के साइनेज बदलने के लिए एक वेंडर ढूंढने का आग्रह किया है।

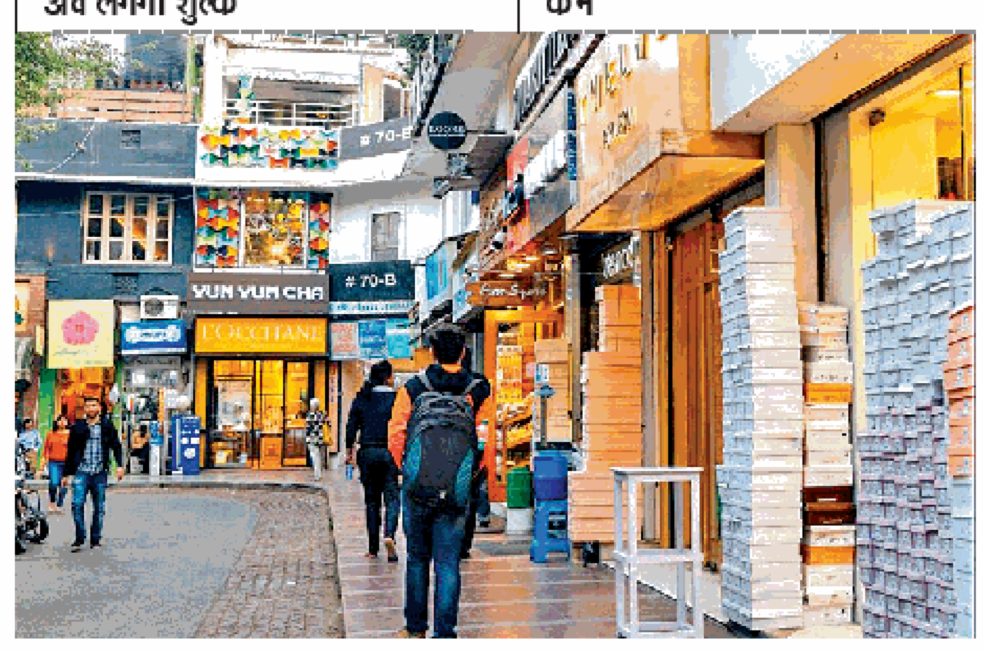

खान मार्केट में दुकानों के बाहर लगे साइनेज अभी नहीं है एक समान। जागरण

गुरु हरकिशन पब्लिक स्कूलों को लेकर सिख नेताओं में घमासान

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली: गुरु हरकिशन पब्लिक स्कूलों के शिक्षकों का बकाया वेतन भुगतान का मामला हाई कोर्ट में विचाराधीन है। इसके बावजूद भी इसे लेकर दिल्ली के सिख नेताओं में बयानबाजी जारी है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के वर्तमान अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और पूर्व अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना व मनजीत सिंह जीके वेतन भुगतान नहीं होने के लिए एक दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

जीके ने प्रेसवार्ता में कहा कि कालका ने पिछले दिनों यह दावा किया था कि शिक्षकों को भुगतान के लिए डीएसजीएमसी की संपत्ति बेचने का संकट समाप्त हो गया है। लेकिन, अदालत के निर्देश को पढ़ने के बाद पता चला कि स्कूलों की देनदारी 400 करोड़ रुपये से बढ़कर अब 500 करोड़ रुपये हो गई है। वहीं, कालका जीके पर संगत को गुमराह करने का आरोप लगा रहे हैं। उनका कहना है कि उनके कार्यकाल में शिक्षकों को भुगतान नहीं किया गया।

डीयू में चौथा वर्ष अपनाने में बीए-बीएससी के छात्र सबसे आगे

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

72 हजार छात्रों में से 50 हजार से अधिक छात्रों ने चौथे वर्ष को जारी रखने का चुना विकल्प

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में शुरू हो रहे चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम के चौथे वर्ष को चुनने के लिए बीए और बीएससी प्रोग्राम के छात्र सबसे ज्यादा आगे आए हैं। विश्वविद्यालय के आंकड़ों के अनुसार, लगभग 72 हजार पात्र छात्रों में से अब तक 50 हजार से अधिक छात्रों ने चौथे वर्ष को जारी रखने का विकल्प चुना है।

इनमें बड़ी संख्या उन छात्रों की है जो इंटरडिसिप्लिनरी बीए और बीएससी प्रोग्राम का हिस्सा हैं। पहले इन्हें आनर्स डिग्री प्राप्त करने का अवसर नहीं मिलता था लेकिन एनईपी के तहत अब उन्हें यह विकल्प मिला है। हालांकि, नीति का उद्देश्य अकादमिक लचीलापन और शोध के अवसर बढ़ाना है पर इसके क्रियान्वयन को लेकर छात्रों और शिक्षकों के बीच असमंजस और अव्यवस्था बनी हुई है। कई कालेजों में विभागों का स्टाफ अधूरा है। रिसर्च गाइड अब तक तय नहीं हुए हैं और दिशा-निर्देश अस्पष्ट हैं जिससे बच्चों को समस्या हो रही है।

दिल्ली विश्वविद्यालय। फाइल

इंटरडिसिप्लिनरी पाठ्यक्रमों में शामिल छात्रों ने बताया कि कई विभागों से विरोधाभासी सूचनाएं मिल रही हैं, जिससे उनके अकादमिक भविष्य को लेकर भ्रम की स्थिति बन गई है। डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने इस वर्ष को गेम चेंजर बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय छात्रों को समुचित सुविधाएं देने के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि 20 हजार से अधिक छात्रों ने चौथे वर्ष से बाहर रहने का विकल्प चुना है। हालांकि, डीयू शिक्षक संघ अब भी संदेह में हैं।

छावला में सेप्टिक टैंक की शटरिंग खोलने उतरे दो कामगारों की मौत

जागरण संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली : छावला थाना क्षेत्र अंतर्गत कुतुब विहार फेस 2 स्थित निर्माणाधीन मकान के सेप्टिक टैंक में शटरिंग खोलने के लिए उतरे एक कामगार व ठेकेदार की दम घुटने से मौत हो गई। सेप्टिक टैंक का लेंटर कुछ ही दिन पहले डाला गया था, अंदर शटरिंग लगी ही थी। शटरिंग खोलने और सफाई के लिए अंदर पहले प्रदीप नामक कामगार उतरा। नीचे उतरते ही वह बेहोश हो गए। इसके बाद ठेकेदार सुभाष उसे देखने के लिए उतरे तो वह भी बेहोश हो गए। अंदर गए दोनों शख्स का जब काफी देर तक पता नहीं चला तो लोगों ने मिलकर दोनों को अंदर से बाहर निकला।

बाद में उनको नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया गया। शनिवार को राव तुलाराम अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर प्रदीप का शव परिजनों के हवाले कर दिया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि इंदिरा पार्क निवासी सुजीत झा नामक शख्स ने अपने मकान के निर्माण का ठेका सुभाष को दिया हुआ था। प्रदीप 15 दिन पहले ही इनके पास आया था।

कुत्ते के काटने के 25 दिन बाद छह साल की बच्ची की मौत

जागरण संवाददाता, बाहरी दिल्ली

30 जून को पूठकलां में आवारा कुत्ते ने बच्ची को काटा था, एंटी रेबीज का टीका भी लगवाया

पूठकलां में एक छह वर्षीय बच्ची की कुत्ते के काटने के 25 दिन बाद मौत हो गई है। कुत्ते ने बच्ची के हाथ व पैर में चार जगहों पर काटा था। पीड़ित परिवार ने तुरंत बच्ची को रोहिणी के अंबेडकर अस्पताल में एंटी रेबीज का इंजेक्शन भी लगवाया लेकिन तीसरा इंजेक्शन लगवाने से पहले बच्ची को तेज बुखार हुआ। यही नहीं उसे पानी तक निगलना मुश्किल हो गया तो परिवार बच्ची को फिर से अंबेडकर अस्पताल लेकर गए, जहां से बच्ची को पहले आरएमएल, फिर सफदरजंग अस्पताल लेकर गए पर अंत में एक निजी अस्पताल में शनिवार तड़के इलाज के दौरान बच्ची ने दम तोड़ दिया। डाक्टर ने मौत का कारण दिमाग में इंफेक्शन बताया है। पीड़ित परिवार ने आशंका जाहिर की है कि डाक्टर जिस इंफेक्शन की बात कर रहे हैं, वह कुत्तों के काटने से भी हो सकता है। हालांकि डाक्टर ने रेबीज की पुष्टि नहीं की है।

सतीश शर्मा अपनी पत्नी मंजू शर्मा, दो बेटे, एक बेटी और एक गोद ली हुई बेटी छवि शर्मा के साथ पूठकलां में रहते हैं। सतीश मूलरूप से उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात के सैफाबाद गांव के हैं।

गत 30 जून को कुत्ते के काटने के बाद दर्द से कहराती छविसी पीड़ित परिवार।

विमान हाईजैक मामले में समयपूर्व रिहाई से इन्कार को कोर्ट ने किया खारिज

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: दिल्ली हाई कोर्ट ने वर्ष 1993 में इंडियन एयरलाइंस के विमान को हाईजैक करने के मामले में दोषी ठहराए गए हरि सिंह की समयपूर्व रिहाई को नकारने के सजा समीक्षा बोर्ड (एसआरबी) के निर्णय को खारिज कर दिया है। न्यायमूर्ति संजीव नरूला की पीठ ने 24 अप्रैल 2024 को हुई एसआरबी बैठक की कार्यवाही को रद करते हुए मामले को दोबारा विचार के लिए एसआरबी को भेजा और निर्देश दिया कि आठ सप्ताह के अंदर निर्णय लिया जाए।

पीठ ने कहा कि जेल में हरि सिंह के आचरण में सुधार के संकेत हैं। वह अब तक 17 वर्ष 11 माह छह दिन की वास्तविक सजा और 22 वर्ष छह माह 20 दिन की कुल सजा (छूट समेत) काट चुका है। हरि सिंह को वर्ष 1993 के हाईजैक मामले में दोषी ठहराते हुए वर्ष 2001 में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। कोर्ट ने कहा कि हर बार एसआरबी ने उसकी रिहाई याचिका को अपराध की गंभीरता के आधार पर खारिज किया, लेकिन बिना ठोस तर्क या विश्लेषण के ऐसा करना उचित नहीं है।

कोचिंग सेंटर हादसा : एक साल

हादसे को भूला नहीं, पर सुधार की तरफ बढ़ा ओल्ड राजेंद्र नगर

निहाल सिंह, जागरण

ओल्ड राजेंद्र नगर के बड़ा बाजार में अब भी हादसे की याद दिलाती है चार मंजिला इमारत, हादसे के बाद कुछ सुधार हुए, इस बार मानसून में नहीं देखना पड़ा जलभराव

ओल्ड राजेंद्र नगर के बड़ा बाजार रोड पर स्थित चार मंजिला इमारत आज भी लोगों को एक साल पहले हुए दर्दनाक हादसे की याद दिलाती है। अंदर मरम्मत और साफ-सफाई का कार्य चल रहा है लेकिन हर गुजरने वाला एक बार इस इमारत को अवश्य देखता है। ठीक एक साल पहले यानी 27 जुलाई 2024 को इसी इमारत के बेसमेंट में वर्षा का पानी घुस गया था। इसकी वजह से बेसमेंट के पुस्तकालय में बैठकर अध्ययन कर रहे सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने वाले कई छात्र फंस गए। पानी इतना भरा कि इसमें डूबने से तीन अभ्यर्थियों की मौत हो गई थी। दरअसल इस इमारत में राव आइएएस स्टडी सर्किल चल रहा था। ये अभ्यर्थी यहीं से कोचिंग ले रहे थे।

इस घटना ने जल निकासी को लेकर एजेंसियों की पोल खोलकर रख दी। मामले ने तूल पकड़ा तो प्रशासन भी जागा। इस मार्ग पर जलभराव न हो, इसके लिए उपाय शुरू किए गए। पानी की निकासी के लिए एमसीडी ने बड़ा बाजार रोड के दोनों तरफ दो फीट चौड़ी और तीन फीट गहरी नाली का निर्माण कर दिया। साथ ही शंकर रोड का पानी बड़ा बाजार रोड न पहुंचे इसके लिए यहां पर तीन छह होर्स पावर के तीन स्थायी तो 50 होर्स पावर का एक अस्थायी पंप लगा दिया गया, देखरेख के लिए कर्मचारी भी तैनात किए गए। शायद यही वजह है कि इस बार मानसून में अभी तक चार बार तेज वर्षा हो चुकी है लेकिन न तो सड़क पर पानी जमा हुआ है और न ही राव आइएएस स्टडी सर्किल के सामने। हालांकि स्थानीय लोग इसमें नालियों के निर्माण और लटकते तारों से जुड़े कई सुधार की मांग कर रहे हैं।

गौरतलब है कि हादसे के एक वर्ष बीत जाने के बावजूद न तो न्याय पूरा हुआ और न ही जवाबदेही तय हो पाई। सीबीआइ की ओर से दायर 71 पन्नों की पूरक आरोपपत्र में बताया गया है कि दिल्ली नगर निगम और डीएफएस (दिल्ली फायर सर्विस) के अधिकारियों ने कम से कम तीन बार परिसर का निरीक्षण किया लेकिन बेसमेंट के अवैध उपयोग को नजरअंदाज किया। आरोपपत्र के मुताबिक, अधिकारियों ने संभवतः अनुचित लाभ की उम्मीद में इस सच्चाई को छुपाया। मामला कोर्ट में है लेकिन किसी भी अधिकारी की जवाबदेही तय नहीं हुई है।

ओल्ड राजेंद्र नगर में राव आइएएस स्टडी सर्किल की इमारत, जिसकी तीसरी मंजिल पर लगा किराये के लिए उपलब्ध है, का पोस्टर। इसी इमारत के बेसमेंट में पिछले वर्ष डूबने से हुई थी तीन विद्यार्थियों की मौत। जागरण

ओल्ड राजेंद्र नगर की दुखद घटना के बाद निगम ने जिस तेजी से कार्य किया है वह देखने योग्य है। यहां पर दोनों तरफ नालियां बनाने के साथ उन पर स्लैब भी डाली गई है। अभी तक की वर्षा में न तो सड़क पर पानी जमा हुआ है न ही राव स्टडी सर्किल के सामने जो पानी जमा होता था वहां। कुछ काम रह गए हैं, उनको भी पूरा किया जाएगा।

– राजा इकबाल सिंह, महापौर, दिल्ली

मुखबिरी के शक में कुकर्म के बाद चाकू मारकर की किशोर की हत्या

जागरण संवाददाता, बाहरी दिल्ली

▶ **शुक्रवार को आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुई पुष्टि, 30 जून को किशोर को अगवा कर आरोपितों ने की थी वारदात**

समयपुर बादली थाना क्षेत्र में 30 जून की रात को किशोर का अपहरण कर पहले कुकर्म किया गया था फिर 24 बार चाकू मारे गए। इसके बाद शव को ठिकाने लगाने के लिए मूनक नहर में फेंक दिया गया था। एक जुलाई को नहर से शव मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। मृतक की पहचान के बाद 12 आरोपितों का पता लगाया गया। अब तक पुलिस ने दो सगे भाइयों समेत नौ आरोपितों को पकड़ा है जिनमें से छह नाबालिग हैं। वहीं, तीन फरार आरोपितों की तलाश जारी है। इस मामले में कुकर्म की पुष्टि शुक्रवार को पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हुई है।

समयपुर बादली इलाके में 14 वर्षीय किशोर की हत्या के मामले में शुक्रवार को पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कई नए तथ्य सामने आए हैं। एक जुलाई को शव मिलने के बाद पुलिस ने तीन जुलाई को चार नाबालिगों समेत छह आरोपितों को पकड़ा। इसके बाद 18 जुलाई को तीन अन्य आरोपितों को मेरठ, उत्तर प्रदेश स्थित कांवड़ कैंप से पकड़ा गया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जांच में यह बात सामने आई कि किशोर का उसी इलाके में रहने वाले आरोपित दो भाइयों और उनके दोस्तों के साथ पुरानी रंजिश थी। पूछताछ में पता चला कि आरोपितों को शराब तस्कर दो भाइयों ने गत दीवाली को अपमानित कर उनकी पिटाई की थी। उन्हें शक था कि मृतक और उसके कुछ दोस्त मुखबिर हैं। बदला लेने के लिए वे योजना बना रहे थे। फिर 30 जून को घटना को अंजाम दिया।

****

संसद में व्यवधान से सत्ता पक्ष से ज्यादा विपक्ष को नुकसान : रिजीजू

दिखाया आईना ▶ सरकार को जवाबदेह ठहराने का महत्वपूर्ण अवसर खो देता है विपक्ष

विपक्ष के साथ राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता हो सकती है, लेकिन कोई दुश्मनी नहीं

नई दिल्ली में शनिवार को प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक समारोह में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू भाजपा सांसद रवि किशन को संसद रत्न पुरस्कार प्रदान करते हुए। प्रेट्र

नई दिल्ली, प्रेट्र : संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने शनिवार को कहा कि संसद में बार-बार व्यवधान से विपक्ष को सत्ता पक्ष से ज्यादा नुकसान होता है, क्योंकि इससे वह सरकार को जवाबदेह ठहराने का महत्वपूर्ण अवसर खो देता है। रिजीजू की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब मानसून सत्र का पहला सप्ताह विपक्षी सांसदों के बार-बार विरोध प्रदर्शनों के कारण काफी हद तक धुल चुका है।

प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन द्वारा आयोजित संसद रत्न पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए रिजीजू ने बताया कि कैसे नौकरशाह कभी-कभी संसद स्थगित होने पर राहत महसूस करते हैं। उन्होंने कहा-मैं आपको बता दूं कि जब संसद नहीं चलती है तो अधिकारी राहत महसूस करते हैं, क्योंकि वे पूछताछ से बच जाते हैं। संसद में सरकार को जवाबदेह ठहराया जा सकता है। जब सदन चलता है तो मंत्रियों को कठिन सवालों का सामना करना पड़ता है। जब सदन कुछ ही मिनटों में स्थगित हो जाता है तो ऐसे सवाल भी नहीं उठते। संसद में व्यवधान होने पर सरकार से ज्यादा विपक्ष को नुकसान होता है। अपनी संसदीय यात्रा का जिक्र करते हुए रिजीजू ने कहा कि उन्होंने कभी विपक्षी सांसदों को विरोधी नहीं माना। उन्होंने कहा, हम सभी सहयोगी हैं। राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता हो सकती है, लेकिन कोई दुश्मनी नहीं है।

अपने शुरुआती अनुभवों को याद करते हुए रिजीजू ने एक दिलचस्प किस्सा सुनाया। उन्होंने कहा, जब मैं पहली बार लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी से मिला तो मैं धूमपान करने वाले सांसदों के लिए एक कमरा मांगने गया था। उन्होंने मुझे डांटते हुए कहा कि यह स्पीकर के साथ आपकी पहली मुलाकात है और आप इस काम के लिए आए हैं? उस दिन मुझे अच्छी डांट पड़ी और मैंने सीखा कि मुझे ऐसे पद पर बैठे व्यक्तियों से उद्देश्यपूर्ण तरीके से संपर्क करना चाहिए।

16 सांसदों को संसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया : 16 सांसदों को लोकसभा में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए संसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इन सम्मानों में चार विशेष जूरी पुरस्कार भी शामिल हैं, जो संसद में उनके लगातार तीन कार्यकालों के योगदान को मान्यता देते हैं। ये विशेष पुरस्कार भर्तृहरि महताब (भाजपा), एनके प्रेमचंद्रन (क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी), सुप्रिया सुले (राकांपा-शरद पवार) और श्रीरंग अप्पा बारणे (शिवसेना) को प्रदान किए गए। अन्य पुरस्कार विजेता सांसदों में स्मिता उदय वाघ (भाजपा), नरेश म्हस्के (शिवसेना), वर्षा गायकवाड़ (कांग्रेस), मेधा कुलकर्णी (भाजपा), प्रवीण पटेल (भाजपा), रवि किशन (भाजपा), निशिकांत दुबे (भाजपा), अरविंद सावंत (शिवसेना-यूबीटी), विद्युत बरन महतो (भाजपा) और दिलीप सैकिया (भाजपा) शामिल हैं। समिति श्रेणी में भर्तृहरि महताब की अध्यक्षता वाली वित्त संबंधी स्थायी समिति और चरणजीत सिंह चन्नी (कांग्रेस) की अध्यक्षता वाली कृषि संबंधी स्थायी समिति को उनकी रिपोर्टों की गुणवत्ता और विधायी निगरानी में योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

स्वदेशी हथियारों ने अब भी आतंक के आकाओं की उड़ा रखी नींद : मोदी

- पीएम बोले- आपरेशन सिंदूर के दौरान मेक इन इंडिया की शक्ति को सबने देखा
- भारत और ब्रिटेन के बीच एफटीए भारत की आर्थिकी को देगा नई ताकत
- पीएम ने तमिलनाडु में 4,900 करोड़ की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू के साथ शनिवार को तमिलनाडु के तूतुकुडी में विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास समारोह के दौरान। प्रेट्र

तूतुकुडी (तमिलनाडु), एएनआइ : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा, 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत निर्मित स्वदेशी हथियारों ने आपरेशन सिंदूर के दौरान अहम भूमिका निभाई। यही नहीं, इन्होंने अब भी आतंक के आकाओं की नींद उड़ा रखी है। मोदी यहां करीब 4,900 करोड़ रुपये की लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने उपरांत कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व मालदीव की यात्रा समाप्त करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी विशेष विमान से शाम करीब आठ बजे तूतीकोरिन हवाई अड्डे पर पहुंचे।

मोदी ने कहा- 'आज, भारत सरकार मेक इन इंडिया और मिशन मैन्युफैक्चरिंग पर जोर दे रही है। आपने हाल ही में आपरेशन सिंदूर के दौरान मेक इन इंडिया की शक्ति को देखा। भारत में निर्मित हथियारों ने आतंकियों के ठिकानों को ध्वस्त करने में अहम भूमिका निभाई। भारत में निर्मित हथियार अब भी आतंक के आकाओं की नींद उड़ाए हुए हैं।' उन्होंने कहा कि सरकार स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए दृढ़ता से प्रयास कर रही है ताकि उत्पादन और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिल सके।

मोदी ने भारत-ब्रिटेन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को ऐतिहासिक बताते हुए कहा, यह व्यापार समझौता देश में दुनिया के विश्वास को दर्शाता है। एफटीए भारत की आर्थिकी को नई ताकत देगा। यह भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिकी बनाने के लक्ष्य में भी मददगार साबित होगा। इस एफटीए के बाद, ब्रिटेन में बेचे जाने वाले 99% भारतीय उत्पादों पर कर नहीं लगेगा। जब ब्रिटेन में भारतीय सामान सस्ते होंगे, तो उनकी मांग बढ़ेगी। इससे युवाओं, हमारे छोटे उद्योगों, एमएसएमई और स्टार्ट-अप्स को सबसे अधिक लाभ पहुंचेगा। उन्होंने विकसित भारत और विकसित तमिलनाडु का वादा किया। कहा- 'इन्फ्रास्ट्रक्चर और ऊर्जा किसी भी राज्य के विकास की रीढ़ हैं। पिछले 11 वर्षों में इन पर हमारा फोकस तमिलनाडु के विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'

आज चोल सम्राट के समुद्री अभियान के सहस्राब्दी समारोह में शिरकत करेंगे मोदी: आइएएनएस के अनुसार,पीएम मोदी रविवार को चोल सम्राट राजेंद्र चोल के समुद्री अभियान के सहस्राब्दी समारोह में शामिल होंगे। इस दौरान मोदी भारत के महानतम सम्राटों में से एक राजेंद्र चोल के सम्मान में स्मारक सिक्का भी जारी करेंगे। मोदी ने एक्स पर लिखा,27 जुलाई को राजेंद्र चोल प्रथम के समुद्री अभियान के एक हजार वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम होगा। राजेंद्र चोल प्रथम (1014-1044 ई.) ने चोल साम्राज्य की सीमाओं का विस्तार किया और गंगईकोंडा चोलपुरम को नई राजधानी के रूप में स्थापित किया।

स्कूली बच्चे अब पढ़ेंगे मिशन स्पेस और आपरेशन सिंदूर की कहानी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी ने तेज की तैयारी
- बच्चों के लिए दो अलग-अलग माड्यूल किए जा रहे तैयार

फाइल

स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे अब अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला सहित चंद्रयान और दूसरे अंतरिक्ष मिशनों की कहानी को पढ़कर जहां अपने सपनों को एक नई उड़ान देंगे, वहीं आपरेशन सिंदूर के जरिये देश की वीरता का कहानी पढ़कर भारतीय होने पर गर्व महसूस करेंगे। बच्चों में स्कूली स्तर पर इस बीज को बोने के लिए शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी ने एक बड़ी पहल की है। इसके तहत स्कूलों में पढ़ने वाले सभी बच्चों को पाठ्यक्रम के अतिरिक्त इन कहानियों को एक माड्यूल के रूप में पढ़ाया जाएगा।

शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक स्कूलों के स्तर को देखते हुए इस माड्यूल को दो स्तरों में तैयार किया जाएगा। पहला स्तर कक्षा तीन से आठवीं तक के बच्चों के लिए और दूसरा नौवीं से 12वीं कक्षा के बच्चों के लिए।

सूत्रों के मुताबिक यह माड्यूल आठ से दस पन्नों का होगा। जिसमें अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा सहित चंद्रयान व हाल ही में भारत के दूसरे स्पेस मिशन का कहानियां शामिल होंगी।

वहीं आपरेशन सिंदूर में देश की सैन्य शक्ति व पाकिस्तान को कैसे धूल चटाई गई है, उसके किस्से शामिल होंगे। गौरतलब है कि अब एनसीईआरटी की ओर से स्कूली बच्चों के लिए इसी तरह से मिशन लाइफ, सड़क सुरक्षा और विभाजन की विभीषका आदि के माड्यूल भी तैयार किए जा चुके हैं।

अमेरिका ने कहा, कानून तोड़ने पर हमेशा के लिए रद किया जा सकता है वीजा

- अमेरिकी दूतावास ने एडवाइजरी जारी कर फिर चेताया, एक्स पर पोस्ट किया, बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे अपराध
- विदेशी आगंतुकों से अपेक्षा रहेगी कि वे सभी अमेरिकी कानूनों का पालन करें

प्रतीकात्मक

नई दिल्ली, एएनआइ: कानून तोड़ने पर अमेरिकी वीजा हमेशा के लिए रद किया जा सकता है। भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने शनिवार को सख्त एडवाइजरी जारी करते हुए फिर चेताया है कि अमेरिका जाकर अपराध करने या कानून का उल्लंघन करने वाले विदेशियों का वीजा रद किया जा सकता है। अमेरिकी दूतावास ने पहले भी इसी प्रकार की एडवाइरी जारी की थी।

दूतावास ने एक्स पर पोस्ट किया, अमेरिका में अपराध बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। यदि आप अमेरिका आकर कानून तोड़ते हैं, तो आपका अमेरिकी वीजा रद किया जा सकता है। आप अमेरिका लौटने के लिए जीवनभर के लिए अयोग्य हो सकते हैं।

इससे पहले 22 जुलाई को दूतावास ने पोस्ट किया था, यदि आपको अमेरिका में रहते हुए हमले, घरेलू हिंसा या अन्य अपराधों के लिए गिरफ्तार किया जाता है, तो आपका अमेरिकी वीजा रद किया जा सकता है और आप भविष्य में अमेरिकी वीजा के लिए अयोग्य हो सकते हैं। वीजा विशेषाधिकार है, अधिकार नहीं।

इससे पहले 16 जुलाई को दूतावास ने बयान जारी कर कहा था कि अमेरिका जाकर हमला, चोरी या सेंधमारी को अंजाम देने वाले वीजाधारकों को न केवल कानूनी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा, बल्कि वीजा भी रद किया जा सकता है। इतना ही नहीं, ऐसे आरोपितों को भविष्य में अमेरिकी वीजा के लिए 'अयोग्य' भी करार दिया जा सकता है। यानी इस तरह के आरोपित के अमेरिका में दोबारा प्रवेश करने से भी रोक लगाई जा सकती है। दूतावास ने एक्स पर किए गए पोस्ट में यह भी कहा है कि अमेरिका विदेशी आगंतुकों से अपेक्षा करता है कि वे सभी अमेरिकी कानूनों का पालन करें।

इस बीच, 17 जुलाई को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था, व्यक्ति जिस देश में रहता है, चाहे वह उस देश का नागरिक हो या नहीं, वहां के कानूनों का पालन करना उसकी जिम्मेदारी है।

छग में घुसपैठ रोकने के लिए होगा गांव-गांव में 'नागरिक रजिस्टर'

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया ● रायपुर

- गृह विभाग ने की तैयारी, बांग्लादेशियों पर रहेगी पैनी नजर
- पंचायतें रखेंगी हर आने-जाने वाले की जानकारी

छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार अब प्रदेश के गांव-गांव में 'नागरिक रजिस्टर' शुरू करने जा रही है। इसका उद्देश्य घुसपैठ को रोकना और ग्रामीण स्तर पर हर नागरिक की उपस्थिति दर्ज करना है। इस रजिस्टर में गांव में रहने वाले, बाहर जाने वाले और नए आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की जानकारी रखी जाएगी। पंचायत स्तर पर यह विवरण फिजिकल रजिस्टर के रूप में संकलित किया जाएगा। इसमें ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, पंच की जवाबदेही तय होगी। जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और कलेक्टर इसकी स्वयं निगरानी करेंगे।

ज्ञात हो, हाल ही में राज्य से 30 बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजा गया है। प्रदेश में करीब 2,000 पाकिस्तानी वीजाधारकों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। रजिस्टर बनने से बाहरी लोग जो यहां की योजनाओं का लाभ ले रहे थे, उन पर रोक लगेगी। अभी तक कोटवार और ग्राम के बुजुर्गों के माध्यम से जानकारी ली जाती थी, पर कई बार जानबूझकर या अनजाने में जानकारी छिपा ली जाती थी। पहलगाम आतंकी हमले की घटना के बाद से केंद्र और राज्य सरकारों में घुसपैठ और सीमापार आतंकवाद को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। इस पृष्ठभूमि में सरकार का यह कदम बेहद अहम माना जा रहा है।

सरकार ने प्रदेश की आंतरिक सुरक्षा को अधिक मजबूत बनाने और अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों की पहचान के लिए अहम कदम उठाया है। पुलिस ने टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800-233-1905 जारी किया है। यह हेल्पलाइन 24 घंटे और सप्ताह के सातों दिन सक्रिय है, जिस पर संदिग्ध गतिविधियों की सूचना सीधे पुलिस को दी जा सकती है।

लोकसभा में आपरेशन सिंदूर पर कल से होगी चर्चा

नई दिल्ली, प्रेट्र : लोकसभा में सोमवार को आपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा होगी। यह चर्चा एक हफ्ते तक संसद की कार्यवाही के लगभग ठप रहने के बाद हो रही है। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में आपरेशन सिंदूर चलाया था। इसके तहत पाकिस्तान और गुलाम जम्मू-कश्मीर में आतंकी ठिकानों व सैन्य अड्डों को निशाना बनाया गया था। राज्यसभा में इस मुद्दे पर मंगलवार से चर्चा होगी। लोकसभा में 16 घंटे तक चलने वाली बहस में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस जयशंकर के भाग लेने की संभावना है। पीएम नरेन्द्र मोदी भी इस चर्चा में हस्तक्षेप कर सकते हैं। यह चर्चा तीन दिनों तक चलने की उम्मीद है। इस दौरान आक्रामक विपक्ष अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस दावे पर सरकार को घेरने की कोशिश करेगा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध को रोकने के लिए मध्यस्थता की और उन्हें संघर्ष विराम पर सहमत कराया। लोकसभा सचिवालय ने सोमवार के अपने एजेंडे में आपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा सूचीबद्ध की है।

राजस्थान में कोचिंग संस्थानों पर केंद्रीय गाइडलाइन लागू करने का आदेश

जागरण संवाददाता, जयपुर

- हाई कोर्ट ने कोचिंग रेगुलेशन एक्ट लागू नहीं करने पर जताई नाराजगी

राजस्थान उच्च न्यायालय। फाइल

राजस्थान उच्च न्यायालय ने कोचिंग छात्रों की आत्महत्याएं रोकने के लिए कोचिंग रेगुलेशन एक्ट अब तक लागू नहीं करने पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने राज्य सरकार को कोचिंग रेगुलेशन एक्ट के प्रविधान लागू होने तक केंद्र सरकार की गाइडलाइन को सख्ती से पालन कराने और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत कार्रवाई करने का आदेश दिया है। न्यायाधीश चंद्र प्रकाश श्रीमाली और संजीव प्रकाश शर्मा ने स्वप्रेरणा से दर्ज याचिका पर यह आदेश दिया है। उन्होंने कोचिंग संचालकों से पूछा कि तनाव और मानसिक अवसाद में आए बच्चों को बचाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं? पढ़ाई के तरीकों में क्या बदलाव किया गया है?

महाधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि राज्य सरकार ने राजस्थान कोचिंग सेंटर नियंत्रण एवं विनियम विधेयक, 2025 को विधानसभा में पेश किया है। विधेयक को प्रवर समिति में भेजा गया है। जब तक कानून नहीं आएगा, केंद्र की गाइडलाइन के अनुसार दंडात्मक प्रविधानों को लागू नहीं किया जा सकता। न्यायमित्र वरिष्ठ अधिवक्ता सुधीर गुप्ता ने कहा कि अब भी कोचिंग छात्रों की आत्महत्याओं की घटनाएं हो रही हैं।

उल्लेखनीय है कि केंद्र की गाइडलाइन के अनुसार 16 साल से कम उम्र के बच्चों को कोचिंग संस्थान में प्रवेश नहीं दिया जा सकता। कोचिंग संस्थान बीच में छोड़ने पर फीस लौटाने का प्रविधान है। कोचिंग शिक्षक को कम से कम स्नातक पास होना चाहिए।

सीजेआइ ने किया एलान, सेवानिवृत्ति के बाद कोई सरकारी पद स्वीकार नहीं करूंगा

- प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई बोले, परामर्श एवं मध्यस्थता का काम करूंगा
- महाराष्ट्र के अमरावती में एक कार्यक्रम के दौरान सीजेआइ ने कही यह बात

अमरावती में शुक्रवार को जिला एवं सत्र न्यायालय की नई इमारत के उद्घाटन के मौके पर प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई का स्वागत किया गया। प्रेट्र

अमरावती, प्रेट्र : भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) बीआर गवई ने शनिवार को कहा कि वह सेवानिवृत्ति के बाद कोई सरकारी पद स्वीकार नहीं करेंगे, बल्कि परामर्श और मध्यस्थता का काम करेंगे। वह महाराष्ट्र के अमरावती जिला एवं सत्र न्यायालय में स्वर्गीय टीआर गिल्डा स्मारक ई-लाइब्रेरी के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे।

प्रधान न्यायाधीश गवई ने कहा, 'मैंने पहले भी कई मौकों पर घोषणा की है कि मैं 24 नवंबर के बाद कोई भी सरकारी पद स्वीकार नहीं करूंगा। मैं परामर्श और मध्यस्थता का काम करूंगा।' सीजेआइ 23 नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

गवई ने शुक्रवार को अमरावती स्थित अपने पैतृक गांव दारापुर में अपने पिता और केरल एवं बिहार के पूर्व राज्यपाल आरएस गवई की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधान न्यायाधीश अपने परिवार के सदस्यों के साथ गांव में अपने पिता की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए।

शुक्रवार को उन्होंने दारापुर गांव के रास्ते में बनने वाले एक भव्य द्वार का शिलान्यास भी किया। इस प्रवेश द्वार का नाम आरएस गवई के नाम पर रखा गया है, जिन्हें प्यार से दादासाहेब गवई कहा जाता था।

राज्य विवि के नियंत्रण को लेकर सुप्रीम कोर्ट जाएंगे बंगाल के राज्यपाल

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता : बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने शनिवार को कहा कि वह सुप्रीम कोर्ट से इस बारे में स्पष्टता मांगने की योजना बना रहे हैं कि राज्य विश्वविद्यालयों पर अंतिम अधिकार कुलाधिपति (राज्यपाल) के पास है या राज्य सरकार के पास। यह कदम बोस और राज्य संचालित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों (वीसी) के बीच राजभवन में हुई बैठक के बाद उठाया गया है, जो राज्य के उच्च शिक्षा क्षेत्र के प्रमुख मुद्दों को संबोधित करने के लिए बुलाई गई थी। बैठक में नौ वीसी शामिल हुए, जबकि अधिकांश अन्य अनुपस्थित रहे। बैठक में शामिल न होने वाले कई वीसी ने दावा किया कि उन्हें उच्च शिक्षा विभाग की ओर से अवरोधों का सामना करना पड़ा, जबकि अन्य ने आरोप लगाया कि उन्हें घेराव किया गया या परिसर में प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। बोस ने राजभवन में संवाददाताओं से कहा कि यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर स्पष्टीकरण की आवश्यकता है।

पंजाब का मामला

नकली बीज बेचने पर सजा बढ़े तो उसे दिलाने की सख्ती भी बढ़े

पहले 500 रुपये जुर्माना होने से आरोपित अपील में पेश तक नहीं होते थे, नए एक्ट में जवाबदेही तय करना भी जरूरी

इन्द्रप्रीत सिंह ● जागरण

नकली बीजों पर लगेगा अंकुश। प्रतीकात्मक

चंडीगढ़ : पंजाब कैबिनेट ने नकली बीज बेचने वालों पर 50 लाख रुपये तक जुर्माना व पांच वर्ष की सजा को मंजूरी दी है। साथ ही इसे गैर-जमानती बनाते हुए सीड (पंजाब संशोधन) विधेयक 2025 पेश करने को मंजूरी दे दी है। सरकार इस पर आर्डिनेंस लाती है या इसे सीधे तौर पर विधानसभा में पेश किया जाएगा, इसकी अभी आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है लेकिन सरकार के इस फैसले का जहां स्वागत हुआ है, वहीं कई सवाल भी उठे हैं। समस्या यह है कि नकली बीज बेचने पर सजा तो बढ़ जाएगी, लेकिन उसके साथ ही दोषियों को सजा दिलाने की सक्रियता भी बढ़े।

सीड एक्ट 1966 की धारा 19 में कोई संशोधन नहीं किया गया था, जिसके कारण 1966 में जो 500 रुपये जुर्माना भारी रकम लगता था, आज अपराध की तुलना में उसकी कोई कीमत नहीं रह गई है। विभाग के डायरेक्टर रहे डा. बलविंदर सिंह सिद्धू का मानना है कि मात्र 500 रुपये जुर्माना होने के कारण कई बार तो ये लोग अपील में पेश होने के लिए भी नहीं आते थे। उन्हें मालूम था कि पांच सौ रुपये से अधिक अधिकारी क्या जुर्माना लगाएगा? हालांकि डा. सिद्धू का यह तर्क यह भी है कि जुर्माना पहली बार पांच लाख करने से अपराधियों के मन में डर तो बैठेगा लेकिन विभागीय अधिकारियों में भ्रष्टाचार को भी जन्म देगा इसलिए नए एक्ट में जवाबदेही को शामिल करने के भी प्रविधान किए जाने चाहिए ताकि नकली बीज, रासायनिक दवाएं व खादों को बेचने वालों पर लगाम कसी जा सके।

कैबिनेट ने नकली बीज बेचने के अपराध को गैर-जमानती बनाया है तथा जुर्माने में वृद्धि की है। बीज कंपनी को पहली बार अपराध करने पर एक से दो वर्ष की सजा और पांच से दस लाख रुपये तक जुर्माना होगा। दोबारा अपराध करने पर दो से तीन वर्ष की सजा और 10 से 50 लाख रुपये जुर्माना होगा। पहले, पहली बार अपराध करने पर 500 रुपये और दूसरी बार 1000 रुपये जुर्माना व छह महीने की सजा थी।

आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल नहीं हो रहा : डा सिद्धू ने बताया कि डीलरों, दुकानदारों व कंपनियों की जवाबदेही तय करने के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। पूर्व कांग्रेस सरकार में अजयवीर जाखड़ की अगुआई में पंजाब किसान आयोग ने एक मोबाइल एप तैयार की थी जिसमें हर दुकानदार किसानों को जब भी बीज, रासायनिक दवाएं और खाद बेचता तो उसका डाटा एप पर संबंधित किसान के आधारकार्ड सहित चढ़ाना था। ऐसे में अगर फसल इन तीनों से कारण बर्बाद होती है तो दुकानदार, डीलर या कंपनी की जवाबदेही तय की जा सकती थी। साथ ही फील्ड में दवाओं की बिक्री से यह अंदाजा भी लग जाता कि कौन-सी बीमारी फसलों को लग रही है।

नकली बीजों की भरमार

इस समय किसानों को सबसे बड़ी समस्या नकली बीज व रासायनिक दवाओं की है। 2015 में सफेद मक्की के कारण कपास की पूरी फसल बर्बाद हो गई थी। सफेद मक्की पर किसी रासायनिक दवा ने काम नहीं किया। उन्हीं दिनों में कपास के नकली बीज को लेकर कई गाड़ियां पकड़ी गई थीं लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इन दिनों मूंग का बीज सही न होने के कारण किसानों की फसल बर्बाद हुई है।

****

कह कर रहेंगे

माधव जोशी

38 पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने लोजपा (रामविलास) से इस्तीफा दिया है बिहार के खगड़िया में। 24 जुलाई को खगड़िया जिला मुख्यालय में बैठक कर इन लोगों ने पद से इस्तीफा दिया था।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 27 जुलाई, 2025

'हम पक्षपाती अंपायर के कारण हार रहे'

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया, 2017 में गुजरात ऐसे ही हारे

प्रशिक्षण शिविर में पार्टी के जिला प्रमुखों को दिया आश्वासन, उम्मीदवारों के चयन में उनकी राय का रखा जाएगा ध्यान

राहुल गांधी। फाइल

आणंद, प्रेट्र : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को 'पक्षपाती अंपायर' के कारण हार का सामना करना पड़ा है।

राहुल ने शनिवार को 'संगठन सुजन अभियान' (पार्टी संगठन को मजबूत करने का अभियान) के तहत कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर को संबोधित किया। राहुल ने अपने संबोधन में चुनाव आयोग पर 'पक्षपाती' होने का आरोप लगाया। उन्होंने अपनी पार्टी के जिला प्रमुखों को आश्वासन दिया कि चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन में उनकी राय को ध्यान में रखा जाएगा।

उन्होंने कांग्रेस के नवनियुक्त जिलाध्यक्षों को पार्टी को मजबूत करने का मंत्र भी दिया। राहुल ने पार्टी नेताओं से जनसंपर्क बढ़ाने तथा जनता की समस्याओं के लिए लड़ने की बात कही। कांग्रेस ने 2027 के राज्य विधानसभा चुनावों के मद्देनजर आणंद शहर के पास रिसार्ट में जिला कांग्रेस कमेटियों के नवनियुक्त अध्यक्षों के लिए शिविर का आयोजन किया है। इस शिविर का समापन 28 जुलाई को होगा।

गुजरात कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा ने बताया, राहुल गांधी ने जिला अध्यक्षों को आश्वासन दिया कि नेतृत्व पूरी तरह से पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ है। राजकोट कांग्रेस प्रमुख राजदीपसिंह जडेजा ने कहा, राहुल ने आश्वासन दिया कि विभिन्न चुनावों के लिए उम्मीदवारों के चयन से पहले शहर और जिला इकाई प्रमुखों से परामर्श किया जाएगा।

कांग्रेस के सुरेंद्रनगर जिला प्रमुख नौशाद सोलंकी ने कहा, राहुल जी ने कहा, क्रिकेट में अगर आप बार-बार आउट हो जाते हैं, तो आप खुद पर शक करने लगते हैं, लेकिन फिर आपको अहसास होता है कि आप अपनी गलती की वजह से आउट नहीं हो रहे हैं। राहुल ने कहा कि हम 2017 के गुजरात चुनाव चुनाव आयोग की संदिग्ध मतदाता सूची के कारण हारे थे।

सोलंकी ने कहा, राहुल जी ने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा को उसके मुख्य गढ़ गुजरात में हराना बहुत जरूरी है। पार्टी का मानना है कि हमें उत्तर प्रदेश, बिहार और कुछ अन्य राज्यों में भाजपा को हराने के लिए मेहनत करनी होगी।

सोलंकी ने कहा कि राहुल ने देश की तुलना मंदिर से की, जहां हर कोई आकर प्रार्थना कर सकता है, लेकिन भाजपा-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) यह नियंत्रित कर रहे हैं कि किसे क्या प्रसाद के रूप में मिलेगा।

गुजरात के कांग्रेस नेताओं को राहुल ने दो टूक कहा कि कांग्रेस में रहना है तो पार्टी की रीति नीति के साथ जनता की जनता की समस्याओं पर ध्यान देना होगा। संगठन में निष्क्रिय नेताओं का कोई स्थान नहीं है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल ने पार्टी नेताओं को अपने अपने क्षेत्र की समस्याओं को जोर शोर से उठाने, लोगों की आवाज बनने की नसीहत दी। राहुल ने कहा कि जिलाध्यक्षों को अब अधिक शक्ति देकर वे पार्टी को मजबूत बनाना चाहते हैं।

पुलिस व कांग्रेस नेताओं में नोकझोंक : राहुल से मिलने आए पुल हादसे के पीड़ित परिवारों को पुलिस ने यह कहकर लौटाना चाहा कि उनके पास अधिकृत पास नहीं है। कांग्रेस प्रवक्ता मनीष दोशी ने इस बात को लेकर पुलिस अधिकारी से बहस की। इसके बाद पीड़ित परिवारों के सदस्यों को राहुल से मिलने के लिए जाने दिया गया।

मिले महिसागर हादसे के पीड़ित

महिसागर पुल हादसे के कुछ पीड़ितों के परिवार के सदस्यों ने राहुल से मुलाकात कर 'न्याय' की मांग की। नौ जुलाई को वडोदरा जिले के गंभीरा गांव के पास 40 साल पुराने पुल का हिस्सा ढह जाने से कई वाहन महिसागर नदी में गिर गए, जिसमें 20 लोगों की मौत हो गई थी।

गुजरात में पार्टी को मजबूत करने को सहकारी क्षेत्र में बढ़ाया हाथ

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद : गुजरात में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए पार्टी नेताओं ने सहकारी क्षेत्र की ओर हाथ बढ़ाया है। राहुल गांधी ने आणंद में दुध उत्पादकों व सहकारी नेताओं से मिलकर हाल जाने। दुध उत्पादकों ने राहुल को बताया कि उन्हें दूध का पूरा दाम नहीं मिल रहा है। राहुल ने डेयरी किसानों को अश्वासन दिया कि वह उनकी समस्याओं के समाधान के लिए उनके साथ खड़े रहेंगे।

सहयोगी दलों के मंत्रियों के कारण फडणवीस को होना पड़ रहा शर्मसार

ओमप्रकाश तिवारी • जागरण

- अलग-अलग कारणों से विवाद में रहे हैं सहयोगी दलों के कई मंत्री
- इससे विपक्षी दलों को मिल रहा है फडणवीस पर हमले का मौका

देवेंद्र फडणवीस। फाइल

मुंबई : महाराष्ट्र की गठबंधन सरकार में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के लिए नई-नई मुसीबतें खड़ी होती दिख रही हैं। सहयोगी दलों के मंत्रियों के अलग-अलग कारणों से विवाद में आने से विपक्षी दलों को फडणवीस पर हमला करने का मौका मिल रहा है। इस कारण उन्हें अक्सर शर्मिंदगी का सामना करना पड़ रहा है।

पिछले दिनों राकांपा (अजीत पवार) कोटे से कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे के बयानों एवं कृत्यों से फडणवीस को शर्मसार होना पड़ा। पहले कोकाटे का वीडियो प्रसारित हुआ, जिसमें वह विधानसभा में बैठकर मोबाइल पर रमी खेलते दिखे। उसके बाद उन्होंने राज्य सरकार को 'भिखारी' कहकर शर्मसार किया। इन घटनाओं के बाद फडणवीस को यह कहकर कोकाटे की आलोचना करनी पड़ी कि जब राज्य विधानमंडल में चर्चा चल रही थी, तब मंत्री का इस तरह का कृत्य अस्वीकार्य है। पहली बार नहीं हुआ, जब कोकाटे के कारण राज्य सरकार विपक्ष के निशाने पर आई हो।

राज्य विधानमंडल के बजट सत्र से पहले, कोकाटे को दो दशक से भी अधिक पुराने मामले में जिला अदालत दो साल की सजा सुना चुकी है। इसके अलावा इसी साल कोकाटे ने कथित तौर पर किसानों की तुलना भिखारियों से की थी, जिसकी आलोचना हुई थी। उन्होंने कहा था कि भिखारी भी एक रुपया भीख नहीं लेता, लेकिन यहां हम एक रुपये में फसल बीमा दे रहे हैं। अपने इस बयान पर स्पष्टीकरण देते हुए कोकाटे ने कहा कि सरकार किसानों को एक रुपया नहीं देती, बल्कि उनसे एक रुपया लेती है। सरकार भिखारी है। उनके इस बयान पर फडणवीस को फिर से सार्वजनिक रूप से मंत्री को फटकार लगानी पड़ी थी।

फडणवीस को शर्मिंदा करनेवाले हालात अकेले एक मंत्री के कारण नहीं बने हैं। हाल ही में संपन्न राज्य विधानमंडल के मानसून सत्र में सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट का वीडियो प्रसारित हुआ था, जिसमें वह पैसों से भरा बैग एक तरफ रखकर सिगरेट पीते दिखे। फडणवीस को कहना पड़ा कि किसी मंत्री का इस तरह धूमपान करते दिखना गलत है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना के शिरसाट अपने बेटे के नाम से होटल में निवेश करने के मामले में भी सुर्खियों में रहे हैं।

शिंदे गुट के ही गृह राज्यमंत्री योगेश कदम भी इन दिनों अपनी मां के नाम से मुंबई में डांस बार चलाने के कारण सुर्खियों में हैं। राकांपा कोटे से मंत्री रहे धनंजय मुंडे को भी विवाद के कारण ही पद से त्यागपत्र देना पड़ा था। मानसून सत्र के दौरान ही भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर और राकांपा विधायक जितेंद्र आव्हाड के समर्थकों के बीच खुलेआम हुई मारपीट से भी मुख्यमंत्री को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा था। फडणवीस उस दिन विधानसभा में, शायद पहली बार, गुस्से में दिखे, जब उन्होंने सदन में इस मुद्दे पर चर्चा का जवाब दिया।

उन्होंने कहा था, आठवीं कक्षा के छात्र भी सड़कों पर इस तरह झगड़ा नहीं करते। हालांकि धैर्य और दृढ़ता, फडणवीस की राजनीति के दो सबसे बड़े गुण रहे हैं, लेकिन लगता है कि अब अपने सहयोगियों और अपनों के कारण लगातार मिल रही शर्मिंदगी के चलते उनका धैर्य जवाब देने लगा है।

विस चुनाव से पहले बिहार में बढ़ी पत्रकारों की सम्मान पेंशन राशि

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना

- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक्स हैंडल पर दी जानकारी

नीतीश कुमार। फाइल

विधानसभा चुनाव से बिहार सरकार ने पत्रकार सम्मान पेंशन राशि को छह हजार से बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रतिमाह करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को अपने एक्स हैंडल पर इस आशय की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने लिखा कि इस बारे में विभाग को निर्देश दिया है।

बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के तहत पेंशन प्राप्त कर रहे पत्रकार की मृत्यु होने की स्थिति में उनकी पत्नी को जीवनपर्यंत प्रतिमाह तीन हजार की जगह 10 हजार रुपये की पेंशन राशि दिए जाने का निर्देश दिया गया है। महिला पत्रकारों के मामले में ऐसी स्थिति में उनके पति को प्रति माह दस हजार रुपये दिए जाएंगे।

लोकतंत्र में पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। ये लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं और सामाजिक विकास में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। पत्रकारों की सुविधाओं का हम लोग शुरू से ही ख्याल रख रहे हैं, ताकि वे निष्पक्ष होकर अपनी पत्रकारिता कर सकें। सेवानिवृत्ति के उपरांत सम्मानजनक तरीके से अपना जीवन-यापन कर सकें। मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, बंगाल, तेलंगाना, असम जैसे राज्यों में पत्रकारों के लिए पेंशन योजना चल रही है।

शर्तों के अनुसार 20 वर्ष की सेवा अवधि और इस दौरान भविष्य निधि में राशि जमा होने के प्रमाण के आधार पर 15 हजार रुपये की राशि तय की गई है। अन्य कई राज्यों में सेवा अवधि की शर्तें अगल-अलग हैं।

उदित राज ने राहुल को बताया ओबीसी का दूसरा आंबेडकर

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

- भाजपा का तंज, पूर्वजों ने विरोध किया और बनना है दूसरा आंबेडकर
- जदयू ने कहा कि राहुल को अगला आंबेडकर कहना एक भद्दा मजाक

उदित राज। फाइल

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा यह कहने के बाद कि ओबीसी समुदाय देश की उत्पादक शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है, कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि वह ओबीसी के लिए दूसरे आंबेडकर साबित होंगे। उदित राज की इस टिप्पणी पर राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। भाजपा ने तंज कसा कि पूर्वजों ने आंबेडकर का विरोध किया। उनको चुनाव हरवाया। और बनना है दूसरा आंबेडकर।

उदित राज ने एक्स पर लिखा, ओबीसी को यह सोचना होगा कि इतिहास बार-बार प्रगति के अवसर नहीं देता। उन्हें तालकटोरा स्टेडियम में राहुल गांधी द्वारा कही गई बातों का पालन और समर्थन करना चाहिए। अगर वे ऐसा करते हैं, तो राहुल गांधी उनके लिए दूसरे आंबेडकर साबित होंगे।

उदित राज के इस बयान पर भाजपा प्रवक्ता शहनाज पूनावाला ने एक टीवी चैनल से बात करते हुए कहा कि आंबेडकर और दलितों का अपमान कांग्रेस की पहचान बन चुकी है। कांग्रेस पार्टी के उदित राज कहते हैं कि राहुल गांधी दूसरे आंबेडकर हैं। पहले और एकमात्र आंबेडकर को अपमानित करने का काम किसने किया। गजब की बात है कि पूर्वजों ने आंबेडकर का विरोध किया। उनको चुनाव हरवाया। और बनना है दूसरा आंबेडकर। दूसरा नेहरू नहीं बनना। दूसरी इंदिरा नहीं बनना। इसका मतलब साफ है कि नेहरू और इंदिरा गलत पथ पर थे। इस बात को आज खुद परिवार स्वीकार कर रहा है।

भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि राहुल गांधी को पहले एक अच्छा भारतीय नागरिक बनना चाहिए। कुछ काम करना चाहिए। देश और जनता की सेवा करनी चाहिए। यह 'इंदिरा इज इंडिया, इंडिया इज इंदिरा' का जमाना नहीं है। कल तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने सोनिया गांधी को देवी कहा। ऐसा नहीं है कि कोई व्यक्ति एक दिन उठकर खुद को भगवान कहने लगे। यह जनता तय करती है कि कोई राजनीतिक नेता कैसा है। जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि राहुल गांधी को अगला आंबेडकर कहना एक भद्दा मजाक है। आंबेडकर संविधान निर्माता, दूरदर्शी और सामाजिक अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले योद्धा थे।

बताते चलें, ओबीसी नेताओं और कार्यकर्ताओं के एक सम्मेलन में राहुल गांधी ने स्वीकार किया था कि वह ऐतिहासिक रूप से ओबीसी समुदाय के सामने आने वाली चुनौतियों को पूरी तरह से समझने में विफल रहे हैं। उन्होंने कहा था-मैंने हमेशा दलितों और आदिवासियों का दर्द समझा है। लेकिन, अब मुझे एहसास हो रहा है कि मैं ओबीसी की चिंताओं को गहराई से नहीं समझ पाया।

'कांग्रेस की नीयत में हमेशा रहा खोट, ओबीसी को आरक्षण से रखा वंचित'

राज्य ब्यूरो, जागरण • लखनऊ

- बसपा सुप्रीमो ने राहुल गांधी के बयान को लेकर बोला तीखा हमला
- बोलीं, सत्ता गंवाने के बाद घड़ियाली आंसू बहा रही कांग्रेस

मायावती। फाइल

बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी के ओबीसी की आवाज न उठाने की गलती मानने वाले बयान को बसपा प्रमुख ने एक्स पर पोस्ट कर उनकी स्वीकारोक्ति को घड़ियाली आंसू करार दिया है। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष द्वारा यह स्वीकार करना कि ओबीसी का आरक्षण सहित संवैधानिक हक दिलाने में कांग्रेस विश्वासपात्र नहीं रही है, यह कोई नई बात नहीं है, बल्कि दिल में कुछ व जुबान पर कुछ वाली स्वार्थ की राजनीति है। कांग्रेस की नीति-नीयत में हमेशा खोट रहा। सत्ता खोने के बाद अब इन्हें बहुजन की याद आई। इसे घड़ियाली आंसू ही कहा जाएगा।

मायावती ने पोस्ट में लिखा कि कांग्रेस ने 40 साल तक ओबीसी को आरक्षण के लाभ से वंचित रखा। वंचित व उपेक्षित एससी-एसटी समाज के प्रति कांग्रेस का ऐसा ही दुर्भाग्यपूर्ण रवैया रहा है। इन वर्गों के लोगों को अलग से अपनी पार्टी बसपा बनानी पड़ी है। इसके परिणामस्वरूप कांग्रेस उप्र सहित देश के प्रमुख राज्यों की सत्ता से लगातार बाहर है।

राजद छोड़ने को दो करोड़ लेकर आए थे दानिश रिजवान : भाई वीरेंद्र

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना : राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने शनिवार को कहा कि 2010 के बाद जब राजद के पास महज 22 विधायक थे, तब भी उनके पास पाला बदलने के कई आफर आए थे। जब 22 में 13 विधायक राजद छोड़कर जा रहे थे, तब भी वह लालू प्रसाद के साथ खड़े रहे। आरोप लगाया कि जीतन राम मांझी के खास व हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) नेता दानिश रिजवान उस समय उनके पास दो करोड़ रुपये लेकर आए थे और जदयू में शामिल होने का आफर दिया था, मगर मैंने आफर ठुकरा दिया। उन्होंने कहा कि मेरे नेता लालू प्रसाद हैं, अगर वह कहेंगे यहां डूबना है, तो यहां डूबेंगे, यहां रहना है तो यहां रहेंगे। हमको मंत्रिमंडल में जगह और पैसे नहीं चाहिए। इस आरोप पर हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा से जुड़े दानिश रिजवान ने कहा कि पैसे के लेन-देन की बात ही नहीं है। यह बात 2014 की है। तब नीतीश के प्रति आस्था रखने वाले कई राजद विधायकों ने जदयू को समर्थन दिया था।

पीली टोपी पहन तेजप्रताप बोले, महुआ से निर्दलीय दांव आजमाऊंगा

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना

- राजद विधायक ने कहा- अभी नई पार्टी बनाने का एजेंडा नहीं

तेजप्रताप यादव। फाइल

परिवार और पार्टी से निष्कासित विधायक तेजप्रताप यादव ने एक बार फिर महुआ विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा की है। शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि टीम तेजप्रताप के बैनर तले मैं महुआ से निर्दलीय चुनाव लड़ूंगा। 31 जुलाई को महुआ में मेरा कार्यक्रम है। अभी नई पार्टी बनाने का एजेंडा नहीं है, लेकिन यह तय है कि मेरी इस घोषणा से लोगों को खुजली होने लगेगी। एक प्रश्न में उत्तर में उन्होंने यह भी कहा कि अगर तेजस्वी का भी मन हो तो वे हमारे साथ जुड़ सकते हैं।

भोजपुर के मदन यादव को अपनी टीम में सम्मिलित करते हुए उन्हें शाहपुर से चुनाव मैदान में उतारने की घोषणा की। कहा कि ये हमसे पहले एक और जगह गए थे। उनको गेट पर चार-पांच घंटे नीचे ही बैठना पड़ा। मेरे पास प्रत्याशियों की कमी नहीं है। घोषणा के समय अपने समर्थकों के साथ तेजप्रताप पीले रंग की टोपी पहने हुए थे। पिछले दिनों महुआ विधानसभा क्षेत्र में भ्रमण के दौरान उन्होंने अपने वाहन से राजद का झंडा उतार पीले-हरे रंग की पट्टीदार झंडा लगा लिया था।

बिहार की राजनीति में अभी पीला रंग जन सुराज पार्टी का प्रतीक-रंग बना हुआ है। ऐसे में तेजप्रताप की टोपी को लेकर राजनीतिक निहितार्थ की उधेड़-बुन चल रही कि उन्हें यह टोपी आखिरकार पहनाई किसने है।

बांग्लादेश के निवासी का नाम मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता : 30 साल पहले बंगाल की लड़की से शादी करने वाले एक बांग्लादेशी निवासी का नाम मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। वह बीएनपी नेता भी है। बांग्लादेश निवासी रेजाउल मंडल ने उत्तर 24 परगना जिले के बागदा की युवती से विवाह किया है। उसके तीन बच्चे हैं। हाल में रेजाउल अपने बड़े बेटे फिरोज मंडल के साथ बांग्लादेश चला गया। कुछ दिन पहले बागदा बीडीओ को इस संबंध में एक शिकायत मिली थी। रेजाउल की चुनाव कार्यालय में सुनवाई हुई। इस संबंध में बागदा बीडीओ प्रसून प्रमाणिक ने बताया कि शिकायत के आधार पर जांच के दौरान पिता-पुत्र के पास कोई पहचान संबंधी दस्तावेज नहीं मिला। मामले की जांच की जा रही है।

बीरभूम जिले में सेना के एक जवान पर आरोप है कि उसने फर्जी दस्तावेज का इस्तेमाल कर अपनी दूसरी बांग्लादेशी पत्नी का वोटर, आधार और पैन कार्ड बनवाया है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में मिली हार की गलती पंजाब में नहीं दोहराना चाहती कांग्रेस

इन्द्रप्रीत सिंह • जागरण

- पार्टी के प्रदेश प्रभारी नेताओं को एकजुट करने के लिए कर रहे लगातार बैठकें
- दो दिन में ही दिल्ली में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से कर चुके अलग-अलग बैठक

चंडीगढ़ : पिछले साल हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली हार से पार्टी इतनी सकते में है कि अब इस गलती को वह पंजाब में दोहराना नहीं चाहती। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 13 में से सात सीटें मिली थीं जिससे पार्टी को लग रहा था कि 2027 में वह राज्य की सत्ता में दोबारा लौट सकती है लेकिन इन दिनों पार्टी बुरी तरह से विभाजित हो रखी है जो केंद्रीय लीडरशिप की चिंता का सबसे बड़ा कारण है। उन्हें लग रहा है कि जिस प्रकार से हरियाणा में मिल रही जीत प्रांतीय लीडरशिप के आपस में भिड़ने के कारण हाथ में आते आते भाजपा की ओर चली गई ,कहीं इसकी पुर्नावृत्ति पंजाब में न हो जाए। हाल ही लुधियाना पश्चिमी सीट पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस इस फूट का स्वाद चख चुकी है। कांग्रेस की सबसे मजबूत सीटों में गिनी जाने वाली लुधियाना पश्चिमी सीट पर पार्टी बुरी तरह से हार गई।

इस हार की पुर्नावृत्ति रोकने के लिए कांग्रेस हाईकमान ने अब इस गुटबाजी को खत्म करने का फैसला लिया है लेकिन यह कैसे हो? इसके लिए पार्टी के पंजाब मामलों के प्रभारी भूपेश बघेल एक-एक करके राज्य के सीनियर लीडरशिप से दिल्ली में मिल रहे हैं। शनिवार को इसका दूसरा दिन था। शुक्रवार को सांसद व राजस्थान मामलों के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, सांसद डा. अमर सिंह, सांसद गुरजीत सिंह औजला, सांसद चरणजीत सिंह चन्नी, पूर्व विधायक कुलजीत सिंह नागरा, विधायक परगट सिंह और बीबी राजिंदर कौर भट्ठल आदि से भुपेश बघेल ने विस्तृत चर्चा की।

भूपेश बघेल पार्टी नेताओं से एकजुट होने की अपील तो कर रहे हैं लेकिन सभी की आकांक्षाएं इतनी ज्यादा हैं कि सभी अपने आप को अगला मुख्यमंत्री देख रहे हैं। पार्टी दो धड़ों में बंटी स्पष्ट नजर आ रही है जिसमें एक की अगुआई पार्टी के प्रदेश प्रधान अमरिंदर सिंह राजा बड़िंग कर रहे हैं जिसमें विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा, सुखजिंदर सिंह रंधावा आदि हैं जबकि दूसरे धड़े में राणा गुरजीत सिंह, परगट सिंह, भारत भूषण आशु, चरणजीत सिंह चन्नी आदि हैं।

शनिवार को हुई बैठक में कई नेताओं ने स्पष्ट तौर पर कहा कि लोकसभा चुनाव में सात सीटों पर मिली जीत के बाद हमें इतराना नहीं चाहिए क्योंकि यह जीत पंजाब में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ पड़ी वोट के कारण मिली है।

राष्ट्रीय फलक

राबड़ी के साथ जगदानंद बने राजद के उपाध्यक्ष, शिवानंद को विश्राम

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना

- राष्ट्रीय कार्यकारिणी में लालू ने पुराने चेहरों पर जताया भरोसा, 28 में दो नए

अपने कोर वोट बैंक का ख्याल रखते हुए सुप्रीमो लालू प्रसाद ने राजद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की घोषणा कर दी। समिति में पांच महिलाओं सहित कुल 28 लोगों को स्थान मिला है, जिनमें अधिसंख्य बिहार के और पुराने चेहरे हैं। दायित्व के निर्धारण में अनुभव और दक्षता के साथ लालू परिवार के प्रति समर्पण और वफादारी को वरीयता मिली है। पूर्व उप मुख्यमंत्री राबड़ी देवी फिर उपाध्यक्ष बनाई गई हैं। यही दायित्व निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह को पहली बार मिला है, जो स्वास्थ्य-गत कारणों से एक बार फिर पार्टी की बिहार इकाई की कमान संभालने से मना कर चुके थे। विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी उपाध्यक्ष के पद पर बरकरार रखे गए हैं। चौथे उपाध्यक्ष पूर्व सांसद महबूब अली कैंसर हैं, जो पहली बार इस भूमिका में आए हैं।

बिहार के पूर्व मंत्री अब्दुल बारी सिद्दीकी एक बार फिर प्रधान महासचिव बनाए गए हैं और विधान पार्षद सुनील कुमार सिंह को दोबारा कोषाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है। लालू परिवार से सुनील की इस कदर निकटता है कि राबड़ी उन्हें मुंहबोला भाई बताती हैं। इनके साथ 12 महासचिव और 10 सचिव बनाए गए हैं। कई दलों का भ्रमण कर आईं पूर्व मंत्री रेणु कुशवाहा भी राष्ट्रीय महासचिव बनाई गई हैं। विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत सामाजिक समीकरण को साधने का भरसक प्रयास किया है।

चिराग बोले- अफसोस ऐसी सरकार को समर्थन दे रहा

प्रथम पृष्ठ से आगे

चिराग पासवान। फाइल

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और केंद्रीय खाद्य संस्करण मंत्री चिराग पासवान ने एकबार फिर नीतीश सरकार को घेरा है। उन्होंने दुख जताया कि हम ऐसी सरकार को समर्थन दे रहे, जहां पर अपराध पूर्णतया अनियंत्रित हो चुका है। मुख्यमंत्री नीतीश से पूछा है कि प्रशासन के रहते हुए कोई भी अपराधी राज्य में आपराधिक घटनाओं को कैसे अंजाम दे रहा है? शनिवार को चिराग ने पटना में पत्रकारों से ये बातें कहीं। उनकी इस टिप्पणी को सहयोगी दलों ने आधारहीन और विधानसभा में सीटों के लिए दबाव की रणनीति करार दिया है।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा है कि बिहार में विधि-व्यवस्था अभी ऐसी नहीं है, जैसी 2005 के पहले थी। मुझे खुशी है कि मैं ऐसी सरकार का समर्थन कर रहा, जो अपराध और अपराधियों के साथ कोई समझौता नहीं करती। एनडीए में रहकर इस तरह का बयान देना ठीक नहीं है। जदयू के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि चिराग पुलिस की कार्यशैली पर टिप्पणी कर रहे, लेकिन सुरक्षा उन्हें उसी पुलिस की चाहिए। यह दोहरा मानदंड कैसे चलेगा? भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रेम रंजन पटेल ने कहा कि बिहार में सुशासन की सरकार जीरो टालरेंस की नीति पर काम कर रही।

****

तेजस्वी ने नीतीश सरकार को घेरा

तेजस्वी ने विधि-व्यवस्था की आलोचना की है। अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट भी किया है। लिखा- प्यारे बंधुओं और आदरणीय प्रधानमंत्री, गया में होमगार्ड की बहाली में भाग लेने आई एक बेटी बेहोश होकर गिरी और उसी बेहोशी की हालत में प्रशासन द्वारा बुलाई गई एंबुलेंस में ही उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। बिहार में इसे आप ...राज कहेंगे? अपराधियों द्वारा संरक्षित ...राज कहेंगे?...राज कहेंगे अथवा मोदी-नीतीश का कुशासन कहेंगे? मोदी-नीतीश के...राज में प्रतिदिन माताओं-बहनों-बेटियों और मासूमों की अस्मिता को ऐसे ही लूटा जा रहा है, लेकिन मजाल है कि कोई मंत्री और उप मुख्यमंत्री अपराध, दुष्कर्म और भ्रष्टाचार की अनियंत्रित घटनाओं पर अपनी जुबान हिला सके?

पटना में होटल में बुलाकर नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपित गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, पटना

पटना में हाउसकीपिंग आउटसोर्सिंग के दफ्तर में काम करने वाली नाबालिग से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता को पटना मेडिकल कालेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्वजन की शिकायत पर पुलिस ने पीड़िता के बयान पर आरोपित वीरेंद्र कुमार चौधरी के खिलाफ दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्जकर उसे गिरफ्तार कर लिया है। वह मधुबनी का निवासी है। पटना में ही किराए पर कमरा लेकर रह रहा था। एफएसएल की टीम ने होटल के उस कमरे में भी पहुंचकर जांच की। होटल कर्मी से भी पूछताछ की। उसने बताया कि दोनों ने पति-पत्नी बताकर कमरा बुक किया था। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ला एंड आर्डर-1 कृष्ण मुरारी प्रसाद ने घटना की पुष्टि की और बताया कि सूचना मिलने के कुछ घंटे बाद ही आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया।

आटो से खींचकर पीटा, अस्पताल पहुंचते ही गर्भपात

जासं, मोकामा : पटना जिले के मोकामा में बाइक सवार आठ बदमाशों ने सरेआम सात माह की एक गर्भवती महिला को आटो से खींचकर पिटाई कर दी। अस्पताल पहुंचते ही महिला का गर्भपात हो गया। पीड़िता के स्वजन ने बताया कि महिला अपनी ननद के साथ आटो से भांजे के बर्थडे पार्टी में शामिल होने जा रही थी। रास्ते में पीड़िता के दो देवर और छह अन्य गुंडों ने पिस्तौल के बल पर अन्य को चुप रहने की धमकी दी।

2019 से 2023 के बीच देश के विभिन्न राज्यों में हाथियों के हमलों में 2,800 से अधिक लोगों की जान चली गई। सर्वाधिक 624 मौतें ओडिशा में हुई, जबकि झारखंड में 474, बंगाल में 436, छत्तीसगढ़ में 303 लोगों की मौत हुई।

कारगिल में हमारी सेना ने प्रतिकूल परिस्थितियों में लड़ी लड़ाई : सीडीएस

जनरल अनिल चौहान ने कहा- गोलाबारी के बीच लगभग खड़ी चट्टानों पर चढ़ते हुए हासिल की विजय

कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ पर राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर कारगिल युद्ध के बलिदानियों को श्रद्धांजलि देने पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सीडीएस जनरल अनिल चौहान, उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी। प्रेट्र

नई दिल्ली, एएनआइ : चीफ आफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कारगिल युद्ध में प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि दुश्मन की लाभप्रद स्थिति के बावजूद ऊंची पर्वत चोटियों पर किलेबंद ठिकानों पर कब्जा करके भारतीय सशस्त्र बलों ने असाधारण साहस और सामरिक कौशल का परिचय दिया। उन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों में लड़ाई लड़ी। चरम मौसम की स्थिति में दुश्मन की भारी गोलाबारी के बीच लगभग खड़ी चट्टानों पर चढ़ते हुए विजय हासिल की।

एक्स पोस्ट में हेडक्वार्टर इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ ने कहा कि जनरल अनिल चौहान ने अपने संदेश में कहा, ''कारगिल विजय दिवस प्रत्येक भारतीय को हमारे वीर सैनिकों की अद्वितीय बहादुरी, दृढ़ता और देशभक्ति की याद दिलाता है, जिन्होंने राष्ट्र की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए निडर होकर लड़ाई लड़ी। यह दिवस पाकिस्तान के विश्वासघात की कड़वी सच्चाई की भी याद दिलाता है। मुजाहिदीन के वेश में नियमित सैनिकों को भेजकर संघर्ष को बढ़ाने की पाकिस्तानी सेना की चाल उनके विश्वासघात की कड़ी याद दिलाती है।'' उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल अतीत को याद करने का ही नहीं, बल्कि भविष्य के लिए प्रेरणा लेने का भी दिन है। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में एकजुटता, तैयारी और अटूट साहस के महत्व पर जोर दिया और आपरेशन सिंदूर की सफलता को भारतीय सशस्त्र बलों की क्षमताओं का प्रमाण बताया।

राष्ट्रपति मुर्मु और पीएम मोदी ने जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को देश के उन सशस्त्र बलों के जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने 1999 के कारगिल युद्ध में भारत की भूमि की रक्षा के लिए कठिन परिस्थितियों में बहादुरी से लड़ाई लड़ी और पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी। मुर्मु ने इंटरनेट मीडिया पोस्ट में कहा, ''यह दिन हमारे जवानों की असाधारण वीरता, साहस और दृढ़ निश्चय का प्रतीक है।''

पीएम मोदी ने कहा कि कारगिल विजय दिवस देश को सैनिकों के अद्वितीय साहस और वीरता की याद दिलाता है, जिन्होंने देश के गौरव की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी कर्तव्य निभाते हुए शहीद हुए सैन्य कर्मियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा, ''कारगिल युद्ध के दौरान उनका सर्वोच्च बलिदान हमारे सशस्त्र बलों के अटूट संकल्प की चिरस्थायी याद दिलाता है।'' कांग्रेस ने भी शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर लिखा, ''उनका अदम्य साहस और वीरता हमेशा पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।''

जब पाकिस्तानी डीजीएमओ ने कहा था, मियां साहब ने जूते खाने अकेले भेज दिया

दीप सिंह बोरा, जागरण

1999 में भारत की ताकत देख पाक ने वार्ता के लिए अपने डीजीएमओ को भेजा था अटारी

- तत्कालीन उप महानिदेशक (सैन्य अभियान) रहे मोहन चंद्र भंडारी ने साझा किया किस्सा
- पाकिस्तानी सेना ने 1999 में समझौते का उल्लंघन कर कारगिल सेक्टर में एलओसी पर खाली भारतीय अग्रिम चौकियों पर कब्जा कर लिया था

रानीखेत (अल्मोड़ा): कारगिल युद्ध को 26 साल बीत गए हैं। यह महज लड़ाई नहीं, बल्कि भारतीय फौज के अदम्य साहस, शौर्य, पराक्रम और रणकौशल की गाथा है। कारगिल युद्ध से जुड़े कई किस्से हैं जो वैश्विक पटल पर आज भी भारत की ताकत और पाकिस्तान की सिहरन को जगजाहिर करते है।

भारत के तत्कालीन उप महानिदेशक (सैन्य अभियान) ब्रिगेडियर मोहन चंद्र भंडारी बताते हैं कि दोनों देशों के पीएम के बीच वार्ता के बाद पाक ने तय किया कि वह अपने डीजीएमओ तौकीर जिया को बातचीत के लिए अटारी बार्डर भेजेगा। युद्ध में भारत के पराक्रम को देख पहले से डरा पाक उस समय डीजीएमओ का प्रोटोकाल तक भूल गया और तौकीर को अकेले ही अटारी जाने के आदेश दे दिए।

भंडारी कहते हैं कि जब मैंने तौकीर से अटारी में हाल पूछा तो जवाब मिला- क्या करूं, मियां साहब (नवाज शरीफ) ने जूते खाने के लिए अकेले भेज दिया। उनके चेहरे पर मायूसी के भाव था वह सिगरेट फूंके जा रहे थे। उन्हें देखकर साफ लग रहा था कि कारगिल में हमारे सैनिकों की बहादुरी से पाकिस्तान को अपने अस्तित्व की चिंता थी।

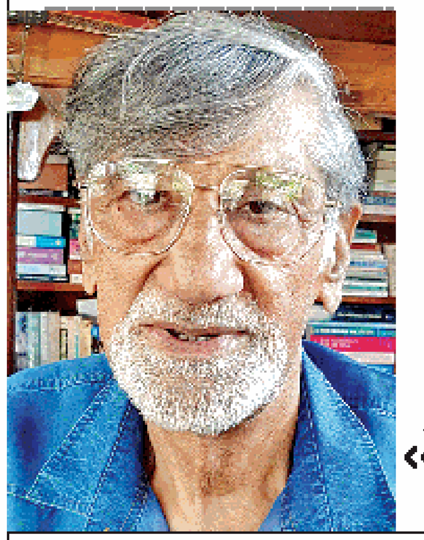

« लेफ्टिनेंट जनरल मोहन चंद्र भंडारी (सेवानिवृत्त)। फोटो- साभार- स्वयं

> पाकिस्तान सेना और सरकार विश्वास करने लायक नहीं है। वहां प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री आदि सब मुखौटा हैं। सेना ही सर्वेसर्वा है। अमेरिका या चीन से वार्ता कब कैसे करनी है, अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर क्या निर्णय लिए जाने हैं, यह सब वहां की फौज तय करती है।
> **- रक्षा विशेषज्ञ मोहन चंद भंडारी, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) एवं पूर्व उप डीजीएमओ**

वाजपेयी ने नवाज से फोन पर कहा- आपकी कहानी खत्म

अल्मोड़ा निवासी मोहन चंद्र भंडारी लेफ्टिनेंट जनरल पद से सेवानिवृत्त हैं। कारगिल युद्ध के दौरान उप महानिदेशक (सैन्य अभियान) का दायित्व उनके पास था। जागरण से बातचीत में उन्होंने बताया कि जब पाक हताश हुआ तो तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने सात जुलाई को पाकिस्तानी पीएम नवाज शरीफ को फोन कर कहा- आपकी कहानी खत्म। युद्ध रोकूं, उससे पहले अपने डीजीएमओ को अटारी भेजो। हम अपने डीजीएमओ को भेज रहे हैं। वह युद्ध संबंधी निर्देशन देंगे। एलओसी से पीछे हटो।

नौवीं के छात्र ने की आत्महत्या, सुसाइड नोट मिलने पर शिक्षकों पर केस

जागरण संवाददाता, लुधियाना : पंजाब के लुधियाना में नौवीं कक्षा के छात्र ने घर की छत पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्र ने सुसाइड नोट में शिक्षकों से दुखी होने की बात लिखी है। थाना डिवीजन नंबर छह की पुलिस ने मृतक के पिता बलविंदर सैनी की शिकायत पर दो शिक्षकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मृतक छात्र की पहचान कबीर नगर क्षेत्र के पास निर्मल पैलेस निवासी 13 वर्षीय हर्ष सैनी के रूप में हुई, जो मूलरूप से दीनानगर, गुरदासपुर का निवासी था।

एएसआइ प्रितपाल सिंह ने बताया कि हर्ष के पिता बलविंदर सैनी एक कंपनी में अकाउंटेंट हैं। हर्ष एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ता था। शुक्रवार दोपहर वह रोज की तरह स्कूल से घर लौटा लेकिन परिवार के अनुसार, उस समय वह कुछ परेशान था। दोपहर का खाना खाने के बाद वह घर की छत पर चला गया। रात आठ बजे जब उसके पिता काम से लौटे तो वह घर पर नहीं मिला। इसके बाद उसे गली और आसपास तलाशा गया। जब कुछ पता नहीं चला तो पिता छत पर गए।

सैनिकों व स्वजन को मिलेगी निश्शुल्क कानूनी सेवाएं

राज्य ब्यूरो, जागरण • श्रीनगर

- कारगिल विजय दिवस पर वीर परिवार सहायता योजना का शुभारंभ
- सैनिक कल्याण बोर्डों में विधिक सेवा क्लीनिक स्थापित होंगे

कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ पर शनिवार को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने वीर परिवार सहायता योजना का शुभारंभ किया। योजना के तहत सैनिकों और उनके स्वजन को निश्शुल्क कानूनी सहायता सेवाएं प्रदान की जाएंगी। शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में उत्तरी क्षेत्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के सम्मेलन में न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि इस के तहत सभी राज्यों के सैनिक कल्याण बोर्डों में विधिक सेवा क्लीनिक स्थापित किए जाएंगे। समारोह में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा उपस्थित थे।

योजना का संदेश है- सीमाओं पर देश की सेवा करें, हम घर पर आपके परिवार की देखभाल करेंगे। सभी राज्यों के सैनिक कल्याण बोर्डों में स्थापित किए जाने वाले विधिक सेवा क्लीनिकों में सेवानिवृत्त और सेवारत सैनिकों और उनके परिवार के सदस्यों, दोनों को निश्शुल्क कानूनी सहायता मिलेगी। क्लीनिकों में विधिक सेवा प्राधिकरण के पैनल वकील और अर्ध-कानूनी स्वयंसेवक भी मौजूद रहेंगे।

वीरों, वीरागंनाओं का ऋण नहीं चुका सकते : मनोज सिन्हा

उपराज्यपाल ने कहा कि हम अपनी बहादुर सेनाओं के वीरों, वीरागंनाओं तथा उनके परिवारों का ऋण नहीं चुका सकते है। हम उनके लिए गरिमापूर्ण जीवन को सुनिश्चित बनाकर ही हम उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त कर पाएंगे। विधिक सेवा प्राधिकरण सेना के जवानों और आदिवासी समाज के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए बड़े कदम उठाए हैं जो सराहनीय हैं।

ई-श्रद्धांजलि पोर्टल से भी करें बलिदानियों को नमन

राज्य ब्यूरो, जागरण • श्रीनगर

- क्यूआर कोड आधारित आडियो गेटवे और सिंधु व्यू प्वाइंट भी लांच
- युद्ध के किस्से सुनने के साथ बटालिक सेक्टर तक जाने का मिलेगा मौका

अब देशवासी अपने घर पर बैठकर कारगिल के वीर बलिदानियों को अपने श्रद्धासुमन अर्पित कर सकेंगे। कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ पर शनिवार को थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने द्रास में ई-श्रद्धांजलि पोर्टल समेत तीन परियोजनाओं को शुरू किया। अन्य परियोजनाओं में क्यूआर कोड आधारित आडियो गेटवे शामिल है, जिसपर लोग 1999 के कारगिल युद्ध से जुड़ी कहानियां सुन सकते हैं। तीसरा भी क्यूआर कोड आधारित सिंधु व्यू प्वाइंट है, जो लोगों को बटालिक सेक्टर में नियंत्रण रेखा तक जाने का अवसर प्रदान करता है।

1999 में पाकिस्तानी सेना ने समझौते का उल्लंघन कर कारगिल सेक्टर में एलओसी पर खाली भारतीय अग्रिम चौकियों पर कब्जा कर लिया था। पाकिस्तानी सेना को खदेड़ने के लिए भारतीय सेना ने आपरेशन विजय चलाया था। इस युद्ध में पाकिस्तानी सेना को मुंह की खानी पड़ी और वह अपने कई सैनिकों के शवों को छोड़कर भाग निकली थी। 1999 में 26 जुलाई को ही भारतीय सेना ने आपरेशन विजय की सफल समाप्ति की घोषणा की थी। कारगिल की बर्फीली चोटियों पर लगभग तीन महीने तक चली लड़ाई के बाद तोलोलिंग और टाइगर हिल जैसे अति-ऊंचे व दुर्गम चोटियों को भारतीय सेना ने फिर अपने कब्जे में ले लिया था।

केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के साथ द्रास स्थित कारगिल युद्ध स्मारक पर कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित रैली में भाग लेते हुए। प्रेट्र

ई-श्रद्धांजलि पोर्टल : सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अब कोई भी नागरिक स्मारक पर जाए बिना ही देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों को ई-श्रद्धांजलि दे सकता है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य लोगों को सशस्त्र बलों द्वारा दिए गए बलिदान और अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते समय उनके द्वारा झेली गई कठिनाइयों के बारे में जागरूक करना है।

उन्होंने बताया कि इस एप के जरिए लोग 1999 में पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ने के लिए लड़ी गई विभिन्न लड़ाइयों की कहानियां सुन सकते हैं।

पंजाब में चार और बच्चों को भिक्षावृत्ति से बचाया : बलजीत कौर

राज्य ब्यूरो, जागरण • चंडीगढ़ : पंजाब को भिक्षावृत्ति से मुक्त बनाने के लिए शुरू किए गए अभियान जीवनजोत-2 के तहत शनिवार को चार बच्चों को भिक्षावृत्ति से बचाया गया। यह चारों बच्चे फाजिल्का और पटियाला से बचाए गए हैं। इनमें से दो बच्चों के अभिभावकों की ओर से सुबूत दिए जाने के बाद उनको बच्चों को सौंप दिया गया। शेष दो बच्चों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। यह जानकारी सामाजिक सुरक्षा, महिला व बाल विकास मंत्री डा. बलजीत कौर ने दी। उन्होंने कहा कि 10 दिन से शुरू किए गए इस अभियान के तहत अब तक 192 बच्चों को बचाया जा चुका है।

कौर ने बताया कि भीख मांगते बच्चों को बचाने के लिए शनिवार को 16 जिलों में जिला बाल सुरक्षा टीमों द्वारा विशेष जांच की गई। ये छापे बरनाला, बठिंडा, फतेहगढ़ साहिब, गुरदासपुर, फाजिल्का, होशियारपुर, मालेरकोटला, मोगा, पटियाला, रूपनगर, एसएएस नगर, एसबीएस नगर, श्री मुक्तसर साहिब और तरनतारन में मारे गए।

मेरठ में खुली लिफ्ट में गर्दन फंसने से खेल कारोबारी की मौत

जासं, मेरठ : इंडियन स्पोर्ट्स वियर फैक्ट्री की खुली लिफ्ट में गर्दन फंसने से खेल कारोबारी की मौत हो गई। पुलिस ने घटना की जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज कब्जे में ले ली है। मेरठ निवासी हरविंदर सिंह उर्फ पिंटू की खेल उत्पादों की फैक्ट्री है।

शनिवार शाम को हरविंदर तीसरी मंजिल से कुछ सामान लाने के लिए खुली लिफ्ट से जा रहे थे। यह खुली लिफ्ट सामान लाने के लिए लगाई गई है। प्रथम तल पर सामान का बोरा लिफ्ट के समीप पड़ा था। वह चलती लिफ्ट से उसे साइड करने लगे। उस समय उनकी गर्दन लिफ्ट से बाहर निकल रही थी। जब तक लिफ्ट ऊपर पहुंची उनकी गर्दन बाहर होने की वजह से दूसरी मंजिल के लेंटर और लिफ्ट के बीच में फंस गई। करीब 30 मिनट बाद लिफ्ट को नीचे खींचकर उनको बाहर निकाला गया। उस समय उनकी सांसें चल रहीं थीं। परिवार के लोग न्यूटिमा अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

पुरुष भी ले रहे लाड़की बहिन योजना का लाभ

राज्य ब्यूरो, मुंबई

- शिंदे सरकार के समय शुरू की गई योजना में बड़ा घोटाला सामने आया
- राज्य सरकार ने कहा- पैसे वापस लिए जाएंगे, कानूनी कार्रवाई की जाएगी

पिछले साल विधानसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री माझी लाड़की बहिन योजना में बड़े घोटाले की जानकारी सामने आ रही है। पता चला है कि 14 हजार पुरुष भी इस योजना का लाभ ले रहे हैं। राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा है कि इस योजना में यदि पुरुषों ने गलत तरीके से कोई लाभ लिया है, तो न सिर्फ उनसे पैसे वापस लिए जाएंगे, बल्कि उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के डाटा की जांच में यह बात सामने आई है कि 21 से 65 वर्ष की महिलाओं के लिए शुरू की गई लाड़की बहिन योजना में 14,298 पुरुष भी लाभार्थी हैं। पिछले वर्ष अगस्त में शुरू की गई इस योजना पर सरकार 42 हजार करोड़ रुपये खर्ज कर रही है। लाभार्थी महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये आनलाइन उनके खाते में ट्रांसफर किए जाते हैं। कुछ ही माह पहले बड़ी संख्या में अपात्र महिलाओं द्वारा भी इस योजना का लाभ लेने की बात सामने आई थी। इसके बाद उन्हें यह लाभ देना बंद कर दिया गया था और उन्हें दी गई राशि वापस लेने की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। अब सरकार ने जांच शुरू कर दी है कि पुरुषों ने महिलाओं के लिए बनी योजना में आवेदन कैसे किया और उनकी सही जांच क्यों नहीं हो पाई?

योजना में घोटाला सामने आने के बाद राकांपा (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने इस गड़बड़ी के लिए राज्य की महायुति सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा है कि जल्दबाजी में योजना लागू करने के कारण ऐसी गड़बड़ी सामने आ रही है। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले के अनुसार, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस स्पष्ट कर चुके हैं कि गलत तरीकों से इस योजना का लाभ लेने वाली महिलाओं से पैसा लिया ही जाएगा। लेकिन, यदि कोई पुरुष इस योजना का लाभ ले रहा है, तो उससे भी पैसा वापस लिया जाएगा। साथ ही उसके विरुद्ध एफआइआर दर्ज कर उस पर कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री अजीत पवार ने भी मामले की जांच करवाने एवं पैसा वापस लिए जाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि यह योजना गरीब महिलाओं की मदद के लिए शुरू की गई थी।

पुरुषों को इसका लाभार्थी बनाने का कोई कारण नहीं है। हम उन्हें दी गई राशि वसूल करेंगे। अगर वे सहयोग नहीं करते हैं, तो आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सतना में अजब मामला, आय प्रमाण पत्र में दर्शा दी तीन रुपये वार्षिक आय

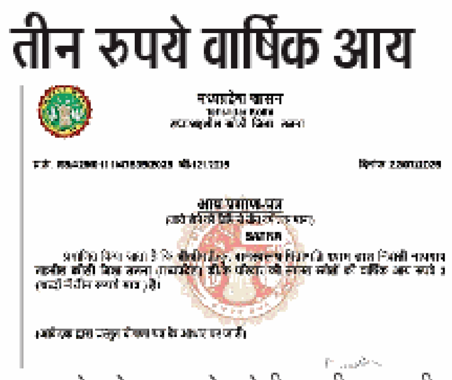

मध्य प्रदेश के सतना के कोठी तहसीलदार की ओर से जारी आय प्रमाण पत्र। इंटरनेट मीडिया

नईदुनिया प्रतिनिधि, सतना : मध्य प्रदेश के सतना जिले की कोठी तहसील से जारी एक आय प्रमाण पत्र ने सरकारी तंत्र की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नयागांव निवासी रामस्वरूप के नाम पर 22 जुलाई को जारी प्रमाण पत्र में उनकी वार्षिक आय मात्र तीन रुपये दर्शाई गई है, जो औसतन 25 पैसे प्रतिमाह बैठती है।

यह प्रमाण पत्र तहसीलदार सौरभ द्विवेदी के हस्ताक्षर से जारी हुआ। जैसे ही प्रमाण पत्र इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित हुआ, लोग हैरान रह गए। रामस्वरूप ने आवेदन में अपनी वार्षिक आय 30 हजार रुपये दर्शाई थी। तहसीलदार ने बताया कि लिपिकीय त्रुटि से यह गलती हुई थी।

अनजान की पुकार सुन 385 किमी चल सतीश ने बचाई युवक की जान

जासं, संबलपुर

- सड़क दुर्घटना में घायल संबलपुर के युवक को "ओ पाजिटिव बांबे" रक्त समूह की थी आवश्यकता
- जानकारी मिलते ही छत्तीसगढ़ से सतीश सिंह ने संबलपुर में आकर किया रक्तदान

छत्तीसगढ़ के रायपुर निवासी सतीश सिंह ने सड़क मार्ग से 385 किलोमीटर की यात्रा कर ओडिशा के संबलपुर में सड़क दुर्घटना में घायल युवक मो. इनायत की जान बचाकर मानवता की मिसाल पेश की। युवक को दुर्लभ ''ओ पाजिटिव बांबे'' रक्त की आवश्यकता थी। जानकारी मिलते ही सतीश ने यात्रा शुरू की और संबलपुर पहुंचकर रक्तदान किया जिससे युवक की जान बच पाई।

घटना 19 जुलाई की है। संबलपुर का एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। युवक का एक पैर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था। डाक्टरों ने आपरेशन के लिए 3 से 4 यूनिट ''ओ पाजिटिव बांबे'' ब्लड की मांग की, जो अत्यंत दुर्लभ है। उस समय मरीज का हीमोग्लोबिन स्तर 4.6 प्रतिशत तक गिर चुका था। स्वजन की अपील पर संबलपुर की सामाजिक संस्था संबल के रामदास पंडा ने सतीश सिंह से संपर्क किया।

सतीश ने कटक जाकर रक्तदान करने की बजाय संबलपुर में ही रक्तदान की सहमति दी। मरीज के स्वजन रक्त का नमूना लेकर संबलपुर मुख्य अस्पताल पहुंचे, शुक्रवार की रात सतीश ने 385 किमी की यात्रा कर वहां पहुंच रक्तदान किया।

दुर्लभ "ओ पाजिटिव बांबे" रक्त

ओ पाजिटिव बांबे रक्त एक अत्यंत दुर्लभ रक्त समूह है, जिसे आमतौर पर बांबे ब्लड ग्रुप कहा जाता है। इसकी पहचान 1952 में मुंबई में हुई थी, यह रक्त 10,000 में से केवल 4 में ही पाया जाता है।

सुखद

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटे छात्रों के लिए इंटरनेट व शांत स्थान उपलब्ध करा रहे, पिछले दो-तीन वर्षों में इंफाल क्षेत्र और काकचिंग जिले में 40 से ज्यादा निजी पुस्तकालय खुले

हिंसा के शोर में मणिपुर के पुस्तकालयों में मिल रहा सुकून

- केवल 1,000 रुपये से लेकर 1,300 तक की मासिक फीस से पूरी हो रही पाठकों की जरूरत

इंफाल, प्रेट्र : मणिपुर में मैतेई और कुकी-जो समुदायों के बीच जारी जातीय हिंसा के परिणामस्वरूप अस्थिरता एवं अनिश्चितता के आलम में वहां के पुस्तकालय लोगों के लिए प्रगति का मार्ग प्रशस्त करे रहे हैं। हिंसा के शोर में उन्हें इन पुस्तकालयों में सुकून मिल रहा है। अपर्याप्त इंटरनेट कनेक्शन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए घर पर उपयुक्त जगह न होने जैसी समस्याओं से दो-चार हो रहे नौकरी के इच्छुक छात्र अब निजी पुस्तकालयों का रुख कर रहे हैं। ये पुस्तकालय उन्हें कम खर्च में दोनों सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं।

व्यापक शैक्षणिक सामग्रियों से भरे पारंपरिक पुस्तकालयों के विपरीत ये निजी पुस्तकालय पत्रिकाएं, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अध्ययन सामग्री, वाइ-फाइ इंटरनेट कनेक्शन और एक शांत, आरामदायक वातावरण प्रदान करते हैं जहां लोग अपने साथ लाई गई पुस्तकों को पढ़ने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। राज्य सिविल सेवा परीक्षा और सीडीएस परीक्षाओं की तैयारी में जुटे कई छात्र और सरकारी नौकरी के इच्छुक लोग इंफाल क्षेत्र और काकचिंग जिले के 40 निजी पुस्तकालयों में इन सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं क्योंकि उनके घरों में पढ़ने के लिए उपयुक्त माहौल नहीं है, और कई लोग राज्य में जातीय हिंसा के बीच बार-बार इंटरनेट बंद होने से भी पीड़ित हैं।

प्रतीकात्मक

'बुक्स एंड ब्रेन' के सह-संस्थापक ए. मयंगलम्बम ने बताया, ''तीन साल पहले इंफाल में पांच से भी कम निजी पुस्तकालय या पढ़ने की जगहें थीं। मेरे कई दोस्तों को और मुझे भी इन जगहों पर सीट नहीं मिल पाती थी क्योंकि सीटें सीमित थीं। मेरे मन में पाठकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक पुस्तकालय स्थापित करने का विचार आया, खासकर उन लोगों के लिए जिन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी कर ली है और विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि इंफाल के केसम्पट इलाके में स्थित उनके पुस्तकालय में आने वाले ज्यादातर लोग नीट और अन्य राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। इस पुस्तकालय की क्षमता 92 लोगों की है। मयंगलम्बम स्वयं बैंकिंग परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं।''

घारी में 'माई रीडिंग रूम' चलाने वाले जानसन युमनाम ने बताया कि पिछले दो-तीन वर्षों में इंफाल क्षेत्र और काकचिंग जिले में 1,000 रुपये से लेकर 1,300 रुपये तक की मासिक फीस वाले 40 से ज्यादा निजी पुस्तकालय खुले हैं, जो पाठकों की जरूरतों को पूरा करते हैं। कोविड महामारी और जातीय संघर्ष के बाद निजी पुस्तकालयों में उन युवाओं की अचानक रुचि बढ़ी है जो एसएससी, बैंकिंग और यूपीएससी जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं में गहरी रुचि ले रहे हैं।

****

भारतीय दर्शन पर आधारित शिक्षा प्रणाली राष्ट्र विकास के लिए आवश्यक : भागवत

कोच्चि, प्रेट्र : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि देश में शिक्षा प्रणाली उपनिवेशी विचारों के दीर्घकालिक प्रभाव के तहत विकसित हुई है। विकसित राष्ट्र के लिए भारतीय दर्शन पर आधारित वैकल्पिक प्रणाली तैयार करने की आवश्यकता है। आरएसएस से जुड़े शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित राष्ट्रीय चिंतन बैठक के दूसरे दिन प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि स्वयंसेवकों को अपने कार्यक्षेत्र में सक्षम बनना चाहिए। दूसरों को आगे बढ़ाने के लिए मित्रवत संबंध विकसित करने चाहिए। बैठक का उद्घाटन शुक्रवार को किया था।

संस्कृति उत्थान न्यास ने बयान में कहा कि मोहन भागवत रविवार को राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन 'ज्ञान सभा' को संबोधित करेंगे। हालांकि सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन 28 जुलाई सोमवार को होगा। न्यास ने दावा किया कि ''भारतीय दर्शन पर आधारित शिक्षा प्रणाली'' ''सामाजिक सुधार और राष्ट्रीय प्रगति'' का मार्ग प्रशस्त करेगी।

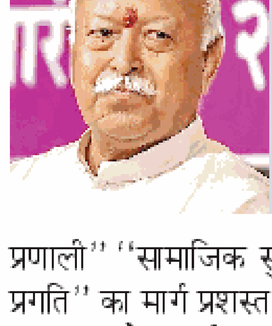

सरसंघचालक ने कहा- अपने कार्यक्षेत्र में सक्षम बनें स्वयंसेवक

न्यास के राष्ट्रीय महासचिव अतुल कोठारी ने कहा कि नैतिक मूल्यों में गिरावट, महिलाओं के खिलाफ हिंसा में वृद्धि, पर्यावरणीय समस्याएं आदि हमारे समाज को गंभीर संकट की ओर ले जा रही हैं। उन्होंने इसका समाधान खोजने की सलाह दी। कोठारी ने कहा कि ज्ञान सभा का आयोजन भारत के संदर्भ में किया जा रहा है, जो दुनिया की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है, जिसने अपनी अनूठी तकनीक के माध्यम से चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव तक सफलतापूर्वक पहुंचकर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपनी श्रेष्ठता का प्रदर्शन किया है।

योगी पर जल चढ़ाने पहुंचे कांवड़िये, बोले-उनको मानते हैं भगवान

जासं, लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर शनिवार को कुछ छात्र कांवड़िये जल चढ़ाने के लिए पहुंच गए। सुरक्षा को देखते हुए वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें पकड़ लिया। विरोध करने पर उन्हें बस में बैठाकर ईको गार्डन पहुंचा दिया। छात्रों ने बताया कि वह 121 किलोमीटर पैदल चल कर आए हैं।

यात्रा की अगुआई कर रहे राष्ट्रीय छात्र पंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवम पांडेय ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी को भगवान मानते हैं। इसलिए गोंडा से पैदल चलकर लखनऊ आए हैं, ताकि उनसे मिलकर फीस नियंत्रण कानून की मांग कर सकें। सभी के पैर में छाले पड़ चुके हैं। हम सब बेहद थक चुके थे, लेकिन उम्मीदों से भरे थे, लेकिन यहां पहुंचने पर उनसे मिलने नहीं दिया गया। छात्रों ने बताया कि फीस रेगुलेशन बिल लाकर निजी स्कूलों की मनमानी रोकने के लिए बीते 30 अप्रैल को विधानभवन का घेराव किया था, तो दस दिन में कार्रवाई का आश्वासन मिला था। बावजूद इसके कुछ नहीं हुआ।

12 हजार 390 करोड़ रुपये का निवेश हुआ इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण के लिए पीएलआइ योजना के तहत, इससे जून 2025 तक 1.3 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए हैं। भारत अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल विनिर्माण देश है।

नागौर व सिरोही में दो और स्कूलों की छत गिरी

राजस्थान सरकार के शिक्षा विभाग ने माना जर्जर भवनों में चल रहे हैं 2256 स्कूल और एक हजार आंगनबाड़ी केंद्र

सवाई माधोपुर, कोटा व उदयपुर में ग्रामीणों ने धरना देकर स्कूल पर ताला जड़ा

जागरण संवाददाता, जयपुर

राजस्थान में झालावाड़ के पिपलोदी गांव के सरकारी स्कूल के कमरे की छत गिरने से सात बच्चों की मौत और 21 बच्चों के घायल होने के दूसरे दिन शनिवार को नागौर और सिरोही जिले में भी दो सरकारी स्कूलों की छत गिर गई। दोनों जगह कोई बच्चा नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। इस बीच, राज्य सरकार के शिक्षा विभाग ने आंतरिक रिपोर्ट में माना है कि प्रदेश में 2256 सरकारी स्कूलों एवं एक हजार से अधिक आंगनबाड़ी केंद्रों के भवन जर्जर हालत में है। इनमें से 112 ऐसे हैं, जो दशकों पुराने भवनों में चल रहे हैं।

नागौर के खारियावास गांव के राजकीय प्राथमिक स्कूल की छत गिरने को लेकर ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल भवन करीब 18-19 साल पहले बना था, लेकिन निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नहीं था। छत सुबह सात बजे गिरी, तब तक बच्चे मैदान में प्रार्थना सभा के लिए एकत्रित हो चुके थे। सिरोही के बंजाराफली प्राथमिक स्कूल के बरामदे की छत गिरी, वहां भी उस समय कोई बच्चा नहीं था। उधर, झालावाड़ में हुए हादसे के बाद प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में ग्रामीणों ने जर्जर स्कूल भवन के मुद्दे पर धरना-प्रदर्शन किया और कई स्कूल भवनों में ताला भी लगा दिया। सवाई माधोपुर में रामनगर सरकारी स्कूल की जर्जर हालत के विरोध में ग्रामीणों ने वहां ताला जड़ दिया। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर शीघ्र भवन मरम्मत का आश्वासन दिया। कोटा जिले के मेहंदी और उदयपुर के भीमल गांव में भी ग्रामीणों ने जर्जर स्कूल भवन पर ताला जड़ दिया।

झालावाड़ के पिपलोदी गांव के सरकारी स्कूल के कमरे की छत गिरने के बाद वहां पड़ा मलबा। एएनआइ

हापुड़ में विद्यालय में छत का गिरा प्लास्टर, दो छात्र घायल

जागरण संवाददाता, हापुड़ : हापुड़ के भमैड़ा गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में शनिवार दोपहर कक्षा पांच के कमरे की छत का प्लास्टर अचानक गिर गया। इस घटना में दो छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि 29 छात्र बाल-बाल बचे। विद्यालय 20 वर्ष पुराना है और इसकी जर्जर स्थिति के कारण कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। अचानक मलबा गिरने से छात्रों में अफरा-तफरी मच गई।

शहडोल में स्कूल भवन की छत गिरी, बच्चे भाग कर बचे

नईदुनिया प्रतिनिधि, शहडोल : मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के बोड़री ग्राम पंचायत के सेहराटोला स्थित शासकीय प्राथमिक स्कूल की छत का एक हिस्सा शनिवार सुबह गिर गया। घटना के समय कक्षा में बच्चे और शिक्षक मौजूद थे। अचानक छत गिरने से सभी ने भागकर अपनी जान बचाई। स्कूल भवन 1999-2000 में बना था, जहां कक्षा एक से पांचवीं तक 33 बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं।

पिपलोदी में हादसे के दूसरे दिन भी किसी ने नहीं किया भोजन

जागरण संवाददाता, जयपुर

- ग्रामीणों की आंखों से अनवरत बहती अश्रुधाराओं के बीच बच्चों का हुआ अंतिम संस्कार

राजस्थान के झालावाड़ जिले के पिपलोदी गांव में सरकारी स्कूल की छत गिरने से शुक्रवार को सात बच्चों की मौत के बाद से पूरे गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों की आंखों से अनवरत अश्रुधाराएं बह रही हैं, किसी ने भी हादसे के बाद से भोजन नहीं किया है। शनिवार को बच्चों का अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें दो भाई-बहन कान्हा और मीना का अंतिम संस्कार एक ही अर्थी पर किया गया। शिक्षामंत्री मदन दिलावर सहित कई अधिकारी पिपलोदी गांव में ही मौजूद हैं।

सरकार ने मृतक बच्चों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और संविदा पर नौकरी देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उच्च स्तरीय समिति गठित कर पांच दिन में हादसे की रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने सभी जिलों के सरकारी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति का जायजा लेने का भी निर्देश दिया है। बता दें कि शिक्षा विभाग ने हादसे के बाद 10 लोगों को निलंबित किया है, जिनमें पांच शिक्षक हैं। निलंबित शिक्षकों को पुलिस ने सुरक्षा के लिहाज से थाने में बिठाकर रखा है। शिक्षकों के स्वजनों को भी ध्यान रखने के लिए कहा गया है।

उधर, हादसे में घायल 21 बच्चों का अस्पताल में उपचार जारी है, जिनमें से गंभीर स्थिति में रहे नौ बच्चों में से केवल दो की हालत में सुधार हुआ है। इस बीच, छात्र नेता नरेश मीणा की रिहाई की मांग को लेकर शनिवार को उनके समर्थकों ने बांरा-झालावाड़ मेगा हाईवे पर जाम लगा दिया। पुलिस ने उन्हें बल प्रयोग कर हटाया। दरअसल, शुक्रवार को हादसे के बाद नरेश अस्पताल के बाहर धरने पर बैठ गए थे।

छत्तीसगढ़ व झारखंड में सात माओवादी मुठभेड़ में ढेर

- बीजापुर में मारे गए चार माओवादियों की अभी पहचान नहीं, जारी है मुठभेड़
- गुमला में ढेर तीन माओवादियों के पास से मिलीं एक एके 47, दो इंसास राइफल

गिरफ्तार महिला माओवादी के साथ सुरक्षा बल के अधिकारी। पुलिस

जागरण टीम, नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ के बीजापुर और झारखंड के गुमला में सुरक्षा बलों ने शनिवार को मुठभेड़ में सात माओवादियों को मार गिराया। बीजापुर के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में शनिवार को ही सर्च आपरेशन पर निकले सुरक्षाबल के साथ माओवादियों की मुठभेड़ शुरू हो गई। शाम तक चार माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं। घटनास्थल से इंसास व एसएलआर सहित बड़ी संख्या में हथियार, विस्फोटक सामग्री व दैनिक उपयोग की सामग्री भी मिले हैं। अधिकारियों का कहना था कि मुठभेड़ रुक-रुक कर जारी है। मारे गए माओवादियों की पहचान की जा रही है।

उधर, गुमला जिला स्थित घाघरा थाना क्षेत्र के लावादाग गांव में सुबह हुई मुठभेड़ में प्रतिबंधित संगठन जेजेएमपी के तीन माओवादी ढेर किए गए, जिनमें एक की पहचान दिलीप लोहरा के तौर पर हुई है। एसपी हारिश बिन जमा ने बताया कि माओवादियों के बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए एकत्रित होने की सूचना के बाद कार्रवाई की गई।

सुकमा में पांच लाख की इनामी महिला माओवादी गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ के सुकमा में विधानसभा चुनाव 2023 में मतदान दल पर हमले की साजिश रचने वाली पांच लाख की इनामी महिला माओवादी माड़वी सुक्की को सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। माड़वी सुक्की पामेड़ एरिया कमेटी में एलओएस कमांडर के रूप में सक्रिय थी।

ठगी की रकम पाक भेजने वाले पांच गिरफ्तार, टेरर फंडिंग की आशंका

जागरण संवाददाता, बलरामपुर

- गिरोह के सरगना के पास मिले पाकिस्तानी फोन नंबर
- चाइनीज लोनिंग एप से करते ठगी, आठ करोड़ से ज्यादा विभिन्न खातों में

मतांतरण के मास्टरमाइंड छांगुर के बाद अब बलरामपुर के तार टेरर फंडिंग से भी जुड़ गए हैं। पुलिस ने चाइनीज लोनिंग एप के माध्यम से साइबर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ कर इसके पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह लोगों से ठगी गई रकम क्रिप्टो करेंसी में परिवर्तित कर विदेश भेज रहा था। गिरोह के सरगना 23 वर्षीय सस्पियर ने साइबर ठगी की धनराशि पाकिस्तान भेजने की बात स्वीकार की है। वह 2017 से इस काम में लगा है।

पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि गिरोह का मुख्य आरोपित सस्पियर के मोबाइल फोन पर पाकिस्तान के पांच मोबाइल फोन नंबर मिले हैं। इन नंबरों से वाट्सएप के जरिये सस्पियर को निर्देश मिलते थे और बैंक खाता नंबर भी उपलब्ध कराए जाते थे। साइबर ठगी से रुपये आने के बाद वह पाकिस्तानी नंबरों से प्राप्त खातों में ट्रांसफर करता था। यह रकम बाइनेंस एप के माध्यम से भेजी जाती थी। पाकिस्तान भेजी गई रकम का इस्तेमाल टेरर फंडिंग के लिए किए जाने की आशंका है। उसे हर माह का टारगेट मिलता था। उसके पास से पांच एटीएम कार्ड, दो एंड्रायड मोबाइल फोन व 6250 रुपये नकद बरामद हुए हैं।

पाकिस्तानी नंबरों की जांच की गई तो एक की लोकेशन पाकिस्तान की ही पाई गई। शेष चारों नंबरों की जांच की जा रही है। अब तक हुई छानबीन में सामने आया है कि रकम को क्रिप्टो करेंसी में बदलने के लिए आरोपित जिस बाइनेंस एप का प्रयोग कर रहा था, उससे सितंबर 2024 से अब तक आठ करोड़ 15 लाख 57 हजार 825 रुपये देश-विदेश के साइबर ठगों को भेजे हैं। म्यूल खातों के लिए 200 से अधिक यूपीआइ बनाए गए हैं।

प्रलोभन देकर ईसाई बनाने में तीन गिरफ्तार, तमिलनाडु से आती थी रकम

जागरण संवाददाता, शाहजहांपुर

किसी से ज्यादा बातचीत न घनिष्ठता..., 10 वर्ष से मिशन मतांतरण में लगे पदमनाभन उर्फ पास्टर जोसुआ, उसकी पत्नी किरन जोसुआ की करतूतें आखिरकार बेपर्दा हो गईं। आरोपित दंपती को तमिलनाडु की जीसस रिडिमस मिशनरी से फंडिंग की जाती थी। वहां से मिलने वाले लाखों रुपये के सहारे आरोपित दंपती का रैकेट आर्थिक गरीब हिंदुओं को प्रलोभन देकर ईसाई बनाता था। शनिवार को पुलिस ने पदमनाभन, किरन और उसके सहयोगी असनीत मसील को जेल भेज दिया।

एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि जीसस रिडिमस मिशनरी अन्य रैकेट को भी फंडिंग करती थी। मिशनरी ने 16 मई 2017 को तमिलनाडु में 4.60 करोड़ रुपये से बैंक खाता खोला था। उसमें 4.44 करोड़ रुपये पदमनाभन जैसे रैकेट को मतांतरण के लिए बांटे जा चुके हैं। इस खाते को सील करा दिया गया है।

तमिलनाडु के कोयम्बटूर का पदमनाभन 2005 में पढ़ने के लिए दिल्ली आया था। वहां लखीमपुर खीरी की किरन से प्रेम विवाह कर उसे भी ईसाई बना दिया। इसके बाद 2010 में उन्होंने शाहजहांपुर के कस्बा चिनौर में प्रार्थना सभा के नाम पर लोगों को भ्रमित करना शुरू किया। लोगों को विश्वास दिलाया कि ईसाई बनने से उनकी बीमारियां दूर हो जाएंगी और उन्हें आर्थिक लाभ भी मिलेगा। पुलिस के अनुसार, इस दंपती ने अपने असली नामों को छिपाकर लोगों को बरगलाने का काम किया।

35 मिनट में ढहाया छांगुर के भतीजे का अवैध निर्माण

जागरण संवाददाता, बलरामपुर

- 300 वर्ग फीट सरकारी जमीन कब्जा कर बनाया गया था मकान
- 18 दिन पूर्व सात बीघे में बनी छांगुर की कोठी को आठ बुलडोजरों ने ढहाया था

रेहरा माफी में छांगुर के भतीजे सबरोज का मकान गिराती जेसीबी । जागरण

मतांतरण के मास्टरमाइंड छांगुर के भतीजे सबरोज के रेहरामाफी गांव में बने अवैध मकान को शनिवार को मात्र 35 मिनट में दो बुलडोजर (बैकहो लोडर) लगाकर ढहा दिया गया। ठीक 18 दिन पहले आठ जुलाई को जलालुद्दीन उर्फ छांगुर की कोठी को सरकारी मशीनरी ने ध्वस्त करना शुरू किया था...जिसमें तीन दिनों तक आठ बुलडोजरों को मशक्कत करनी पड़ी थी। उसी दिन तय हो गया था कि उन लोगों की अवैध संपत्तियां भी निशाने पर रहेंगी जिन्होंने आपराधिक कृत्यों में छांगुर का साथ दिया था। 19 जुलाई से सबरोज भी आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) की गिरफ्त में है।

सबरोज ने सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर मकान बनाया था। मकान की पैमाइश राजस्वकर्मियों ने दो बार करने के बाद स्वजन को नोटिस भेजी थी। नोटिस में अतिक्रमणकर्ता को सरकारी जमीन पर से कब्जा हटाने का समय दिया गया था। तय समय में स्वयं कब्जा न हटाने पर प्रशासन ने बुलडोजर चला दिया। सबरोज का घर खाली था और परिवार के लोग मौके पर नहीं थे। अतिक्रमण हटवाने पर हुए व्यय की वसूली सबरोज से ही की जाएगी। सबरोज के विरुद्ध अंबेडकरनगर जिले में भी मतांतरण का मुकदमा है। छांगुर के साथ एटीएस की एफआइआर में सबरोज नामजद है।

शनिवार सुबह ग्यारह बजे अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पांडेय, उप जिलाधिकारी सत्यपाल प्रजापति व नायब तहसीलदार प्रतिभा मौर्या मय फोर्स के पहुंची और कार्रवाई शुरू करा दी। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल और पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने भी मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। जिलाधिकारी ने कहा कि छांगुर के सभी सहयोगियों की जांच चल रही है। अगर विधि विरुद्ध निर्माण पाया गया तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। शनिवार को हुई कार्रवाई में एक प्लाटून पीएसी और पांच थानों की पुलिस मौजूद रही।

निसार मिशन से पूरी दुनिया को होगा लाभ : इसरो प्रमुख

- इसरो प्रमुख ने कहा- 30 जुलाई को इस मिशन को किया जाएगा लांच
- इसरो- नासा के संयुक्त सेटेलाइट से पृथ्वी की बेहतर निगरानी कर सकेंगे

तिरुचिरापल्ली, प्रेट्र : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने शनिवार को कहा कि इसरो और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के संयुक्त मिशन, नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) से पूरी दुनिया को काफी लाभ होगा। निसार को 30 जुलाई बुधवार को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लांच किया जाएगा। इसरो का जीएसएलवी-एफ16 राकेट निसार को 743 किलोमीटर की सूर्य-तुल्यकालिक कक्षा में स्थापित करेगा। यह मिशन, दोनों अंतरिक्ष एजेंसियों के बीच एक दशक से अधिक समय के तकनीकी सहयोग का परिणाम है। इस मिशन से भारत पृथ्वी की बेहतर निगरानी कर सकेगा।

नारायणन ने कहा, निसार का प्रक्षेपण हमारे जीएसएलवी-एमके॥ राकेट से किया जाएगा। पेलोड का निर्माण इसरो और जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी (जेपीएल), अमेरिका द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है। यह उपग्रह पृथ्वी अवलोकन और आपदा प्रबंधन के क्षेत्रों में वैश्विक समुदाय के लिए उपयोगी साबित होगा।

इसरो के अनुसार, इस मिशन में कई नई खूबियां हैं। निसार दोहरे बैंड वाला पहला रडार सेटेलाइट है। पहली बार जीएसएलवी राकेट सेटेलाइट को सूर्य-तुल्यकालिक कक्षा में स्थापित करने के लिए ले जाएगा। निसार इसरो और नासा का पहला संयुक्त उपग्रह मिशन है।

वी नारायणन। फाइल

निसार दुनिया में अपनी तरह का पहला उपग्रह है जो प्रत्येक 12 दिनों पर सभी मौसम, दिन और रात समूची पृथ्वी को स्कैन करेगा। इससे विज्ञानियों को पृथ्वी की भूमि और बर्फ की सतहों की व्यापक निगरानी करने में मदद मिलेगी।

मप्र में एक परिवार के चार लोगों ने की सामूहिक आत्महत्या

नईदुनिया प्रतिनिधि, सागर: मध्य प्रदेश के सागर जिले के खुरई थाना क्षेत्र के टीहर गांव में शुक्रवार रात एक ही परिवार के चार सदस्यों ने सामूहिक आत्महत्या कर ली। परिवार के मुखिया मनोहर लोधी अपनी पत्नी से विवाद के बाद अवसाद में थे। पत्नी के मायके जाने के बाद फोन पर उनका झगड़ा भी हुआ था। इसके बाद उन्होंने अपनी 70 वर्षीय बुजुर्ग मां, बेटे और बेटी के साथ जहर पी लिया।

जानकारी के अनुसार, मनोहर का परिवार खेत में बने मकान में रहता था। जहर पीने के बाद मां और बेटे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मनोहर और उसकी बेटी को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान बेटी की भी मौत हो गई। मनोहर को हायर सेंटर रेफर किया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया।

पुलिस को एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसे बेटे या बेटी द्वारा लिखा हुआ माना जा रहा है। इसमें लिखा है कि उनकी मां का किसी संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं होगा। इसमें किसको क्या देना-लेना है, इसका भी ब्योरा दर्ज है।

पंजाब में अंतरराष्ट्रीय हेरोइन तस्करी के माड्यूल का भंडाफोड़, आठ पकड़े

जागरण संवाददाता, अमृतसर

- 10 किलो से ज्यादा हेरोइन बरामद, आरोपितों के पाक तस्करों से हैं संबंध
- सीमा पार से भेजी जा रही हेरोइन व हथियारों को आगे सप्लाई करते थे आरोपित

पंजाब में अमृतसर पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय हेरोइन तस्करी के माड्यूल का भंडाफोड़ कर आठ तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनसे 10 किलो 106 ग्राम हेरोइन, आठ मोबाइल और दो मोटरसाइकिल बरामद की गईं। गिरफ्तार आरोपितों के कुख्यात पाकिस्तानी तस्कर राणा और शाह से संबंध हैं। दोनों सीमा पार से हथियार और हेरोइन की खेप भेज रहे थे, जिसे आरोपित आगे सप्लाई करते थे।

गिरफ्तार आरोपितों में सरबजीत सिंह उर्फ जोबन, धर्म सिंह हैपी, कुलबीर सिंह उर्फ गुरदीप उर्फ थोमस और एक नाबालिग शामिल हैं। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि मुख्य आरोपी सरबजीत उर्फ जोबन पाकिस्तान के तस्कर राणा के साथ सीधे संपर्क में था। पिछले छह महीनों में राणा ने सीमा पार से कई बार हेरोइन और हथियार भेजे हैं। एक अन्य मामले में सीआइ की टीम ने रंजीत सिंह, करण सिंह, मनप्रीत सिंह और अजय पाल सिंह को गिरफ्तार कर चार किलो हेरोइन और चार मोबाइल बरामद किए हैं। ये सभी पाकिस्तानी तस्कर शाह के संपर्क में रहकर नशे की खेप को ठिकाने लगा रहे थे।

सीमावर्ती क्षेत्रों में कार्रवाई, चार तस्कर गिरफ्तार

बीएसएफ ने पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए चार तस्करों को गिरफ्तार कर हथियार व हेरोइन बरामद की है। शनिवार सुबह बीएसएफ के जवानों ने अमृतसर के गांव बच्चीविंड के पास ड्रोन का मूवमेंट देखा। इसके बाद गांव में सर्च आपरेशन में एक तस्कर को गिरफ्तार कर एक पिस्तौल, दो मैगजीन और 10 कारतूस बरामद किए गए। फिरोजपुर के गांव नौभेराम के पास खेत से तीन नशा तस्करों को गिरफ्तार कर 500 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। तरनतारन के गांव डल के नजदीक एक खेत से भी पिस्तौल और उसके कुछ पुर्जे मिले। गिरफ्तार तस्करों के पाकिस्तान से संबंध होने की आशंका है।

श्रद्धा का महासावन

आत्मसंयम, सेवा और तपस्या का अवसर है सावन

भारत आस्था और परंपराओं वाला देश है। यहां हर पर्व का अपना विशेष धार्मिक महत्व है। सभी महीनों में श्रावण को भगवान शिव का प्रिय मास माना गया है। इस महीने शिवभक्त उपवास रखते हैं, रुद्राभिषेक करते हैं और विशेष रूप से कांवड़ यात्रा निकालते हैं, जो शिवभक्ति का अनुपम उदाहरण है। श्रावण मास में भक्तजन गंगा से जल भरकर पैदल चलते हुए शिवालयों में पहुंचते हैं और वह जल शिवलिंग पर अर्पित करते हैं। यह जल अर्पण एक पवित्र भावना और आत्मसमर्पण का प्रतीक है। भगवान शिव के व्यक्तित्व में कई ऐसे गुण हैं, जिन्हें अपनाकर मनुष्य एक श्रेष्ठ जीवन जी सकता है। शिव जटाधारी हैं, भस्म लपेटे हैं और साधारण वस्त्र पहनते हैं। यह हमें सिखाता है कि सच्चा सुख वस्तुओं में नहीं, सरलता में है। जब भगवान शिव ने समुद्र मंथन से निकला विष पी लिया, तो उन्होंने पूरे जगत की रक्षा की। वे दुख सहकर भी शांत और करुणामय बने रहे। शिव सभी प्राणियों के लिए समान हैं। वे भूत-प्रेत, राक्षस, देवता सभी को स्वीकारते हैं। उनका यह व्यवहार हमें भेदभाव रहित दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा देता है। भगवान शिव के वाहन नंदी उनके चरणों में स्थिर रहते हैं। वे निष्काम भाव से भक्ति करते हैं, बिना किसी अपेक्षा के। यह हमें सिखाता है कि सच्ची भक्ति में स्वार्थ नहीं होना चाहिए। श्रावण मास आत्मसंयम, सेवा और तपस्या का अवसर है। यदि हम भगवान शिव के आचरण को जीवन में उतार लें, तो यह हमारे संपूर्ण विकास के द्वार खोलेगा।

डा. प्रणव पंड्या
प्रमुख, अखिल विश्व गायत्री परिवार एवं कुलाधिपति, देवसंस्कृति विवि हरिद्वार

गांव में शादी की तो होगा बहिष्कार, बिना आधार बाहरियों के रहने पर रोक

लखवीर कटारिया, जागरण ● फरीदकोट

पंजाब में लुधियाना और बठिंडा के बाद कोटकपूरा के दो गांवों की पंचायतों ने भी गांव में शादी करने पर बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। गांव में बिना आधार कार्ड के बाहरी लोगों के रहने पर भी पाबंदी लगा दी गई है। गांव सिरसड़ी और गांव अनोखपुरा की पंचायत ने शनिवार को बैठक कर तीन महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए। पहला प्रस्ताव यह है कि यदि गांव के लड़का-लड़की आपस में शादी करते हैं, तो उनका बहिष्कार होगा। दूसरा प्रस्ताव यह है कि जिन व्यक्तियों के पास आधार या वोटर कार्ड नहीं है, उन्हें गांव में रहने की अनुमति नहीं होगी। तीसरा प्रस्ताव नशे पर रोक लगाने को लेकर है। अब यदि गांव में किसी ने नशा करने या बेचने वालों का समर्थन किया तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कोटकपूरा विधानसभा क्षेत्र के गांव सिरसड़ी की सरपंच ज्ञान कौर और गांव अनोखपुरा के सरपंच बलजीत सिंह की अगुवाई में दोनों गांवों की पंचायतों ने यह प्रस्ताव गांव के लोगों की सहमति से पारित किए। ज्ञान कौर और बलजीत सिंह ने बताया कि पंचायतों ने पंजाब सरकार और सिविल व पुलिस प्रशासन से इस प्रस्ताव को राज्य भर में लागू करने की मांग की है। साथ ही, पंजाब विधानसभा में इस मुद्दे पर विचार करने की भी मांग की गई ताकि आनर किलिंग को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि आनर किलिंग एक गंभीर मुद्दा है, जो गांवों में झगड़ों का कारण बनता है। वहीं, एडीसी नरभिंदर सिंह ग्रेवाल ने कहा कि इस तरह के किसी प्रस्ताव की उन्हें जानकारी नहीं है। कोई भी पंचायत ऐसा फैसला नहीं ले सकती। अगर पंचायतों ने ऐसा प्रस्ताव पास किया तो उचित कार्रवाई होगी।

फरीदकोट जिले के गांव सिरसड़ी व अनोखपुरा की पंचायत सदस्य व गांववासी बैठक करते हुए। जागरण

वर्ग पहेली-3056

बाएं से दाएं-
3.शुद्धिकरण, अच्छी तरह साफ करना (5)।4.बाल काटना, दाढ़ी बनाना (4)।5.जिसने नकाब से अपना चेहरा छिपाया हो (5)।8.वेदों का ज्ञानी (3)।9.बृहस्पति, अच्छा बोलने वाला (3)।12.निद्रा, नींद, सोना (3)।14.रास्ता, मार्ग, सड़क (3)।15.व्याकरण में समास का एक भेद (5)।17.खलबली, हड़कंप (4)।18.जनेऊ (5)।

ऊपर से नीचे-
1.भूरे रंग की लंबी चोंच वाली एक चिड़िया (5)।2.पूजा-पाठ करके नए घर में प्रवेश करना (2,3)।3.गिरना, नाश, मृत्यु, अधोगति (3)।6 योग्य, होनहार (3)।7.बंदरगाह (4)।10 गीत के रूप में गाया जाने वाला काव्य (4)11.अचरज, आश्चर्य, अविश्वसनीय (3)।12.शरणस्थल, आश्रय स्थान (5)।13.आंखों में लगाया जाने वाला अंजन, सुरमा (5)।16.भार ले जाने का कार्य, बेड़ा (3)।

1		2			3				
		4							
					5	6		7	
		8							
9	10								
			11				12		13
					14				
15				16					
				17					
18									

© Bird Features & Writing Agency

कल का हल

आ1	न	ब	न2				नि3	रा	ला4
न्या			म5	स	की6		र		ला
य7	शो	गा8	न		य9	था	र्थ		यि
		ग		की10	ल		के11	नी12	त
	पो13	र	सं14			आ15		स्ति	
	द		तू			प16	थि17	क	
तो18	प	सं19		आ20	क्षा		र		
र		रं21	क्षी	ल		आ22	ना	द	रं23
को		का		गं24	द	भ			क्षि
लं25	ह	र				यं26	थो	चि	त

जागरण सुडोकू-3056

		1	2			9		
	5			6			8	7
9				1		2		
	1		6				3	
	8			4		6		
3		2		8			9	4
5						4		8
	9			7				2
	2	7		3		5	1	

कल का हल

4	5	1	8	6	2	7	3	9
6	3	8	9	7	5	1	4	2
7	2	9	3	4	1	8	6	5
3	6	7	2	8	4	9	5	1
5	8	4	7	1	9	6	2	3
1	9	2	6	5	3	4	8	7
9	4	5	1	3	6	2	7	8
2	7	6	5	9	8	3	1	4
8	1	3	4	2	7	5	9	6

आज का भविष्यफल : 27 जुलाई, 2025 रविवार

के.ए. दुबे पद्मेश

आजकी ग्रहस्थिति : श्रावण मास शुक्ल पक्ष तृतीया। **राहुकाल**- सायं 04:30 से 06 बजे तक। **दिशाशूल**- पश्चिम। **पर्व एवं त्योहार**- हरियाली तीज

कल 28 जुलाई, 2025 का पंचांग

दिशाशूल- पूर्व। **पर्व एवं त्योहार**- गणेश चतुर्थी व्रत। **भद्रा**- प्रातः 11:04 से रात्रि 11:25 तक। विक्रम संवत 2082 शके 1947 दक्षिणायण, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु श्रावण मास शुक्ल पक्ष की चतुर्थी 23 घंटे 25 मिनट तक, तत्पश्चात उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र परिघ योग 26 घंटे 54 मिनट तक, तत्पश्चात शिव योग सिंह में चंद्रमा 24 घंटे तक, तत्पश्चात कन्या में।

मेष : स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें।

वृष : शिक्षा के क्षेत्र में प्रयास सार्थक होगा। जीवन सुखमय होगा।

मिथुन : निजी सुख में व्यवधान आ सकता है। मादक वस्तुओं से दूर रहें।

कर्क : स्वजनों की उन्नति के सहायक होंगे। प्रयास फलीभूत होगा।

सिंह : मन अज्ञात भय से ग्रसित रहेगा। जीवन में सफलता मिलेगी।

कन्या : वाहन चलाते समय सावधानी रखें। क्रोध करने से बचें।

तुला : धनहानि की आशंका है। दांपत्य जीवन में समस्याएं उत्पन्न होंगी।

वृश्चिक : व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

धनु : शासनसत्ता से तनाव मिल सकता है। स्थानांतरण के योग बनेंगे।

मकर : जीवन सुखद रहेगा। संपत्ति के मामलों में सफलता मिलेगी।

कुंभ : पिता, संबंधित अधिकारी या अधीनस्थ से कष्ट मिल सकता है।

मीन : दांपत्य जीवन बेहतर रहेगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

****

89 प्रतिशत ट्रेन टिकट अब आनलाइन बुक किए जा रहे हैं। टिकट बुकिंग सिस्टम में गड़बड़ियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम ने हाल ही में 2.5 करोड़ से अधिक यूजर आइडी को निष्क्रिय कर दिया है। संसद में सरकार की ओर से यह जानकारी दी गई है

ये नहीं किसी से कमतर

मानसिक, शारीरिक या सामाजिक रूप से थोड़ा भिन्न होने पर जिन्हें विशेष मानकर हम भेदभावपूर्ण व्यवहार करने लगते हैं, दरअसल वे सामान्य लोगों से किसी भी तरह कमतर नहीं होते। बल्कि, संवेदना के स्तर पर ज्यादा समृद्ध होते हैं। भेदभाव करने के बजाय जरूरत उनसे बराबरी का व्यवहार करने की है। आइये जानें उन प्रयासों को जो इन विशेष बच्चों को खास मुकाम दिलाने के लिए प्रयासरत हैं।

1. चंडीगढ़ में स्पेशल ओलपिक भारत की तैयारी करते हुए स्वयंसेवी कोच • स्वजन
2. रायपुर के आकांक्षा स्कूल में पढ़ती विशेष छात्रा • नईदुनिया
3. विशेष बच्चों के साथ प्राचार्य प्रतिष्ठा शुक्ला • नईदुनिया
4. विशेष बच्चों को पढ़ाती हुई शिक्षिका • नईदुनिया
5. सावन के महीने में भगवान शिव के जयकारे लगाते आकांक्षा स्कूल छात्र व शिक्षक • नईदुनिया
6. स्पेशल ओलिंपिक के दौरान अपनी मां तेजश्री साहू के साथ इभानन • स्वजन

रविवार विशेष

मौन को जुबान, समझ को नया आयाम

देखते ही देखते रायपुर की 'आकांक्षा' 31 वर्ष की हो गई है। यह एक ऐसी संस्था है, जिसकी दीवारें छह से 46 वर्ष तक के बाल व्यवहार वाले 'बच्चों' के लिए मातृछाया बन चुकी हैं। यह बच्चों के मौन को जुबान है तो समझ को नया आयाम भी देती है। यहां अव्यक्त भावों को समझने वाले शिक्षकों का समर्पण महसूस किया जा सकता है। यही कारण रहा होगा कि यहां पहुंचकर देश की पहली महिला आइपीएस किरण बेदी फफक-फफक कर रो पड़ी थीं। 2010 में संस्था के नए भवन का शुभारंभ करते हुए पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम ने एक शिक्षिका के हाथों पर आटोग्राफ दिए।

'आकांक्षा' की विशिष्टता और विविधता को यहां के छात्रों के विविध व्यवहारों से भी समझा जा सकता है। सावन के महीने में बच्चे शिव तांडव नृत्य का अभ्यास कर रहे हैं। यहां 13 वर्ष का एक छात्र ऐसा है, जो बोल तो नहीं सकता परंतु कंप्यूटर और पंखे से लेकर कोई भी इलेक्ट्रानिक या अन्य उपकरण खोल सकता है। दूसरा छात्र ऐसा भी है, जिसे सभी शिक्षक टीवी सीरियल सीआइडी का इंस्पेक्टर दया बुलाते हैं। उसने मुक्के मारकर स्कूल के सभी दरवाजों और खिड़कियों के शीशे तोड़ डाले हैं। यहां हर बच्चे खास हैं। वे अपनी बात नहीं कह पाते। माना जाता है कि दुनियावाले उनको नहीं समझ पाते और वह दुनियावालों को नहीं समझ पाते। माता-पिता के लिए यह बड़ी चुनौती होते हैं। लेकिन 'आकांक्षा लायंस इंस्टीट्यूट' चुनौती का समाधान बन कर उभरा। बौद्धिक दिव्यांगों को विशेष देखभाल के साथ प्रशिक्षण दिया जाता है। विशेषज्ञ विभिन्न पद्धतियों से बच्चों को बोलने, समझने और अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का सामर्थ्य विकसित करते हैं। प्री-नर्सरी से लेकर वोकेशनल (व्यावसायिक) कक्षाओं में दो से दस विद्यार्थी एक साथ बैठते हैं।

आंबेडकर अस्पताल, रायपुर में मनोचिकित्सक डा. मनोज साहू के 23 वर्षीय पुत्र इभानन यहां के होनहार छात्रों में शामिल हैं, जिन्होंने पिछले वर्ष दिल्ली में आयोजित स्पेशल ओलिंपिक एशिया पैसिफिक में बोक्से बाल एंड बालिंग चैंपियनशिप में दो रजत और एक कांस्य पदक जीता था। इभानन की मां तेजश्री साहू बताती हैं, 'मेरे बेटे को बचपन से आटिज्म की समस्या है। यहां वह तेजी से विकसित हो रहा है।'

संस्था के अध्यक्ष केके नायक के संकल्प को वर्ष 2005 से पत्नी व प्रबंध निदेशक साधना नायक ने आगे बढ़ाया। 'आकांक्षा' अब शिक्षकों के लिए भी प्रशिक्षण केंद्र है। यहां प्रतिवर्ष 200 विद्यार्थी फाउंडेशन से लेकर स्नातकोत्तर तक की पढ़ाई और प्रशिक्षण भी प्राप्त कर रहे हैं, जो देश के विभिन्न क्षेत्रों में बौद्धिक दिव्यांगता की समस्या के समाधान में अहम भूमिका निभा रहे हैं। डा. नितिन धाबलिया और एनडी अग्रवाल, आरके नागपाल, जीएस राजपाल व अन्य समाजसेवियों ने इसे विस्तार दिया।

उत्साह बढ़ाने पर अधिक जोर: प्री प्राइमरी क्लास रूम में आलोक, रूद्र, कुणाल, देव भारती, भूमिका साहू और इच्छा मौजूद थे। शिक्षिका ने बताया कि बच्चों को बोलने में समस्या होती है। अगर हम उनकी बातों को नहीं समझने का इशारा करेंगे तो उनका मनोबल कमजोर होता है, वे नाराज होते हैं, इसलिए हमें ऐसा संकेत देना पड़ता है कि हम उनकी बातों को समझ चुके हैं, ताकि उनका उत्साह बना रहे। इंस्टीट्यूट में 18 से अधिक उम्र के विशेष लोगों के लिए गतिविधि-आधारित (वोकेशनल) कक्षाएं भी संचालित हैं। दो अक्टूबर 1994 को स्थापित इस स्कूल की चार शाखाओं में अभी 213 विद्यार्थी अध्ययरत हैं। यहां महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और ओडिशा से छात्र प्रशिक्षण पा रहे हैं। यहां उन्हें स्पीच, आक्यूपेशनल थेरेपी और रेमेडियल टीचिंग आदि से प्रशिक्षित किया जाता है।

(रायपुर से रामकृष्ण डोंगरे)

हर बच्चे का स्तर है खास

डा. सेमी श्रीवास्तव

इंस्टीट्यूट में प्रोजेक्ट और रिसर्च डायरेक्टर डा. सेमी श्रीवास्तव बताती हैं कि हर बच्चे का मौखिक और लिखित आकलन किया जाता है। मानसिक और आइक्यू स्तर की पड़ताल की जाती है। 90 से 110 की जगह 70 से कम आइक्यू स्तर वालों को बौद्धिक दिव्यांगता की श्रेणी में माना जाता है। जितनी जल्दी पहचान हो जाए अच्छा है। कई बच्चे दस साल की उम्र में पहुंचते हैं।

आकांक्षा स्कूल में भगवान शिव के भजन पर नृत्य की तैयारी करते छात्र • नईदुनिया

...ताकि किसी से भी कम न रहें

स्वयंसेवी संगठनों के साथ कई जगह सरकारी संस्थान भी विशेष बच्चों के कल्याण के लिए कार्य कर रही हैं। चंडीगढ़ स्थित राष्ट्रीय बौद्धिक दिव्यांगजन पुनर्वास संस्थान (ग्रिड) दिव्यांगों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी प्रोत्साहित कर रहा है।

ग्रिड के प्रिंसिपल डायरेक्टर डा. अशोक अत्री बताते हैं कि सही मायने में दिव्यांगता कोई बाधा नहीं, बल्कि प्रतिभा का एक नया आयाम है। हमारी कोशिश रहती है कि ये किसी से कम नहीं रहें। यहां बच्चों को रोजमर्रा के व्यवहार के साथ-साथ प्ले ग्रुप, प्राइमरी, सेकेंडरी की पढ़ाई और प्री-वोकेशनल तथा वोकेशनल ट्रेनिंग दी जाती है। उनकी प्लेसमेंट भी की जाती है, जिससे आत्मनिर्भर बन सकें। बच्चों को सिलाई, कटाई और पैकिंग की ट्रेनिंग दी जाती है। ग्रिड ने अच्छे कोच नियुक्त किए हैं, जो विशेष ट्रेनिंग दिलाते हैं। डा. अत्री बताते हैं कि हमारा प्रयास बच्चों को यूनिफाइड स्पोर्ट्स के लिए तैयार करना है। स्पेशल ओलिंपिक भारत चंडीगढ़ चैप्टर के सहयोग से 2023 में बर्लिन में हुए ओलिंपिक में प्रार्थना भाटिया ने एथलीट में सिल्वर मेडल दिलाया।

यहां के मनी सिंह ने साइकिलिंग में दो गोल्ड मेडल जीते थे। नैंसी सिंह को भी साइकिलिंग में सिल्वर मिला था तो रोलर स्केटिंग में हार्दिक अग्रवाल ने एक रजत और एक कांस्य पदक जीता था। यहां के विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगिताओं में पदक ला रहे हैं। ग्रिड पूरे उत्तर भारत में विशेष लोगों की जरूरतों को पूरा करने और उन्हें पुनर्वासित करने में पूरी तरह मदद कर रहा है। **(चंडीगढ़ से सुमेश ठाकुर)**

चंडीगढ़ स्थित ग्रिड के खिलाड़ी गोवा में आयोजित पर्पल फेस्ट में भाग लेने पहुंचे • सौ. ग्रिड

उम्मीद की किरण बनी आस्था

हमारे आसपास कई बच्चे ऐसे मिलते हैं जिनका विकास बाधित होता है। ये शारीरिक भी हो सकता है और मानसिक। ऐसे बच्चों की दुनिया परिवार तक ही सिमट कर रह जाती है। लेकिन आस्था नामक एक संस्था ऐसे बच्चों के लिए उम्मीद की किरण बनी हुई है। इस संस्था का प्रयास है कि ऐसे बच्चों को समाज के साथ जोड़ा जाए। ताकि ये भी आम बच्चों की तरह समाज में घुलमिल सकें। इनके अधिकार भी हैं जो उन्हें मिलने चाहिए। इसके साथ सरकारी योजनाओं का लाभ भी इन्हें मिले। ताकि ये अपने पैरों पर खड़े हो सकें। आस्था तीन दशक के अधिक समय से विशेष और दिव्यांग बच्चों के कल्याण कार्यों से जुड़ी है। 32 सालों से संस्था विशेष और दिव्यांग बच्चों के बीच काम कर रही आस्था 40 हजार बच्चों को मदद पहुंचा चुकी है।

दिल्ली के ओखला में आस्था के कैंप में विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते बच्चे • सौः संस्था

स्कूल में प्रवेश दिलाने से लेकर विभिन्न गतिविधियों में कराते शामिल

आस्था की स्थापना 1993 में राधिका मलिक अलकाजी ने की थी। इस यात्रा की शुरुआत ग्रेटर कैलाश के एक गैराज में एक बच्चे के साथ हुई थी। जैसे-जैसे राधिका के साथ अन्य लोग जुड़े, संस्था झुग्गी बस्तियों में पहुंचने लगी। राधिका बताती हैं कि 2009 तक उन्होंने स्पेशल स्कूल भी चलाया, जहां विशेष बच्चों को शिक्षा दी जाती थी। लेकिन शिक्षा का अधिकार कानून लागू होने के बाद उन्होंने इसे बंद कर दिया, क्योंकि इस कानून में विशेष बच्चों की पढ़ाई का प्रविधान था। इसके बाद संस्था का कार्य स्वरूप बदल गया। अब ऐसे बच्चों की पहचान कर उन्हें स्कूलों में प्रवेश दिलाने लगे। सरकार की योजनाओं का लाभ भी पहुंचाने का कार्य शुरू हुआ। आज दिल्ली में संस्था के पांच सेंटर संचालित हो रहे हैं, जहां विशेष बच्चों की देखरेख की जाती है और उन्हें विभिन्न गतिविधियों में शामिल किया जाता है। इन सेंटरों में लगभग 35 कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें से 14 ऐसे हैं जो स्वयं विशेष श्रेणी के थे और जिनकी देखभाल संस्था ने की थी।

देशभर में काम करता है हेल्पलाइन सेंटर

कार्यकारी निदेशक प्रतीक अग्रवाल ने बताया कि अब तक संस्था ने 40 हजार विशेष और दिव्यांग बच्चों की मदद की है। संस्था ने राष्ट्रीय स्तर पर एक हेल्पलाइन सेंटर भी स्थापित किया है, जिसके माध्यम से विशेष और दिव्यांग बच्चों से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जाता है। इन बच्चों को सरकारी योजनाओं का लाभ भी पहुंचाया जाता है। दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर और अन्य उपकरण भी संस्था द्वारा वितरित किए जाते हैं। वर्तमान में दिल्ली के पांच सेंटरों से पांच सौ से अधिक विशेष और दिव्यांग बच्चों की देखरेख की जा रही है।

(दिल्ली से स्वदेश कुमार)

फोरेंसिक रिपोर्टों से आरोपितों की संलिप्तता की पुष्टि

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता : कोलकाता के साउथ कलकत्ता ला कालेज में छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात से जुड़ी दो महत्वपूर्ण फोरेंसिक रिपोर्टों ने मामले में तीन मुख्य आरोपितों की संलिप्तता की पुष्टि की है, जिनमें से एक अपराधी है और अन्य दो इसमें मददगार हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पहली फोरेंसिक रिपोर्ट मुख्य आरोपित मनोजित मिश्रा के मोबाइल फोन के विश्लेषण पर आधारित है। मिश्रा के मोबाइल फोन के फोरेंसिक विश्लेषण से उसके द्वारा पहले किए गए इसी तरह के यौन शोषण के आरोपों के बारे में भी ठोस सुराग मिले हैं।

दूसरी फोरेंसिक रिपोर्ट अपराध स्थल, विशेष रूप से ला कालेज के गार्ड रूम से एकत्र किए गए रक्त के नमूनों से संबंधित है, जहां गत 25 जून को घटना को अंजाम दिया गया था। रिपोर्ट ने मिश्रा और दो अन्य आरोपितों जैब अहमद और प्रमित मुखोपाध्याय की अपराध में संलिप्तता के बारे में ठोस सुराग दिए हैं। जांच दल के सदस्य पहले ही मामले में 60 गवाहों के बयान दर्ज कर चुके हैं।

एडीएम के अंग्रेजी न बोल पाने पर नैनीताल हाई कोर्ट ने उठाया सवाल, छिड़ी नई बहस

किशोर जोशी • जागरण

नैनीताल: नैनीताल हाई कोर्ट के एक आदेश के बाद राज्य के न्यायिक व प्रशासनिक क्षेत्र में नई बहस छिड़ गई है। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने बाहरी राज्यों के लोगों के नाम नैनीताल की मतदाता सूची में शामिल होने से संबंधित मामले में पेश एडीएम (प्रशासन) विवेक राय के अंग्रेजी नहीं बोल सकने पर हैरानी जताई। संबंधित अधिकारी की स्वीकारोक्ति के बाद राज्य निर्वाचन आयुक्त और मुख्य सचिव को यह जांच करने के आदेश दिए और पूछा है कि क्या अपर जिला मजिस्ट्रेट स्तर के किसी अधिकारी को, जिन्होंने कोर्ट में स्वीकार किया है कि वह अंग्रेजी नहीं बोल सकते, किसी कार्यकारी पद पर प्रभावी नियंत्रण सौंपा जा सकता है।

18 जुलाई को हाई कोर्ट में बुढ़लाकोट ग्राम पंचायत की मतदाता सूची में बाहरी राज्यों के लोगों के नाम हटाने को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई हुई थी। मामले में एडीएम विवेक राय व कैंची धाम तहसील की एसडीएम मोनिका कोर्ट में पेश हुए थे। इसी दौरान कोर्ट ने एडीएम से जानकारी मांगी थी जिस पर एडीएम ने हिंदी में जवाब दिया था।

विशेष अनुमति याचिका दायर करे सरकार: नैनीताल हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जस्टिस पीसी पंत ने इस निर्णय पर असहमति जताते हुए कहा कि देश के साथ ही उत्तराखंड की राजभाषा हिंदी है। संविधान के अनुच्छेद-348 के तहत सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालयों के कामकाज की भाषा अंग्रेजी है, लेकिन राजभाषा को दरकिनार नहीं किया जा सकता। यदि कोई अधिकारी या याचिकाकर्ता हिंदीभाषी है तो उनकी मदद के लिए हाई कोर्ट में अनुवादक के आठ पद स्वीकृत हैं। दैनिक जागरण से बातचीत में जस्टिस पंत ने कहा कि राज्य सरकार को हाई कोर्ट के इस आदेश पर प्रमुख सचिव (न्याय) से सलाह लेने के बाद विशेष अनुमति याचिका दायर कर सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देनी चाहिए।

यह पूरी तरह संवैधानिक मामला है : कार्तिकेय

हाई कोर्ट के अधिवक्ता कार्तिकेय हरिगुप्ता ने कोर्ट के निर्णय का समर्थन करते हुए कहा कि यह पूरी तरह कानूनी मामला है। संविधान के अनुच्छेद-348 में साफ है कि संवैधानिक कोर्ट सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट की पहली भाषा अंग्रेजी है, संसद की भी पहली भाषा अंग्रेजी है। 1965 में केंद्रीय कैबिनेट की कमेटी ने तय किया कि संवैधानिक अदालतों की भाषा के मामले में चीफ जस्टिस आफ इंडिया से अनिवार्य रूप से परामर्श किया जाए। इलाहाबाद हाई कोर्ट में हिंदी में याचिका दायर करने को मंजूरी दी। उप्र सरकार ने इसे 1969 में प्रभावी किया। मप्र में 1971, पटना हाई कोर्ट में 1972 में हिंदी लागू हुई। राजस्थान हाई कोर्ट में भी हिंदी की अनुमति है। उन्होंने भी माना कि उत्तराखंड में राज्यपाल चीफ जस्टिस से परामर्श के बाद हाई कोर्ट में हिंदी को लागू कर सकते हैं।

मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने में शामिल आरोपित पर दायर किया गया आरोपपत्र

नई दिल्ली, प्रेट्र : एनआइए ने तमिलनाडु में मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने में कथित संलिप्तता के लिए आतंकी संगठन आइएस से जुड़े एक प्रमुख आरोपित के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है। एनआइए की विशेष अदालत में दायर आरोपपत्र में तमिलनाडु के मयिलादुथुराई निवासी अल्फासिथ को आरोपित बनाया गया है। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया कि अल्फासिथ आइएस के कट्टर समर्थकों से जुड़ा था, जिनमें मोहम्मद आशिक और साथिक बच्च भी शामिल थे, जो तमिलनाडु में कई आतंकवाद संबंधी मामलों में शामिल थे। पर्याप्त सुबूत मिले कि अल्फासिथ और उसके साथियों ने सैकड़ों युवा मुस्लिम लड़कों को निशाना बनाकर इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से आइएस से संबंधित वीडियो, दस्तावेज और तस्वीरें प्रसारित कीं। उन्होंने देश की एकता, सुरक्षा और सांप्रदायिक सद्भाव को खतरा पहुंचाने वाली गैरकानूनी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए इस्लामिक स्टेट और ब्लैक फ्लैग सोल्जर्स जैसे कई वाट्सएप और टेलीग्राम ग्रुप बनाए थे।

गौरीकुंड में पैदल मार्ग पर भूस्खलन, केदारनाथ यात्रा रोकी गई

- धाम से लौट रहे 1700 से अधिक यात्रियों को निकाला, ढाई हजार को सोनप्रयाग और गौरीकुंड में रोका
- यमुनोत्री धाम को जोड़ने वाला मोटरमार्ग फूलचट्टी के पास धंसा, अगस्त्यमुनि में चार मकान मलबे में दबे

केदारनाथ पैदल मार्ग पर पत्थर हटाने के बाद यात्रियों को निकालते एनडीआरएफ के जवान। पुलिस

जागरण संवाददाता, रुद्रप्रयाग

भारी वर्षा से हुए भूस्खलन के कारण मार्गों के अवरुद्ध होने का सिलसिला जारी है। पहाड़ी दरकने के कारण गौरीकुंड में हुए भूस्खलन से केदारनाथ पैदल मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया। इस कारण केदारनाथ यात्रा रोक दी गई है। लगभग ढाई हजार यात्रियों को सोनप्रयाग और गौरीकुंड में ही रोका गया है। हालांकि केदारनाथ से लौट रहे 1700 से अधिक यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया है। यमुनोत्री धाम को जोड़ने वाले मोटरमार्ग का करीब 100 मीटर हिस्सा फूलचट्टी के पास धंस गया। इससे वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई है।

शुक्रवार रात गौरीकुंड के मात्र पचास मीटर आगे केदारनाथ पैदल मार्ग पर पहाड़ी टूट गई, जिससे पैदल मार्ग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। लगातार वर्षा के कारण मलबा और पत्थर हटाने में दिक्कतें आ रही हैं।

रामलला को अगस्त में चार बार परोसा जाएगा छप्पन भोग

जागरण संवाददाता, अयोध्या

- प्रत्येक उत्सव पर रामलला को लगता है छप्पन भोग, धारण करते हैं पीतांबरी

अयोध्या स्थित राम मंदिर में विराजमान रामलला की पूजा-अर्चना व भोग-राग पूरे राजसी वैभव से होता है। प्रतिदिन पांच बार प्रभु की आरती उतारी जाती है। इसके पूर्व बाल भोग या स्वादिष्ट व्यंजनों का भोग अर्पित किया जाता है। यहां विधिपूर्वक रामलला को छप्पन भोग लगाने की परंपरा है। प्रत्येक माह में एक बार पुनर्वसु नक्षत्र होने पर इसी भोग को लगाया जाता है, लेकिन अगस्त माह में चार बार आराध्य को छप्पन भोग लगेगा।

मंदिर व्यवस्था के प्रमुख गोपाल राव ने बताया कि प्रत्येक उत्सव पर रामलला का विशेष श्रृंगार होता है और छप्पन भोग लगता है। अगस्त में चार बार यह पुनीत अवसर पड़ेगा। नौ अगस्त को पूर्णिमा और रक्षाबंधन पर्व है, जबकि 16 अगस्त को कृष्ण जन्माष्टमी, 20 अगस्त को पुनर्वसु नक्षत्र और 27 अगस्त को गणेश चतुर्थी पर्व है। इसके अतिरिक्त, पुनर्वसु नक्षत्र लगने पर भी यह भोग अर्पित होगा। भगवान को चढ़ाया गया छप्पन भोग भक्तों में भी वितरित होता है। 29 जुलाई को नागपंचमी है, इस दिन भी छप्पन भोग लगेगा। उत्सव के दौरान भगवान को पीतांबरी धारण कराई जाती है।

यह होती है रामलला की दिनचर्या : रामलला की दिनचर्या में भोर में लगभग पौने चार बजे जागरण कराया जाता है। नित्य क्रिया के बाद समूचे फलों और पेड़ा का भोग लगता है। इसके बाद धूप, दीप नैवेद्य अर्पित कर मंगला आरती की जाती है। अभिषेक और श्रृंगार का क्रम पूर्ण कर सुबह छह बजे श्रृंगार आरती होती है। आरती के पहले फल और मधु पर्क अर्पित होता है। सुबह नौ बजे बाल भोग लगता है, जबकि 12 बजे संपूर्ण भोजन का भोग अर्पित किया जाता है। शाम चार बजे फिर बाल भोग लगता है। संध्या आरती से पहले सात बजे पेड़ा और लड्डू का भोग लगता है। रात्रि साढ़े नौ बजे शयन आरती के पहले संपूर्ण भोजन का भोग लगता है।

बिहार में प्रेमी के साथ मिलकर पति को करंट लगा मार डाला

जासं, समस्तीपुर : बिहार में समस्तीपुर जिले में शुक्रवार की देर रात पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पहले ई रिक्शा चालक पति सोनू कुमार झा की बेरहमी से पिटाई की, इसके बाद दाहिने हाथ में करंट लगाकर उसकी हत्या कर दी। दोनों आंखें और सिर पर गहरे चोट के अलावा शरीर में कई जगहों पर जख्म के निशान मिले हैं।

पुलिस ने सोनू के पिता के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपित पत्नी अस्मिता झा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने पूरी कहानी बयां की। प्रेमी फरार हो गया है। सोनू के बेटे को ट्यूशन पढ़ाने के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ी थीं। घरवाले इसका विरोध करते थे।

सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सह एएसपी संजय पांडेय ने बताया कि जांच के दौरान मिले तथ्यों पर पुलिस कार्रवाई में जुटी है। घटना के राजफाश को लेकर विशेष टीम का गठन किया गया है।

स्वर्ण-रजत हिंडोला में विराजेंगे बांकेबिहारी

हरियाली तीज

- प्रबंधन ने की बीमार, दिव्यांग, बुजुर्ग व बच्चों को न लाने की अपील
- वन-वे रूट से गुजरेंगे श्रद्धालु, मंदिर के हर मार्ग पर की गई बैरिकेडिंग

जागरण संवाददाता, वृंदावन

हरियाली तीज के अवसर पर रविवार को ठाकुर बांकेबिहारी स्वर्ण-रजत हिंडोले में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे। इस दिन से मंदिरों में पंद्रह दिनों तक चलने वाला हिंडोला उत्सव भी आरंभ होगा। देशभर से श्रद्धालु एक झलक पाने के लिए पहुंचने लगे हैं।

भीड़ को देखते हुए शनिवार सुबह से बाहरी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है। 27 जुलाई की रात तक कोई भी बाहरी वाहन मंदिर परिसर में प्रवेश नहीं कर सकेगा। श्रद्धालुओं के लिए वन-वे एंट्री की व्यवस्था की गई है, और प्रवेश मार्ग पर क्लाक रूम में श्रद्धालु अपना सामान रखकर आगे बढ़ेंगे। मंदिर प्रबंधन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे बच्चों, बीमार व्यक्तियों, दिव्यांग और बुजुर्गों को भीड़ में न लाएं। बताया जा रहा है कि जिस स्वर्ण-रजत हिंडोले में ठाकुर बांकेबिहारी का दर्शन होगा, उसे 1947 में भक्त सेठ हरगुलाल ने मंदिर को सौंपा था, जिसमें 20 किलो सोना और एक कुंतल चांदी का उपयोग किया गया है। इसके निर्माण में 25 लाख रुपये खर्च हुए थे। मंदिर प्रबंधक मुनीश शर्मा ने बताया कि हरियाली तीज पर सुबह 7.45 बजे पट खुलेंगे। दोपहर 1.55 बजे राजभोग आरती के बाद दो बजे मंदिर के पट बंद होंगे। शाम को मंदिर के पट पांच बजे खुलेंगे और रात 10.55 बजे शयन आरती के बाद 11 बजे बंद होंगे। रविवार को 12 घंटे दर्शन की व्यवस्था रहेगी।

इन मंदिरों में भी सजेंगे हिंडोले: राधावल्लभ, राधारमण, राधादामोदर, राधाश्यामसुंदर, गोविंददेव, गोपीनाथ, मदनमोहन, गोकुलानंद, सनेहबिहारी मंदिर, वृंदावनचंद्र मंदिर समेत अन्य मंदिरों में भी हिंडोला उत्सव शुरू होगा। ठाकुरजी 15 दिन तक भक्तों को दर्शन देंगे।

मथुरा : वृंदावन के ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में हरियाली तीज पर सजने वाले स्वर्ण-रजत हिंडोला की शुरू हुई तैयारी। आराध्य बांकेबिहारी के दर्शन को पहुंचे श्रद्धालु। जागरण

****

58 टाइगर रिजर्व में लगाए जाएंगे 1.16 लाख पौधे

जागरण संवाददाता, नैनीताल: 29 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस है। देशभर के 58 टाइगर रिजर्व के जंगलों में बाघों के लिए अनुकूल माहौल बनाने को इस दिन 1.16 लाख पौधे लगाए जाएंगे। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की ओर से सभी टाइगर रिजर्व निदेशकों को इस संबंध में गाइडलाइन जारी की गई है। पौधारोपण के कार्यों की टाइगर रिजर्व में आनलाइन मानिटरिंग भी की जाएगी। हर टाइगर रिजर्व में दो-दो हजार पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया है। कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भियान 'एक पेड़ मां के नाम' से भी जोड़ा जाएगा। देसी प्रजाति के पौधे लगाने के पीछे एनटीसीए का मकसद बाघों का संरक्षण है। देसी पौधे बाघों के आवास को बेहतर बनाने के साथ ही आश्रय प्रदान करते हैं। शिकार के लिए भी उपयुक्त वातावरण तैयार होता है। देसी पौधों से बाघों के स्वास्थ्य और पूरे पारिस्थितिकीय तंत्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। देसी प्रजाति के पौधों में इनमें प्रमुख रूप से नीम, आम, बरगद, पीपल, अशोक, जामुन, तुलसी, केला, चंदन, शीशम, इमली, बबूल, खैर, आम, अर्जुन आदि पौधे शामिल हैं।

दैनिक जागरण

नदियां लक्ष्य प्राप्ति तक विश्राम न करने का संदेश देती हैं

कारगिल विजय का स्मरण

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देश में जो विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, उनकी महत्ता इसलिए और अधिक बढ़ जाती है, क्योंकि पाकिस्तान के खिलाफ आपरेशन सिंदूर की चर्चा अब भी जारी है। कारगिल संघर्ष में अप्रतिम साहस का परिचय और सर्वोच्च बलिदान देने वाले रणबांकुरों का स्मरण राष्ट्रीय कर्तव्य है। यह अच्छा हुआ कि यह कार्य बड़े पैमाने पर किया गया। कारगिल विजय दिवस हमारे सैनिकों के अद्वितीय पराक्रम की याद दिलाने के साथ पाकिस्तान की धोखेबाजी को भी रेखांकित करता है। राष्ट्र ने कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ मनाई। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि पाकिस्तान की हरकतें वैसी की वैसी ही हैं। कारगिल में उसके सैनिकों ने चरवाहों के भेष में घुसपैठ की थी। माना जाता है कि पहलगाम में बर्बर हमले को अंजाम देने वाले पाकिस्तानी आतंकी वहां के सैनिक ही थे। जैसे कारगिल में घुसपैठ पाकिस्तानी सेना के तत्कालीन सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ के इशारे पर की गई, वैसे ही पहलगाम में आतंकी हमले के पीछे मौजूदा सेना प्रमुख आसिम मुनीर को जिम्मेदार माना जा रहा है। भारत के प्रति पाकिस्तान की शत्रुता में इसके बावजूद कोई कमी नहीं आई कि वाजपेयी से लेकर मोदी तक ने पाकिस्तान से संबंध सुधारने की हरसंभव कोशिश की। पाकिस्तान पहले भी भारत को धोखा देने के लिए साजिश करता रहता था। वह अब भी ऐसा ही कर रहा है।

कारगिल संघर्ष में पाकिस्तान ने न केवल शर्मनाक पराजय का सामना किया, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी फजीहत भी कराई। प्रमुख देशों को यह साफ संदेश गया था कि पाकिस्तान की सेना बिल्कुल भी पेशेवर नहीं है और वह भारत के खिलाफ आतंकियों का इस्तेमाल करती है। चूंकि ऐसा अब भी हो रहा है, इसलिए भारत को सावधान रहना चाहिए। इसलिए और अधिक, क्योंकि चीन उसकी पीठ पर हाथ रखे हुए है और अमेरिका का रवैया भी ढुलमुल है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अपने स्वार्थों के लिए पाकिस्तान को गले लगाने से भी बाज नहीं आने वाले। भले ही पाकिस्तान आर्थिक समस्याओं से घिरा हो, लेकिन वह भारत से बदला लेने की अपनी सनक छोड़ने के लिए तैयार नहीं। वह हिंदुओं से घृणा पर पल रहा है। इसी घृणा के चलते पहलगाम में लोगों को उनका मजहब पूछकर मारा गया। कारगिल विजय दिवस के स्मरण के साथ ही इस आवश्यकता को भी महसूस किया जाना चाहिए कि अभी पाकिस्तान को सही राह पर लाना शेष है। इसमें संदेह है कि वह सुधरेगा। इसे देखते हुए पाकिस्तान के प्रति किसी तरह की नरमी नहीं दिखाई जानी चाहिए। ध्यान रहे कि कारगिल संघर्ष के समय भारत ने अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों के पालन पर कुछ ज्यादा ही जोर दिया। इसके चलते हमारे बलिदानी सैनिकों की संख्या बढ़ी।

जर्जर स्कूल भवन

राजस्थान के झालवाड़ा जिले में सरकारी स्कूल की छत गिरने से हुए दर्दनाक हादसे के बाद उत्तराखंड में भी सरकारी स्कूल भवनों की स्थिति को लेकर प्रश्न खड़े होने लगे हैं। स्वयं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी स्कूल भवनों की स्थिति को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में सभी स्कूल भवनों का सुरक्षा आडिट कराया जाए। बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री की यह चिंता बेवजह नहीं है। प्रदेश में 3,770 स्कूल भवनों की स्थिति यह है कि तत्काल मरम्मत न होने पर वह खतरनाक की श्रेणी में आ सकते हैं। इनमें अधिकांश भवन प्राथमिक स्कूलों के हैं। कई भवनों का प्लास्टर झड़ रहा है तो कई की छत टपक रही है। कई भवनों की दीवारों पर दरारें आई हुई हैं। फिर भी जिम्मेदारों का ध्यान इस ओर नहीं जा रहा, जबकि लोग लगातार इस संबंध में प्रशासन व जनप्रतिनिधियों को अवगत कराते आ रहे हैं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि प्रदेश में जिन 942 स्कूल भवनों को खतरनाक मानकर वहां से बच्चों का हटा दिया गया था, उनकी जगह भी गिनती के ही नए भवन बन पाए। अधिकांश स्कूल अब भी पंचायत घर या निजी भवनों पर जैसे-तैसे संचालित हो रहे हैं। यह निश्चित रूप से चिंतनीय है और इससे शिक्षा विभाग का ढुलमुल रवैया भी उजागर होता है। उम्मीद की जानी चाहिए आगे ऐसा नहीं होगा और सरकार की मंशा के अनुरूप स्कूल भवनों की मरम्मत और पुनर्निर्माण की दिशा में तेजी से काम होगा।

> उत्तराखंड में सभी सरकारी स्कूल भवनों का सुरक्षा आडिट किया जाएगा, ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके

खुद को क्षति पहुंचाती कांग्रेस

संजय गुप्त

यदि कांग्रेस ने अपना रुख-रवैया सही नहीं किया तो उसके साथ खड़े क्षेत्रीय दल उसकी बची-खुची राजनीतिक जमीन पर भी कब्जा कर लेंगे। कई राज्यों में वह पहले ही क्षेत्रीय दलों के सामने बौनी पड़ चुकी है

संसद के मानसून सत्र का पहला सप्ताह बीत गया और इस पूरे सप्ताह दोनों सदनों में बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के चुनाव आयोग के फैसले पर विपक्ष हंगामा करता रहा। उसने यह हंगामा संसद के बाहर भी किया। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर खास तौर पर निशाना साधा। पिछले दिनों उन्होंने यह भी कह दिया कि कर्नाटक के एक चुनाव क्षेत्र में धांधली हुई थी। उन्होंने चुनाव आयोग को एक तरह से धमकी दे डाली, जो कि संवैधानिक संस्था है। चूंकि राहुल गांधी कांग्रेस के सबसे प्रभावशाली नेता हैं, इसलिए पार्टी के अन्य नेता भी उनकी बात आगे बढ़ाने में लगे रहते हैं। लगता है विपक्ष ने ठान लिया है कि वह मतदाता सूची के सत्यापन के चुनाव आयोग के फैसले पर हंगामा करता ही रहेगा। यह हंगामा सुप्रीम कोर्ट की ओर से बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन के फैसले को सही ठहराने के बाद भी किया जा रहा है। शायद सत्तापक्ष ने भी मान लिया है कि विपक्ष इस मुद्दे के साथ ही अन्य कुछ मुद्दों पर हंगामा करता रहेगा। हो सकता है वह इस हंगामे के बीच ही कुछ विधेयक पास कराने की कोशिश करे। संकीर्ण राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए विभिन्न मुद्दों पर संसद के भीतर-बाहर हंगामा करना विपक्ष की आदत बन गई है। पिछले 8-10 वर्षों से ऐसी आदत का परिचय कुछ ज्यादा ही दिया जा रहा है।

बिहार में इसी वर्ष के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके पहले चुनाव आयोग ने इस राज्य में मतदाता सूची का सत्यापन कराना जरूरी समझा। उसकी यह प्रक्रिया अंतिम चरण में है। अब तो उसने यह भी कह दिया है कि वह सारे देश में मतदाता सूचियों का सत्यापन करेगा, क्योंकि यह किसी भी चुनाव में आवश्यक होता है कि वैध मतदाता ही वोट देने का अधिकार रखें। यह सही बात है। आखिर इसका क्या मतलब कि जो लोग वैध मतदाता नहीं हैं अथवा स्थायी रूप से अन्य कहीं बस गए हैं या फिर बाहरी देशों के लोग और यहां तक कि घुसपैठिए हैं, वे भी चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा ले सकें? विपक्ष को चुनाव आयोग के इस सवाल का भी जवाब देना चाहिए कि आखिर अनुचित तरीके से वोटर बने और बनाए गए लोगों को मतदान का अधिकार कैसे दिया जा सकता है? चुनाव आयोग ने यह पाया है कि बिहार में 60 लाख से अधिक लोग ऐसे हैं, जो इस राज्य में वोट डालने के अधिकारी नहीं हैं। क्या चुनाव आयोग ऐसे लोगों की अनदेखी कर दे? उसे ऐसे लोगों को वोट देने की अनुमति क्यों देनी चाहिए, जिनके बारे में उसे संदेह है कि वे भारत के नागरिक नहीं हैं अथवा राज्य विशेष छोड़कर स्थायी रूप से अन्यत्र बस गए हैं? क्या यह किसी से छिपा है कि हर कहीं ऐसे कई लोगों के नाम मतदाता सूची में होते हैं, जिनका निधन हो चुका होता है या जो कहीं और जा बसे होते हैं। कई बार उनकी जगह दूसरे लोग वोट दे देते हैं। क्या इस सबसे चुनाव आयोग आंखें मूंद ले? सबसे आश्चर्य की बात यह है कि विपक्ष इस पर गौर करने से इन्कार कर रहा है कि उसके जो नेता चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गए थे, उनकी दलीलें सही नहीं पाई गईं? इसी कारण सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन की प्रक्रिया पर रोक लगाने से मना कर दिया। उसने कुछ सुझाव चुनाव आयोग को अवश्य दिए, जिनसे आयोग सहमत नहीं। विपक्ष अपनी आपत्ति उचित ठहराने के लिए यह तर्क दे रहा है कि बिहार के लोगों को चुनाव आयोग ने पूरा समय नहीं दिया। वह यह भी पूछ रहा है कि आयोग विधानसभा चुनाव के पहले इस प्रक्रिया को क्यों पूरी करना चाहता है, लेकिन क्या यह कोई अनुचित बात है अथवा चुनाव आयोग को मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण नहीं करना चाहिए?

यह सही है कि बिहार में अच्छी-खासी संख्या में लोगों को चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया में भाग लेना पड़ रहा है, लेकिन जनता के कुछ अधिकार होते हैं तो कर्तव्य भी। विपक्षी दल और विशेष रूप से राहुल गांधी यह माहौल बनाने में लगे हुए हैं कि चुनाव आयोग पिछले दरवाजे से भाजपा की मदद करने में लगा हुआ है और मोदी सरकार के इशारे पर ही सब कुछ कर रहा है। इसके पहले वे महाराष्ट्र में चुनाव प्रक्रिया में कथित धांधली का मुद्दा उठा चुके हैं। चुनाव आयोग उन्हें जवाब भी दे चुका है, लेकिन वे और उनके साथी कुछ समझने को तैयार नहीं।

विपक्षी दल और खासकर कांग्रेस मतदाता सूचियों के सत्यापन के साथ ऐसे भी मुद्दों को तूल देने में लगी हुई है, जो आम जनता की प्राथमिकता वाले नहीं हैं। ऐसा लगता है कि कांग्रेस ने यह मान लिया है कि उसके अपने कारणों से उसकी जो राजनीतिक जमीन कमजोर हो रही है, उसे मजबूत करने का एकमात्र तरीका सरकार और संवैधानिक संस्थाओं पर उलटे-सीधे आरोप लगाने का है। इससे तो कांग्रेस और अधिक कमजोर ही होगी, क्योंकि औसत लोग अपने हित-अहित के मुद्दों को अच्छी तरह समझते हैं। अच्छा हो कि राहुल गांधी इस पर ध्यान दें कि कांग्रेस अभी भी अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन हासिल कर सकती है, क्योंकि उसके पास करीब 20 प्रतिशत वोट हैं। कांग्रेस इस तथ्य को भी अनदेखा करना पसंद कर रही है कि चुनाव में हार-जीत लगी रहती है और भाजपा भी चुनाव हारती है। झारखंड में वह विधानसभा चुनाव नहीं जीत सकी। वह पश्चिम बंगाल में नाकाम रही थी। यह कांग्रेस की अपनी कमजोरी है कि भाजपा उस पर भारी पड़ती जा रही है। यदि कांग्रेस ने अपना रुख-रवैया सही नहीं किया तो उसके साथ खड़े क्षेत्रीय दल उसकी बची-खुची राजनीतिक जमीन पर भी कब्जा कर लेंगे। कई राज्यों में वह पहले ही क्षेत्रीय दलों के सामने बौनी पड़ चुकी है। बेहतर होगा कि कांग्रेस इस बात को समझे कि यह निराधार प्रचार करना सही नहीं कि भाजपा चुनाव आयोग के सहारे चुनाव जीत रही है।

response@jagran.com

अवधेश राजपूत

पहले जैसे नहीं रहे मुहावरों के मतलब

हास्य-व्यंग्य

हिंदी के कुछ प्रचलित मुहावरे अब व्यावहारिक नहीं रहे। या यूं कहें कि आउटडेटेड हो चुके हैं। फिर भी इनका धड़ल्ले से प्रयोग जारी है। समय की कसौटी पर उन्हें नए सिरे से परखने की आवश्यकता महसूस होने लगी है। इस सिलसिले की शुरुआत करते हैं 'पाप का घड़ा भरना' से। घड़े में आमतौर पर पानी भरा जाता है। पुराने लोग घड़े में अशर्फियां भरकर भी खेत या मकान में गाड़ देते थे। उसी दौर में शायद घड़े में पापों का संग्रह भी शुरू किया गया हो। मुहावरे में यह स्पष्ट नहीं है कि घड़ा भर जाने के बाद, उसे खाली करके दोबारा पापों से भरा जा सकता है या नहीं। यदि किसी के पाप एक घड़े में न समा रहे हों तो क्या वह दूसरे घड़े का प्रयोग कर सकता है। इसके अलावा क्या घड़े में रखने से पाप सुरक्षित रहते हैं या उन्हें महज ठंडा करने के उद्देश्य से भरा जाता है। यदि सुरक्षा की बात है तो बैंक के लाकर शायद ज्यादा सुरक्षित हैं। लाकर में पाप रखने पर बैंक वालों को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। भाई लाकर हमारा, पाप हमारे, किसी से क्या मतलब।

एक मुहावरा है नेकी कर दरिया में डाल। यह भी अजीब विरोधाभास है कि पाप तो घड़े में रखे जाते हैं और नेकी को दरिया में डालने की सलाह दी जाती है। दरिया की तुलना में घड़ा ज्यादा साफ होता है। हां, उसका आयतन अवश्य कम होता है। वैसे नेकी को दरिया में फेंका ही क्यों जाए। दरिया में कई तरह के जलचर रहते हैं। वे जब कीड़े-मकोड़े और तमाम तरह की गंदगी तक चट कर जाते हैं तो नेकी को क्यों बख्शने लगे। भैया नेकी आपकी है, इसलिए उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी आपकी। ये कौन सी अक्लमंदी हुई कि अपना खून-पसीना बहाकर आपने नेकी कमाई और उसे दरिया में डाल दिया। जैसे दूसरों के पाप गिनाने से अपने पाप कम नहीं होते, वैसे ही आपकी नेकी उदरस्थ कर जाने से जलचरों के खाते में पुण्य नहीं जुड़ जाएगा। इसलिए आपकी नेकी न तो आपके काम आई और न किसी और के। बेहतर हो किसी को उधार या दान में नेकी भले दे दें, किंतु दरिया में कतई न डालें।

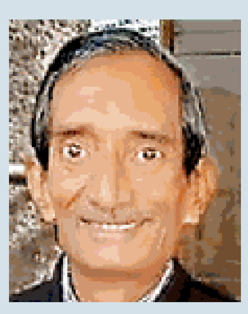

कमल किशोर सक्सेना

> आज जब दालें इतनी महंगी हैं तो भला कोई किसी को परेशान करने के लिए उसकी छाती पर मूंग क्यों दलेगा?

एक बड़ा ही लोकप्रिय मुहावरा है छाती पर मूंग दलना। यह मुहावरा जिस दौर में प्रचलन में आया होगा, उस समय दालें इतनी महंगी नहीं थीं। अच्छे घरों और अच्छी नस्ल के पशु भी लंच और डिनर में दाल खाते थे, लेकिन आज महज किसी को परेशान करने के लिए कोई छाती पर मूंग क्यों दलेगा? दूसरी बात यह कि दलने के लिए मूंग की ही अनिवार्यता क्यों है। क्या अरहर, चना या उड़द नहीं दली जा सकती। इनके दलने पर क्या कानून की किसी धारा का उल्लंघन हो जाएगा। यदि दलना जरूरी ही हो तो दलिया में क्या बुराई है। वह दाल से काफी सस्ता होता है और उससे बजट भी नहीं बिगड़ता।

नाच न आवे आंगन टेढ़ा मुहावरा भी जब गढ़ा गया होगा, तब घरों में आंगन भी होते थे और उनमें नाचा भी जाता था। आज अपार्टमेंट और मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के दौर में कितने घरों में आंगन होता है। ले-देकर तीन बाई छह फीट की बालकनी होती है। जिनमें नाचना तो छोड़िए, ढंग से टहला भी नहीं जा सकता। अब ग्राउंड फ्लोर के मकानों में भी आंगन नहीं होता। उसकी जगह पर कार पार्किंग या गार्डन बना दिया जाता है। आंगन की जरूरत केवल नाचने के लिए नहीं होती, शादी के वक्त मंडप गाड़ने में भी पड़ती है। अब अधिकांश शादियां मैरिज हाल या गेस्ट हाउस में होने लगी हैं। वहां मंडप के साथ नाचने की समस्या भी हल हो जाती है। वैसे ये मुहावरा सिरे से ही गलत है। जिसे नाचना नहीं आता, वह आंगन सीधा होने पर भी कैसे नाच लेगा। और जिसे नाचना आता है वह कार के बोनट, दूसरे की अंगुली या किसी की खोपड़ी पर भी नाच सकता है।

response@jagran.com

तथ्य-कथ्य | विदेश में मृत्युदंड की सजा पाए भारतीयों की संख्या

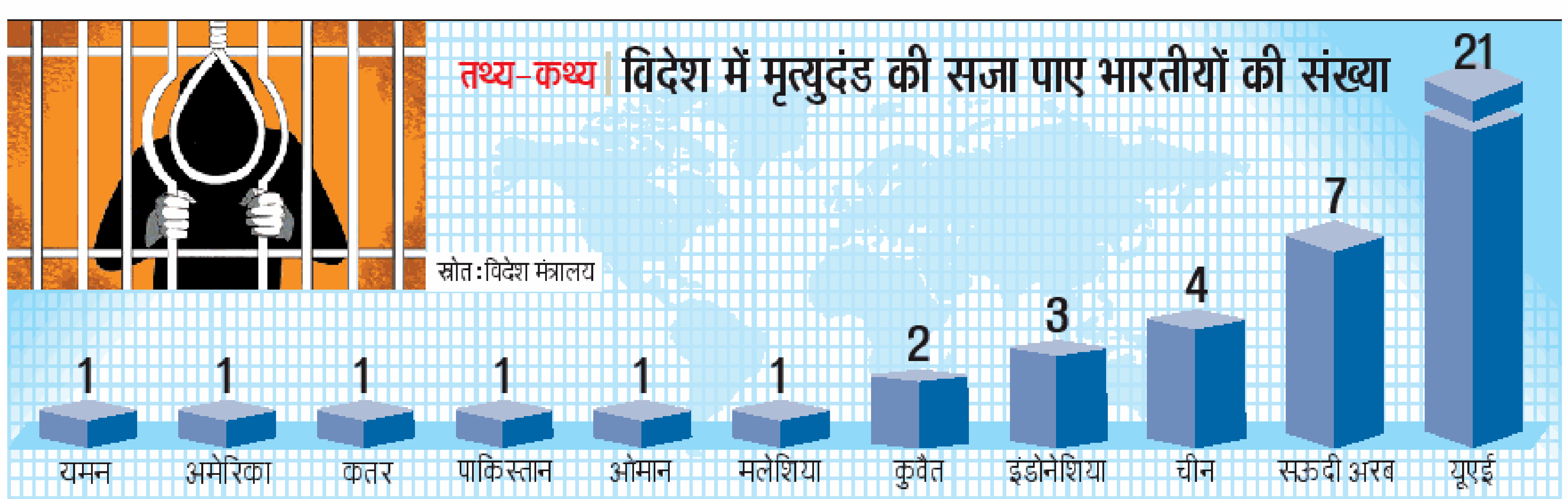

ऊर्जा

अच्छी आदतें

भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है, जो व्यक्ति जैसा सोचता है, वैसा ही बन जाता है। यानी व्यक्ति का सोच उसके कार्यों को प्रभावित करता है और बार-बार किए गए कार्य उसकी आदत बन जाते हैं। ये आदतें ही हमारे स्वभाव का निर्माण करती हैं, जिससे भाग्य का निर्माण होता है। आदतें बाह्य और आंतरिक होती हैं। बाह्य आदतें दूसरों के साथ हमारे परिचय को दर्शाती हैं, जबकि आंतरिक आदतें केवल हमारे अपने अनुभवों से जुड़ी होती हैं। कुछ बाहरी आदतें पुरानी होती हैं, जिन्हें बदलना कठिन होता है। वहीं कुछ नई आदतें होती हैं, जो हमारे जीवन में अब शामिल हो गई हैं। अच्छी आदतें न केवल बहुमूल्य होती हैं, बल्कि हमारे जीवन को भी मूल्यवान बनाती हैं। इसके विपरीत गलत आदतें सहजता से हमारे जीवन में प्रवेश कर जाती हैं और इसे मूल्यहीन बना देती हैं। ये गलत आदतें या तो हम स्वयं अपनाते हैं या बुरी संगत के प्रभाव में आकर। कई बार अनजाने में भी ये आदतें हमारे व्यवहार में शामिल हो जाती हैं। गलत आदतें हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं और हमें लक्ष्य से भटकाती हैं। इनसे बचने का एकमात्र उपाय है कि हम अच्छी आदतों को अपने जीवन में अपनाएं।

बुरी आदतों से पीछा छुड़ाना आसान नहीं होता, क्योंकि हम इनसे बंधे होते हैं। अवचेतन मन में आदतें स्वचालित रूप से काम करती हैं और नई आदतें तभी आकार लेती हैं जब उन्हें लगातार दोहराया जाए। आदतों में बदलाव लाने के लिए सोचने के तरीकों में बदलाव आवश्यक है। हमें दृढ़ संकल्प के साथ अपनी आदतों को सुधारना चाहिए। छोटे-छोटे संकल्प लेना अधिक प्रभावी होता है। यदि छोटे संकल्प पूरे होते हैं, तो उत्साह बना रहता है और संकल्प शक्ति बढ़ती है। इस प्रकार अच्छी आदतों को व्यवहार में शामिल करने से स्वभाव सुधरता है और भाग्य उच्चकोटि का बनता है।

अवधविहारी शुक्ल

तेजी से लुप्त हो रहा है स्वच्छ जल

मुकुल व्यास

> उत्तरी गोलार्ध में चार बड़े शुष्क क्षेत्र उभर रहे हैं, जिनमें उत्तर-पश्चिम भारत का क्षेत्र भी शामिल है

विज्ञानियों ने चेतावनी दी है कि विश्व में स्वच्छ जल तेजी से लुप्त हो रहा है। उपग्रहों से किए गए अवलोकनों के अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ है कि जलवायु परिवर्तन, भूजल के असंतुलित उपयोग और अत्यधिक सूखे के कारण 2002 से पृथ्वी के महाद्वीपों में स्वच्छ जल की अभूतपूर्व में कमी आई है। अमेरिका की एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए इस अध्ययन में बताया गया है कि उत्तरी गोलार्ध में चार बड़े शुष्क क्षेत्र उभर रहे हैं, जिनमें उत्तर-पश्चिम भारत का क्षेत्र भी शामिल है। भूमि पर शुष्क क्षेत्रों का विस्तार हर साल कैलिफोर्निया के आकार से लगभग दोगुनी दर से हो रहा है।

यह चिंता का विषय है कि शुष्क क्षेत्रों की अधिक शुष्क होने की दर आर्द्र क्षेत्रों के अधिक आर्द्र होने की दर से अधिक हो गई है, जिससे जल चक्र में असंतुलन उत्पन्न हो रहा है। उपलब्ध स्वच्छ जल पर इसके नकारात्मक प्रभाव अत्यंत चिंताजनक हैं। विश्व की 75 प्रतिशत आबादी उन 101 देशों में निवास करती है, जो पिछले 22 वर्षों से स्वच्छ जल की कमी का सामना कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, अगले 50 से 60 वर्षों में विश्व की जनसंख्या में वृद्धि जारी रहेगी, जबकि स्वच्छ जल की उपलब्धता में कमी का खतरा भी बना रहेगा। भूमि पर जल हानि में 68 प्रतिशत हिस्सा भूजल का है, जो समुद्र के स्तर में वृद्धि में ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका की बर्फ की चादरों के संयुक्त योगदान से भी अधिक है। ये निष्कर्ष जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बारे में सबसे गंभीर चेतावनी देते हैं। महाद्वीप सूख रहे हैं, स्वच्छ जल की उपलब्धता घट रही है और समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है।

भूजल के निरंतर अति-उपयोग के परिणामस्वरूप विश्व के अरबों लोगों के लिए खाद्य संकट उत्पन्न हो सकता है और जल सुरक्षा कमजोर हो सकती है। इस स्थिति से निपटने के लिए वैश्विक जल सुरक्षा पर तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। स्थलीय जल भंडारण में पृथ्वी की सतह का जल, वनस्पति जल, मिट्टी की नमी, बर्फ और भूमि पर संग्रहीत भूजल शामिल हैं। ग्लेशियर और भूजल एक प्रकार से प्राचीन ट्रस्ट फंड हैं। लंबे समय तक सूखे जैसी स्थितियों में इनका उपयोग करने के बजाय हम इन्हें हल्के में ले रहे हैं। साथ ही अधिक वर्षा वाले वर्षों में भूजल प्रणालियों को फिर से भरने का प्रयास नहीं कर रहे हैं। अध्ययन में भूजल क्षरण को धीमा करने, स्वच्छ जल के शेष संसाधनों की रक्षा करने और जल संकट एवं तटीय बाढ़ के बढ़ते जोखिम के अनुकूल होने के लिए तत्काल कार्रवाई का आह्वान किया गया है।

(लेखक विज्ञान के जानकार हैं)

सांसों पर संकट

पार्टी आलाकमान के सामने अपना दम-खम दिखाने के चक्कर में कभी-कभी सांसों पर संकट खड़ा हो जाता है। ऐसा ही नजारा पिछले दिनों राज्यसभा में देखने को मिला। हुआ यह कि राज्यसभा में कांग्रेस आपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग कर रही थी, लेकिन वह जिस नियम के तहत चर्चा मांग रही थी शायद उस पर सरकार तैयार नहीं थी। शुरुआती नारेबाजी के बाद सदन एक घंटे के लिए स्थगित हो गया, लेकिन जब सदन फिर बैठा, तो विपक्ष शांत दिखा। इस पर सदन में मौजूद सोनिया गांधी ने पीछे पलटकर देखा तो इशारा समझकर सदस्यों ने फिर नारेबाजी शुरू कर दी। अपनी नेता को दिखाने के लिए जोर-जोर से नारेबाजी करने लगे, लेकिन इस बार काफी देर तक कार्यवाही स्थगित नहीं हुई, तो सदस्यों की सांसें फूलने लगीं। स्थिति को भांपते हुए सोनिया गांधी सदस्यों के साथ सदन से वाकआउट कर गईं। खास बात यह है कि इनमें कुछ सदस्यों ने बाहर निकलकर अपनी पीड़ा भी बयां की और खुद बताया कि उम्र के इस पड़ाव पर अब नारे नहीं लगते।

राजरंग

दुविधा

कांस्टीट्यूशन क्लब के चुनाव में भाजपा के ही दो सांसदों के बीच सीधे मुकाबले ने पार्टी के अन्य सांसदों को दुविधा में डाल दिया है। क्लब के सचिव (प्रशासन) पद के लिए राजीव प्रताप रूड़ी और संजीव बालियान आमने-सामने हैं। संसद भवन के गलियारे में विपक्षी सांसद जहां एक ओर समर्थन को लेकर भाजपा सांसदों पर तंज कस रहे हैं, वहीं इस बारे में पूछे जाने पर भाजपा सांसद चुप रह जाते हैं। रूड़ी और बालियान के बीच किसी एक को चुनने को लेकर दुविधा ऐसी है कि एक भाजपा सांसद ने कह दिया कि वह वोट ही नहीं देने का सोच रहे हैं। ध्यान देने की बात है कि 2009 से क्लब की कमेटी के गठन के बाद से ही रूड़ी सचिव (प्रशासन) बने हुए हैं और पहली बार उन्हें भाजपा के ही एक सांसद से चुनौती मिल रही है।

सियासी आंसू

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति पद से जगदीप धनखड़ का इस्तीफा भले ही चौंकाने वाला रहा, लेकिन उससे भी बड़ी चौंकाने वाली बात उनके इस्तीफे के बाद कांग्रेस के रवैए में आया बदलाव है। धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने वाली कांग्रेस अब उनका गुणगान कर रही है। पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश जिनकी धनखड़ से सदन में अक्सर तीखी-नोकझोंक हो ही जाती थी, वे भी उनकी तारीफ और उनके प्रति सद्भावना दिखाते दिख रहे हैं। यहां तक कि कांग्रेस की ओर से धनखड़ के लिए विदाई समारोह आयोजित करने की सलाह भी दे दी गई है। संसद के गलियारे में इस बात की चर्चा जोरों पर है कि धनखड़ को लेकर कांग्रेस का कौन सा रुख सही माना जाए, इस्तीफे के पहले वाला या फिर इस्तीफे के बाद वाला। जो भी हो, फिलहाल कांग्रेस एवं विपक्ष के इस रवैए को लेकर लोग खूब चुटकी ले रहे हैं।

एक्स पोस्ट पर नजर

अर्थव्यवस्था से संबंधित किसी भी बड़े फैसले को लेकर विपक्ष खासकर कांग्रेस क्या सोच रही है, इसे जानने के लिए सत्तासीन दल जयराम रमेश के एक्स पोस्ट पर विशेष नजर रखता है। अमेरिका के साथ जारी व्यापार समझौते की बात हो या फिर तीन दिन पहले भारत और ब्रिटेन के बीच होने वाला मुक्त व्यापार समझौता, इनमें सरकार की कमियां निकालने के लिए जयराम इंटरनेट मीडिया पर सबसे अधिक मुखर रहते हैं। जयराम के पोस्ट से सत्ताधारी दल को पता चल जाता है कि विपक्ष सरकार की किस रूप में आलोचना करने वाला है या विपक्ष उनके फैसले पर क्या सोच रहा है। तभी भारत-ब्रिटेन के मुक्त व्यापार समझौते पर सत्तारूढ़ दल के लोगों की ओर से यह कहते सुना जा रहा है कि जयराम ने भी भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते में कोई विशेष कमी नहीं बताई है। तो क्या विपक्ष ने क्लीन चिट दे दी है?

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व. नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।
****

27 फिल्मों का निर्देशन किया है प्रसिद्ध निर्देशक रहे राज खोसला ने, वर्ष 1955 से 1989 के बीच। मेरा साया, मेरा गांव मेरा देश, दोस्ताना और मैं तुलसी तेरे आंगन की उनकी प्रसिद्ध फिल्में हैं।

आजकल

अनंत विजय
anant@nda.jagran.com

मई, 2013 के अपने संपादकीय में 'हंस' पत्रिका के संपादक राजेंद्र यादव ने लिखा था, इधर हमारे अशोक वाजपेयी अपने रोजनामचे यानी कभी-कभार (साप्ताहिक स्तंभ) में अक्सर ही बताते रहते हैं कि उन्होंने देश-विदेश की किन गोष्ठियों में भाग लिया और उनकी तुलना में हिंदी कहां-कहां और कितनी दरिद्र है। वस्तुतः यह सुनते सुनते मेरे कान पक गए हैं कि हम लोगों में क्या कमी है और हिंदी कहां कहां पिछड़ी हुई है। यह हिंदी बैशिंग मुझे मनोरोग जैसा लगने लगा है। मेरे दफ्तर में आनेवाले ज्यादातर लोग जब हिंदी कविता और कहानियों की कमजोरी और कमियों का रोना रोते हैं तो उसके पीछे भावना यही होती है कि देखिए इन कमियों और कमजोरियों को किस तरह अपनी महान रचनाओं के द्वारा मैं पूरा कर रहा हूं। इस टिप्पणी में उन्होंने मेरा भी नाम लिया था। राजेंद्र यादव आगे कहते हैं कि यह अशोक और अनंत विजय जैसों की तरह ज्यादा पढ़ने और घूमने से उपजी हुई तकलीफ नहीं, बल्कि एक सुना सुनाया और आत्मप्रचार को सही सिद्ध करने का हथकंडा है। लगता है या तो ये लोग केवल अपने बारे में बोल सकते हैं या हिंदी को लेकर छाती माथा कूटने की लत में लिप्त हैं। कभी-कभी तो मुझे कहना पड़ता है कि हम हिंदुस्तानी या हिंदीवाले का रोदन बंद कीजिए और बताइए कि हमें क्या करना है। 12 वर्ष पहले यह संपादकीय लिखा गया था।

समय का चक्र घूमा, राजेंद्र यादव का निधन हो गया। संजय सहाय हंस के संपादक बने। संपादक बदलने से पसंद नापसंद भी बदले। पत्रिका अलग राह पर चल पड़ी। जिस हिंदी बैशिंग को राजेंद्र यादव मनोरोग जैसा मानते थे उसी अशोक वाजपेयी के हिंदी, हिंदी साहित्य और हिंदी समाज के बैशिंग को हंस के जुलाई अंक में छह पृष्ठों में जगह दी गई है। राजेंद्र यादव के निधन के बाद पत्रिका की नीतियों में यह विचलन अलग विमर्श की मांग करता है। यह चर्चा फिर कभी।

बूढ़ा गिद्ध क्यों पंख फैलाए

'हंस' पत्रिका के संपादक रहे राजेंद्र यादव अपने विचारों को बहुत ही बेबाकी से व्यक्त करते थे। परंतु बाद के दौर में इस पत्रिका ने अपनी नीतियों में बदलाव किया। इसी क्रम में अशोक वाजपेयी का एक लेख प्रकाशित हुआ है, जिसका शीर्षक है- हिंदी समाज ने आधुनिक हिंदी साहित्य को खारिज कर दिया है? यह लेख सामान्यीकरण और फतवेबाजी का महज काकटेल बनकर रह गया। ऐसे में हमें अशोक वाजपेयी के लेखन और उनकी विचारधारा से जुड़े आयामों को भी देखना-समझना चाहिए

राजेंद्र यादव। फाइल

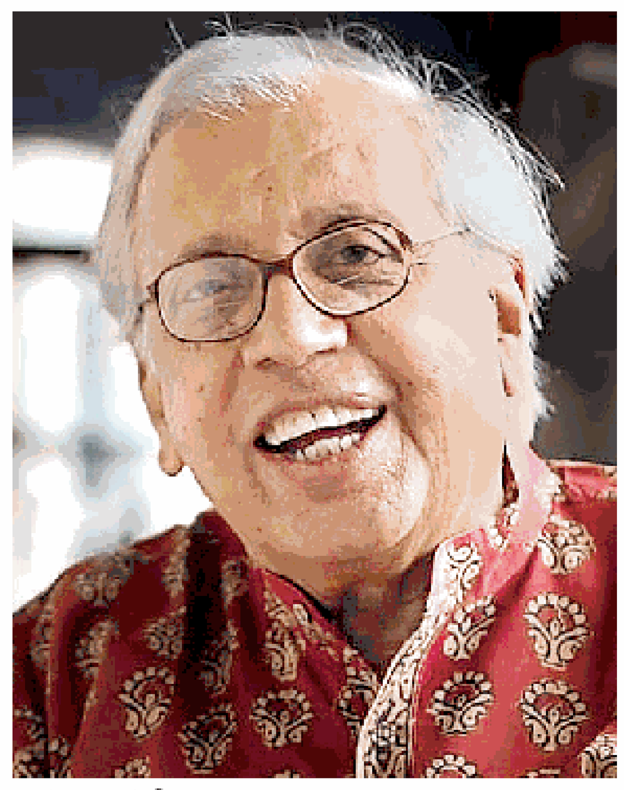

अशोक वाजपेयी। फाइल

अशोक वाजपेयी के लेख पर विचार करते हैं जिसका शीर्षक है, हिंदी समाज ने आधुनिक हिंदी साहित्य को खारिज कर दिया है? शीर्षक में जो प्रश्नवाचक चिह्न है उसका उत्तर अपने आलेख में खोजने का प्रयत्न किया है। अशोक वाजपेयी का यह लेख सामान्यीकरण और फतवेबाजी का काकटेल बनकर रह गया है। वाजपेयी को अपने द्वारा बनाई चलाई संस्थानों की विफलता और व्यर्थता का तीखा अहसास होता है। अपने इस अहसास में वे हिंदी विश्वविद्यालय को भी शामिल करते हैं जिसके वह पहले कुलपति थे। जिस हिंदी साहित्य की मृत्यु की संभावना अशोक वाजपेयी तलाश रहे हैं, उसी हिंदी साहित्य में एक कहावत है कि जैसा बोओगे वैसा काटोगे। हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर रहते हुए उसको दिल्ली से चलाना। मित्रों-परिचितों और उनके बेटे बेटियों को विश्वविद्यालय के विभिन्न पदों पर नियुक्त करना। वर्षों बाद उसकी विफलता और व्यर्थता के अहसास में ऊभ-चूभ करके प्रचार तो हासिल किया जा सकता है, लेकिन इससे पाठकों को विमर्श के लिए प्रेरित नहीं किया जा सकता है। साहित्य की मृत्यु की संभावना की जगह आशंका जताते तो उचित रहता। अशोक वाजपेयी हिंदी समाज की व्यापक समझ पर भी प्रश्न खड़े करते हैं। वह कहते हैं कि हिंदी समाज कितना पारंपरिक रहा, कितना आधुनिक हो पाया है, इस पर विस्तार से विचार करने की आवश्यकता है। इसके फौरन बाद अपना निष्कर्ष थोपते हैं कि हमारी व्यापक सामाजिक समझ जितनी आधुनिकता की अधकचरी है, उतनी परंपरा की भी। अब यहां अशोक जी से यह पूछा जाना चाहिए कि वह लंबे समय तक सरकार में रहे, कांग्रेसी मंत्रियों के करीबी रहे, संसाधनों से संपन्न रहे, लेकिन हिंदी समाज की समझ को विकसित करने के लिए क्या किया। दूसरों को कोसने से बेहतर होता है स्वयं का मूल्यांकन करना। यह देखना भी मनोरंजक है कि अशोक वाजपेयी आज के समय में वासुदेवशरण अग्रवाल और हजारी प्रसाद द्विवेदी जैसे मेधा के लेखक ढूंढ रहे हैं।

हिंदी साहित्य में स्वाधीनता के पहले जो भारतीयता या हिंदू परंपरा थी उसको किस पीढ़ी ने बाधित किया। हिंदू या भारतीय परंपरा को खारिज करनेवाले कौन लोग थे। किन आलोचकों ने साहित्य में भारतीय परंपरा की जगह आयातित विचारों को तरजीह दी। हिंदी समाज से अगर भारतीयता की परंपरा नहीं संभली तो क्या हिंदी के साहित्यकारों ने उस पर उसी समय अंगुली उठाई। तब तो उसको प्रगतिशीलता बताकर जय-जयकार किया गया। परंपरा के अधकचरेपन को अशोक वाजपेयी हिंदुत्व के अधकचरेपन से भी जोड़ते हैं। यहां यह प्रश्न पूछा जाना चाहिए कि कैसे हिंदी समाज का मानस अधकचरेपन को स्वीकार करने के लिए तैयार किया गया। कैसे भारतेंदु से लेकर जयशंकर प्रसाद तक, कैसे मैथिलीशरण गुप्त से लेकर धर्मवीर भारती तक और कैसे दिनकर से लेकर शिवपूजन सहाय तक के भारतीय विचारों को हाशिए पर डालने का षड्यंत्र रचा गया। योजनाबद्ध तरीके से भारतीय विचारों पर मार्क्सवादी विचार लादे गए। आज अशोक वाजपेयी को हिंदी विभागों में विमर्श की चिंता सताती है, लेकिन जब वह कुलपति थे तो एक दो पत्रिका के प्रकाशन के अलावा हिंदी विभागों को उन्नत करने के लिए क्या किया? ये बताते तो उनकी साख बढ़ती, अन्यथा सारी बातें बुढ़भस सी प्रतीत हो रही हैं। अशोक स्वयं मानते हैं कि डेढ़ दो सदियों पहले उत्तर भारत में उच्च कोटि की सर्जनात्मकता थी। वह साहित्य, चित्रकला, संगीत आदि में उत्कृष्टता अर्जित कर सका। यहां भी कारण पर नहीं जाते हैं और ऐसा लगता है कि उनकी अपनी कुंठा इस लेख पर हावी हो गई है। दिनकर बच्चन, पंत, प्रसाद, निराला की तरह अशोक वाजपेयी की कविता किसी भी पाठक को याद है। नहीं है।

अशोक वाजपेयी को हिंदुत्व की विचारधारा से तकलीफ है। वह हिंदुत्व की विचाधारा को हिंदू धर्म चिंतन और अध्यात्म से अलग मानते हैं। दरअसल यहां भी वह इसी दोष के शिकार हो जाते हैं। अपने मन के भावों को लच्छेदार भाषा में पाठकों को भरमाते हैं। तर्क और तथ्य हों या न हों। पत्रकारिता को भी वह चालू मुहावरे में परिभाषित करने का प्रयास करते हैं। घिसे पिटे शब्द उठाकर लाते हैं। वह साहित्य के प्रतिपक्ष होने की कल्पना करते तो हैं, लेकिन अपने सक्रिय साहित्यिक जीवन को बिसरा देते हैं। संस्कृति मंत्रालय में रहते हुए साहित्य अकादमी का पुरस्कार लेना कौन सा प्रतिपक्ष रच रहा था।

अशोक वाजपेयी जिस हिंदी समाज के पतन को लेकर चिंतित हैं, कमोबेश उन प्रदेशों में भाजपा की सरकारें हैं। उनकी आलोचना करने के लिए उन्होंने साहित्य का मैदान चुना। राहुल गांधी की यात्रा में शामिल होकर वह अपनी प्रतिबद्धता सार्वजनिक कर चुके हैं। इसलिए अशोक वाजपेयी के इस लेख की आलोचनाओं को उसी आईने में सिर्फ देखा ही नहीं जाना चाहिए, उसका मूल्यांकन भी किया जाना चाहिए। इस पूरे लेख को पढ़ने के बाद अशोक वाजपेयी के ही दशकों पूर्व अज्ञेय और पंत को निशाना बनाकर लिखे एक लेख का शीर्षक याद आ रहा है, बूढ़ा गिद्ध क्यों पंख फैलाए। उस लेख में वाजपेयी ने लिखा था कम से कम हिंदी में तो कवि के बुजुर्ग होने का सीधा मतलब अकसर अप्रसांगिक होना है।

पोस्ट

आखिरकार एशिया कप की औपचारिक घोषणा हो गई है। तय कार्यक्रम के अनुसार भारत को इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान से मैच भी खेलना होगा। संयोग से यह खबर कारगिल विजय दिवस के दिन आई।
विक्रांत गुप्ता@vikrantgupta73

किसी से आपका कड़ा राजनीतिक विरोध हो सकता है, लेकिन तीन बार प्रधानमंत्री चुने गए व्यक्ति को 'गुब्बारा' कहते हुए खारिज करने से कांग्रेस का कोई भला नहीं होने वाला।
पल्लवी घोष@_pallavighosh

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान पाया गया कि 20 लाख मृतकों के नाम भी हैं इसमें, जबकि 30 लाख लोग स्थायी रूप से कहीं और जाकर बस गए। इसमें अगर उन तमाम लोगों के नाम को भी जोड़ लिया जाए, जो एक से अधिक स्थान पर मतदाता के रूप में दर्ज हैं तो इस तरह समग्र मतदाता सूची में करीब 10 प्रतिशत की कमी दर्ज हो सकती है।
यशवंत देशमुख@YRDeshmukh

जिन अटल बिहारी वाजपेयी ने झारखंड को अलग राज्य बनाने में बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उसी राज्य में अटल मोहल्ला क्लीनिक का नामकरण मदर टेरेसा के नाम पर कर दिया गया। यह केवल नाम ही नहीं बदला, बल्कि राज्य सरकार ने आदिवासियों को एक तरह से ईसाई बनाने की साजिश को हरी झंडी दिखाई है।
अशोक श्रीवास्तव@AshokShrivasta6

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या 25 ओटीटी प्लेटफार्म पर प्रतिबंध लगाने से एप/ चैनलों पर अश्लील सामग्री परोसे जाने की प्रवृति पर लगाम लगेगी?

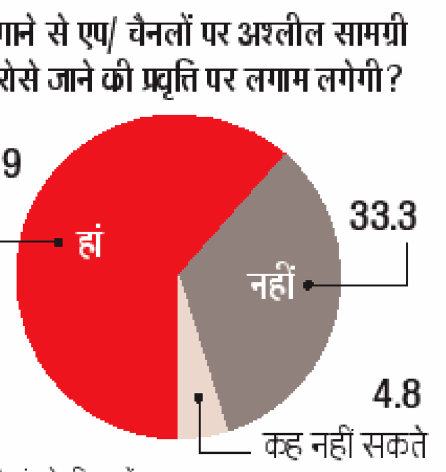

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल
क्या भारतीय टीम को एशिया कप में पाकिस्तान के साथ मैच खेलना चाहिए?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

ढह जाते जिस देश में बच्चों पर स्कूल,
जाना उसका चांद पर लगता माटी-धूल।
लगता माटी-धूल प्रगति की ढोल बजाएं,
लेकिन भ्रष्टाचार न काबू में ला पाएं!
नेता-अफसर भ्रष्ट कमीशन जमकर खाते,
तभी रोज स्कूल और पुल हैं ढह जाते!!
– ओमप्रकाश तिवारी

खरी खरी

फिक्र करने वालों के बीच में

मुकेश राठौर

कैफी आजमी का एक शेर है- इक तुम कि तुमको फिक्र-ए-नशेब-ओ-फराज है/ इक हम हैं कि चल पड़े तो बहर-हाल चल पड़े। कोई जिंदगी के उतार-चढ़ाव में दुबला हुआ जा रहा है तो कोई 'मैं तो चला जिधर चले रस्ता' बतर्ज बेफिक्र होकर, लेकिन कहते हैं न कि कौन फिक्र करे किसी की इस जहां में/ चलो और कुछ देर आंखें मूंद कर मर जाए।

तो साहब आंखें मूंदकर आप मर तो सकते हैं, लेकिन बेफिक्र हो जाएं इसकी गारंटी नहीं। फिक्र कब्र में भी पीछा नहीं छोड़ती। यूं तो मां से बड़ा दुनिया में कोई फिक्रमंद नहीं, लेकिन इन दिनों बीच भंवर फंसे हम जैसे लोगों की मदद करने को जिस तरह फिक्रमंदों का सैलाब उमड़ा है, उनका जिक्र करना स्वाभाविक हो जाता है।

आज हम किसिम-किसिम के फिक्रमंदों की फिक्रमंदी के एहसान तले दबे जा रहा है। रोटी, कपड़ा, मकान से इतर आपकी छोटी-छोटी जरूरतों की फिक्र करने वाले जाग गए हैं। उनसे मिली नजर कि मेरे... टाइप उनसे नंबर मिल जाए, बस फिर वे आपके खिदमत गुजार बन जिंदगी गुजार देते हैं।

इसे चलिए इत्मीनान से समझते हैं। घर से बाहर न जाने क्या-क्या खाकर पेट खराब कर चुके आप संडे को पेट का हालिडे मनाने के मूड में हैं, मगर फूड डिलीवरी करने वाले का फोन आता है, सर आज संडे है, आपको कुछ स्पेशल खाना चाहिए। आप हवा खाने की सोच रहे थे और वे आपकी भूख को हवा देने में लगे हैं।

रावण अभी मरा नहीं और उधर ब्रांडेड कपड़ों के शोरूम से संदेश आने लगते हैं, सर अबकी बार दशहरे पर आपको शेरवानी पहननी चाहिए। बाय वन गेट वन। इधर घर में शेरवाली के चंडी रूप धारण करने से पहले हम बच्चों के कच्छों की जुगाड़ नहीं कर पा रहे और वो...। अब आइए मकान पर। यदि मकान बनाने की सोच रहे हैं तो बस आपके सोच से शुरू होकर हाउसिंग फाइनेंस वाले आपको होम लोन देकर ही छोड़ेंगे, वह भी आसान किस्तों पर, जिन्हें चुकाते चुकाते उस होम के साथ आपका सर्वस्व होम क्यों न हो जाए।

गर आप सरकारी मुलाजिम हैं, तब तो उन्हें गैरों के मुकाबले आपकी ज्यादा फिक्र होती है। आज के अमीर नवाज कह लीजिए। फिक्र और फोन कर-करके वे आपका इंश्योरेंस करवा देंगे, ताकि जब आप खाली हाथ दुनिया से जाएं तो अपने वारिसानों की झोली भरकर जाएं। यदि आप पैदल हैं तो फिर बाइक के बजाय सीधे कार में बैठा देंगे। बे-कार आदमी जब कार में बैठ जाता है तो वह स्वयं फिक्रमंद हो उठता है। इतना कि कार की किस्त और पेट्रोल न भर पाने पर चुपचाप गाड़ी गैराज में खड़ी करके कुछेक मौकों को छोड़ फिर से पैदल चलने लगता है। आप भले गाड़ी खड़ी कर दें, वे रुकते नहीं, सर्विसिंग के लिए फोन लगाते ही रहते हैं। बच्चे पढ़ने लायक क्या हुए, उनके फ्यूचर की फिक्र होने लगती है। बच्चे हमारे, फिक्र उनकी। स्कूल, कोचिंगों से फोन आने लगते हैं। कुछ तो घर तक भी आ पहुंचते हैं। आप कहें कि अभी तो हमारी कोई तैयारी ही नहीं है, वे कहते हैं आप तो बच्चा और फीस दे दीजिए, बाकी तैयारियों को हम देख लेंगे। जूते से लेकर फीते तक।

उनकी सारी फिक्र-चिंताएं मोबाइल के रास्ते आती हैं, चुनांचे मोबाइल का बैलेंस खत्म होने से पहले एहतियातन वे हमें चेताते हैं, आपका बैलेंस खत्म होने वाला है यह जाने बगैर कि आपके खीसे का बैलेंस कब से खत्म हो चुका है। लेकिन इससे उन्हें क्या!

बहरहाल, इतने फिक्रमंदों के बीच रहकर भी कुछ खास न कर पाने से मुझे स्वयं की फिक्र होने लगती है।

फिक्र-ए-दुनिया में सर खपाता हूं, मैं कहां और ये बवाल कहां!!

(लेखक व्यंग्यकार हैं)

रचनाकर्म

भारतीय चिंतन का समृद्ध संग्रह

सुजाता शिवेन

सहस्राब्दियों से भारत की शक्ति उसके मौलिक विचार हैं। कई हजार वर्षों की महान चिंतन परंपरा से भारत की गौरवशाली सभ्यता निर्मित हुई है। पूर्व राजनयिक-लेखक पवन के.वर्मा अपनी पुस्तक 'इकोज आफ इटर्निटी : अ जर्नी थ्रू इंडियन थाट फ्राम ऋग्वेद टू प्रजेंट', जिसे हिंदी में जिसे हम 'अनंत काल की प्रतिध्वनियां : ऋग्वेद से वर्तमान तक भारतीय चिंतन की यात्रा' कह सकते हैं, के माध्यम से भारत भूमि पर पनपे उन्नत विचारों के विविध पहलुओं को एकत्रित करने का प्रयास करते हैं। इस पुस्तक में वर्मा ने भारतीय धर्म, दर्शन, अध्यात्म और चिंतन पर आधारित विभिन्न वैचारिक पहलुओं को संकलित किया है। वे अपनी पुस्तक से यह स्थापित करते हैं कि भारतीय चिंतन की प्राचीनता अपनी निरंतरता, विविधता, आत्मसातीकरण और परिष्कार की सोच रखने वाले 'जिज्ञासु मस्तिष्क' के कारण ही अब तक संरक्षित है।

भारतीय दर्शन, तत्व मीमांसा, धर्म, मूल्य, राजनीति, अर्थशास्त्र, कला, साहित्य, कविता और सौंदर्यशास्त्र से लेकर सामाजिक परिवर्तन और नवीनीकरण तक विस्तारित इन वैचारिक लेखों का भौगोलिक विस्तार भी उतना ही व्यापक है। यह हिमालय से कन्याकुमारी और द्वारका से पुरी और पूर्वोत्तर तक पूरे भारतवर्ष के चिंतकों, विचारकों के दर्शन-चिंतन अंश को व्यक्त करता है। प्राचीन नासदीय सूक्त से लेकर जाति और राष्ट्र के बारे में बीसवीं सदी की चर्चाओं तक, यह भारतीय दार्शनिक और राजनीतिक विचारों का एक अनोखा संकलन है। भारत में रचित सबसे प्राचीन ग्रंथ 'ऋग्वेद' की सूक्तियों से लेकर एपीजे अब्दुल कलाम के 'भारतीय आकाश को प्रकाशित करने के देशभक्तिपूर्ण आह्वान' नामक 1999 में प्रकाशित लेख तक विस्तारित इस संचयन का एक बड़ा हिस्सा उस कालखंड को समर्पित है, जिसे वर्मा आधारभूत 'भारतीय' काल कहते हैं। 'तुर्की आक्रमण' के बाद के विचार भी इसमें हैं। उन्होंने विवेकानंद, गांधी, पेरियार, सावरकर, आजाद, नेहरू, आंबेडकर, लोहिया, इंदिरा गांधी के साथ ही वाजपेयी, ओशो और कई अन्य लोगों की रचनाओं को इसमें शामिल किया है।

इस संग्रह की प्रत्येक रचना, चाहे वह संस्कृत छंद हो, उर्दू कविता हो या संसद में भाषण हो, बौद्धिक विचारों के उस सिद्धांत से संबंधित है, जो भारतीयता को परिभाषित करता है। अपने इस चयन में वर्मा उदार और नवोन्मेषी हैं। अधिकांश ग्रंथ-अंश, टीकाएं सम्मानित रचनाकारों, अनुवादकों, विचारकों के संदर्भ के साथ प्रस्तुत की गई हैं।

यह पुस्तक ऋग्वेद से लेकर वर्तमान तक की हमारी भारतीय चिंतन धारा का प्रवाह है। इसमें भारतीय धर्म, दर्शन, अध्यात्म पर आधारित चिंतन को संकलित किया गया है...

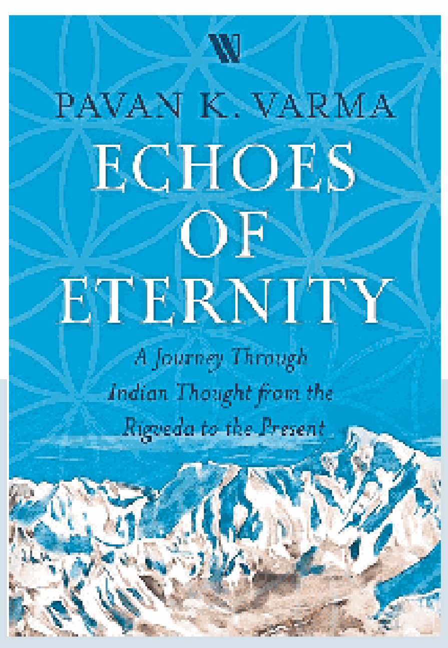

पुस्तक : इकोज आफ इटर्निटी : अ जर्नी थ्रू इंडियन थाट फ्राम ऋग्वेद टू प्रजेंट
लेखक : पवन के. वर्मा
प्रकाशक : वेस्टलैंड
मूल्य : 999 रुपये

भारतीय विचारों के इस समृद्ध संग्रह में वर्मा ने कुल 67 लेखकों या रचनाओं को शामिल किया है। गद्य और पद्य की इस समन्वित प्रस्तुति में लगभग 25 कवियों को शामिल कर वर्मा ने इस विधा के प्रति भी अपने लगाव को प्रकट किया है। स्पष्ट है कि ये रचनाएं 'ऋग्वेद' के रचयिता ऋषियों से शुरू होकर भर्तृहरि, अमीर खुसरो, बुल्ले शाह, मीर, गालिब, जफर, टैगोर, निराला, दिनकर, अमृता प्रीतम और साहिर लुधियानवी से होते हुए गुलजार तक आती हैं। वर्मा का तर्क है कि कविता 'संक्षिप्त विचार' है। वर्मा के आलोचक यह कह सकते हैं कि उन्होंने नास्तिक समझी जाने वाली भारतीय विचारधाराओं की अनदेखी की- विशेषकर चार्वाक या भौतिकवादी चिंतनधारा की जगह यहां नहीं है, या कि दक्षिण भारतीय भक्ति-काल को केवल तिरुवल्लुवर के तिरुक्कुरल के एक अंश तक समेट दिया गया है। बावजूद अपनी इन सीमाओं के गद्यात्मक और काव्यात्मक दोनों तरह के भारतीय विचारों का यह सार-संक्षेप वाला संकलन हमारी समृद्ध चिंतन-धारा और उन्नत विचारों का गौरव गान तो है ही, जो इसके पाठकों को रोचक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

काम के बेहतर तरीकों की तलाश

कन्हैया झा

विश्व में बहुत लोग चाहते हैं कि वे दूसरों का जीवन आसान बनाने की दिशा में मदद कर सकें, परंतु अनेक कारणों से वे इसे पूरा नहीं कर पाते हैं। पाल मिलर्ड इस मामले में साहसी व्यक्ति हैं, जिन्होंने इसे काफी हद तक संभव करके दिखाया है। वस्तुतः लेखक अपनी जिंदगी का अधिकांश समय दूसरों की महानता देखने में लगा रहे थे। उन्हें तब झटका लगा, जब उन्होंने देखा कि काम से चिपके होने के बावजूद लोग अपने सपनों को पूरा कर पाने में अक्षम हैं। इसलिए वे ऐसे लोगों के लिए कुछ करना चाहते थे।

यह पुस्तक जीवन जीने के किसी एक तरीके के समर्थन या विरोध में नहीं है, परंतु यह एक निर्धारित रास्ते के सिद्धांत को जीवन जीने का एकमात्र रास्ता मानने को चुनौती देती है। निर्धारित रास्ते से मतलब यह कि ऐसे निर्णयों और सफलताओं की एक बड़ी सूची, जिसके आधार पर किसी व्यक्ति को सफल माना जाता है। ये निर्णय और सफलताएं अलग-अलग देशों के लिए विभिन्न प्रकार की हो सकती हैं।

30 साल से कुछ अधिक आयु के लेखक पाल मिलर्ड के पास वह सब कुछ था, जो उन्होंने कभी चाहा था। जैसे एक उच्च वेतन वाली नौकरी, जिसमें वह सीईओ के साथ काम करते थे। प्रभावशाली उपलब्धियों एवं योग्यताओं की एक लंबी सूची। फिर भी, संतुष्टि के बजाय उन्हें भीतर से एक खालीपन महसूस हुआ। यह पुस्तक लेखक के उस निर्णय की कहानी है, जिसमें उन्होंने अपने पुराने रास्ते को छोड़कर एक अनिश्चित, लेकिन अंततः अधिक संतोषजनक मार्ग अपनाने का साहस किया। यह पुस्तक उन लोगों के लिए एक दार्शनिक रोडमैप है, जो दुनिया में काम और जीवन को लेकर नए तरीकों की तलाश कर रहे हैं। अपने पसंदीदा काम को करते हुए अपने रास्ते पर कैसे आगे बढ़ा जा सकता है, इस बारे में पुस्तक व्यापक दृष्टि प्रदान करती है।

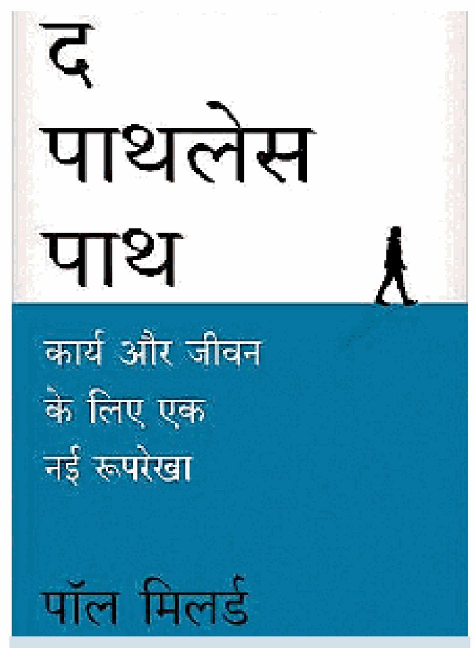

पुस्तक : द पाथलेस पाथ
लेखक : पाल मिलर्ड
अनुवाद : शशि शेखर
प्रकाशक : मंजुल पब्लिशिंग हाउस
मूल्य : 350 रुपये

आंचलिक संवेदना के शिल्पकार

हिंदी साहित्य के आकाश में जब भी यथार्थ और संवेदना के मिलन-बिंदु की तलाश होती है, फणीश्वरनाथ 'रेणु' (1921-1977) का नाम उभर आता है। वे शब्दों के शिल्पी थे- ऐसे लोक-चेतस रचनाकार, जिन्होंने एक पूरे भूगोल, समूचे समाज और संपूर्ण मानवीय चेतना को अपने कथ्य में ढाल दिया। उनका साहित्य ग्रामीण आंचलिकता की जीवंत मिसाल है, जिसमें अंचल विशेष की मिट्टी, मिजाज और मानवीय ताप साफ महसूस किया जा सकता है। डा. सच्चिदानंद जोशी और कुमार संजय झा के संपादन में तैयार- 'फणीश्वरनाथ 'रेणु': समय, साहित्य और समाज के शिल्पी' इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, रांची द्वारा स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ-आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत, हिंदी साहित्य के युगप्रवर्तक कथाकार फणीश्वरनाथ 'रेणु' की जन्म शतवार्षिकी को समर्पित एक सार्थक पहल है, जिसमें 'रेणु' के लोक को जानने, समझने और उसकी तहों में उतरने की गंभीर कोशिश की गई है। इसमें उनके साहित्यिक अवदान के साथ उनके सामाजिक सरोकारों और राजनीतिक सक्रियता को भी विमर्श का विषय बनाया गया है। रेणु के जीवन, साहित्य और विचार-दृष्टि को समझने के लिए इस संकलन में आलोक धन्वा, भारत यायावर, सदन झा, राकेश रेणु, पुष्यमित्र, अमरनाथ झा, बृजेश कुमार, दक्षिणेश्वर रेणु और कमल बोस जैसे प्रमुख विद्वानों की आलोचनात्मक दृष्टि इसे प्रामाणिक अध्ययन का रूप देती हैं।

यतीन्द्र मिश्र

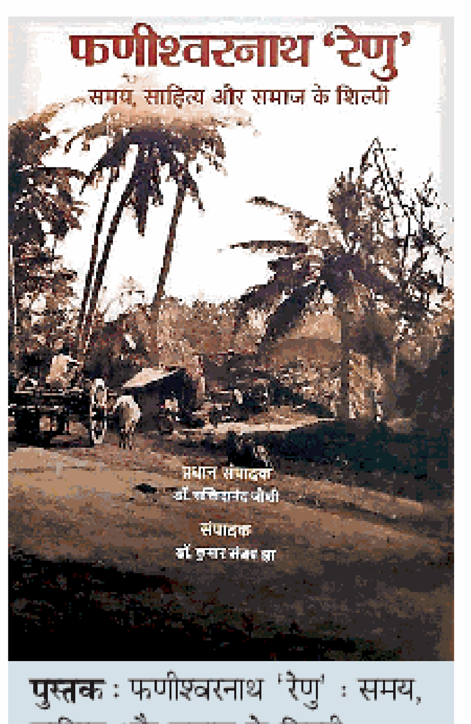

पुस्तक : फणीश्वरनाथ 'रेणु' : समय, साहित्य और समाज के शिल्पी
संपादन : डा. सच्चिदानंद जोशी एवं कुमार संजय झा
प्रकाशक : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली
मूल्य : 900 रुपये

आलोक धन्वा के अनुसार- 'रेणु के रचना संसार में जो हमें एक लय दिखती है, वह अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की जिजीविषा देती है।' पुष्यमित्र 'रेणु' के एक्टिविस्ट जीवन पर प्रकाश डालते हैं। शैलेंद्र, राज कपूर और फिल्मी दुनिया से उनके रिश्तों की आत्मीय छवियां पुस्तक को एक दुर्लभ दस्तावेज में बदल देती हैं। 20वीं सदी में 'रेणु' की पहचान एक प्रयोगशील और विद्रोही लेखक के रूप में हुई, जिसका श्रेय उनके उपन्यास 'मैला आंचल' और 'परती परिकथा' (1957) को जाता है। 'रेणु' ने भोजपुरी, मैथिली, अंगिका और मगही जैसी लोकभाषाओं को साहित्य की प्रतिष्ठा दिलाई। उनकी कलम और कर्म दोनों जनपक्षधर रहे। रेणु आज भी जीवित हैं- हर उस जगह जहां लोक सांस लेता है।

अपराध और सामाजिक विषयों का फिल्मकार

अंबरीश राय चौधरी के साथ अनीता खोसला और उमा खोसला कपूर की लिखी 'राज खोसला : द आथोराइज्ड बायोग्राफी' निर्माता-निर्देशक राज खोसला की प्रामाणिक जीवनी है। एक ऐसे फिल्मकार की कहानी, जिसके साथ समर्थ अभिनेत्री वहीदा रहमान के आरंभिक करियर के विवाद जुड़े हैं, एक ऐसा फिल्म निर्देशक, जिसने गुरु दत्त के प्रोडक्शन वाली थ्रिलर फिल्म 'सीआइडी' के निर्देशन से अपनी पहचान बनाई... और ऐसा फिल्म निर्देशक, जिसकी थ्रिलर, अपराध-कथा और सामाजिक चेतना वाली फिल्मों ने बड़ा किरदार गढ़ा। किताब 21 अध्यायों में विभक्त है, जिसमें राज खोसला को बतौर फिल्मकार देखने की दिलचस्प कोशिश की गई है। किताब का एक रोचक पहलू यह है कि उनकी कुछ फिल्मों के गीत और स्वयं उनके द्वारा गाए हुए एक फिल्मी गीत का क्यूआर कोड भी पुस्तक में दिया गया है, जिसके माध्यम से आप उन गीतों तक यूट्यूब के द्वारा पहुंच सकते हैं। उनके सबसे प्रिय पटकथा लेखक मराठी रचनाकार जी. आर. कामत थे। 'मैं तुलसी तेरे आंगन की' और 'दो रास्ते' जैसी फिल्में मराठी उपन्यासों से प्रेरित रहीं। उन्होंने रेडिया प्रस्तोता अमीन सयानी के साथ मिलकर एक लोकप्रिय कार्यक्रम 'एस. कुमार्स का फिल्मी मुकदमा' बनाया था और उसी दौरान वे लगभग एक वर्ष तक रेडियो सिलोन के साथ जुड़े रहे।

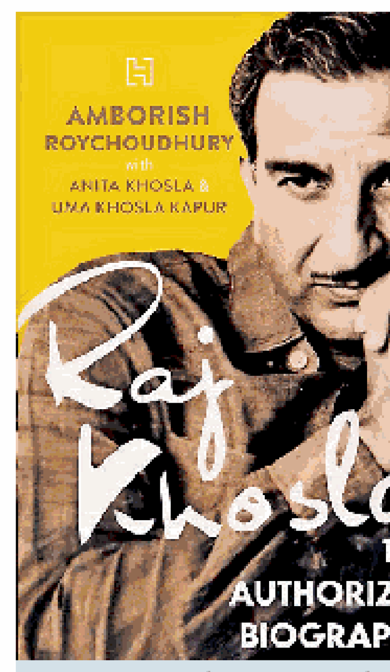

पुस्तक : राज खोसला : द आथोराइज्ड बायोग्राफी
लेखक : अंबरीश राय चौधरी, अनीता खोसला, उमा खोसला कपूर
प्रकाशक : हैचेट इंडिया, गुरुग्राम
मूल्य : 799 रुपये

सामाजिक विषयों के बड़े चितेरे के रूप में उन्होंने फिल्मों में जो प्रयोग किए, उसके सफल उदाहरणों में 'बंबई का बाबू', 'एक मुसाफिर एक हसीना', 'मेरा साया', 'दो बदन', 'दो रास्ते', 'चिराग' और 'मैं तुलसी तेरे आंगन की' फिल्में हैं। इन सभी फिल्मों से संबंधित रोचक कहानियां और राज खोसला की सिनेमा को लेकर गहरी समझ को पकड़ने में अंबरीश राय चौधरी सफल रहे। 'दो रास्ते' उनके दिल के सबसे करीब की फिल्म थी, जिसमें पार्श्व से इस्तेमाल किया गया के. एल. सहगल का अमर गीत 'इक बंगला बने न्यारा' फिल्म के गंभीर संदेश को प्रसारित करने में कामयाब था। राज खोसला की प्रिय अभिनेत्री साधना थीं, जिनके साथ उन्होंने चार फिल्में बनाईं। संगीत की गहरी समझ वाले खोसला की फिल्मों का एक जादू उसका संगीत भी होता था। फिल्मों में मेलोड्रामा को शिखर तक पहुंचाने में दक्ष निर्देशकों में राज खोसला अपने समकालीनों बी. आर. चोपड़ा, शक्ति सामंत और गुरु दत्त की तरह ही अनूठे फिल्मकार माने जाते हैं।

****

प्रिया सोना कामस्टार की गैर-कार्यकारी निदेशक बनीं

नई दिल्ली: आटो उपकरण बनाने वाली कंपनी सोना कामस्टार के शेयरधारकों ने प्रिया सचदेव कपूर को गैर-कार्यकारी निदेशक बनाने की मंजूरी दे दी है। प्रिया कंपनी के पूर्व चेयरमैन संजय कपूर की पत्नी हैं। संजय कपूर की इसी वर्ष 12 जून को लंदन में पोलो खेलते समय मौत हो गई थी। उनकी मौत के बाद कंपनी के बोर्ड ने 23 जून को जेफ्री मार्क ओवरली को नया चेयरमैन नियुक्त किया था। (प्रेट्र)

देश में 31.45 लाख से अधिक हस्तशिल्प इकाइयां कार्यरत हैं और सरकार ने पिछले पांच वर्षों में इस उद्योग को बढ़ावा देने के लिए 1,516 करोड़ रुपये का आवंटन किया है।
— गिरिराज सिंह, केंद्रीय कपड़ा मंत्री

निर्यात बढ़ाने के लिए सुधारनी होगी उत्पादों की गुणवत्ता

बेहतर उत्पादों के साथ मैन्यूफैक्चरिंग क्षमता बढ़ाने से हासिल होगा भारत का ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौते का उद्देश्य

राजीव कुमार ● जागरण

नई दिल्ली: ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौते के तहत टेक्सटाइल, लेदर व गैर-लेदर फुटवियर, खिलौना, जेम्स व ज्वेलरी, इलेक्ट्रानिक्स, इंजीनियरिंग गुड्स और फार्मा जैसे रोजगारपरक सेक्टर में निर्यात बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। लेकिन इस संभावना को पूरी तरह से साकार करने के लिए उत्पादन की गुणवत्ता और क्षमता विस्तार का पूरा ध्यान रखना होगा। कृषि उत्पाद और प्रोसेस्ड फूड्स के निर्यात में भी बड़ी संभावना दिख रही है, लेकिन इसके लिए भी भारतीय कृषि उत्पादों की गुणवत्ता का खास ख्याल रखना होगा क्योंकि यूरोपीय देश चावल से लेकर भारतीय मसाले जैसे कई कृषि उत्पादों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर चुके हैं।

ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था का आकार भले ही भारत से छोटा है, लेकिन ब्रिटेन सालाना 750 अरब डालर का आयात करता है। इस आयात में चीन, यूरोपीय देशों और अमेरिका की बड़ी हिस्सेदारी है। हालांकि, ब्रिटेन के बाजार में भारत का मुख्य मुकाबला चीन, बांग्लादेश, वियतनाम जैसे देशों से है। चीन ब्रिटेन को सालाना 90 अरब डालर, जर्मनी 80 अरब डालर, अमेरिका 75 अरब डालर का निर्यात करता है। भारत ने वित्त वर्ष 2024-25 में ब्रिटेन को 14.5 अरब डालर का वस्तु निर्यात और 18.4 अरब डालर का सेवा निर्यात किया है। अगले पांच साल में इस व्यापार को दोगुना करने की संभावना जताई जा रही है।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव के संस्थापक अजय श्रीवास्तव कहते हैं ब्रिटेन एक विकसित देश है, जहां प्रति व्यक्ति आय 50 हजार डालर से अधिक है। वहां के खरीदारों के लिए गुणवत्ता काफी मायने रखती है। ऐसे में शुल्क में राहत मिलने से ब्रिटेन के बाजार में भारत के निर्यातकों की प्रतिस्पर्धा क्षमता तो बढ़ जाएगी, लेकिन गुणवत्ता वाले माल के सप्लायर ही अपना निर्यात बढ़ा सकेंगे या उस बाजार में टिक पाएंगे। इसलिए भारतीय निर्यातकों को अपने उत्पाद की उच्च गुणवत्ता पर फोकस करना ही होगा।

फेडरेशन आफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गेनाइजेशंस (फियो) के महानिदेशक एवं सीईओ अजय सहाय ने बताया कि गुणवत्ता पर विशेष जोर होने से पहले बड़े निर्यातकों को ब्रिटेन के बाजार में धाक जमाने में सफलता मिलेगी। चीन के साथ ब्रिटेन का कोई समझौता नहीं है, इसलिए व्यापार समझौते पर अमल के बाद भारतीय वस्तुएं चीन की वस्तुओं की तुलना में सस्ती होंगी।

वियतनाम के साथ ब्रिटेन का व्यापार समझौता है, इसलिए वियतनाम के साथ भारत का कड़ा मुकाबला होगा। अति कम विकसित देशों की श्रेणी में होने की वजह से पाकिस्तान और बांग्लादेश से ब्रिटेन को होने वाले निर्यात पर कोई शुल्क नहीं लगता है। मुख्य रूप से इन देशों से गारमेंट और फुटवियर का निर्यात होता है। अब भारत के गारमेंट और फुटवियर निर्यात पर कोई शुल्क नहीं लगेगा, इससे उनकी प्रतिस्पर्धा क्षमता बढ़ जाएगी।

- ब्रिटिश बाजार में भारत का मुकाबला चीन, बांग्लादेश और वियतनाम से होगा
- हर वर्ष करीब 750 अरब डालर का वस्तुओं और सेवा का आयात करता है ब्रिटेन

30 अरब डालर के टेक्सटाइल आयात करता है ब्रिटेन हर वर्ष, इसमें भारत की हिस्सेदारी सिर्फ 1.73 अरब डालर

10 अरब डालर के लेदर फुटवियर हर वर्ष मंगाता है ब्रिटेन जिसमें भारत की हिस्सेदारी सिर्फ आधा अरब डालर की है

22 अरब डालर के प्लास्टिक उत्पाद आते हैं ब्रिटिश बाजार में सालाना, इसमें भारत का योगदान 30 करोड़ डालर

3 अरब डालर की ज्वेलरी हर वर्ष मंगाता है ब्रिटेन, इसमें भारत की हिस्सेदारी सिर्फ 40 करोड़ डालर की है

आर्डर मिलने पर उत्पादन क्षमता बढ़ाएंगे

विशेषज्ञों के मुताबिक, अब निर्यात बढ़ाना निर्यातकों के हाथ में है। निर्यातकों ने बताया कि आर्डर मिलने पर वे अपनी उत्पादन क्षमता को आसानी से बढ़ा लेंगे। काउंसिल आफ लेदर एक्सपोर्ट के चेयरमैन आरके जालान कहते हैं कि उत्पादन क्षमता में विस्तार के लिए हम सोमवार को उद्योग विभाग के साथ बैठक करने जा रहे हैं। भारत के लेदर उत्पादों की आपूर्ति पहले से ब्रिटेन के बाजार में हो रही है। अपैरल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के महासचिव मिथिलेश्वर ठाकुर ने बताया कि ब्रिटेन के बाजार में गारमेंट्स का निर्यात लगातार बढ़ रहा है और इस समझौते से भारत को बड़ा मौका मिल सकता है। उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए हम राज्य सरकार से दो शिफ्ट में काम करने की इजाजत मांग रहे हैं।

इक्विटी निवेश को लेकर भ्रम

कुछ समय पहले किसी ने मुझसे पूछा कि भारत में सबसे कमतर आंका गया निवेश एसेट कौन सा है? ये ऐसा सवाल है जिसका जवाब आपकी सोच पर निर्भर करता है. अलग-अलग नजरिए से देखें तो हर कोई अलग-अलग एसेट क्लास के पक्ष में तर्क दे सकता है। लेकिन अगर हम थोड़ा पीछे हटकर भारत के पूरे बचत परिदृश्य पर एक नजर डालें तो जवाब एक ही होगा- इक्विटी और इक्विटी-बेस्ड म्यूचुअल फंड।

धीरेंद्र कुमार, संपादक, हिंदी डाट वैल्यूरिसर्चआनलाइन डाट काम

बोनस

शुरुआत में ये बात उलटी लग सकती है, शायद तर्कहीन भी। आखिर इक्विटी मार्केट तो निवेश की दुनिया में काफी चर्चा में रहता है। निवेशक चर्चा करते हैं। एक्सपर्ट भविष्यवाणियां करते हैं और सबको लगता है कि इक्विटी तो हर तरफ है। लेकिन यही बात इस कालम को लगातार पढ़ने वाले शायद नोटिस नहीं करेंगे। ये पूरी हलचल निवेश के दायरे के भीतर है। आप और मैं इस शोरगुल में जीते हैं, लेकिन ज्यादातर लोग इस आवाज को सुनते ही नहीं। भारत की आम बचत की संस्कृति में बैंक एफडी, पीपीएफ और सरकार की गारंटीड स्कीमें इक्विटी से कहीं ज्यादा लोकप्रिय हैं। एक औसत भारतीय आज भी इक्विटी को शक की नजर से देखता है- जैसे ये कोई सट्टेबाजी हो, न कि वैध और कारगर दौलत बनाने का तरीका।

इक्विटी को कमतर आंके जाने की बात कहना सिर्फ इसकी लोकप्रियता के कम होने की बात नहीं है। असल में, कमतर आंके जाने का मतलब होता है, उस अंतर को समझना जो किसी एसेट की सोची गई वैल्यू और वास्तविक क्षमता के बीच होता है। इस पैमाने पर देखें तो इक्विटी का कोई मुकाबला ही नहीं है। कारण भी साफ है। इक्विटी ही एकमात्र ऐसी एसेट क्लास है जो अर्थव्यवस्था की तरक्की और महंगाई के साथ कदम मिलाकर चल सकती है। जब आप किसी कंपनी के शेयर खरीदते हैं, तो आप एक ऐसे बिजनेस में हिस्सा ले रहे होते हैं जो अपने रेवेन्यू को बढ़ा सकता है, मुनाफा बढ़ा सकता है, और समय के साथ अपना स्केल भी। भारतीय अर्थव्यवस्था के आगे बढ़ने के साथ जो कंपनियां उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों और तकनीकी बदलावों के साथ बदल रही हैं, उनमें हिस्सेदारी लेना, ग्रोथ में हिस्सा लेना है।

पिछले दो दशकों में भारत की नामिनल जीडीपी सालाना 10-12 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। इसी दौरान ठीक से प्रबंधित इक्विटी पोर्टफोलियो ने इसी स्तर या उससे भी बेहतर रिटर्न दिए हैं। ये कोई संयोग नहीं है। ये उस बुनियादी कड़ी को दिखाता है जो आर्थिक विकास और कारपोरेट मुनाफे के बीच है।

बैंक एफडी में गारंटीड रिटर्न भले मिले, लेकिन आज की 6-7 प्रतिशत की दर महंगाई को मुश्किल से कवर कर पाती है। टैक्स के बाद तो कई बार वास्तविक रिटर्न निगेटिव होता है। पीपीएफ जैसी स्कीमें टैक्स में राहत जरूर देती हैं, लेकिन उनका लाक-इन और सीमित रिटर्न उन्हें प्रमुख वैल्थ-बिल्डिंग टूल बनने से रोकता है।

दिक्कत ये है कि सीमित रिटर्न की चाह, जोखिम को लेकर गलतफहमी से पैदा होती है। ज्यादातर लोग इक्विटी के रोजाना उतार-चढ़ाव को जोखिम समझते हैं, जबकि असली जोखिम ये है कि आपकी दौलत समय के साथ बढ़े ही नहीं और आपकी खरीदने की क्षमता घटती जाए। इस भ्रम को मीडिया भी और बढ़ाता है, जहां हर रोज की मार्केट हलचल, ट्रेडिंग रणनीतियों और क्विक प्राफिट्स पर जोर रहता है। इससे ये छवि बनती है कि इक्विटी सिर्फ टाइमिंग और सट्टा है। असली बात 'इक्विटी एक लांग टर्म वेल्थ-बिल्डिंग टूल है' उस शोर में खो जाती है।

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

एक नजर में

नेफ्रोप्लस हेल्थ ने जमा किए आइपीओ दस्तावेज

नई दिल्ली: डायलिसिस सेवा देने वाली कंपनी नेफ्रोप्लस हेल्थ सर्विसेज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आइपीओ) के लिए सेबी के पास मसौदा दस्तावेज जमा किए हैं। इस आइपीओ में 353.4 करोड़ रुपये के नए शेयर और 1.27 करोड़ रुपये के प्रमोटर शेयर बिक्री के लिए पेश किए जाएंगे। (प्रेट्र)

कोटक महिंद्रा बैंक को 4,472 करोड़ का लाभ

मुंबई: निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2025) की पहली तिमाही में 4,472.18 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है। बैंक ने शनिवार को बताया कि इसमें पिछले वर्ष की समान अवधि के 7,448.16 करोड़ रुपये के लाभ के मुकाबले 39 प्रतिशत की गिरावट रही है। (आइएएनएस)

ब्रिटेन से एफटीए में व्यापक लाभ : गोयल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौते में भारतीय हितों के साथ जीरो समझौता किया गया। इससे हमें व्यापक लाभ मिलेगा। ब्रिटेन के बाजार में संभावित मौकों का लाभ उठाने के लिए जमीन तैयार करने का काम शुरू हो गया है। एफटीए अमल के पांच साल बाद दोनों देश समझौते की समीक्षा करेंगे।

गोयल ने कहा कि समझौते में दोनों ही देशों ने अपने-अपने संवेदनशील उत्पादों को व्यापार से दूर रखा है। भारत ब्रिटेन से आने वाली कार और शराब दोनों पर चरणबद्ध तरीके से शुल्क में कटौती करेगा और उनका आयात भी सीमित रूप में किया जाएगा। इससे हमारा निर्माण प्रभावित नहीं होगा। गोयल ने कहा कि अब हर विकसित देश भारत में अपना कारोबारी भविष्य देख रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति से बढ़ रही है। भारत में काफी तेजी से मध्य वर्ग का प्रादुर्भाव हो रहा है। भारत भरोसेमंद व्यापार सहभागी के रूप में उभर रहा है और सबसे बड़ी बात है कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है जहां कानून का राज है। तभी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने समझौते के दौरान कहा था कि भारत के साथ व्यापार समझौता हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि अमेरिका, यूरोपीय यूनियन (ईयू), ओमान, न्यूजीलैंड जैसे देशों के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है। पेरू, चिली जैसे देशों से भी व्यापार वार्ता हो रही है।

गोयल ने कहा कि यूपीए सरकार में ही ब्रिटेन के साथ व्यापारिक समझौते पर बातचीत शुरू हुई थी, लेकिन उनकी सरकार ने इसे बीच में ही छोड़ दिया। मोदी सरकार में वर्ष 2022 में इस पर वार्ता शुरू हुई और इसे हमने अंजाम तक पहुंचाया जिससे भारत के निर्यात को बड़ा लाभ मिलने वाला है। उन्होंने कहा कि यूपीए के दौर में आसियान के साथ अन्य जिन भी देशों से समझौते किए गए, उससे भारत को कोई लाभ नहीं मिला। भारतीय वस्तुओं के लिए उन देशों ने अपने दरवाजे कम खोले, जबकि हमने उनके लिए अपना पूरा दरवाजा खोल दिया।

नई दिल्ली में शनिवार को भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते की जानकारी देते वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ● एएनआइ

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने कहा, ईयू, अमेरिका, ओमान, न्यूजीलैंड, पेरू, चिली जैसे देशों के साथ एफटीए वार्ता काफी आगे बढ़ी

सतत विकास को बनाए रखना शीर्ष प्राथमिकता : सीतारमण

नई दिल्ली, प्रेट्र: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच सतत विकास को बनाए रखना भारत की शीर्ष प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक पूंजीगत खर्च में लगातार वृद्धि आर्थिक विकास का प्रमुख चालक है। वित्त मंत्री का यह बयान तब आया है जब वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की विकास दर 6.5 प्रतिशत रही है, जो चार वर्षों में सबसे कम है। वित्त वर्ष 2023-24 में विकास दर 9.2 प्रतिशत रही थी।

एक पुस्तक विमोचन में वित्त मंत्री ने कहा कि विकास को बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। यह नौकरियों के सृजन से भी जुड़ा है। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत की प्रासंगिकता बनाए रखने और ग्लोबल साउथ की आवाज को पुनः परिभाषित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वित्तीय सीमाओं के भीतर घरेलू आर्थिक आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए संसाधनों की खोज भी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्पष्ट निर्देश है कि पूंजीगत व्यय को बढ़ाना है।

सरकार का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को मित्रवत और आकर्षक बनाना है, जिससे अधिक निवेश हो सके। द्विपक्षीय व्यापार सौदों पर उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात और ब्रिटेन के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर हो चुके हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ●

राष्ट्रीय फलक

मणिपुर में हथियार-गोलाबारूद का जखीरा बरामद

इंफाल, प्रेट्र: सुरक्षा बलों ने शनिवार को मणिपुर के पांच जिलों इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर जिलों में अभियान चला कर 90 अत्याधुनिक हथियार, 700 से ज्यादा गोला-बारूद व विस्फोटक जब्त किए। जब्त हथियार कथित तौर पर मई 2023 में राज्य में जातीय संघर्ष भड़कने के बाद पुलिस शस्त्रागार से लूटे गए थे।

पुलिस ने खुफिया सूचना के बाद सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, असम राइफल्स की टीमों के साथ इंफाल घाटी के पांच जिलों में कई स्थानों पर एक साथ अभियान शुरू किया। इस दौरान 90 हथियार जब्त किए गए जिनमें एक एम-16 राइफल, पांच इंसास राइफल, एक इंसास एलएमजी, चार एसएलआर, 20 पिस्तौल, चार कार्बाइन, सात .303 राइफल और आठ अन्य राइफल शामिल हैं। 21 ग्रेनेड, छह आईईडी समेत 728 गोला-बारूद, 21 मैगजीन व 24 वायरलेस हैंडसेट भी जब्त किए। राज्य में 2023 में जातीय हिंसा भड़कने के बाद विभिन्न पुलिस शस्त्रागारों से छह हजार से अधिक हथियार लूटे गए थे। इनमें से तीन हजार से अधिक हथियार बरामद किए जा चुके हैं।

इस बीच राज्य के दो जिलों से एक महिला समेत तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार उग्रवादी दो प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े हैं। वे जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल थे। पुलिस ने बताया, कंगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के कैडर को गुरुवार को इंफाल पश्चिम जिले में उसके आवास से गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान सोरोखाइबाम इनाओचा सिंह के रूप में हुई है। सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को थौबल जिले से पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की महिला कैडर को भी उसके घर से गिरफ्तार किया। उसकी पहचान ओइनम रंजीता देवी के रूप में हुई है। उसके पास से दस्तावेज जब्त किए गए। पीएलए के एक अन्य कैडर को शुक्रवार को थौबल से गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान अहंतेम सुरजीत सिंह के रूप में हुई है।

डीजीपी ने युवाओं से किया हिंसा का विरोध करने का आग्रह

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव सिंह ने युवाओं से अपील की है कि वे हिंसा को छोड़ कर देश सेवा के लिए खुद को समर्पित करें। शांतिपूर्ण और प्रगतिशील भविष्य के निर्माण के लिए आपकी ऊर्जा, अनुशासन और एकता अत्यंत महत्वपूर्ण है। कारगिल विजय दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में डीजीपी ने मणिपुर के लोगों को उनके धैर्य व चुनौतीपूर्ण समय में निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। कहा, सुरक्षा बल मणिपुर में कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लूटे गए हथियार व गोला-बारूद की बरामदगी सुरक्षा बल के प्रयासों का परिणाम है। डीजीपी ने कहा, अवैध घुसपैठ रोकने के लिए भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने का काम शुरू कर दिया गया है।

परिवहन निरीक्षक करोड़पति निकला

जागरण संवाददाता, जोधपुर : एसीबी ने राजस्थान के सिरोही जिले के परिवहन कार्यालय में तैनात निरीक्षक सुजानाराम चौधरी के जालोर, सिरोही, जोधपुर, माउंट आबू और भीनमाल स्थित छह ठिकानों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान सुजानाराम के पास दो करोड़ पचास लाख रुपये की संपत्तियां होने की जानकारी सामने आई है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सुजानाराम ने अपनी सरकारी सेवा के दौरान भीनमाल, माउंट आबू, जालोर और जोधपुर में 15 आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियां बनाई हैं। आरोपित और उसके परिवार के सदस्यों के नाम सात बैंकों में खाते भी मिले हैं, जिनमें करोड़ों रुपये का लेन-देन हुआ है। एसीबी ने राजस्थान-गुजरात बार्डर पर स्थित सांचोर, मंडार (जालोर) और सिरोही के आसपास आरटीओ चेक पोस्ट पर भी आकस्मिक जांच शुरू की है।

एअर इंडिया ने अहमदाबाद हादसे के 166 पीड़ित परिवारों को दिया मुआवजा

मुंबई, प्रेट्र : निजी विमानन कंपनी एअर इंडिया ने शनिवार को कहा कि उसने पिछले महीने अहमदाबाद विमान दुर्घटना के 166 पीड़ितों के परिवारों को अंतरिम मुआवजा दे दिया है। इसके अलावा, 52 अन्य पीड़ितों के परिवारों को भुगतान की प्रक्रिया जारी है। यह दुर्घटना एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआइ171 के रूप में संचालित बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर से जुड़ी थी। विमान में सवार 242 लोगों में से 241 की मौत हो गई, जबकि जमीन पर हताहतों सहित कुल 260 लोगों की मौत हो गई।

एअर इंडिया ने 14 जून को घोषणा की थी कि वह अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मारे गए और जीवित बचे प्रत्येक व्यक्ति के परिवारों को तत्काल वित्तीय जरूरतों को पूरा करने में मदद के लिए 25 लाख रुपये या लगभग 21,500 पाउंड का अंतरिम मुआवजा प्रदान करेगी। एयरलाइन ने कहा कि एअर इंडिया ने 229 मृत यात्रियों में से 147 और दुर्घटनास्थल पर जान गंवाने वाले 19 लोगों के परिवारों को अंतरिम मुआवजा जारी कर दिया है।

इसके अलावा 52 अन्य लोगों के आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन कर लिया गया है और अंतरिम मुआवजा परिवारों को जारी किया जाएगा। टाटा समूह की एयरलाइन ने स्पष्ट किया कि अंतरिम भुगतान को किसी भी अंतिम मुआवजे में समायोजित किया जाएगा। टाटा समूह ने दुर्घटना पीड़ितों को समर्पित एआइ-171 मेमोरियल एंड वेलफेयर ट्रस्ट भी पंजीकृत किया है। इसने दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हुए बीजे मेडिकल कालेज छात्रावास के बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण में सहयोग देने का संकल्प लिया है।

52 अन्य पीड़ितों के परिवारों को भुगतान की प्रक्रिया जारी है

छात्राओं के गर्भवती होने के मामले में बीजद ने एससी-एसटी आयोग को दिया ज्ञापन

जासं, भुवनेश्वर : बीजेडी ने शनिवार को राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग से न्यायिक निगरानी में विशेष जांच दल गठित करने की अपील की है, ताकि राज्य के सरकारी हास्टलों में लड़कियों के कथित यौन शोषण की जांच की जा सके। यह कदम तब उठाया गया जब कंधमाल जिले के दो सरकारी आवासीय स्कूलों की लड़कियों ने गर्भवती होने की सूचना दी। दूसरी तरफ घटना के विरोध में बीजद ने कोरापुट में प्रदर्शन किया।

ज्ञापन में बीजेडी ने कहा, एसआइटी के गठन की मांग की जाती है, ताकि सभी मामलों की जांच और न्यायिक प्रक्रियाओं की निगरानी की जा सके। साथ ही, आयोग से आग्रह है कि राज्य सरकार को प्रणालीगत नीति सुधारों के लिए सलाह दी जाए, जिसमें हास्टल निगरानी ढांचे का पुनर्गठन शामिल हो। बीजेडी ने कहा, ये घटनाएं प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाती हैं।

अनिल अंबानी की कंपनियों के खिलाफ ईडी की छापेमारी तीसरे दिन भी जारी

मुंबई, प्रेट्र: रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी की कंपनियों के खिलाफ ईडी की मुंबई में छापेमारी शनिवार को तीसरे दिन भी जारी रही। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि एजेंसी ने कई स्थानों से दस्तावेज और कंप्यूटर उपकरण बरामद किए। संघीय जांच एजेंसी ने 24 जुलाई को कथित तौर पर 3,000 करोड़ रुपये के बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले के अलावा कुछ कंपनियों द्वारा करोड़ों रुपये की वित्तीय अनियमितताओं के कई अन्य आरोपों के तहत छापेमारी शुरू की थी।

सूत्रों ने बताया कि तलाशी गुरुवार से मुंबई में 35 से अधिक परिसरों में से कुछ पर जारी है। ये परिसर 50 कंपनियों और 25 लोगों के हैं, जिनमें अनिल अंबानी समूह की कंपनियों के कई अधिकारी भी शामिल हैं। ईडी के सूत्रों ने कहा कि जांच मुख्य रूप से 2017-2019 के बीच अंबानी की समूह कंपनियों को यस बैंक द्वारा दिए गए लगभग 3,000 करोड़ रुपये के अवैध ऋण डायवर्जन के आरोपों से संबंधित है। समूह की दो कंपनियों रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने गुरुवार को स्टाक एक्सचेंजों को सूचित किया था कि छापों का उनके व्यावसायिक संचालन, वित्तीय प्रदर्शन, शेयरधारकों, कर्मचारियों या किसी अन्य हितधारक पर बिल्कुल कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। सूत्रों ने बताया कि ईडी को पता चला है कि ऋण दिए जाने से ठीक पहले यस बैंक के प्रमोटरों ने अपनी कंपनियों में पैसा प्राप्त किया था। एजेंसी रिश्वत और ऋण के इस गठजोड़ की जांच कर रही है। सूत्रों ने कहा कि ईडी इन कंपनियों को यस बैंक द्वारा ऋण स्वीकृतियों में घोर उल्लंघनों के आरोपों की भी जांच कर रहा है, जिसमें पिछली तारीख के क्रेडिट अनुमोदन ज्ञापन, बैंक की क्रेडिट नीति का उल्लंघन करते हुए बिना किसी उचित जांच/क्रेडिट विश्लेषण के प्रस्तावित निवेश जैसे आरोप शामिल हैं।

ऋण दिए जाने से पूर्व यस बैंक के प्रमोटरों ने पैसा प्राप्त किया था

पिता को बचाने चंबल में मगरमच्छ से भिड़ गया 10 वर्षीय बालक

जासं, आगरा : चंबल नदी के किनारे 10 वर्षीय बालक पिता को बचाने के लिए मगरमच्छ से भिड़ गया। मगरमच्छ ने पिता का पैर जबड़े में दबा लिया और खींचने लगा। यह देख बालक ने लाठी उठाई और मगरमच्छ के मुंह पर लाठी से तब तक मारता रहा, जब तक वह चरवाहे को छोड़ नदी में नहीं चला गया।

35 वर्षीय वीरभान उर्फ बंटू बकरी पालन और खेती करते हैं। शुक्रवार दोपहर को वह अपने बच्चों अवनीश, किरन और सूरज के साथ बकरियां चराने गए थे। अचानक, एक मगरमच्छ ने वीरभान का पैर जबड़े में दबा लिया और नदी की तरफ खींचने लगा। यह देख अवनीश ने लाठी उठाई और मगरमच्छ पर वार करना शुरू कर दिया। इस पर मगरमच्छ ने वीरभान को छोड़ दिया और नदी में चला गया। इस बीच, किरन और सूरज रोते हुए गांव की ओर भागे। ग्रामीण ट्रैक्टर पर सवार होकर मौके पर पहुंचे और वीरभान को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। गंभीर हालत में उसे आगरा रेफर किया गया है।

साप्ताहिक राशिफल

रविवार, 27 जुलाई, 2025 से शनिवार 2 अगस्त, 2025 तक

पं. बी. बी. शास्त्री 'देवेश'

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ)
निजी जीवन तथा व्यापारिक कार्य में स्थिरता बनाए रखें, धनागम में सफलता, सामाजिक रचनात्मक कार्य का योग, भविष्य की योजना पर कार्य में अवरोध, स्वजनों का ध्यान रखें, भौतिक साधनों का योग, निजी मतभेद दूर होंगे, मन में शांति रखे, खानपान का ध्यान रखे, शुभ अंक 2

वृष (इ, ऊ, ए, ओ, पा, वी, वू, वे, वो)
व्यापार कार्य में बुद्धि कौशल का प्रयोग करें, प्रतिस्पर्धा में धैर्य रखे, प्रतिकूल परिस्थिति में साहस बनाए रखें, न्याय के प्रति सचेत रहे, माता-पिता का ध्यान रखें, मन प्रसन्न रखे, यात्रा में सावधानी रखे, अर्थपक्ष के अवसरों को अनदेखा न करे, व्यय अधिक, शुभ अंक 5

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा)
व्यवसाय कार्य में लक्ष्य के प्रति सजगता, वर्तमान परिस्थिति के अनुरुप कार्य करे, धन के आवागमन में सावधानी, शत्रुपक्ष से सावधान, वाहन के प्रति सावधानी, ससुराल से सहयोग, परिश्रम अधिक रहेगा, संतान से अनबन, राजनैतिक अपयश, शुभ अंक 1

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)
कार्य क्षेत्र में सफलता से प्रसन्नता, लक्ष्य की प्राप्ति में प्रयास सफल, विदेश कार्य में प्रयास सार्थक, परिवारीजनों का सहयोग, साधनों की वृद्धि, भवन साज-सज्जा का योग, चयन में सफलता, आलस्य, कुसंग से बचें, दाम्पत्य में सुख, आय में सुधार, शुभ अंक 6

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)
नकारात्मक विचारों का प्रभाव, निर्णय लेने में असंमजस, आत्मबल में वृद्धि, धन के आवागमन में सावधानी बरतें, विशेष व्यक्ति से सहयोग, भवन व भूमि योग, संतान से अनबन, अध्ययन में रुचि, शत्रुपक्ष से सावधान, वाहन में सावधानी, स्थान पद परिवर्तन का योग, शुभ अंक 7

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
कार्य में अपनी युक्ति एवं अनुभव का प्रयोग करें, पूंजी निवेश में सावधानी बरतें, जीवन के लक्ष्य के प्रति सजग रहे, संतान से अनबन, चयन में सफलता, वाद विवाद में विजय, प्रणय में सुख, बैंकिंग कार्य में सफलता, आय में सुधार, शुभ अंक 9

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)
नये क्षेत्र में व्यापारिक संपर्क, श्रम एवं नवीन विचारों से प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा, अति विश्वास से बचकर यथार्थ को जानें, चयन में सफलता का योग, स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें, दांपत्य जीवन में सुख, राजनैतिक यश, व्यय अधिक, शुभ अंक 6

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)
कार्य क्षेत्र में संयम बनाए रखें, जिम्मेदारी और स्थान परिवर्तन से लाभ के योग, पूंजी निवेश करते समय विशेष सावधानी बरतें, वाहन और आभूषण खरीद का योग, अतिविश्वास से बचें, कल्पनाशीलता को मस्तिष्क पर हावी न होने दें। शुभ अंक 3

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
मन में विचारों की अधिकता, निजी संबंधों में सुधार का योग, धन के आवागमन में सावधानी बरतें, विदेश कार्य में सफलता, संतान के लिये योजना, शिक्षा में रुचि, स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें, भूमि, भवन साजसज्जा में अवरोध, व्यय अधिक, शुभ अंक 5

मकर (भो, जा, ज, खी, खू, खे, खो, गा, गी)
वाणी की कला से विशिष्ट लोगों से लाभ प्राप्ति के योग, निजी कार्य तथा व्यवसाय के कार्य में लक्ष्य का ध्यान रखे, जीवनसाथी का मिलन, आय में सुधार होगा, शत्रुपक्ष परास्त होगा, मित्रों से सहयोग मिलेगा, व्यापार में अवरोध, व्यय अधिक, शुभ अंक 8

कुम्भ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सा, दा)
व्यापारिक कार्य में प्रगति, अर्थसाधन में सफलता, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, नये कार्य के अवसर आयेंगे, रचनात्मक सामाजिक कार्य में यश की वृद्धि होगी, साधनों की पूर्ति, मामा-पिता की सेहत का ध्यान रखें, वाद विवाद से बचें, राज्यपक्ष से सावधान, व्यय अधिक, शुभ अंक 1

मीन (दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची)
कार्य क्षेत्र में प्रगति के लिए उत्साह बनाए रखें, धन के आवागमन में सावधानी बरतें, निजी संबंधों में सुधार के योग, निर्माण कार्य में देरी, लेखन कार्य में प्रगति की संभावना, शत्रुपक्ष प्रभावी रहेगा, नौकरी के काम में प्रगति होगी, आय में सुधार, शुभ अंक 9

****

मालदीव के साथ अपने संबंधों को और प्रगाढ़ करेगा भारत : मोदी

कूटनीति ▶ पीएम ने दौरे के दूसरे दिन उपराष्ट्रपति लतीफ समेत कई प्रमुख नेताओं से की भेंट, इन्फ्रास्ट्रक्चर, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा में सहयोग पर की बातचीत

माले, प्रेट्र: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मालदीव संग भारत अपने संबंधों को और प्रगाढ़ करेगा। साथ ही क्षमता निर्माण में भी हर संभव मदद करेगा। शनिवार को मोदी ने मालदीव के उप राष्ट्रपति उज हुसैन मोहम्मद लतीफ, पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद समेत कई नेताओं से मुलाकात के दौरान यह आश्वासन दिया। साथ ही मोदी ने शनिवार को मालदीव के स्वतंत्रता दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की, जो द्विपक्षीय संबंधों में सुधार का एक और संकेत है। देर शाम मोदी स्वदेश लौट आए।

मोदी मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित समारोह में हिस्सा लेने के लिए शुक्रवार को ही माले पहुंच गए थे। पीएम ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के साथ बैठकर इस कार्यक्रम का आनंद लिया। समारोह में सैन्य परेड के अलावा बच्चों व पारंपरिक कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इससे पूर्व समारोह के दौरान मोदी का स्वागत मुइज्जू व उनके मंत्रिमंडल के शीर्ष सदस्यों ने समारोह स्थल गणतंत्र चौक पर किया। मोदी ने कहा, मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेना मेरे लिए सम्मान की बात है। उन्होंने मालदीव के लोगों को शुभकामनाएं दीं।

उधर, लतीफ के साथ वार्ता के दौरान मोदी ने भारत-मालदीव संबंधों के प्रमुख स्तंभों जैसे इन्फ्रास्ट्रक्चर, प्रौद्योगिकी व ऊर्जा में सहयोग पर बात की। मोदी ने कहा,'हमारे देश अवसंरचना, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा व अन्य क्षेत्रों में निकटता से काम कर रहे हैं। यह हमारे लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी है। हम आने वाले वर्षों में इस साझेदारी को और गहरा करने की आशा करते हैं।''

लतीफ ने कहा, ''इस वर्ष भारत के साथ औपचारिक कूटनीतिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ है। मुझे आशा है कि भारत के साथ सहयोग और मजबूत होता रहेगा।'' उन्होंने भारत की ओर से निरंतर सहायता के लिए मोदी का धन्यवाद किया।

मोदी ने पीपुल्स मजलिस (मालदीव की संसद) के अध्यक्ष अब्दुल रहीम अब्दुल्ला से भी भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-मालदीव की गहरी मित्रता पर चर्चा की। भारत-मालदीव संसदीय मित्रता समूह के गठन का भी स्वागत किया। मोदी ने कहा,''भारत मालदीव में क्षमता निर्माण में समर्थन देने को प्रतिबद्ध है।'' इस दौरान अब्दुल्ला ने मोदी का मालदीव के साथ संबंधों को बढ़ाने के लिए भारत की निरंतर प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद दिया।

प्रधानमंत्री ने मालदीव में भारतीय समुदाय के साथ भी बातचीत की और द्वीप राष्ट्र की प्रगति में उनके योगदान की सराहना की। कहा, ''भारतीय प्रवासी भारत और दुनिया के बीच सबसे मजबूत पुलों में से एक बने हुए हैं।'' मोदी ने भारतीय तकनीकी व आर्थिक सहयोग कार्यक्रम के लाभार्थियों से भी बात की।

इससे पूर्व दिन की शुरुआत में मोदी ने पूर्व मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद से भी भेंट की। मोदी ने कहा, ''नशीद ने हमेशा भारत-मालदीव की मित्रता को मजबूत करने का समर्थन किया है।'' मालदीव हमेशा हमारी पड़ोस पहले नीति का आधार स्तंभ रहेगा। भारत क्षमता निर्माण व विकासात्मक सहयोग के माध्यम से मालदीव की हरसंभव सहायता करता रहेगा। मोदी ने अन्य विपक्षी दलों के नेताओं से भी बात की, ताकि द्विपक्षीय संबंधों में व्यापक संवाद और राजनीतिक संतुलन सुनिश्चित किया जा सके। कुल मिलाकर मोदी की दो दिनी मालदीव यात्रा को तनाव के एक दौर के बाद द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के रूप में देखा जा रहा है, खासकर जब मुइज्जू ने नवंबर 2023 में 'इंडिया आउट'' अभियान चलाकर सत्ता संभाली थी।

उधर, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर पोस्ट में कहा, मोदी की मालदीव की यात्रा काफी लाभकारी व प्रोडक्टिव रही। इससे पूर्व हिंद महासागर में स्थित इस देश को लुभाने में चीन की बेहद सक्रिय कूटनीति को देखते हुए मोदी ने शुक्रवार को मालदीव को कई तरह से मदद देने की घोषणा की थी। इसमें बेहद कम ब्याज पर 4,850 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद और वार्षिक कर्ज अदायगी को 40 प्रतिशत (5.1 करोड़ डालर से 2.9 करोड़ डालर) घटाने जैसे कदम शामिल थे।

⌃ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के साथ शनिवार को मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल लेने के लिए जाते हुए। एएनआइ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को माले में मालदीव के उपराष्ट्रपति हुसैन मोहम्मद लतीफ से मुलाकात की। प्रेट्र »

राष्ट्रपति मुइज्जू ने मोदी को बताया 'वंडरफुल पर्सन'

आइएएनएस के अनुसार, मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू ने मोदी की यात्रा को ऐतिहासिक बताते हुए कहा, इससे दोनों पड़ोसियों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बड़ा बढ़ावा मिला है। मोदी द्वारा पिछले 11 वर्षों में भारत-मालदीव संबंधों को नई दिशा में लाने के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा- ''वह (मोदी) वंडरफुल पर्सन हैं जो पड़ोसियों के बीच संबंध बनाने के लिए बहुत उत्सुक रहते हैं। मालदीव और भारत के बीच एक बहुत अच्छा संबंध है जो सदियों पुराना है। उनके नेतृत्व और हमारे दोनों देशों के बीच सहयोग के साथ मुझे यकीन है कि आने वाले दिनों में यह और भी समृद्ध होगा।'' मालदीव के राष्ट्रपति ने कहा- ''भारत उन प्रमुख देशों में से एक है जो मालदीव को पर्यटन में मदद करते हैं। निश्चित रूप से मोदी की यात्रा के साथ यह और ज्यादा बढ़ेगा। मुझे यकीन है कि दोनों देशों के बीच लोगों का आवागमन भी इस यात्रा के कारण बढ़ेगा।''

मालदीव-भारत के बीच कूटनीति से परे अटूट संबंध : मुइज्जू

माले, प्रेट्र: मुइज्जू ने हिंद महासागर को मालदीव व भारत के बीच दीर्घकालिक संबंधों का जीवंत प्रमाण बताते हुए कहा, दोनों देशों ने मजबूत और अटूट बंधन स्थापित किया है जो कूटनीति से परे है। गत दिवस मोदी के सम्मान में आयोजित राजकीय भोज के दौरान मुइज्जू ने भारत सरकार का निरंतर समर्थन व दृढ़ मित्रता के लिए आभार व्यक्त किया। मालदीव-भारत के बीच 60 वर्षों के राजनयिक संबंधों पर प्रकाश डालते हुए मुइज्जू ने इन्हें साझा इतिहास और स्थायी साझेदारी का प्रतिबिंब बताया। मुइज्जू ने कहा,मालदीव-भारत के बीच संबंध औपचारिक कूटनीति से परे हैं तथा सदियों पुराने गहरे रिश्ते हैं। मालदीव सरकार समावेशी,गतिशील अर्थव्यवस्था के निर्माण, युवाओं को सशक्त बनाने व क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने को प्रतिबद्ध है। इन महत्वाकांक्षाओं को साकार करने में भारत की साझेदारी अहम है। मुइज्जू ने एक समृद्ध मालदीव-भारत साझेदारी की कामना की जो दोनों देशों में स्थायी शांति एवं समृद्धि लाए।

अधिकांश देशों संग व्यापार समझौते एक अगस्त तक हो जाएंगे : ट्रंप

▸ अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, उनका प्रशासन 200 देशों को उनके टैरिफ दर पर एक पत्र भेज सकता है

▸ स्काटलैंड की यात्रा पर पहुंचे डोनाल्ड ट्रंप का विरोध करने के लिए सड़कों पर उतरे सैकड़ों लोग

वाशिंगटन, आइएएनएस : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनका प्रशासन एक अगस्त तक अधिकांश देशों के साथ अपने व्यापार समझौते पूरे कर लेगा। दक्षिण कोरिया व अन्य व्यापारिक साझेदार वार्ता की समय सीमा तक अपने पारस्परिक टैरिफ दरों को कम करने के लिए समझौतों तक पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं। व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा,उनका प्रशासन करीब 200 देशों को उनके टैरिफ दर पर एक पत्र भेज सकता है, जिसका अर्थ होगा, ''उनके बीच समझौता हो गया है।''

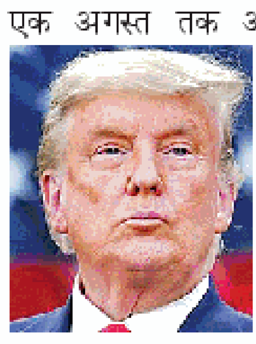

डोनाल्ड ट्रंप। फाइल

स्काटलैंड रवाना होने से पहले ट्रंप ने कहा, ''एक अगस्त आने वाला है और हमारे ज्यादातर सौदे पूरे हो जाएंगे, अगर सभी नहीं।'' वहीं, शनिवार को ट्रंप और उनके बेटे एरिक ने ब्रिटेन में अमेरिकी राजदूत वारेन स्टीफंस के साथ टर्नबेरी के पास गोल्फ खेला। टर्नबेरी एक ऐतिहासिक कोर्स है, जिसका अधिग्रहण ट्रंप परिवार की कंपनी ने 2008 में किया था। वहीं, ट्रंप की यात्रा की निंदा करने और ब्रिटिश नेताओं पर अमेरिकियों की चापलूसी का आरोप लगाने का आरोप लगाते हुए लोगों ने प्रदर्शन किया। सैकड़ों प्रदर्शनकारी एडिनबर्ग में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के सामने एकत्र हुए। लोगों ने कहा, ट्रंप का स्वागत नहीं किया जाएगा। उन्होंने ब्रिटेन से आयातित वस्तुओं पर कड़े अमेरिकी टैरिफ से बचने के लिए हाल ही में व्यापार समझौता करने के लिए ब्रिटिश पीएम किएर स्टार्मर की आलोचना की।

थाइलैंड व कंबोडिया के बीच लड़ाई जारी, अब तक 33 मरे

▸ हमलों से बचने को 1,70,000 लोग सुरक्षित स्थानों पर गए

▸ कंबोडिया के निकट थाइलैंड बढ़ा रहा युद्धपोतों की तैनाती

बैंकाक, एपी : शिव मंदिर को लेकर थाइलैंड और कंबोडिया का संघर्ष शनिवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। दोनों ओर से हो रही गोलाबारी में अभी तक 33 लोग मारे गए हैं और करीब 1,70,000 लोग विस्थापित हुए हैं।

बुधवार को प्रसात ता मोआन थोम मंदिर के निकट लैंडमाइन विस्फोट से थाइलैंड के पांच सैनिकों के घायल होने के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था और उसकी परिणति गुरुवार सुबह लड़ाई छिड़ने से हुई। दोनों देशों की 817 किमी लंबी सीमा पर दर्जन भर जगह लड़ाई छिड़ी हुई है। कंबोडिया ने शनिवार की लड़ाई में 12 लोगों के मारे जाने की जानकारी दी है। इन्हें मिलाकर तीन दिनों की लड़ाई में पांच सैनिकों समेत कुल 13 लोग मारे गए हैं, जबकि थाइलैंड में 20 लोग मारे गए हैं। दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन आसियान, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अमेरिका व चीन ने संघर्षविराम के लिए दोनों देशों पर दबाव बढ़ा दिया है।

कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय की प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल माली सोचेता ने कहा है कि कंबोडिया के कोह कोंग प्रांत के निकट समुद्र में थाई नौसेना के चार युद्धपोत लंगर डाले हुए हैं। चार अन्य आ रहे हैं। यह तैनाती कंबोडिया पर आक्रमण है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि अभी तक की लड़ाई में कंबोडिया के पांच सैनिक और आठ नागरिक मारे गए हैं। कंबोडिया में करीब 38 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। जबकि थाइलैंड की सेना ने कंबोडिया के आरोपों को गलत बताते हुए प्रतिद्वंद्वी देश पर तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया है। थाइलैंड के अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि कंबोडिया के हमलों से पड़ोसी देश लाओस को भी नुकसान हुआ है। वहां के कई घरों और संपत्तियों को कंबोडियाई गोलाबारी से नुकसान हुआ है, हजारों लोगों को ठिकाने छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा है।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच संघर्ष के कारण थाई सीमा प्रांत सी सा केट के एक केंद्र में बैठे विस्थापित लोग। एएफपी »

भारत ने कहा, स्थितियों पर रखे हैं नजर, खत्म हो दोनों देशों के बीच लड़ाई

भारत ने कहा है कि वह स्थितियों पर नजर रखे हुए है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत के दोनों देशों से मित्रता के संबंध हैं। इसलिए हम चाहते हैं कि थाइलैंड और कंबोडिया के बीच लड़ाई खत्म हो और तनाव कम हो। इसके बाद दोनों देश बातचीत से अपने मतभेद दूर करें। इस बीच थाइलैंड के बाद कंबोडिया स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीय लोगों को सीमा क्षेत्र में जाने से बचने की सलाह दी है। थाइलैंड से लगे सीमा क्षेत्र में तीन दिन से लड़ाई चल रही है।

ट्रंप का दावा-थाइलैंड और कंबोडिया के नेता लड़ाई रोकने के लिए वार्ता करने को तैयार

वाशिंगटन, रायटर : थाइलैंड और कंबोडिया के नेता मिलने को तैयार हैं, इस मुलाकात में वे लड़ाई रोकने को वार्ता करेंगे। दोनों देशों के बीच तीन दिन से जारी लड़ाई के बाद भारतीय समयानुसार शनिवार देर रात अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह बात कही है। इससे पहले स्काटलैंड की यात्रा कर रहे ट्रंप ने कंबोडिया के पीएम हुन मानेत व थाइलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाइ से टेलीफोन पर बात की थी। ट्रंप ने दोनों नेताओं से लड़ाई को अब और आगे न बढ़ाने के लिए कहा। ट्रंप ने अपने पोस्ट में बताया कि दोनों नेता अब जल्द संघर्षविराम और शांति की संभावना तलाश रहे हैं। थाइलैंड-कंबोडिया की लड़ाई को रुकवाने के प्रयास के दौरान ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच मई में हुए संघर्ष को रुकवाने में अपनी भूमिका का दावा किया। कहा, वह उनकी सफलता थी।

ईरान में अदालत की इमारत पर बंदूक व ग्रेनेड से हमला, छह मरे

▸ अज्ञात बंदूकधारियों के हमले में 22 लोग घायल भी हुए हैं

दुबई, रायटर : ईरान में शनिवार को एक कोर्ट की इमारत पर अज्ञात हमलावरों ने बंदूकों और ग्रेनेड से हमला किया। इसमें एक बच्चे समेत नौ लोगों की मौत हो गई और 22 घायल हो गए। सुरक्षा बलों ने दक्षिणी प्रांत सिस्तान व बलूचिस्तान में हुई झड़प में तीन बंदूकधारियों को मार गिराया।

एक मीडिया चैनल के अनुसार, हमला जाहेदान में हुआ। पुलिस व सुरक्षा बलों ने तेहरान से 1,130 किमी दक्षिण-पूर्व में स्थित घटनास्थल पर तुरंत नियंत्रण कर लिया। हमले के लिए आतंकी समूह जैश अल-अदल को जिम्मेदार ठहराया गया है। जैश अल-अदल ने सुरक्षा बलों के साथ संघर्ष में तीन लड़ाकों की मौत की पुष्टि की है। अफगानिस्तान व पाकिस्तान की सीमा से सटा यह प्रांत आतंकी समूहों, सशस्त्र ड्रग तस्करों व ईरानी सुरक्षा बलों के बीच झड़पों का केंद्र रहा है। अक्टूबर में, इस प्रांत में एक ईरानी पुलिस काफिले पर हुए हमले में 10 अधिकारी मारे गए थे। सिस्तान व बलूचिस्तान प्रांत ईरान के सबसे कम विकसित क्षेत्रों में से एक है।

दक्षिण-पूर्वी ईरान में शनिवार को कोर्ट की इमारत पर हुए हमले के बाद मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मी। एएफपी

जम्मू-कश्मीर में पाक प्रायोजित आतंकवाद जारी रहना बेहद निराशाजनक : ब्रिटिश सांसद

▸ सरकार से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ एकजुटता से खड़े होने का आग्रह किया

लंदन, एएनआइ: जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद जारी रहने को 'बेहद निराशाजनक' बताते हुए ब्रिटिश सांसद बाब ब्लैकमैन ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने ब्रिटिश सरकार से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ एकजुटता से खड़े होने का आग्रह किया है।

बाब ब्लैकमैन ने एक्स पर साझा किए गए एक बयान में कहा, 'मैं कुछ महीनों पहले जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले से स्तब्ध हूं, जिसमें 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। मुझे राहत है कि शांति कायम हो गई है, पर संघर्ष-विराम अभी भी नाजुक बना हुआ है। चूंकि भारत पश्चिमी देशों के साथ गहरे सुरक्षा संबंध चाहता है, इसलिए मैंने सरकार से भारत के साथ खड़े होने का आग्रह किया है।''

बाब ब्लैकमैन फाइल

उन्होंने कहा, 'मैं पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर आतंकियों द्वारा किए गए बर्बर हमले से बेहद स्तब्ध और दुखी हूं। इसमें महिलाओं और बच्चों, सहित 26 लोगों की जान चली गई। मेरी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके स्वजनों के साथ हैं, मैं उनके और भारत के लोगों के साथ पूरी एकजुटता के साथ खड़ा हूं।'' उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष-विराम का स्वागत किया, पर चेतावनी भी दी कि ''यह संघर्ष-विराम अभी भी बहुत नाजुक है और फिर युद्ध में बदल सकता है।''

आतंकवाद को प्रायोजित करने में पाकिस्तान की कथित भूमिका पर प्रकाश डालते हुए ब्रिटिश सांसद बाब ब्लैकमैन ने कहा, ''कश्मीरी पंडितों और उनके कश्मीर घाटी लौटने के अधिकार तथा भारत के अपने लोगों और क्षेत्र की रक्षा करने के उसके संप्रभु अधिकार के साथ खड़े होने वाले एक व्यक्ति के रूप में यह बेहद निराशाजनक है कि पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित यह आतंकवाद जम्मू-कश्मीर में जारी है।'' उन्होंने आतंकवाद से निपटने के भारत के प्रयासों के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन का भी आह्वान किया।

गाजा में भूखे लोगों पर फिर इजरायली फायरिंग

▸ खाद्य सामग्री के ट्रक का इंतजार कर रहे 21 लोग मारे गए

▸ ट्रंप ने कहा, अब हमास का काम खत्म करे इजरायल

यरुशलम, एपी: गाजा में भूख से बिलबिलाते-मरते लोग इजरायली हमले झेलने को अभिशप्त हैं। शनिवार को गाजा में इजरायल के हवाई हमलों और गोलाबारी में 25 लोग मारे गए। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्धविराम के लिए हो रही वार्ता के टूटने के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराते हुए उसका काम खत्म करने की बात कही है।

शनिवार को मारे गए 21 लोग वे थे जो जिकिम क्रासिंग के निकट राहत सामग्री के ट्रकों का इंतजार कर रहे थे। ये लोग खाद्य सामग्री और अन्य जरूरी सामान जल्द मिलने की चाह में वहां खड़े हुए थे। उन पर इजरायली सैनिकों ने अचानक फायरिंग कर दी। सेना ने इस गोलीबारी का कारण नहीं बताया है। विदित हो कि गाजा में खाद्य सामग्री लेने गए एक हजार से ज्यादा लोग बीते करीब दो महीने में इजरायली फायरिंग में मारे गए हैं। शनिवार को गाजा सिटी के एक अपार्टमेंट पर बमबारी में चार लोग मारे गए हैं। गाजा में इन हमलों के रुकने की संभावना एक बार फिर टल गई है क्योंकि इजरायल और अमेरिका ने दोहा में संघर्षविराम को लेकर चल रही वार्ता में शामिल अपने वार्ताकार वापस बुला लिए हैं। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि उनकी सरकार अब युद्धविराम पर हमास से वार्ता के लिए वैकल्पिक बिंदुओं पर विचार कर रही है। वैसे एक अन्य बयान में उन्होंने गाजा में शांति की राह में हमास को बाधा बताया है।

विमान हादसे से पुराने चीनी रक्षा उपकरणों पर बांग्लादेश की अत्यधिक निर्भरता उजागर

▸ पत्रिका 'यूरेशिया रिव्यू' द्वारा किए गए विश्लेषण के अनुसार, यह निर्भरता गंभीर खतरा पैदा करती है

▸ अंतरिम सरकार ने चीन से 16 जेएफ-10सी बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान खरीदने को नया सौदा किया

ढाका, आइएएनएस: ढाका के उत्तरा इलाके में हाल ही में बांग्लादेश वायु सेना के चीन निर्मित एफ-7 बीजीआइ प्रशिक्षण विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की चीन निर्मित रक्षा उपकरणों पर अत्यधिक निर्भरता के लिए कड़ी आलोचना की जा रही है। प्रख्यात पत्रिका 'यूरेशिया रिव्यू' के एक विश्लेषण के अनुसार, एफ-7 बीजीआइ का दुर्घटनाग्रस्त होना चीन के साथ बांग्लादेश के ''खतरनाक प्रेम'' को दर्शाता है। यह ऐसा गठबंधन है जिसकी शुरुआत पहले सैन्य तानाशाह व बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के संस्थापक जियाउर रहमान के काल में ही हो चुकी थी।

हादसे पर राष्ट्रीय आक्रोश के बावजूद अंतरिम सरकार ने कथित तौर पर चीन से 16 जेएफ-10सी बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान खरीदने का नया सौदा किया है। ढाका में चीन निर्मित विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद सरकार के इस कदम को पत्रिका ने 'लापरवाही का प्रतीक'' करार दिया है। यूरेशिया रिव्यू ने लिखा, ''अतीत की गलतियों को स्वीकार करने व उनसे सीखने के बजाय, अंतरिम सरकार16 नए जेएफ-10सी लड़ाकू विमान खरीदने की अपनी योजना पर आगे बढ़ने के लिए दृढ़ प्रतीत होती है।'' बांग्लादेश एयर फोर्स के एक सेवानिवृत्त अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, बार-बार होने वाले हादसों के प्रमुख कारणों में से चीनी विमान भी एक हैं। बांग्लादेश करीब 40 एफ-7 बीजीआइ विमानों का संचालन करता है, जो सभी चीन से खरीदे गए हैं।

ढाका में सोमवार को माइलस्टोन स्कूल एंड कालेज में विमान दुर्घटनाहोने के बाद राहत एवं बचावकार्य में जुटे दमकलकर्मी व सैनिक। फाइल

ढाका विमान हादसे में मृतकों की संख्या 35 तक पहुंची

सशस्त्र बलों के मीडिया प्रभाग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के अनुसार, एफ-7 बीजीआइ प्रशिक्षण विमान ने 21 जुलाई को दोपहर 1:06 बजे उड़ान भरी और 1.30 बजे उत्तरा के माइलस्टोन स्कूल व कालेज की इमारत से टकरा गया। हादसे में शनिवार तक 35 लोगों की जान जा चुकी थी। स्थानीय छात्रों, शिक्षकों व अभिभावकों ने इंटरनेट मीडिया पर वायु सेना द्वारा प्रशिक्षण के लिए जोखिम भरे विमान के इस्तेमाल पर अपना गुस्सा व्यक्त किया है।

अमेरिका का प्रवासियों से परहेज : कितना सही, कितना गलत

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के तहत चुन-चुनकर प्रवासियों को देश से निकाल रहे है। भारतवंशी भी इसके पीड़ित हैं। ट्रंप का दावा है कि प्रवासी यूरोप को खत्म कर रहे हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसा करने से यूरोप और अमेरिका को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। वन वर्ल्ड आउटलुक की एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रवासन का योगदान अमेरिका और पूरे यूरोप में श्रम आपूर्ति से कहीं अधिक है। प्रवासी नवाचार को बढ़ावा देने के साथ-साथ आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

नौकरियां नहीं चुरा रहे हैं प्रवासी

अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि प्रवासियों पर नौकरियां चुराने का आरोप निराधार है। वे नौकरियां नहीं चुरा रहे हैं, बल्कि संरचनात्मक रिक्तियों को भर रहे हैं, जिन्हें न तो आटोमेशन और न ही स्थानीय बाजार पूरा कर सकता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) के अनुसार, 2019 से 2023 के बीच यूरोपीय संघ में सृजित नई नौकरियों में से दो-तिहाई गैर-यूरोपीय संघ प्रवासियों द्वारा भरी गई। प्रवासी आमतौर पर मूल निवासी श्रमिकों की जगह नहीं लेते। वे अक्सर शारीरिक रूप से कठिन काम करते हैं जिन्हें स्थानीय लोग करने के लिए तैयार नहीं होते हैं। अमेरिका में, प्रवासी आर्थिक गतिशीलता के लिए और भी अधिक महत्वपूर्ण हैं। 2023 में, 3.1 करोड़ से अधिक प्रवासी (कार्यबल का 19 प्रतिशत) श्रम बाजार में सक्रिय थे और उनकी भागीदारी दर 67 प्रतिशत थी, जो मूल निवासी श्रमिकों की 62 प्रतिशत से अधिक थी। दूसरे शब्दों में, प्रवासी अमेरिका में अधिक काम करते हैं, अधिक कर देते हैं और घरेलू खपत को बढ़ावा देते हैं।

प्रवासियों की देन है गूगल, टेस्ला व एपल

अमेरिका में प्रवासियों की व्यावसायिक संभावनाएं मूल निवासियों की तुलना में 80 प्रतिशत अधिक होती हैं। प्रवासन नीतियों के विशेषज्ञ ग्यूसेप सविनो के अनुसार, फार्च्यून 500 की 40 प्रतिशत से अधिक कंपनियों की स्थापना प्रवासियों या उनके वंशजों ने की है, जिनमें गूगल, टेस्ला और एपल जैसी प्रमुख तकनीकी कंपनियां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, अमेरिका में दाखिल किए गए पेटेंटों में से एक महत्वपूर्ण हिस्से में कम से कम एक विदेशी आविष्कारक शामिल होता है। इसके अलावा देश के विज्ञान और इंजीनियरिंग कार्यक्रम ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय छात्रों पर निर्भर हैं।

ग्लोबल रेमिटेंस में योगदान

2022 में, ग्लोबल रेमिटेंस 831 अरब डालर तक पहुंच गया, जो 2000 से 650 प्रतिशत अधिक है। प्रवासियों द्वारा अपने परिवारों को भेजे जाने वाली ये रकम अक्सर आधिकारिक विकास सहायता और कुछ मामलों में एफडीआइ से भी अधिक होती है।

अमेरिकी जीडीपी में योगदान: मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट के 2016 के अध्ययन के अनुसार, प्रवासी, जो वैश्विक जनसंख्या का केवल 3.3 प्रतिशत हैं, वैश्विक जीडीपी में 9.4 प्रतिशत यानी लगभग 6.7 खरब डालर का योगदान देते हैं। अकेले अमेरिका की जीडीपी में उनका योगदान दो खरब डालर था। आइएमएफ की एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रवासन से 2030 तक अमेरिका की जीडीपी में 0.5 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। यूरोप पहले से ही आर्थिक मोर्चे पर खराब स्थिति में है और प्रवासन के बिना यूरोप की पहले से ही कमजोर आर्थिक संभावनाएं और भी निराशाजनक हो जाएंगी।

ठप पड़ जाएंगे कई उद्योग

अध्ययकर्ताओं के अनुसार, जर्मनी, इटली और जापान जैसे बूढ़े होते देशों में, प्रवासी जरूरत बन चुके हैं। प्रवासी श्रमिकों के बिना, अस्पतालों में कर्मचारियों की कमी होगी, आपूर्ति श्रृंखलाएं ठप हो जाएंगी, और कृषि से लेकर वृद्धों की देखभाल तक, कई उद्योग प्रभावित होंगे। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) ने चेतावनी दी है कि प्रवासियों, महिलाओं और वृद्ध श्रमिकों के समावेशन के बिना, सदस्य देशों में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर एक प्रतिशत वार्षिक से गिरकर 2060 तक केवल 0.6 प्रतिशत रह सकती है। इसके विपरीत, समावेशी प्रवासन नीतियां वार्षिक वृद्धि में कम से कम 0.1 प्रतिशत अंक जोड़ सकती हैं। (आइएएनएस)

****

मैनचेस्टर के पहाड़ पर धीरे-धीरे चढ़ते गिल-राहुल

भारत को मैच और सीरीज बचाने के लिए आज भी करना होगा कड़ा प्रतिकार टीम अब भी इंग्लैंड से 137 रन पीछे

अभिषेक त्रिपाठी
मैनचेस्टर से

भले ही गेंद पुरानी होने के बाद पिच पर तेज गेंदबाजों को कुछ फायदा नहीं मिल रहा हो, भले ही आसमान से बादल छंटने के कारण गेंद मूव नहीं कर रही हो लेकिन पहली पारी के आधार पर 311 रन से पिछड़ने और दूसरी पारी में सिर्फ शून्य पर यशस्वी जायसवाल व साई सुदर्शन के आउट होने के बाद कप्तान शुभमन गिल (अविजित 78) और पूर्व कप्तान केएल राहुल (अविजित 87) ने जिस तरह तीसरे विकेट के लिए 174 रनों की अविजित साझेदारी करके प्रत्यक्ष दिख रही हार को एक दिन के लिए टाला है, वह मैनचेस्टर का पहाड़ चढ़ने जैसा ही है। इंग्लैंड के विरुद्ध पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में पहले से ही 1-2 से पीछे चल रही भारतीय टीम के इन होनहारों को चौथे टेस्ट के आखिरी दिन तीन सत्र तक इसी तरह का अदम्य साहस दिखाना होगा। अगर ये ऐसा कर लेते हैं तो यह सीरीज जिंदा रहेगी और भारत को 31 जुलाई से लंदन के ओवल स्टेडियम में होने वाले टेस्ट को जीतकर सीरीज को 2-2 से बराबर करने का मौका होगा।

भारत ने दूसरी पारी में शुरुआती दो विकेट सिर्फ पांच गेंदों के अंदर गंवा दिए थे। गिल और राहुल ने 62.1 ओवर तक कोई विकेट नहीं गिरने दिया। भारत ने दो सत्र तक अंग्रेजों को विकेट के लिए तरसा दिया। अभी भी 137 रनों से पीछे चल रही भारतीय टीम इस मैच को जीत तो नहीं सकती लेकिन उसके लिए इसे ड्रा कराने का सुनहरा मौका है। भारतीय टीम के पहली पारी के 358 रनों के जवाब में मेजबान इंग्लैंड की पहली पारी शनिवार को ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में 669 रनों पर आलआउट हुई। टेस्ट में इंग्लैंड का यह पांचवां सबसे बड़ा स्कोर है।

गिल और राहुल का भरोसा : एक समय लग रहा था कि भारतीय टीम शनिवार को ही हार जाएगी लेकिन गिल और राहुल ने भरोसा दिलाया कि अब भी भारतीय दर्शक राहुल द्रविड़-वीवीएस लक्ष्मण जैसी साझेदारियां देख सकते हैं। शुरू में गिल को खेलने में दिक्कत हो रही थी लेकिन बाद में उन्होंने जोफ्रा आर्चर की 142 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली गेंद पर भी जबरदस्त कवर ड्राइव मारा। उन्होंने उसके तुरंत बाद अपर कट भी लगाया। इस सीरीज में 147, 8, 269, 161, 16, 6 और 2 रन की पारी खेलने वाले गिल इस अर्धशतक के साथ अब तक कुल 697 रन बना चुके हैं। वह इस सीरीज में चौथा शतक जड़ने के करीब हैं। गिल ने शुरुआत में 52 गेंदों में तेजी से 45 रन बनाए लेकिन दो बार आउट होने से बचने के बाद वह पुराने अंदाज में बल्लेबाजी करने लगे। अगले 33 रन उन्होंने 115 गेंदों पर बनाए। वहीं राहुल ने अपनी तकनीक पर भरोसा करते हुए आराम से 210 गेंदें खेलीं। आर्चर की शार्ट गेंदों की बौछार के बीच उन्होंने सीधी गेंदों से दूरी बनाए रखी। वह इतने सतर्क थे कि उन्होंने एक नीची बाउंसर को भी चकमा देने की कोशिश की। लीड्स और लार्ड्स में शतक जड़ चुके राहुल इस सीरीज में 508 रन बना चुके हैं। उनके नाम दो अर्धशतक भी हैं। गेंद पुरानी हो चुकी है, पिच ज्यादा मदद नहीं कर रही है, पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स पैरों में ऐंठन के कारण गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं। ऐसे में धीमे-धीमे किस्मत की सुई भारत की तरफ मुड़ती हुई दिख रही है।

शून्य रन पर दो विकेट : पहली पारी में बड़े अंतर से पिछली भारतीय टीम को ओपनर यशस्वी जायसवाल से काफी उम्मीद थी लेकिन वह पहले ओवर की चौथी गेंद पर ही चले गए। करुण नायर की जगह इस मैदान में खिलाए गए साई सुदर्शन अगले ही गेंद में आउट हो गए। क्रिस वोक्स ने लंच से पहले 15 मिनट काटना भारतीय बल्लेबाजों के लिए मुश्किल बना दिया था। वोक्स बाएं हाथ के बल्लेबाज यशस्वी के लिए शुरू से राउंड द विकेट आए। वोक्स ने शुरुआत में आफ स्टंप के थोड़ा बाहर बाउड गेंद डाली और बाद में उसे लगातार पास करते गए। आखिरकार जादुई गेंद निकली। वनडे व टी-20 में यह गेंद चौके के लिए चली जाती, लेकिन लाल गेंद टिप्पा खाते ही बल्ले का किनारा लेकर पहली स्लिप में पहुंच गई। स्लिप पर जो रूट ने शुरुआत में थोड़ी गड़बड़ी की लेकिन दूसरे प्रयास में उसे पकड़ लिया। साई का हाल तो और बुरा था। गिल को हैटट्रिक गेंद का सामना करना था। स्टोक्स ने पांच स्लिप और एक लेग स्लिप लगाकर उन्हें घेरा लेकिन उन्होंने विकेट नहीं गिरने दिया।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी : 358/10 (114.1 ओवर)

इंग्लैंड पहली पारी : 669/10 (157.1 ओवर), (544/7 से आगे)

	रन	गेंद	4/6
स्टोक्स का. सुदर्शन बो. जडेजा	141	198	11/3
डासन बो. बुमराह	26	65	3/0
कार्स का. सिराज बो. जडेजा	47	54	3/0
आर्चर अविजित	2	3	0/0
अतिरिक्त : 38 (बा: 8, लेबा: 15, वा: 1, नोबा: 14)			

विकेट पतन : 8-563 (डासन, 139.3), 9-658 (स्टोक्स, 155.3), गेंदबाजी : बुमराह 33-5-112-2, अंशुल 18-1-89-1, सिराज 30-4-140-1, शार्दुल 11-0-55-0, जडेजा 37.1-0-143-4, वाशिंगटन 28-4-107-2

भारत दूसरी पारी 174/2 (63 ओवर)

जायसवाल का. रूट बो. वोक्स	0	4	0/0
राहुल अविजित	87	210	8/0
सुदर्शन का. ब्रूक बो. वोक्स	0	1	0/0
गिल अविजित	78	167	10/0
अतिरिक्त : 9 (बा: 4, वा: 1, नोबा: 4)			

विकेट पतन: 1-0 (जायसवाल, 0.4), 2-0 (सुदर्शन, 0.5) गेंदबाजी: वोक्स 15-3-48-2, आर्चर 11-2-40-0, कार्स 10-2-29-0, डासन 22-8-36-0, रूट 5-1-17-0

2 विकेट भारत के शून्य पर गिर गए। इस सदी में भारत के साथ टेस्ट में ऐसा दूसरी बार हुआ है। इससे पहले 2014 में आक्लैंड में न्यूजीलैंड के विरुद्ध ऐसा हुआ था

19 बार 50 या उससे अधिक रन की साझेदारी इस सीरीज में भारत की तरफ से की गई हैं। दूसरी पारी में गिल और राहुल ने तीसरे विकेट के लिए ऐसा किया

697 रन गिल इस सीरीज में बना चुके हैं। उन्होंने 2016 में इंग्लैंड के विरुद्ध एक सीरीज में बनाए गए विराट कोहली के 655 रनों को पीछे छोड़ दिया। वह एक टेस्ट सीरीज में भारतीय कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा रनों के सुनील गावस्कर के रिकार्ड (732) को तोड़ने के करीब हैं

7 वें मेहमान ओपनर हैं केएल राहुल जिन्होंने इंग्लैंड में 2000 से ज्यादा गेंदें यहां खेली हैं

शुभमन गिल और केएल राहुल ● एपी

कमाल के स्टोक्स

इंग्लैंड की पहली पारी में पांच विकेट लेने के बाद शानदार शतक जड़ने वाले बेन स्टोक्स ने अपना नाम दुनिया के महानतम आलराउंडरों में दर्ज करा लिया है। शुक्रवार को पैर में ऐंठन के कारण 66 रन पर रिटायर्ड होने वाले इंग्लिश कप्तान पिछली 35 पारियों में अपना पहला शतक जड़कर काफी खुश थे। उन्होंने अपने 115वें टेस्ट में करियर का 14वां शतक पूरा करने के बाद दौड़ते हुए हवा में मुक्के मारे और अपने पिता गेड को सलामी दी। मैदान में बैठे दर्शक उनको सुपरमैन की तरह ट्रीट कर रहे थे। स्टोक्स गैरी सोबर्स और जैक्स कैलिस के बाद 7000 टेस्ट रन बनाने के साथ 200 टेस्ट विकेट लेने वाले तीन आलराउंडरों में शामिल हो गए। वह एक मैच में शतक बनाने और पांच विकेट लेने वाले पांचवें कप्तान बने। जहां एक ओर स्टोक्स चौके-छक्के लगा रहे थे तो वहीं भारतीय टीम की बाडी लेंग्वेज बहुत खराब नजर आ रही थी। इंग्लैंड के 10वें नंबर के बल्लेबाज बायडन कार्स ने भी 47 रन बनाए और स्टोक्स के साथ नौवें विकेट के लिए 95 रनों की साझेदारी की।

बेन स्टोक्स ● रायटर

टेस्ट में 7000 रन और 200 विकेट लेने वाले आलराउंडर

खिलाड़ी	रन	विकेट
जैक कैलिस	13289	292
गैरी सोबर्स	8032	235
बेन स्टोक्स	7000	229

669 रन ओल्ड ट्रैफर्ड पर किसी भी टीम द्वारा बनाया गया का सबसे बड़ा और टेस्ट इतिहास का पांचवां सबसे बड़ा स्कोर है। 1964 में आस्ट्रेलिया ने इस मैदान पर इंग्लैंड के विरुद्ध आठ विकेट पर 656 रन बनाए थे। इंग्लैंड ने 1934 में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध नौ विकेट पर 627 बनाए थे

एक टेस्ट में शतक के साथ पांच विकेट लेने वाले कप्तान

कप्तान	देश	बनाम	स्थान	वर्ष
डेनिस एटकिंसन	वेस्टइंडीज	आस्ट्रेलिया	ब्रिजटाउन	1955
गैरी सोबर्स	वेस्टइंडीज	इंग्लैंड	लीड्स	1966
मुस्ताक मोहम्मद	पाकिस्तान	वेस्टइंडीज	पोर्ट आफ स्पेन	1977
इमरान खान	पाकिस्तान	भारत	फैसलाबाद	1983
बेन स्टोक्स	इंग्लैंड	भारत	मैनचेस्टर	2025

पंत दूसरी पारी में भी खेलेंगे, स्टोक्स ने नहीं की गेंदबाजी

मैनचेस्टर : भारत के लिए अच्छी बात यह रही कि चोट के कारण स्टोक्स ने चौथे दिन एक भी ओवर नहीं फेंका। पहली पारी में पांच विकेट लेने के साथ वह सीरीज में सबसे ज्यादा 16 विकेट ले चुके हैं। उन्होंने इस सीरीज में 10 और नौ ओवर के स्पैल भी फेंके हैं। शुक्रवार को उनके पैर में ऐंठन हुई थी। इस साल जनवरी में उनकी सर्जरी भी हुई थी जिसके बाद वह गेंदबाजी शुरू कर पाए थे। भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने बताया कि पैर में फ्रैक्चर के कारण विकेटकीपिंग नहीं कर रहे रिषभ पंत दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी करेंगे।

खेल डायरी

बुमराह भी टेस्ट से ले सकते हैं संन्यास : कैफ

नई दिल्ली, प्रेट्र : पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन के बाद अब जसप्रीत बुमराह टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले अगले हाई-प्रोफाइल क्रिकेटर बन सकते हैं क्योंकि दुनिया का यह नंबर एक गेंदबाज अपने शरीर के विरुद्ध लड़ाई हार रहा है। कैफ ने अपने अपने इंटरनेट मीडिया एकाउंट पर वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि बुमराह आगामी टेस्ट मैचों में खेलते हुए नजर नहीं आएंगे, और यह भी संभव है कि वह संन्यास ले लें। विराट और रोहित टीम से बाहर हो गए हैं। अश्विन भी संन्यास ले चुके हैं और अब ऐसा लगता है, बुमराह की बारी है। कैफ ने कहा कि भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को शायद इसकी आदत डालनी होगी। मेरा मानना है कि अब आपको बुमराह के बिना टेस्ट मैच देखने की आदत डालनी होगी। हालांकि कैफ ने यह भी कहा कि मुझे उम्मीद है कि मैं गलत साबित हो जाऊं, लेकिन इस टेस्ट में मैंने जो देखा, उससे ऐसा लग रहा है कि बुमराह अपनी गेंदबाजी का बिल्कुल भी आनंद नहीं ले रहे हैं।

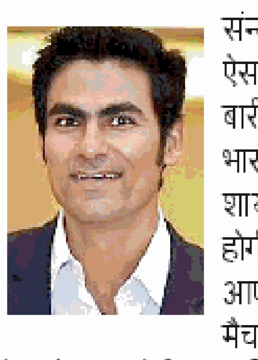

युवा शटलर तन्वी और वेन्नाला ने जीते कांस्य

सोलो, प्रेट्र : भारत की युवा शटलर तन्वी शर्मा और वेन्नाला कलगोटला ने शनिवार को बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर अपने अभियान का अंत किया। यह भारत के लिए पहला मौका रहा, जब एक ही संस्करण के सिंगल्स वर्ग में दो महिला शटलर पोडियम पर पहुंचीं। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल में वेन्नाला ने चीन की लियू सी या का 37 मिनट तक सामना किया पर उन्हें 15-21, 18-21 से हार झेलनी पड़ी। वहीं दूसरे कोर्ट पर दूसरी वरीयता प्राप्त तन्वी शर्मा को चीन की आठवीं वरीयता प्राप्त यिन यी किंग ने 35 मिनट में 13-21, 14-21 से शिकस्त दी। तन्वी गत माह यूएस ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट में उपविजेता रही थीं।

सेमीफाइनल में हारी सात्विक-चिराग की जोड़ी

चांगझू, प्रेट्र : भारत की शीर्ष डबल्स जोड़ी सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी शनिवार को मलेशिया के आरोन चियाऔर सोह वुई यिक की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी से हारकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गए। इसके साथ ही टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई। सात्विक-चिराग को सेमीफाइनल में 2022 के विश्व चैंपियन चिया और यिक के विरुद्ध 13-21, 17-21 से हार मिली। दोनों जोड़ियों के बीच यह 14वीं भिड़ंत थी, जिनमें मलेशियाई जोड़ी ने अपना दबदबा बरकरार रखा। सात्विक-चिराग इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन वह फाइनल में नहीं पहुंच सके हैं। इससे पहले उन्होंने इंडिया ओपन, सिंगापुर ओपन और मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। भारतीय जोड़ी ने 2024 के बाद से कोई खिताब नहीं जीता है।

साहिल जाधव ने स्वर्ण, परनीत ने जीता रजत

राइन-रूहर, प्रेट्र : विश्व विश्वविद्यालय खेलों में शनिवार को भारत के साहिल जाधव ने तीरंदाजी की पुरुषों की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, वहीं परनीत कौर ने रजत पदक जीता। भारतीय तीरंदाजों ने यहां कुल पांच पदक के साथ अपने अभियान का समापन किया। इससे पहले मिक्स्ड टीम ने स्वर्ण, पुरुष टीम ने रजत, महिला टीम ने कांस्य पदक जीता था। यहां कंपाउंड तीरंदाजों के प्रभावशाली प्रदर्शन ने ओलंपिक स्पर्धा के रिकर्व तीरंदाजों के निराशाजनक प्रदर्शन की भी भरपाई कर दी, जो एक भी पदक नहीं जीत पाए। साहिल जाधव ने 14 परफेक्ट-10 लगाकर ग्रेट ब्रिटेन के अजय स्काट को 149-148 से हराया। परनीत को दक्षिण कोरिया की मून यिउन के हाथों फाइनल में 146-147 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने की तिथियों की घोषणा, बीसीसीआइ की मेजबानी में होगा टूर्नामेंट

एशिया कप में 14 सितंबर को भिड़ेंगे भारत-पाकिस्तान

नई दिल्ली/ कराची, प्रेट्र : इस वर्ष सितंबर में होने वाले एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को मुकाबला खेला जाएगा। ये दोनों टीमें सुपर फोर चरण में एक बार फिर आमने-सामने हो सकती हैं और यह मैच 21 सितंबर को खेला जाएगा। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने शनिवार को घोषणा की कि एशिया कप नौ से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया है और दोनों के बीच ग्रुप मुकाबला दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में 14 सितंबर को खेला जाएगा। कार्यक्रम के अनुसार भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के विरुद्ध करेगा।

टूर्नामेंट में आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, यूएई और ओमान को रखा गया है, जबकि ग्रुप बी में श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और हांगकांग हैं। सभी मैच दुबई और अबू धाबी में खेले जाएंगे। इससे पहले नकवी ने 'एक्स' पर लिखा, मुझे यूएई में एसीसी पुरुष एशिया कप 2025 की तिथियों की पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट नौ से 28 सितंबर तक होगा। हम इसमें शानदार क्रिकेट देखने की उम्मीद करते हैं। इसका विस्तृत कार्यक्रम जल्द ही जारी किया जाएगा। एशिया कप के आयोजन स्थल का निर्णय 24 जुलाई को एसीसी की बैठक में किया गया। इस बैठक में सभी 25 सदस्य देशों ने भाग लिया था।

टूर्नामेंट का मेजबान बीसीसीआइ है, लेकिन यूएई में आयोजित किया जा रहा है क्योंकि भारत और पाकिस्तान ने दोनों देशों के बीच मौजूदा तनाव के कारण 2027 तक केवल तटस्थ स्थानों पर प्रतिस्पर्धा करने पर पारस्परिक रूप से सहमति व्यक्त की है। एसीसी के प्रसारकों के साथ हुए समझौते के अनुसार, भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा जाएगा और सुपर सिक्स चरण में भी उन्हें एक-दूसरे से भिड़ने का एक और मौका मिलेगा। दोनों टीम अगर फाइनल में पहुंचती हैं तो टूर्नामेंट में तीसरे मैच की भी संभावना होगी। आगामी टी20 विश्व कप को देखते हुए एशिया कप का यह सत्र टी20 प्रारूप में आयोजित किया जाएगा। एशिया कप का प्रारूप आइसीसी के अगले वैश्विक टूर्नामेंट के मुताबिक होता है।

एशिया कप का कार्यक्रम

तिथि	मैच
नौ सितंबर	अफगानिस्तान बनाम हांगकांग
10 सितंबर	भारत बनाम यूएई
11 सितंबर	बांग्लादेश बनाम हांगकांग
12 सितंबर	पाकिस्तान बनाम ओमान
13 सितंबर	बांग्लादेश बनाम श्रीलंका
14 सितंबर	भारत बनाम पाकिस्तान
15 सितंबर	श्रीलंका बनाम हांगकांग
16 सितंबर	बांग्लादेश बनाम अफगानिस्तान
17 सितंबर	पाकिस्तान बनाम यूएई
18 सितंबर	श्रीलंका बनाम अफगानिस्तान
19 सितंबर	भारत बनाम ओमान

21 सितंबर को सुपर फोर में एक बार फिर टकरा सकते हैं दोनों प्रतिद्वंद्वी

सुपर फोर कार्यक्रम

20 सितंबर	बी1 बनाम बी2
21 सितंबर	ए1 बनाम ए2 (संभावित भारत बनाम पाक)
23 सितंबर	ए2 बनाम बी1
24 सितंबर	ए1 बनाम बी2
25 सितंबर	ए2 बनाम बी2
26 सितंबर	ए1 बनाम बी1
28 सितंबर	फाइनल

अंतिम ओवर में दो अद्भुत कैच से न्यूजीलैंड बना चैंपियन

हरारे, एपी : तेज गेंदबाज मैट हेनरी के अंतिम ओवर में दो शानदार कैच की बदौलत न्यूजीलैंड ने शनिवार को टी-20 त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में में दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध तीन रन से रोमांचक जीत दर्ज की। माइकल ब्रेसवेल ने मिड विकेट बाउंड्री के पास कमाल का कैच लपक के खतरनाक बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस को 31 रन पर आउट किया। इसके बाद डेरिल मिशेल ने लांग आन पर जार्ज लिंडे का डाइव लगाकर शानदार कैच लपका, जिससे दक्षिण अफ्रीका जीत के लिए 181 रन का पीछा करते हुए छह विकेट पर 177 रन ही बना पाया।

इससे पहले डेवोन कान्वे और रचिन रवींद्र के 47-47 रन की पारियों से न्यूजीलैंड ने पांच विकेट पर 180 रन बनाये। टीम को सलामी बल्लेबाज टिम सिफर्ट ने भी 30 रन बनाए। सिफर्ट ने रचिन के साथ पहले विकेट के लिए 75 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी। लआन-ड्रे प्रिटोरियस (51) और रीजा हेंड्रिक्स (37) ने 10 ओवर के अंदर 92 की साझेदारी रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका को शानदार शुरुआत दिलाई लेकिन टीम ने 39 रन के अंदर चार विकेट गंवा दिये। ब्रेविस ने 16 गेंद में एक चौका और तीन छक्के जड़ित पारी से टीम को जीत के पास पहुंचा दिया। दक्षिण अफ्रीका को आखिरी ओवर में सिर्फ सात रन की जरूरत थी। न्यूजीलैंड ने हालांकि हेनरी की शानदार गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षकों के कमाल के प्रदर्शन से लक्ष्य का बचाव किया। हेनरी ने बड़े स्कोर वाले इस मैच में तीन ओवर में 19 रन देकर दो विकेट लेने पर प्लेयर आफ द मैच चुने गए।

ब्रेविस का कैच लपकते ब्रेसवेल ● एक्स

त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका पर तीन रन से दर्ज की रोमांचक जीत, मैट हेनरी चुने गए मैन आफ द मैच

डेविड ने 37 गेंदों में जड़ा शतक आस्ट्रेलिया ने जीती सीरीज

तीसरे टी-20 में वेस्टइंडीज को छह विकेट से हराया, आस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की सीरीज में बनाई अजेय बढ़त

टिम डेविड ● एएफपी

सेंट किट्स, एपी : टिम डेविड ने आस्ट्रेलिया की ओर से टी-20 में सबसे तेज शतक जड़ा, जिससे उनकी टीम ने वेस्टइंडीज को तीसरे टी-20 मुकाबले में छह विकेट से हराया। आस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है। शुक्रवार रात खेले गए मुकाबले में वेस्टइंडीज ने आस्ट्रेलिया के सामने 215 रन का लक्ष्य रखा था। वेस्टइंडीज की ओर से शाई होप (102) ने भी शतक लगाया।

टिम डेविड ने केवल 37 गेंदों में 11 छक्कों की मदद से 102 रन की अविजित पारी खेली और इसके साथ ही उन्होंने जोश इंग्लिस का रिकार्ड तोड़ा। इंग्लिस ने इस साल स्काटलैंड के विरुद्ध 43 गेंदों मे शतक लगाया था। डेविड का यह टी-20 में आइसीसी सदस्य देशों की ओर से तीसरा सबसे तेज शतक भी है। टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज शतक का रिकार्ड संयुक्त रूप से भारत के रोहित शर्मा और दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर नाम हैं, जिन्होंने 35 गेंद में शतक लगाया है। डेविड और ओवन (36) के साथ पांचवें विकेट के लिए 128 रन की अविजित साझेदारी भी की।

जावी और गार्डियोला के आवेदन वास्तविक नहीं थे : एआइएफएफ

नई दिल्ली, प्रेट्र: अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआइएफएफ) ने शनिवार को कहा कि विश्व कप विजेता स्पेनिश खिलाड़ी जावी हर्नांडिज और पेप गार्डियोला का भारतीय फुटबाल कोच पद के लिए ईमेल से भेजा गया आवेदन वास्तविक नहीं पाया गया तथा इस पद के लिए तीन अन्य आवेदकों की सिफारिश की गई है। महासंघ के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया था कि जावी ने भी भारतीय टीम के मुख्य कोच के पद के लिए आवेदन किया है लेकिन उनके नाम पर विचार नहीं किया जा रहा है क्योंकि राष्ट्रीय महासंघ उनका खर्च उठाने में सक्षम नहीं है।

एफआइएफएफ ने शनिवार को कहा स्पेनिश कोच पेप गार्डियोला और जावी हर्नांडिज से आवेदनों से संबंधित एक ई-मेल प्राप्त हुआ। उनके आवेदनों की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं की जा सकी और बाद में यह सामने आया कि ई-मेल से किए गए आवेदन वास्तविक नहीं थे। खालिद जमील फिलहाल पूर्व कोच मानेलो मार्केज की जगह लेने की दौड़ में सबसे आगे हैं।

हंपी और दिव्या के बीच पहली बाजी ड्रा

महिला विश्व कप फाइनल

आज दोनों खिलाड़ियों के बीच खेली जाएगी दूसरी क्लासिकल बाजी, तीसरे स्थान के लिए मुकाबले में चीन की टेन व टिंगजी ने भी खेला ड्रा

बाटुमी (जार्जिया), प्रेट्र : युवा भारतीय अंतरराष्ट्रीय मास्टर दिव्या देशमुख ने शनिवार को फिडे महिला विश्व कप फाइनल के पहले गेम में धैर्य का शानदार प्रदर्शन करते हुए दिग्गज कोनेरू हंपी को बराबरी पर रोका। विश्व रैपिड चैंपियन हंपी का इस ड्रा के बावजूद पलड़ा भारी होगा, क्योंकि वह काले मोहरों से खेल रही थी। दो-गेम के इस मिनी-मैच में क्लासिकल शतरंज नियमों के तहत रविवार को दूसरे और अंतिम गेम में हंपी सफेद मोहरों से खेलेंगी। यह मुकाबला भी अगर बराबरी पर छूटा तो विजेता का निर्धारण करने के लिए सोमवार को कम अवधि के गेम खेले जाएंगे।

शुरुआती गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला लेकिन दोनों अपने मौकों को भुनाने में नाकाम रहे। 19 वर्षीय दिव्या पर हंपी ने शुरुआत में दबाव बना दिया था लेकिन नागपुर की खिलाड़ी ने जल्द ही वापसी की और कम्प्यूटर के मुताबिक 14वें चाल के बाद दिव्या का पलड़ा भारी था। हंपी ने हालांकि अनुभव का इस्तेमाल करते हुए मैच पर अपनी पकड़ कमजोर नहीं होने दी। ग्रैंडमास्टर प्रवीण थिप्से के अनुसार, यह बहुत तेज व रोमांचक मुकाबला था, जो 41 चालों के बाद ड्रा पर समाप्त हुआ। सातवीं चाल में दिव्या ने अपना प्यादा देकर आक्रामक इरादे स्पष्ट कर दिए थे। हंपी ने वह प्यादा नहीं लिया और 10वीं चाल तक संतुलित स्थिति में थीं। इसके बाद कुछ अहम चालों मे दोनों खिलाड़ियों ने अवसर गंवाए, जिससे खेल बराबरी पर आ गया। इस बीच, तीसरे स्थान के लिए खेले जा रहे मुकाबले में चीन की पूर्व महिला विश्व चैंपियन झोंगयी टेन और शीर्ष वरीयता प्राप्त लेई टिंगजी ने भी ड्रा खेला। दोनों पहले ही फाइनल की दौड़ से बाहर थीं और कोई बड़ा जोखिम नहीं लेना चाहती थीं।

पहली बाजी के दौरान कोनेरू हंपी और दिव्या देशमुख ● फिडे

क्रिकेट और स्पोर्ट्स की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

7/11 मामले में एटीएस और क्राइम ब्रांच के बीच क्रेडिट लेने की होड़ थी। हो सकता है, इस होड़ में ही सुबूत जुटाने में कहीं कोई गलती हो गई। इसकी वजह से फैसला पलट गया

मुंबई ट्रेन विस्फोट मामले में फैसले से किसी को नहीं मिल पाया न्याय

सप्ताह का साक्षात्कार

मुंबई की लोकल ट्रेनों में 11 जुलाई, 2006 की शाम हुए सात विस्फोटों के मामले में 21 जुलाई, 2025 को आए बांबे हाई कोर्ट के फैसले ने सभी को अचरज में डाल दिया है। जिस मामले में मकोका की विशेष अदालत ने पांच दोषियों को मृत्युदंड एवं सात को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी, उसी मामले में उन्हीं सुबूतों के आधार पर बांबे हाई कोर्ट ने सभी दोषियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया है। हाई कोर्ट के इस फैसले पर मुंबई के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं अब राज्यसभा सदस्य पद्मश्री **उज्ज्वल निकम** से दैनिक जागरण के महाराष्ट्र ब्यूरो प्रमुख **ओमप्रकाश तिवारी** ने बात की। उनका कहना है इस फैसले में कौन-सा कोर्ट सही है, यह तो सुप्रीम कोर्ट ही तय कर पाएगा, लेकिन यह ऐसा फैसला है, जिसमें किसी को न्याय नहीं मिला। न पीड़ितों को और न ही सजा पा चुके लोगों को। देश को एक सरकारी वकील की ताकत से परिचित कराने वाले निकम अयोध्या में ढांचा विध्वंस के बाद 12 मार्च, 1993 को मुंबई में हुए सिलसिलेवार विस्फोटों से लेकर 26 नवंबर, 2008 को मुंबई पर हुए पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी हमले तक आतंक से जुड़े कई मुकदमों में अभियोजन पक्ष के वकील रहे। आतंकी अजमल कसाब से लेकर याकूब मेमन तक को फांसी के तख्ते तक पहुंचा चुके हैं। फिल्म निर्देशक गुलशन कुमार और भाजपा नेता प्रमोद महाजन हत्याकांड से लेकर मरीन ड्राइव व शक्ति मिल्स जैसे दुष्कर्म मामलों में भी दोषियों को सजा दिलवा चुके हैं। अब तक उनके द्वारा विभिन्न मामलों में 35 से अधिक मृत्युदंड एवं 450 से अधिक आजीवन कारावास की सजाएं दिलवाई जा चुकी हैं। महाराष्ट्र में कोई भी संगीन अपराध होने पर आम जनता की ओर से उन्हें ही पीपी नियुक्त करने की मांग की जाती है। प्रस्तुत हैं 7/11 मामले के फैसले पर उनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश :

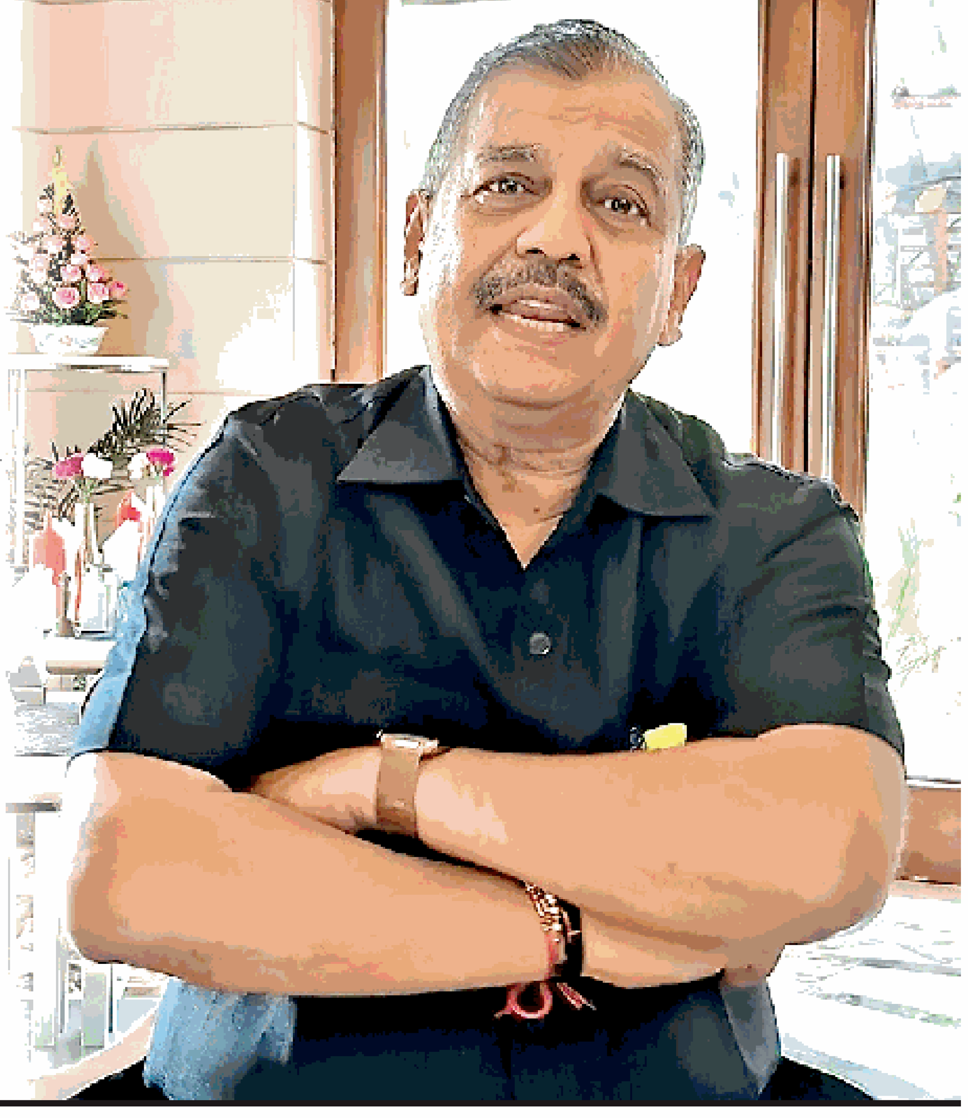

● ट्रेन विस्फोट मामले में जो फैसला आया, उसे कैसे देखते हैं आप?

– ये बहुत दुखद है। सभी आरोपितों का एक साथ छूट जाना सभी को आश्चर्यचकित कर रहा है। इसके दो कारण हैं। पहला, क्या उन लोगों को इंसाफ मिल पाया, जिन्होंने विस्फोट में अपना सब कुछ गंवा दिया? दूसरा, इतने सालों बाद दोषियों की रिहाई से सही मायने में उन्हें भी न्याय नहीं मिल पाया, क्योंकि यदि वे अपराधी नहीं हैं तो उन्हें बेवजह लंबी सजा भुगतनी पड़ी।

● उच्च न्यायालय द्वारा यह फैसला सुनाने के पीछे क्या कारण लगता है आपको?

– 11 जुलाई, 2006 को हुए इन ट्रेन विस्फोटों में 187 लोगों की जान चली गई थी। इस मामले में निचली अदालत ने जो पांच लोगों को मृत्युदंड की सजा दी थी, और सात लोगों को आजीवन कारावास की सजा दी थी (उनमें से एक का जेल में ही देहांत हो चुका है), उन दोषियों ने मुंबई उच्च न्यायालय में अपनी सजा को चुनौती देते हुए अपील की थी। इसकी पूरी सुनवाई में उच्च न्यायालय ने यह देखा कि जो चश्मदीद गवाह थे, उनकी गवाही बहुत देर से ली गई। उच्च न्यायालय को लगा कि इस देरी के कारण उनकी गवाही पर भरोसा नहीं किया जा सकता। दूसरा, मकोका कानून के तहत पांच दोषियों के इकबालिया बयान पर भी उच्च न्यायालय ने सवाल खड़े किए हैं। उसमें कुछ खामियां पाई हैं कोर्ट ने, और उन पर भरोसा नहीं किया। नतीजा यह हुआ कि उच्च न्यायालय ने सभी लोगों को बरी कर दिया।

● दोनों तरफ से न्याय व्यवस्था पर सवाल उठाए जा रहे हैं कि किसे न्याय मिला?

– इस तरह के सवाल इस फैसले में हुई देरी के कारण खड़े हो रहे हैं। ट्रायल कोर्ट (विशेष मकोका अदालत) का फैसला 2015 में आया था। उसके बाद उस फैसले के विरुद्ध उच्च न्यायालय में अपील हुई और उसका फैसला अब 2025 में आया है। अब आरोपित तो यह कहेंगे कि हमारे फैसले में देरी हुई, इसलिए हमें न्याय नहीं मिला। दूसरी ओर विस्फोट में जिनकी जान चली गई, उनके रिश्तेदार भी कहेंगे कि हमें न्याय नहीं मिला। यदि इस मामले के सभी आरोपित निर्दोष ही हैं, तो विस्फोट किए किसने? ये सवाल उठने तो स्वाभाविक हैं अब।

● यह स्थिति पैदा होने के पीछे क्या कारण हो सकते हैं? आपका क्या मानना है?

– यह मामला होने और इसकी जांच मुंबई एटीएस द्वारा शुरू किए जाने के कुछ दिनों बाद ही मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने इंडियन मुजाहिदीन का भी एक माड्यूल पकड़ा था। उसके एक अभियुक्त ने कहा था कि हमने ट्रेन ब्लास्ट किया है। यानी ट्रेन ब्लास्ट की जांच तो एटीएस (आतंकवाद निरोधक दस्ता) कर रहा था, और इंडियन मुजाहिदीन की जांच क्राइम ब्रांच कर रहा था। ऐसा लगता है कि मुंबई पुलिस के इन दोनों विभागों में कोई आपसी तालमेल नहीं था। मैं यह भी समझ सकता हूं कि कई बार आरोपित एक-दूसरे को बचाने के लिए झूठा आरोप भी करते हैं। संदेह का लाभ लेने के लिए झूठा आरोप अपने सिर ले लेते हैं, लेकिन इस मामले में एक ही पुलिस के दो विभागों को आपस में तो तालमेल रखना ही चाहिए था। सवाल ये उठता है कि कौन सी अदालत ने सही फैसला किया है? इसका फैसला तो अब सर्वोच्च न्यायालय में ही हो पाएगा। लेकिन इससे एक बात तो तय हो गई कि जिस आरोपित को सजा मिलती है, वह अपील करता है। उनकी सुनवाई में इतना समय लगना, आरोपित के लिए भी, और अभियोजन पक्ष के लिए भी शर्मनाक बात है। यदि आरोपित सही हैं, तो इतना समय क्यों लगना चाहिए? और यदि दोषियों ने अपराध नहीं किया है, तो भी फैसला जल्द सुनाकर उन्हें मुक्त किया जाना चाहिए। इतना समय किसी भी परिस्थिति में नहीं लगना चाहिए।

● इस प्रकार की 'जस्टिस डिलेड इज जस्टिस डिनाइड' की कहावत को रोकने के लिए क्या किया जा सकता है?

– हमारी अदालतों में जब 'अपील अगेंस्ट एक्विटल' अर्थात अदालत द्वारा किसी को बरी करने के बाद अभियोजन पक्ष द्वारा उच्च अदालत में अपील की जाती है, तो उसकी सुनवाई भी 15-15 साल चलती रहती है। यह गलत है। मुझे लगता है कि इस प्रकार के मामलों में उच्च न्यायालय को अपनी सुनवाई एक साल के अंदर-अंदर पूरी कर लेनी चाहिए। ऐसा होने पर ही अदालतों के फैसले पर भरोसा कायम किया जा सकता है। 10-10 साल, 15-15 साल बाद जब फैसला आता है, तो उस मामले के अधिकारी भी जा चुके होते हैं। जज भी जा चुके होते हैं। ऐसे में किसी की कोई गलती होने पर उसके खिलाफ कुछ किया ही नहीं जा सकता। जैसे इसी मामले में विशेष मकोका अदालत में फैसला सुनाने वाले जज वाईडी शिंदे का तो निधन हो चुका है। मुंबई पुलिस के भी उस समय के सभी उच्च अधिकारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं। अब आप किसी से कोई सवाल नहीं कर सकते। वास्तव में किसी को दोषी ठहराना जरूरी नहीं है, लेकिन सिस्टम में सुधार लाना जरूरी है। लोगों का कानून पर भरोसा कायम करना जरूरी है। यदि इस प्रकार देरी से फैसले आते हैं, तो लोगों का भरोसा न्यायपालिका पर भी कम होता है, जांच एजेंसियों पर भी कम होता है और अंततः लोकतंत्र पर से भी कम होता है।

● आपने तो आतंक से जुड़े कई गंभीर मामलों में अभियोजन पक्ष के वकील की भूमिका निभाई है। जिस प्रकार से मुंबई उच्च न्यायालय ने 7/11 मामले में जांच एजेंसियों की जांच पर सवाल खड़े किए हैं, क्या उस पर भरोसा करके यह माना जा सकता है कि जांच बिल्कुल सही नहीं थी?

– मैं एक बार फिर कहूंगा कि उच्च न्यायालय के फैसले पर मुझे कोई टिप्पणी नहीं करनी है। जहां तक जांच एजेंसियों का सवाल है, कई बार जांच एजेंसियां कई तरह के दबाव में, या क्रेडिट लेने की होड़ में गलतियां कर बैठती हैं। जैसे 7/11 के मामले को लेकर ही क्राइम ब्रांच और एटीएस के बीच क्रेडिट लेने की होड़ थी। इसका कितना असर मकोका कोर्ट पर पड़ा, या उच्च न्यायालय पर पड़ा ये हम नहीं कह सकते, लेकिन इससे समाज में तो भ्रम फैलता ही है। दूसरी बात यह कि इस तरह के बड़े मामलों में, जिनमें सैकड़ों लोगों की जान चली गई हो, जांच एजेंसियों पर जांच जल्दी पूरी करने का दबाव भी होता है। एजेंसियां अपनी तरफ से सही करने का ही प्रयास करती हैं, लेकिन कभी-कभी गलतियां होना भी स्वाभाविक है। जहां तक इस मामले का सवाल है, तो उच्च न्यायालय का फैसला तो सिर्फ उन सुबूतों के आधार पर आया है, जो निचली अदालत में लाए गए थे। उच्च न्यायालय ने उन्हीं का विश्लेषण करते हुए अपना फैसला सुनाया है।

● इस तरह के मामलों में जब कोई मुकदमा कई साल चलता है, तो जज भी कई बार बदलते होंगे। क्या मुकदमे के फैसले पर जजों के बार-बार बदलने का कोई असर पड़ता है? क्या इस फैसले पर असर पड़ा?

– हां, बिल्कुल बदलते हैं जज। और उसका असर भी पड़ता है मुकदमे पर। एक ही मामले को जब कई-कई जज सुनते हैं, तो उन्हें उस मुकदमे को समझने में भी दिक्कत होती है और इसका भी असर फैसले पर जरूर पड़ता है।

● यदि जजों की योग्यता पर बात की जाए, तो इस तरह के संवेदनशील मामलों में मकोका के विशेष जज के रूप में नियुक्ति भी तो कोई योग्य व्यक्ति देखकर ही की गई होगी। फिर मकोका कोर्ट के फैसले में और उच्च न्यायालय के फैसले में इतना अंतर कैसे आ सकता है?

– देखिए, मैंने उच्च न्यायालय का फैसला अभी पढ़ा नहीं है, इसलिए मैं उस पर टिप्पणी नहीं करूंगा। उच्च न्यायालय का फैसला सही है, या गलत है ये आईना तो अब सर्वोच्च न्यायालय ही दिखा सकता है। तब तक हम उस पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते।

●... लेकिन उच्च न्यायालय ने मकोका कोर्ट के फैसले पर जिस तरह की कमियां निकाली हैं, उससे तो इस मामले के बारे में सोचने का पूरा नजरिया ही बदल गया है। जो अब तक दोषी बताए गए थे, वही अब पीड़ित दिखाई देने लगे हैं ?

– हां, यही तो दुख की बात है। आज किसी को पता नहीं चल रहा है कि कौन गलत अभियुक्त है, कौन सही अभियुक्त है। लेकिन जिस प्रकार से प्रस्तुत किए गए प्रमाणों को उच्च न्यायालय सही नहीं मान रही है, उससे तो लगता है कि किसी न किसी की तो गलती है। इस प्रकार के मामलों में 'कानून की व्याख्या' महत्त्वपूर्ण होती है। जब अदालत किसी आरोपित की रिहाई करती है, तो जज यह देखता है कि उसके विरुद्ध पुख्ता सुबूत ही पेश नहीं किए गए हैं। दूसरी बात, सुबूत हैं, लेकिन उन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। ऐसी ही परिस्थितियों में जज 'बेनिफिट आफ डाउट' (संशय का फायदा) देते हुए आरोपित को बरी कर देता है। इस मामले में कुछ सुबूत तो थे। लेकिन उच्च न्यायालय का मानना है कि वो सारे सुबूत उतने पुख्ता नहीं हैं कि आरोपितों पर आरोप सिद्ध किए जा सकें। ऐसी परिस्थितियों में जज के पर्सनल इंटरप्रिटेशन (उसकी अपनी व्याख्या) का सवाल आ जाता है। ऐसे पर्सनल इंटरप्रिटेशन पर फैसला उससे ऊंची अदालत ही कर सकती है। आज हम किसी पर कीचड़ नहीं उछाल सकते। न तो 2015 में सुनाए गए मकोका कोर्ट के फैसले पर। ना ही उसके 10 साल बाद सुनाए गए उच्च न्यायालय के फैसले पर।

● फिर सिस्टम में सुधार कैसे किया जा सकता है? क्या कोई हल है ?

– हां, यह बात तो जरूर है कि उच्च न्यायालय का यह फैसला यदि निचली अदालत द्वारा सुनाए गए फैसले के दो साल के अंदर आ जाता, तो हम सिस्टम में सुधार कर सकते थे। मान लीजिए, उच्च न्यायालय का फैसला सही है, तो हम एक-दो साल के अंदर इस मामले की जांच एजेंसी में तो सुधार ला ही सकते थे। या मामले की जांच में पाई गई कमियों का पुनरावलोकन कर सकते थे, लेकिन अब तो उस मामले से जुड़े अधिकारी भी नहीं हैं, और सबूत भी करीब-करीब सारे ही नष्ट हो चुके होंगे। आप किससे क्या सवाल पूछेंगे। अब कोई सुधार लाया ही नहीं जा सकता।

● जब मुंबई में 12 मार्च, 1993 में हुए सिलसिलेवार विस्फोटों के मामले में आए फैसले को उच्च न्यायालय में ले जाया गया था, तो उसके दस्तावेजों का मराठी से अंग्रेजी में अनुवाद करना पड़ा था। जिसके कारण उसमें देर लगी थी, लेकिन अब तो इस तरह के अनुवाद के काम एआइ या अन्य तकनीकों की मदद से जल्दी हो जाते हैं। फिर देर क्यों लगती है फैसलों में?

– देखिए, मैं कोई आरोप नहीं लगा रहा हूं, लेकिन कई बार जज इस तरह से फैसलों से जानबूझकर कन्नी काट जाते हैं। वे ऐसे फैसलों में उलझना नहीं चाहते। इसके कारण भी मुकदमे वर्षों लटकते चले जाते हैं। इसलिए एक-डेढ़ साल के अंदर फैसला आने की व्यवस्था बनाई जानी चाहिए। जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। क्योंकि सिस्टम सुधारना है हमें। यदि सिस्टम सुधारना है, तो दोष किसी को तो देना होगा। हमें कुछ काम तो करना होगा।

● अब सरकार ने उच्च न्यायालय के फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दे दी है, लेकिन मकोका कोर्ट में पेश किए गए जिन सबूतों के आधार पर उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया, अब उनमें बदलाव तो किया नहीं जा सकता। तो सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में क्या बदलाव आने की संभावना है?

– संभावना की बात की जाए, तो किसी बदलाव की संभावना नहीं दिखती। लगता तो यही है कि जो छूटा, वो छूट गया। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय किसी तथ्य की व्याख्या कैसे करता है, इसके बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। वह उच्च न्यायालय के फैसले को पलट भी सकता है।

आसान जीत पसंद नहीं दिव्या को...100-100 चालों की खेलती हैं बाजी

चर्चा में

19 वर्षीय दिव्या देशमुख फिडे महिला ग्रांप्रि के फाइनल में प्रवेश करने वाली वह पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं। बीते बुधवार को उन्होंने पूर्व महिला विश्व चैंपियन टैन झोंगयी को हराया। इस मैच में 102 खिलाड़ी इस मुकाम को हासिल करना चाहते थे, लेकिन आक्रामक चालों से दिव्या ने यह रिकार्ड अपने नाम कर लिया। फिडे विश्वकप के फाइनल में पहुंचने वाली दूसरी भारतीय महिला ग्रैंड मास्टर कोनेरू हंपी हैं। रविवार को दिव्या उनसे निर्णायक मैच खेलेंगी। जानिए, इस युवा शतरंज खिलाड़ी के बारे में, जिनकी तारीफ कुछ दिनों पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की :

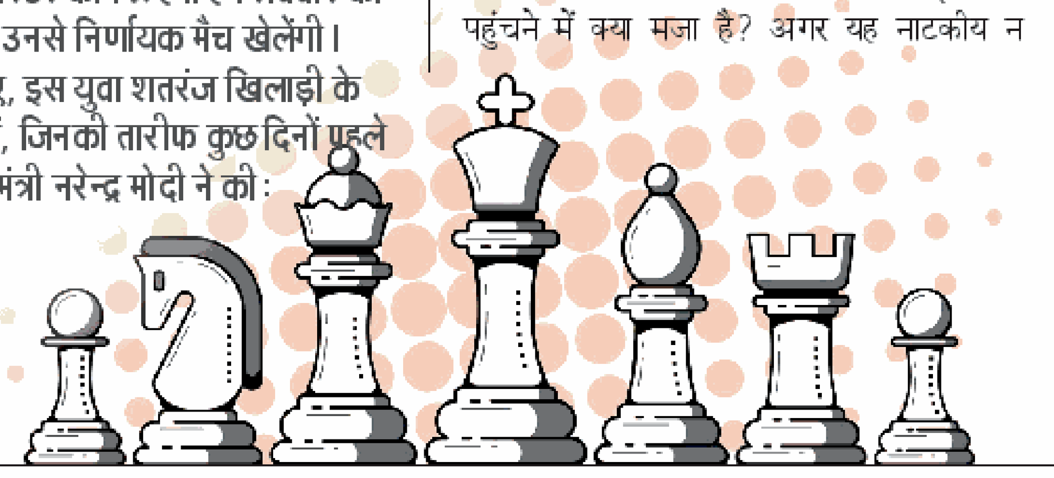

नेशनल डेस्क ● जागरण

नई दिल्ली: शतरंज की उभरती हुई खिलाड़ी दिव्या देशमुख को आसान जीत पसंद नहीं है। तभी तो पांच घंटे तक द्वंद्वयुद्ध करने और 100 चालें चलने के बाद उन्होंने प्रतिद्वंद्वी टैन झोंगयी को हराया। पहला गेम जल्दी ड्रा पर खत्म करने के बाद दूसरे दौर में दोनों के बीच जमकर भिड़ंत हुई थी। टैन 2018 तक महिला विश्व चैंपियन रही हैं और इस साल की शुरुआत में ही वह महिला विश्व शतरंज चैंपियनशिप में खिताब वापस पाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही थीं। टैन से जीत के बाद उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट किया कि 'आसान तरीके से फाइनल में पहुंचने में क्या मजा है? अगर यह नाटकीय न होता तो मैं भी नहीं जीत पाती।'

9 दिसंबर 2005 को नागपुर में जन्मी दिव्या देशमुख का शतरंज की काली-सफेद गोटियों से परिचय महज चार साल की उम्र में हुआ था। उनके पिता जितेंद्र और नम्रता दोनों पेशे से डाक्टर हैं। दिव्या ने वर्ष 2012 में सात साल की उम्र में अंडर-7 राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीती। अंडर-10 (डरबन, 2014) और अंडर-12 (ब्राजील, 2017) श्रेणियों में विश्व युवा खिताब जीते। वह जल्दी ही महिला फीडे मास्टर बन गईं। अक्टूबर 2021 तक उन्होंने महिला ग्रैंड मास्टर का खिताब हासिल कर लिया। उन्होंने बुडापेस्ट में 45वें शतरंज ओलंपियाड (2024) में भारत की टीम के गोल्ड मेडल में भी योगदान दिया और विश्व टीम रैपिड और ब्लिट्ज चैंपियनशिप के ब्लिट्ज सेगमेंट में 2600 से अधिक प्रदर्शन रेटिंग प्राप्त करके व्यक्तिगत सम्मान अर्जित किया। ओलिंपियाड में तीन गोल्ड कई एशियाई और विश्व युवा खिताब। इस साल फिडे वर्ल्ड ब्लिट्ज टीम शतरंज चैंपियनशिप में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी होउ यिफान को मात दे चुकी हैं। बीते माह लंदन में आयोजित फिडे वर्ल्ड ब्लिट्ज टीम चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में चीन की यिफान को हराया था। यह सबसे बड़ी जीत में से एक है।

शतरंज की खिलाड़ी बनने का मौका

बैडमिंटन के नेट तक नहीं पहुंची तो शतरंज के कमरे में चली गईं

दिव्या का शतरंज से नाता लगभग संयोग से शुरू हुआ। वह बताती हैं कि मैंने संयोग से शतरंज खेलना शुरू किया। मेरी बहन बैडमिंटन खेलती थी। वह सीखने के लिए जाती थी। एक दिन मेरे माता-पिता मुझे भी वहां ले गए। उस वक्त मैं चार साल की थी। मैं बैडमिंटन के नेट तक भी नहीं पहुंच रही थी। उसी इमारत में शतरंज की एक कक्षा चल रही थी, इसलिए मेरे माता-पिता मुझे वहां ले गए। उसके बाद मैं उन सफेद-काले चौकोर वाले बोर्ड से बाहर निकल ही नहीं पाई।

10-16 जून को दिव्या ने लंदन में आयोजित फिडे वर्ल्ड ब्लिट्ज टीम चैंपियनशिप के सेमीफाइनल के दूसरे चरण में चीन की यिफान को हराकर बड़ी जीत की हासिल

दिव्या देशमुख ● स्वयं

2023 तक भी नहीं सोचा था कि शतरंज को करियर चुनेंगी

वर्ष 2023 तक दिव्या को यह भी पक्का नहीं था कि वह शतरंज को पूर्णकालिक रूप से खेलना चाहती हैं। कोलकाता में टाटा स्टील शतरंज इंडिया के रैपिड टूर्नामेंट में खिताब जीतने के बाद भी दिव्या यह तय नहीं कर पाई थी। एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा था कि वह शतरंज को पूर्णकालिक रूप से खेलना जारी रखना चाहती हैं या आगे की पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हैं। मुझे बहुत-सी चीजें आकर्षित करती हैं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि कौन-सा क्षेत्र चुनूं।

बेहद आक्रामक खेल की शौकीन हैं दिव्या

खेल में बेहद आक्रामक मानी जाने वाली दिव्या प्रयोग करने से नहीं डरती हैं। चाहे ग्रैंड मास्टर विश्वनाथ आनंद हों या फिर ग्रैंड मास्टर अभिजीत कुंटे, सभी वरिष्ठ खिलाड़ी यही कहते हैं। चेन्नई स्थित शतरंज गुरुकुल में जीएम आरबी रमेश दिव्या के कोच हैं। वे भी दिव्या के बारे में यही राय रखते हैं।

बोंडा जनजाति की बेटी ने रचा इतिहास, ओडिशा सिविल सेवा में हासिल की पहली कामयाबी

मिसाल

ओडिशा के मालकानगिरि जिले की बिनी मुदुली ने सिविल सेवा परीक्षा पास कर नया इतिहास रचा है। यह पहला मौका है जब बोंडा जनजाति की कोई लड़की सिविल सेवा की परीक्षा पास कर सरकारी अधिकारी के पद तक पहुंची हैं। रसोइया पिता व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मां बचपन से लेकर अब तक भले ही पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं करवा सके, लेकिन प्रोत्साहन में कोई कमी नहीं रखी। आइए, जानते हैं इस युवा अधिकारी के बारे में :

पिता राम मुदुली और मां सुनामली किरसानी के साथ बिनी मुदुली ● जागरण

शेषनाथ राय ● जागरण

भुवनेश्वर : कहते हैं, अगर हौसले बुलंद हों और इरादे मजबूत, तो कोई भी मुश्किल रास्ते की दीवार नहीं बन सकती। कुछ ऐसा ही कर दिखाया है ओडिशा के मालकानगिरि जिले की बिनी मुदुली ने। देश के सबसे पिछड़े इलाकों में गिने जाने वाले बोंडा घाटी की इस होनहार बेटी ने ओडिशा सिविल सेवा परीक्षा (ओसीएस) 2022 पास कर इतिहास रच दिया है। वह बोंडा समुदाय की पहली लड़की बन गई हैं, जिसने यह बड़ा मुकाम हासिल किया है।

बिनी की सफलता ने न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे बोंडा समाज को गौरवान्वित किया है। इंटरनेट और यू-ट्यूब की मदद से खुद पढ़ाई कर उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार में जन्मी बिनी के पास महंगी कोचिंग की सुविधा नहीं थी, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और आनलाइन संसाधनों के दम पर ओसीएस परीक्षा में 596वीं रैंक हासिल की।

मालकानगिरि के सुदूर खेमागुडा गांव की रहने वाली बिनी का जीवन शुरू से ही संघर्षों से भरा रहा। उनके पिता राम मुदुली एक सरकारी स्कूल में रसोइया हैं और मां सुनामली किरसानी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद माता-पिता ने बेटी की पढ़ाई में कोई कसर नहीं छोड़ी। बिनी ने अपनी शुरुआती पढ़ाई गांव के ही मुदुलीपड़ा प्राथमिक विद्यालय से की। इसके बाद जवाहर नवोदय विद्यालय, मालकानगिरि से इंटरमीडिएट पूरा किया। फिर जयपुर के विक्रम देव कालेज से स्नातक की डिग्री ली और आयुर्वेदिक सहायक के रूप में काम किया, लेकिन उनका सपना सिविल सेवा में जाकर समाज की सेवा करना था। कोचिंग न होने की वजह से बिनी ने खुद ही इंटरनेट, यू-ट्यूब वीडियो और माक टेस्ट के जरिए ओसीएस परीक्षा की तैयारी शुरू की। ... और उनकी यह मेहनत रंग लाई।

'परिस्थितियां आसान नहीं थीं, लेकिन हार मानने का सवाल ही नहीं'

बिनी कहती हैं कि मेरे माता-पिता, शिक्षकों और दोस्तों ने हर कदम पर मेरा हौसला बढ़ाया। परिस्थितियां आसान नहीं थीं, लेकिन हार मानने का सवाल ही नहीं था। आज मैं बहुत खुश हूं कि मैं अपने समुदाय की पहली लड़की हूं, जिसने यह सफलता पाई। पिता राम मुदुली ने कहा कि बिनी इलाके की लड़कियों के लिए मिसाल बनेगी। उनकी कही बात सच होती नजर आ रही है। हाल ही में बोंडा समुदाय की मंगला मुदुली ने भी नीट पास कर एमबीबीएस में दाखिला लिया है।

****

औसत से अव्वल बनने की कहानी है मानसी

प्रतिभा

उप्र के हरदोई की रहने वाली मानसी पाठक स्कूली जीवन में औसत छात्रा थीं, लेकिन निरंतर अभ्यास की बदौलत आज अव्वल हैं। ग्रामीण भारत में वायुमंडलीय प्रदूषण : स्रोत, कारक और निहितार्थ विषय पर उन्होंने जो शोध किया है, उसे ग्रामीण परिवेश के क्षेत्र में भारत का पहला पूर्ण व समग्र अध्ययन माना जा रहा है। जानिए, युवा विज्ञानी के बारे में :

पंकज मिश्रा ● जागरण

हरदोई: आइआइटी खड़गपुर से पीएचडी करने वाली उप्र के हरदोई की बेटी मानसी पाठक की यात्रा सिर्फ अकादमिक सफलता की नहीं, बल्कि संघर्ष, धैर्य और संकल्प की कहानी है। उनकी प्राथमिक शिक्षा श्रीशचंद्र पब्लिक स्कूल, माध्यमिक शिक्षा सेंट जेवियर्स स्कूल, हरदोई से हुई। इंटरमीडिएट में 80 प्रतिशत अंक मिले थे। शुरुआती वर्षों में वह 'अव्वल' नहीं रहीं, लेकिन सतत अध्ययन से यहां तक पहुंची हैं। पीएचडी को लेकर आम धारणा यह है कि इसमें मूल या नए शोध का अभाव रहता है। ऐसे में मानसी ने शोध के क्षेत्र में नई मिसाल कायम की है। फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी अहमदाबाद के ख्यातिप्राप्त विज्ञानी प्रो. एस. रामचंद्रन और वायुमंडलीय विज्ञान और जलवायु परिवर्तन के विशेषज्ञ प्रो. जयनारायणन कुट्टीपुरथ के मार्गदर्शन में उन्होंने अपनी पीएचडी पूरी की। मानसी के आठ शोधपत्र प्रकाशित हुए हैं। दादा रमेश चंद्र पाठक हरदोई के जाने-माने उद्यमी हैं। पिता अचल पाठक और गांव की प्रधान मां रमा के अनुसार अनुशासित जीवन ने ही मानसी को यहां तक पहुंचाया है।

शोध प्रस्तुत करतीं मानसी। स्वयं

अंतरराष्ट्रीय पहचान : वियना, आस्ट्रिया में भारत का प्रतिनिधित्व

मानसी ने शोध में ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते वायु प्रदूषण, उसके स्रोतों, मौसमी प्रवृत्तियों और मानवीय स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों का वैज्ञानिक विश्लेषण किया है। यह नीति-निर्माताओं, स्वास्थ्य योजनाओं व पर्यावरणीय शोध के लिए आधार बनता जा रहा है। मानसी का शोधकार्य न केवल देश में बल्कि विश्वभर में सराहा गया। 2023 में उन्हें आइआइटी खड़गपुर की ओर से यूरोप के सबसे बड़े पर्यावरण वैज्ञानिक सम्मेलन यूरोपीयन जियोफिजिकल यूनियन (ईजीयू) में भाग लेने के लिए वियना, आस्ट्रिया भेजा गया। यह सम्मेलन पर्यावरण और पृथ्वी विज्ञान के क्षेत्र में वैश्विक मंच माना जाता है।

इंजीनियरिंग का रुख और आत्मविश्वास की शुरुआत

इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा में मानसी को आल इंडिया रैंक मिला। कंप्यूटर साइंस कोर्स की जबरदस्त मांग थी, लेकिन उन्होंने भीड़ से अलग हटकर सिविल इंजीनियरिंग को चुना। उन्होंने गाजियाबाद के केआईटीई कालेज से बीटेक में प्रवेश किया। मानसी ने गेट परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी। पहली बार में ही उन्होंने गेट क्वालिफाई कर लिया और दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी में एनवायरमेंट इंजीनियरिंग में एमटेक में दाखिला मिला। एमटेक भी शानदार अंकों से उत्तीर्ण किया और इसके तुरंत बाद पीएचडी के लिए देश की अग्रणी संस्थानों में प्रवेश परीक्षाएं दीं। अंततः उनका चयन आइआइटी खड़गपुर के लिए हुआ।

दैनिक जागरण
राष्ट्रीय संस्करण
रविवार 27 जुलाई, 2025

आजकल

www.jagran.com

पहली बार रागुसन रिपब्लिक में लागू किया गया क्वारंटाइन

1377 में आज ही पहली बार रागुसन रिपब्लिक (वर्तमान में क्रोएशिया का डबरोवनिक शहर) में क्वारंटाइन लागू किया गया था। प्लेग महामारी से संक्रमित क्षेत्र से आने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए 30 दिनों तक क्वारंटाइन में रहना अनिवार्य किया गया था।

पैंक्रियाज से इंसुलिन को अलग करने में सफलता मिली

1921 में आज ही टोरंटो यूनिवर्सिटी में सर फ्रेडरिक बैंटिंग और चार्ल्स बेस्ट ने इंसुलिन को अलग किया था। दोनों ने कुत्ते के पैंक्रियाज से इसे निकाला था। 1922 में पहली बार इसे मानव पर आजमाया गया। यह जानलेवा मधुमेह बीमारी के लिए एक प्रभावी उपचार साबित हुआ।

लड़के के वेश में कल्पना ने अंग्रेजों को सिखाया था सबक

कल्पना दत्त का जन्म 1913 में आज ही ब्रिटिश भारत के चटगांव (अब बांग्लादेश में) में हुआ था। 14 वर्ष की उम्र में चटगांव छात्र सम्मेलन में क्रांतिकारी भाषण देकर चर्चा में आईं। रानी लक्ष्मीबाई की कहानी से प्रेरित होकर, कालेज के दिनों में ही सूर्य सेन की भारतीय रिपब्लिकन आर्मी में शामिल हो गईं। वह पुरुष के वेश में क्रांतिकारियों को गोला-बारूद आदि पहुंचाया करती थीं। 1930 में सूर्य सेन के नेतृत्व में चटगांव शस्त्रागार लूट में शामिल रहीं। उन्होंने इस मामले में क्रांतिकारियों का मुकदमा सुनने वाली अदालत के भवन और जेल की दीवार उड़ाने की योजना बनाई लेकिन विफल रहीं।

कम सोने से ज्यादा घातक है नौ घंटे से अधिक नींद

अध्ययन ▶ आस्ट्रेलिया के नींद स्वास्थ्य फाउंडेशन ने किया अध्ययन, विज्ञानियों ने 79 मामलों की एक साल तक की निगरानी

सोने की अवधि का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से संबंध आया सामने

सिडनी, प्रेट्र: अक्सर कहा जाता है कि पर्याप्त नींद न लेना मस्तिष्क, हृदय और समग्र स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है लेकिन क्या आपको पता है कि ज्यादा नींद लेना तो कम सोने से भी ज्यादा घातक है। हाल ही में किए गए एक अध्ययन में सामने आया है कि नौ घंटे से अधिक सोने से मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है, यहां तक कि निराशा और अवसाद की स्थिति तक पैदा हो सकती है। आस्ट्रेलिया के नींद स्वास्थ्य फाउंडेशन की ओर से किए गए इस अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने 79 मामलों की समीक्षा की जिनकी उन्होंने एक साल तक निगरानी की और पाया कि नींद की अवधि का स्वास्थ्य या मृत्यु के जोखिम से सीधा संबंध है।

प्रतीकात्मक

प्रमुख शोधकर्ता गैब्रिएल रिग्नी ने कहा कि पोषण और शारीरिक गतिविधि के साथ, नींद स्वास्थ्य का एक आवश्यक स्तंभ है। नींद के दौरान, शारीरिक प्रक्रियाएं होती हैं जो हमारे शरीर को जागने पर प्रभावी ढंग से कार्य करने की अनुमति देती हैं। इनमें मांसपेशियों की पुनर्प्राप्ति और भावनात्मक नियंत्रण से संबंधित प्रक्रियाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अध्ययन वयस्कों को प्रति रात सात से नौ घंटे की नींद लेने की सिफारिश करता है। हालांकि कुछ लोग थोड़ा कम सोकर भी उतनी ऊर्जा प्राप्त कर लेते हैं और उन पर कभी कभी सात घंटे से कम सोने का अल्पकालिक प्रभाव पड़ता है जैसे कम ऊर्जा, खराब मूड, अधिक तनाव और काम पर ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई इत्यादि। आगे कहा कि लगातार ऐसा करना स्वास्थ्य के लिए दीर्घकालिक तौर पर घातक हो सकता है जिसमें हृदय रोग, मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, कैंसर और मृत्यु का उच्च जोखिम इत्यादि शामिल है।

अधिक वजन और धूम्रपान से भी प्रभावित होती है नींद : शोधकर्ताओं के मुताबिक, अध्ययन की एक साल की अवधि में जो लोग प्रति रात सात घंटे से कम समय के लिए सो रहे थे, उनके मरने का जोखिम 14 प्रतिशत अधिक था जबकि जो लोग नौ घंटे से बहुत अधिक सो रहे थे, उनका मरने का जोखिम 34 प्रतिशत तक ज्यादा था। शोध ने यह भी दिखाया कि बहुत अधिक सोना अन्य स्वास्थ्य समस्याओं जैसे पुराने दर्द, वजन बढ़ने और मेटाबालिक विकारों से भी जुड़ा है।

विज्ञानियों ने कहा कि पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोग उच्च गुणवत्ता वाली नींद नहीं ले रहे होते हैं बल्कि सिर्फ बिस्तर पर अधिक समय बिताते हैं। उन्होंने संतुलित नींद लेने पर जोर दिया और इसके कारणों के बारे में जाना। कहा कि धूम्रपान और अधिक वजन होना भी खराब नींद से जुड़े होते हैं। इसका मतलब है कि जीवनशैली में सुधार करके भी इस समस्या का हल निकाला जा सकता है। इन आदतों से सिर्फ ज्यादा नहीं बल्कि कुछ लोगों को कम नींद की समस्या से जूझना पड़ सकता है।

उम्र से होता है संबंध

शोध में यह भी सामने आया कि नींद की आवश्यकताएं उम्र से संबंधित हो सकती हैं जैसे किशोर अक्सर अधिक सोना चाहते हैं और शारीरिक रूप से इसकी आवश्यकता भी हो सकती है। लिहाजा किशोरों के लिए नींद की सिफारिश वयस्कों की तुलना में थोड़ी अधिक होती है, जो आठ से दस घंटे तक की हो सकती है। वहीं बुजुर्ग लोग बिस्तर में अधिक समय बिताना चाहते हैं। हालांकि, जब तक उनके पास नींद का कोई विकार नहीं है, तब तक उनके सोने की आवश्यकता युवाओं के समान ही होगी।

कुत्तों को प्रशिक्षित कर की जा सकेगी पार्किंसंस रोगियों की पहचान

- 38 से 53 सप्ताह तक दो कुत्तों को किया गया प्रशिक्षित
- पार्किंसंस रोगी और सामान्य लोगों के 205 नमूने थे शामिल

नई दिल्ली, प्रेट्र: एक नए अध्ययन में सामने आया है कि सेबन (त्वचा द्वारा स्रावित तेल) का प्रयोग करके कुत्तों को पार्किंसंस रोग के मरीजों की पहचान करने के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है। ब्रिस्टल और मैनचेस्टर विश्वविद्यालय की ओर से किए गए इस अध्ययन के दौरान दो कुत्तों को पार्किंसंस रोग वाले और न होने वाले लोगों से लिए गए सेबम (त्वचा द्वारा स्रावित तेल) के बीच की गंध को पहचानने के लिए प्रशिक्षित किया गया जिन्होंने उम्र से संबंधित न्यूरोलाजिकल विकार का पता लगाने में उच्च स्तर की सटीकता दिखाई।

द जर्नल आफ पार्किंसंस डिजीज नामक पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन के दौरान 38 से 53 सप्ताह तक दो कुत्तों को प्रशिक्षित किया गया जिसमें पार्किंसंस रोग वाले और न होने वाले व्यक्तियों से 205 सेबन के नमूने शामिल थे। बता दें, पार्किंसंस रोग तंत्रिका तंत्र का विकार है जो गति को प्रभावित करता है। इसके दौरान सबसे पहले हाथ कांपने शुरू होते हैं फिर अन्य लक्षण दिखाई देते हैं।

लेखिका पेरडिटा बैरन ने बताया कि नमूनों को कुत्तों के सामने प्रस्तुत किया गया जिन्हें सही सकारात्मक नमूने की पहचान करने और नकारात्मक नमूने को अनदेखा करने पर इनाम दिया गया। उन्होंने बताया कि कुत्तों ने सकारात्मक की पहचान में 80 प्रतिशत की सटीकता दर हासिल की। मुख्य लेखक निकोला रूनी ने कहा, 'इस अध्ययन में कुत्तों ने उच्च संवेदनशीलता और विशिष्टता हासिल की और यह दिखाया कि रोगियों के लिए एक विशिष्ट गंध होती है।''

अपेंडिक्स के मरीजों के लिए बड़ी राहत; अब सर्जरी में न खून बहेगा, न टांके लगेंगे

जागरण संवाददाता, कानपुर

गणेश शंकर विद्यार्थी मेमोरियल (जीएसवीएम) मेडिकल कालेज में बड़ा शोध हुआ है। हार्मोनिक स्कैल्पेल उपकरण की मदद से अपेंडिक्स की बिना रक्तस्राव और टांके के सर्जरी संभव हो सकेगी। जूनियर रेजिडेंट तृतीय वर्ष डा. अपूर्वा माथुर ने डा. श्रद्धा वर्मा और डा. प्रीयेश शुक्ला के मार्गदर्शन में 60 मरीजों पर शोध किया था। शोधकर्ताओं ने बताया कि इस उपकरण का प्रयोग अन्य सर्जरी में किया जाता था लेकिन देश में पहली बार इसकी मदद से अपेंडिक्स की सर्जरी की गई जो सफल रही। रिकवरी रेट को देखते हुए इस शोध को मेडिकल जर्नल क्यूरियस में प्रकाशित किया गया है। अब इसे 17 और 18 नवंबर को पेरिस में होने वाले पांचवें वर्ल्ड कांग्रेस आफ हेल्थ केयर एंड मेडिसिन में प्रस्तुत किया जाएगा।

▶ हार्मोनिक स्कैल्पेल उपकरण से जीएसवीएम के डाक्टरों ने किया शोध

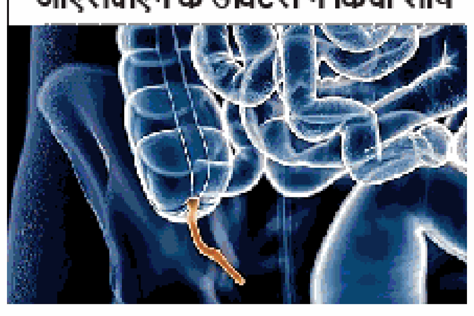

प्रतीकात्मक

वरिष्ठ सर्जन प्रो. जीडी यादव ने बताया कि टांकारहित लेप्रोस्कोपिक अपेंडिक्स सर्जरी पर हुए शोध को अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली है। शोध के दौरान अपेंडिक्स के 30 मरीजों की दूरबीन विधि से सर्जरी की गई। वहीं, 30 मरीजों की हार्मोनिक मशीन की मदद से सर्जरी हुई। इसमें टांके की जरूरत नहीं पड़ी। शोध में शामिल सभी 60 मरीजों की सर्जरी के परिणाम का आकलन किया गया तो दूरबीन विधि की तुलना में टांका रहित सर्जरी का रिकवरी रेट बेहतर रहा। सर्जरी कम समय में पूरी हुई और रक्तस्राव व जटिलता का खतरा भी बेहद कम रहा। शोधकर्ता डा. अपूर्वा माथुर ने बताया कि यह मशीन पेट में एक बेहद छोटा छेद करके अपेंडिक्स तक पहुंचती है। यह कुछ ही मिनट में अपेंडिक्स को काटकर अलग कर देती है। बाद में बिना टांका लगाए ही शेष भाग स्वतः ही जुड़ जाता है। इसमें रक्तस्राव नहीं होता। अपेंडिक्स एक छोटी अंगुली के आकार की थैली होती है। यह पेट के निचले दाहिने हिस्से में बड़ी आंत के शुरुआती हिस्से से जुड़ी होती है।

वेब सीरीज रिव्यू

मंडला मर्डर्स ★★★

मुख्य कलाकार : वाणी कपूर, सुरवी नचावला, वैभव राज गुप्ता, श्रिया पिलगांवकर, निर्देशक : गोपी पुथरन, मनन रावत, एपिसोड : आठ, प्रसारण प्लेटफार्म : नेटफ्लिक्स

रहस्य-रोमांच गढ़ती कहानी

विज्ञान और अलौकिक शक्तियों के बीच जद्दोजहद पर आधारित है वेब सीरीज मंडला मर्डर्स।

कहानी वर्ष 1952 में चरणदासपुर से शुरू होती है। वहां कुछ महिलाएं ऊर्जा को आयस्त यंत्र से परिवर्तित करके एक मृत व्यक्ति को जीवित करने का प्रयास करती हैं। वे आयस्ति समुदाय से हैं, जिनके साथ समाज ने अन्याय किया है। गांववाले उनका घर जला देते हैं। कहानी फिर 2025 में आती है। दिल्ली पुलिस से सस्पेंड विक्रम सिंह (वैभव राज गुप्ता) अपने पिता (मनु ऋषि चड्ढा) के साथ अपने गांव चरणदासपुर आ जाता है। उसे नदी में बिना धड़ की एक लाश मिलती है, जो उस फोटोग्राफर की है जो ट्रेन में उसका सहयात्री था। विक्रम इस केस के साथ अपनी मां की तलाश भी करता है, जो 20 साल पहले अपने छोटे बेटे की जान बचाने के लिए जंगल गई थीं। सीआइबी (सेंट्रल इंवेस्टिगेशन ब्यूरो) अफसर रिया थामस (वाणी कपूर) को जांच का जिम्मा सौंपा जाता है। फोटोग्राफर की मौत के मामले की पूछताछ अनन्या भारद्वाज (सुरवीन चावला) तक पहुंचती है जो बीमार पति की राजनीतिक पार्टी की कमान खुद संभालकर चुनाव लड़ने की तैयारी में है।

महेंद्र जाखड़ के उपन्यास द बुचर आफ बनारस पर आधारित इस कहानी का स्क्रीनप्ले व संवाद सह निर्देशक गोपी पुथरन ने अनुराग गोस्वामी, चिराग गर्ग, गैब गबरैल, मैट ग्राहम, अविनाश द्विवेदी के साथ मिलकर लिखे हैं। मानव बलि, राजनीति, पुलिस, काला जादू, वरदान, भारत का पहला न्यूक्लियर प्लांट जैसे मुद्दों के साथ कहानी अतीत और वर्तमान में चलती है। शो में इतनी परतें और पात्र हैं कि अगर एपिसोड को ध्यान से नहीं देखा, तो कड़ियां जोड़ने में दिक्कत होगी।

वैभव राज गुप्ता के साथ वाणी कपूर ने किया शानदार अभिनय। चित्र सौ. नेटफ्लिक्स

आयस्तियों का नई दुनिया बनाने और आयस्त यंत्र को अंगूठे का मोल चुकाकर वरदान मांगने का एंगल दिलचस्प है। मंडला की दुनिया को समझना अभी बाकी है, जो अगले सीजन का संकेत है। मर्दानी 2 में रानी मुखर्जी को दमदार अंदाज में दिखाने वाले निर्देशक गोपी ने इस सीरीज में मनन के साथ मिलकर अभिनेत्रियों को फिर मजबूती से पेश किया है। आर्ट और प्रोडक्शन डिजाइनर के साथ मिलकर सिनेमैटोग्राफर शाज मोहम्मद ने अतीत और वर्तमान के बीच अंतर को बखूबी दिखाया है।

सीआइबी अफसर रिया थामस के रोल में वाणी कपूर अतीत की तकलीफ और वर्तमान के काम के बीच झूलते हुए अच्छा अभिनय करती हैं। सुरवीन चावला भी पात्र को जीवंत करती हैं। वैभव राज गुप्ता साबित करते हैं कि वह कामेडी के अलावा गंभीर रोल सहजता से कर सकते हैं। आयस्तियों की महामणि रुकमणि के रोल में श्रिया पिलगांवकर अपने अभिनय से चौंकाती हैं। रघुबीर यादव, जमील खान समेत दूसरे कलाकार स्क्रिप्ट के दायरे में रहकर अच्छा काम करते हैं और अपनी भूमिका को साबित करते हुए दर्शकों पर छाप छोड़ते हैं। **प्रियंका सिंह**

★★★★★ उत्कृष्ट ★★★★ बहुत अच्छी ★★★ अच्छी ★★ औसत ★ औसत से कम

अपनी राय हमें जरूर बताएं : feature@jagran.com

इधर-उधर की

बिल्ली की चोरी की आदत से परेशान हुए पड़ोसी

वेलिंगटन, एजेंसी: न्यूजीलैंड में चोरी करने के लिए बदनाम एक बिल्ली चर्चा का विषय बन गई है। उसकी मालकिन हेलेन ने बताया कि 14 महीने की बिल्ली लियो ने पिछले नौ महीनों में लगभग 150 चोरी की चीजें घर लाई है। लियो की पसंदीदा वस्तुएं कपड़े और मोजे हैं। एक बार उसने टैग लगी एक महंगी जर्सी भी चुराई थी। चोरी के सामान लाने के बाद, वह उन्हें जमीन पर फेंक देती है और अपने काम में लग जाती है। हेलेन ने बताया कि रविवार लियो के लिए सबसे अच्छा दिन होता है क्योंकि उस दिन आस-पड़ोस में कपड़ों की कतारें भरी होती हैं। उन्होंने पड़ोसियों को लियो की चोरी की गई संपत्ति लौटाने के लिए एक व्हाट्सएप और फेसबुक ग्रुप का सहारा लिया है। लियो एक बार पांच फुट लंबा सांप भी घर ले आई थी।

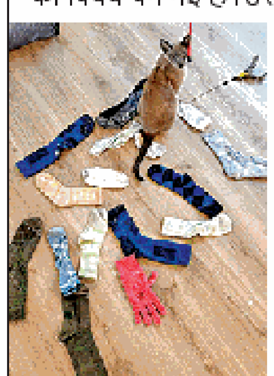

नौ महीनों में 150 चोरी की चीजें घर ले आई लियो। इंटरनेट मीडिया

दिल के लिए घातक हो सकती है डायबिटीज की एक आम दवा

अनुसंधान

डायबिटीज पीड़ित सावधान हो जाएं। एक नए अध्ययन में दावा किया गया है कि टाइप-2 डायबिटीज के लिए आम तौर पर इस्तेमाल होने वाली एक दवा दिल के लिए घातक हो सकती है। अमेरिका समेत कई देशों में टाइप-2 डायबिटीज के लिए सामान्य रूप से ग्लिपिजाइड नामक दवा उपयोग में लाई जाती है। इसका जुड़ाव हृदय संबंधित समस्याओं से हो सकता है।

मास जनरल ब्रिघम के शोधकर्ताओं ने करीब 50 हजार रोगियों के डाटा पर गौर किया जो विभिन्न सल्फोनीलुरिया दवाओं का सेवन कर रहे थे। डाइपेप्टिडाइल पेप्टिडेज-4 (डीपीपी-4) इनहिबिटर दवाओं के मुकाबले ग्लिपिजाइड दवा का उपयोग करने वाले मरीजों में हृदय रोग, अस्पताल में भर्ती होने और मौत का खतरा ज्यादा पाया गया। अध्ययन के नतीजों को जेएएमए नेटवर्क ओपन जर्नल में प्रकाशित किया गया है। ब्रिघम एंड विमेंस हास्पिटल के एंडोक्रिनोलाजी विभाग के शोधकर्ता अलेक्जेंडर टर्चिन ने कहा कि टाइप-2 डायबिटीज के मरीजों में स्ट्रोक और कार्डियक अरेस्ट जैसी दिल से जुड़ी समस्याओं का खतरा अधिक हो सकता है। उन्होंने बताया, 'सल्फोनीलुरिया दवाएं किफायती और ज्यादा प्रचलित हैं लेकिन इनके लंबे समय तक उपयोग का दिल पर क्या असर पड़ता है, इसकी जानकारी कम है जबकि डीपीपी-4 इनहिबिटर जैसी दवाएं हृदय के लिए ज्यादा सुरक्षित मानी जाती हैं।' टाइप-2 डायबिटीज से पीड़ित मरीजों में हृदय से संबंधित गंभीर बीमारियों का अधिक खतरा रहता है। अध्ययन के नतीजों से पता चलता है कि ग्लिपिजाइड का उपयोग करने वालों में दिल की बीमारी का खतरा डीपीपी-4 इनहिबिटर के मुकाबले 13 प्रतिशत अधिक पाया गया। (आइएएनएस)

प्रतीकात्मक

एआइ के बढ़ते कदम

चीन में ह्यूमनोइड रोबोट बिना किसी इंसानी मदद के काम कर रहे हैं। शंघाई में आयोजित विश्व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सम्मेलन के दौरान शनिवार को एक व्यक्ति एगिबोट बूथ पर एक ह्यूमनोइड रोबोट से सोडा का कैन प्राप्त करता हुआ। रायटर

स्क्रीन शाट

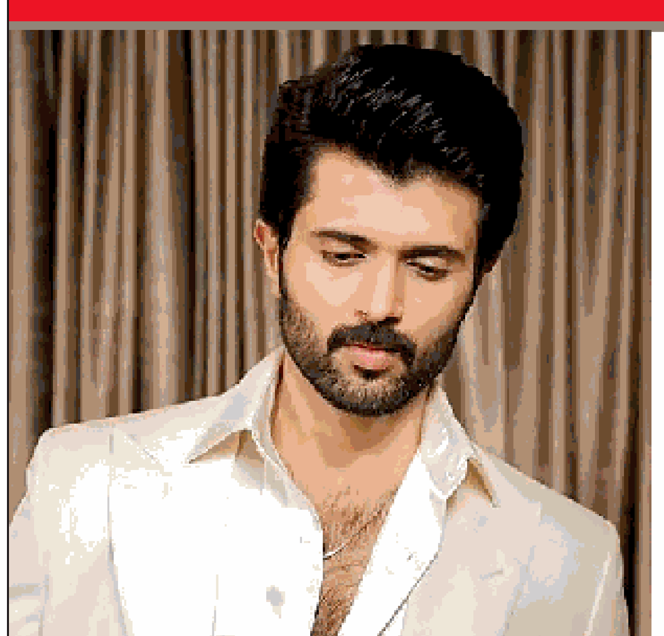

फिल्म के सेट पर हुई थी रश्मिका और विजय की दोस्ती। फाइल

विजय ने समझ ली वक्त की अहमियत

बढ़ती उम्र और समय के साथ व्यक्ति और उसके रिश्तों में बदलाव आता है। दक्षिण भारतीय अभिनेता विजय देवरकोंडा भी वक्त की अहमियत समझ गए हैं। तभी तो वह अपने परिवार और प्यार के साथ ज्यादा समय बिताना चाहते हैं। हाल ही में विजय ने कहा कि रिश्ता हर चीज से ऊपर होता है। मैं पिछले दो-तीन सालों में और परिपक्व हो गया हूं। मैंने जिंदगी जीना सीख लिया है। इससे पहले मैं ऐसा नहीं था। पिछले दो-तीन सालों से मुझे अपने जीने का तरीका पसंद नहीं आ रहा था। मैं अपने मम्मी-पापा, गर्लफ्रेंड और दोस्तों के साथ पर्याप्त समय नहीं बिता पा रहा था। अचानक एक दिन मुझे एहसास हुआ। अब मैं अपने लोगों, दोस्तों मम्मी-पापा और अपने रिश्ते के लिए समय निकालता हूं। पिछले कुछ सालों में, विजय का नाम अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ जोड़ा जा रहा है। भले ही विजय से सार्वजनिक तौर पर अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ रिश्तों पर स्वीकृति न भरी हो लेकिन दोनों की छुट्टियां मनाने की तस्वीरें अक्सर सामने आती रहती हैं। बताया जाता है कि साल 2018 की हिट फिल्म गीता गोविंदम और 2019 की फिल्म डियर कामरेड में साथ काम करने के बाद से ही दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। रश्मिका अक्सर विजय के घर से तस्वीरें पोस्ट करती रही हैं। उनके परिवार के साथ भी उनके अच्छे संबंध हैं।

टाक्सिक के बाद हुमा को खोसला का घोसला 2 में मिला मौका

कुछ फिल्मों की सीक्वल बनाने को लेकर समय-समय पर मांग उठती रहती है। साल 2006 में रिलीज हुई फिल्म खोसला का घोसला के भी काफी समय से सीक्वल बनने की खबरें आ रही थीं। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित इस फिल्म का निर्देशन दिबाकर बनर्जी ने किया था। फिल्म में अनुपम खेर और बमन ईरानी समेत कई कलाकार थे। सूत्रों के अनुसार, खोसला का घोसला 2 की शूटिंग इस साल के अंत तक शुरू हो जाएगी। निर्देशक उमेश बिष्ट और उनकी टीम ने स्क्रिप्ट ढूंढ ली है जो खोसला के घोसला की दुनिया को आगे बढ़ाएगी। स्क्रिप्ट फाइनल हो चुकी है, अब फिल्म की कास्टिंग पर काम चल रहा है। वहीं महारानी वेब सीरीज की अभिनेत्री हुमा कुरैशी का नाम लीड रोल के लिए फाइनल हो चुका है। उन्होंने फिल्म की कहानी सुनी है, जो उन्हें पसंद आई है। अभिनेता अनुपम खेर और बमन ईरानी इसके सीक्वल का हिस्सा होंगे या नहीं इसको लेकर फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है। खोसला का घोसला 2 की शूटिंग नवंबर से शुरू करने की योजना है जबकि अगले साल फिल्म को रिलीज किया जाएगा। मूल की तरह सीक्वल भी कामेडी एंटरटेनर होगी। इस फिल्म के अलावा भी हुमा गीतू मोहनदास निर्देशित पैन इंडिया फिल्म टाक्सिक का भी हिस्सा हैं जो अगले साल ईद पर रिलीज होगी। वही वह जाली एलएलबी 3 और वेब सीरीज महारानी 4 में भी नजर आएंगी।

यश के साथ नजर आएंगी हुमा। फाइल

जब 30 दिनों के काम के लिए श्वेता को मिलता था 45 दिनों का चेक

कुछ पुराने धारावाहिक ऐसे हैं जिनकी चर्चा आज भी होती है। क्योंकि सास भी कभी बहू थी शो तो नए अंदाज में लौट रहा है। टीवी पर काम कर चुकी अभिनेत्री श्वेता तिवारी का मानना है कि पहले स्टोरी टेलिंग की जो पावर थी, वह आज के मेकर में नहीं है। वह बताती हैं कि उन दिनों जब हम धारावाहिक की शूटिंग करते थे तो हम सोते नहीं थे। मैं 72 घंटे बिना रुके शूट करती थी। इसका कारण यह था कि मैं दोनों शिफ्ट सुबह सात से शाम के सात और शाम के सात से सुबह के सात में कई बार काम कर रही होती थी। हमारे साथ एकता कपूर (निर्माता) और उनकी टीम भी जागती थी। उनके 22 शो उस वक्त आन एयर थे। जब भी उन्हें फोन करो, वह एक रिंग में फोन उठा लेती थीं। वह दर्शकों को नहीं बल्कि खुद को खुश करने के लिए शोज बनाती थीं। अब तो सिर्फ टीआरपी की बात है। कोमोलिका (कसौटी जिंदगी की) के पात्र के लिए उर्वशी (ढोलकिया) खुद अपना मेकअप करती थीं। उन्हें एकता एक बार बता देती थीं कि ऐसा लुक चाहिए। वह कभी बाल कटवा देती थीं तो कभी खुद ही बिंदी को काटकर अलग सा बनाकर लगा लेती थीं। उनका हर लुक ओके हो जाता था। हर कोई अपने रोल के लिए इस तरह से मेहनत करता था।

आज के शोज को टीआरपी का खेल मानती हैं श्वेता तिवारी। फाइल

अब प्रोफेसर बनेंगे करणवीर

धारावाहिक में रोमांच लाने के लिए मेकर्स को कुछ न कुछ नया करते रहना पड़ता है। ऐसा ही कुछ हुआ है सोनी एंटरटेनमेंट के धारावाहिक आमी डाकिनी में भी। शो में नया मोड़ आ रहा है इसलिए इसमें अभिनेता करणवीर बोहरा प्रोफेसर बनकर आ रहे हैं। हालांकि, यह कोई आम प्रोफेसर नहीं होगा बल्कि उनका पात्र बेहद रहस्यमयी होगा। अपने पात्र को लेकर करणवीर कहते हैं कि जब मुझे प्रोफेसर का रोल आफर हुआ तो मैं बहुत उत्सुक हुआ। मैं काफी समय से इस धारावाहिक को देखता आ रहा हूं लेकिन कभी यह नहीं सोचा था कि मैं इसका इतना अहम हिस्सा बन जाऊंगा। प्रोफेसर का किरदार काफी दिलचस्प है। कोई नहीं जान सकता कि उसके दिमाग में क्या चल रहा है या वो आगे क्या करने वाला है। वो बुद्धिमान है, रहस्यमयी है। मुझे इस रोल में बहुत कुछ बारीकी से एक्सप्लोर करने का मौका मिला है। लोग मुझे इस रोल मे देखकर हैरान होंगे क्योंकि थोड़ा अलग तरह का प्रयोग होगा। वह काली शक्तियों पर कोई शोध कर रहा है। इसमें उसकी मदद के लिए उसके पास ढेर सारे उपकरण और औषधियां हैं। वह उस औषधि की जांच कर रहा है जो किसी व्यक्ति की दर्पण में दिखाई देने वाली छवि को बदल दे।

आमी डाकिनी शो में हुई करणवीर की एंट्री। टीम करणवीर

****